फाल्गुन कृष्ण पक्ष दशमी 12:22 उपरांत एकादशी विक्रम संवत 2082

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

बरेली

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण

लखनऊ बरेली कानपुर मुरादाबाद अयोध्या हल्द्वानी

गुरुवार, 12 फरवरी 2026, वर्ष 7, अंक 79, पृष्ठ 16 ■ मूल्य 6 रुपये

यूपी बजट 2026-27

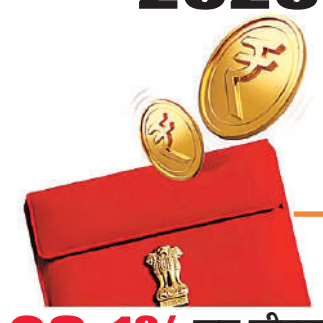

9.12 लाख करोड़ कुल बजट

19.5% पूंजीगत व्यय

12.4% शिक्षा आवंटन

6% स्वास्थ्य आवंटन

9% कृषि एवं संबद्ध क्षेत्र

23.1% ऋण-जीएसडीपी अनुपात लक्ष्य

योगी का बाहुबली बजट

नव निर्माण के **9** वर्ष

सुरेश कुमार खन्ना
वित्त मंत्री, उत्तर प्रदेश

अहम बातें

₹18,290 करोड़ से सिंचाई परियोजना

2100 नए राजकीय नलकूप

₹3,04,321 करोड़ से अधिक का गन्ना भुगतान

₹14,997 करोड़ चिकित्सा शिक्षा विभाग के लिए

₹37,956 करोड़ चिकित्सा व स्वास्थ्य सेवाएं। (आयुष्मान टॉप-अप 500 करोड़)

₹5,000 करोड़ से औद्योगिक विस्तार

₹3,822 करोड़ एमएसएमई के लिए

₹27,103 करोड़ अवसंरचना मद में

₹22,676 करोड़ नमामि गंगे/ग्रामीण जल मिशन

200 करोड़ एमओयू रक्षा औद्योगिक कॉरिडोर के लिए

65,926 करोड़ ऊर्जा क्षेत्र को

बजटीय सौगात

49.86 लाख टैबलेट/स्मार्टफोन

₹400 करोड़ से मेधावी बेटियों को स्कूटी

10,000 युवाओं को नौकरी

₹1374 करोड़ से पुलिस भवन निर्माण

₹200 करोड़ फायर स्टेशन के लिए

₹25 करोड़ से महिला बीट कर्मियों के लिए वाहन

₹34,468 करोड़ सड़क-सेतु के लिए

₹225 करोड़ से एआई मिशन की शुरुआत

यूपी अब अनलिमिटेड पोटेंशियल के साथ बना राजस्व सरप्लस राज्य

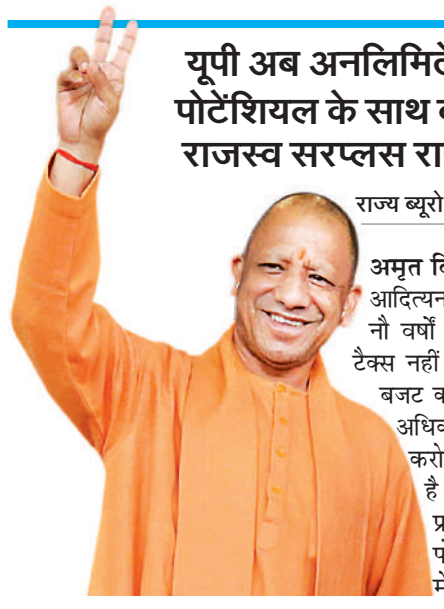

9 साल में कोई नया टैक्स नहीं, तीन गुना बढ़ा बजट : मुख्यमंत्री

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि पिछले नौ वर्षों में प्रदेश में कोई नया टैक्स नहीं लगाया गया, फिर भी बजट का आकार तीन गुना से अधिक बढ़कर 9.12 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गया है। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश अब "अनलिमिटेड पोटेंशियल स्टेट" के रूप में उभरा है और यह बजट उसी आत्मविश्वास का दस्तावेज है।

विधानसभा में वित्तीय वर्ष 2026-27 का बजट प्रस्तुत होने के बाद बुधवार को मुख्यमंत्री योगी ने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि यह उनके नेतृत्व में सरकार का दसवां बजट है। उन्होंने बताया कि 43,565 करोड़ रुपये नई योजनाओं के लिए प्रस्तावित किए गए हैं, जबकि दो लाख करोड़ रुपये से अधिक राशि पूंजीगत व्यय (कैपिटल एक्सपेंडिचर) के लिए रखी गई है। उनका कहना था कि परिसंपत्तियों के निर्माण और इन्फ्रास्ट्रक्चर विकास से ही रोजगार सृजन को गति मिलती है। मुख्यमंत्री ने कहा कि 2017 में प्रदेश में ऋण-जीएसडीपी अनुपात 30 प्रतिशत से अधिक था, जिसे घटाकर 27 प्रतिशत तक लाया गया। इस वित्तीय वर्ष में इसे 23 प्रतिशत तक लाने का लक्ष्य रखा गया है। उन्होंने कहा कि भारतीय रिजर्व बैंक की 30 प्रतिशत सीमा के भीतर रहते हुए उत्तर प्रदेश ने वित्तीय अनुशासन का उदाहरण प्रस्तुत किया है और आज प्रदेश रेवेन्यू सरप्लस स्टेट है।

स्टेट डेटा अथॉरिटी का होगा गठन

मुख्यमंत्री ने बताया कि प्रदेश में बेरोजगारी दर घटकर 2.24 प्रतिशत रह गई है। एमएसएमई, स्टार्टअप, ओडीओपी और स्थानीय उद्यमों को बढ़ावा देकर रोजगार के अवसर सृजित किए जा रहे हैं। इमर्जिंग टेक्नोलॉजी के तहत एआई मिशन और डेटा सेंटर क्लस्टर की स्थापना का प्रावधान किया गया है। स्टेट डेटा अथॉरिटी गठित की जाएगी, जो रियल टाइम डेटा मॉनिटरिंग के जरिए नीति निर्माण में मदद करेगी।

निवेश और ईज ऑफ डूइंग बिजनेस

मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि 50 लाख करोड़ रुपये से अधिक के निवेश प्रस्ताव प्रदेश में आए हैं। ईज ऑफ डूइंग बिजनेस में यूपी दूसरे स्थान पर पहुंचकर 'चीफ अचीवर स्टेट' बना है। डिजिटल इंटरप्रेन्योरशिप योजना को आगे बढ़ाया जाएगा और सिटी इकॉनमिक जोन विकसित किए जाएंगे।

कृषि और ग्रामीण फोकस

बजट में 23 लाख डीजल ट्यूबवेल को सोलर से जोड़ने की घोषणा की गई है। एससी-एसटी, महिला और लघु सीमांत किसानों को 90 प्रतिशत तक अनुदान मिलेगा। दो लाख मीट्रिक टन अतिरिक्त खाद्यान्न भंडारण क्षमता विकसित करने का लक्ष्य। गन्ना, दलहन-तिलहन, मत्स्य और पशुपालन क्षेत्र में विशेष प्रावधान किए गए हैं। पशुधन बीमा योजना में 85 प्रतिशत तक प्रीमियम सरकार वहन करेगी।

इंफ्रास्ट्रक्चर और स्किल हब

गंगा एक्सप्रेसवे के विस्तार, पूर्वांचल लिंक एक्सप्रेसवे और नए औद्योगिक क्लस्टर के लिए बजट में प्रावधान। हर जिले में स्किल डेवलपमेंट हब स्थापित किए जाएंगे। सुरक्षित नारी, सक्षम युवा, खुशहाल किसान और हर हाथ को काम इस बजट की मूल भावना है, जो उत्तर प्रदेश को देश की शीर्ष तीन अर्थव्यवस्थाओं में स्थापित करने की दिशा में आगे बढ़ा रहा है।

यूपी बजट 2026-27 विधानसभा में पेश करने जाते मुख्यमंत्री योगी तथा वित्त मंत्री सुरेश कुमार खन्ना।

मेगा बजट

स्वच्छताकर्मियों को सीधे अकाउंट में मिलेंगे 16 से 20 हजार रुपये बजट में किया गया प्रावधान

बजट 2026-27 में पूंजीगत व्यय, शिक्षा-स्वास्थ्य और कृषि पर योगी सरकार का विशेष फोकस

नव निर्माण के नौ वर्ष की थीम पर 43,565 करोड़ की नई योजनाएं

राज्य ब्यूरो, लखनऊ। अमृत विचार : विधानसभा में वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने वित्तीय वर्ष 2026-27 का बजट पेश करते हुए "नव निर्माण के नौ वर्ष" थीम के तहत 43,565 .33 करोड़ रुपये की नई योजनाओं का एलान किया। कुल बजट आकार 9,12,696 .35 करोड़ रुपये है, जो पिछले वर्ष से लगभग 12 .9 % अधिक। सरकार का कहना है कि यह बजट विकास, वित्तीय अनुशासन और भविष्य की तैयारी का संतुलित खाका है। एलान किया कि स्वच्छताकर्मियों को सीधे अकाउंट में 16 से 20 हजार रुपये मिलेंगे, इसका बजट में प्रावधान किया गया है। वित्त मंत्री सुरेश कुमार खन्ना ने सदन को बताया कि यह बजट राज्य की बढ़ती आर्थिक क्षमता, निवेश के अनुकूल माहौल और सुदृढ़ राजकोषीय प्रबंधन का परिणाम है। यह बजट न केवल राज्य की आर्थिक मजबूती को दर्शाता है, बल्कि दीर्घकालिक वित्तीय स्थिरता और सतत विकास की स्पष्ट रूपरेखा भी प्रस्तुत करता है। बजट 2026-27 सरकार की उस सोच को प्रतिबिंबित करता है, जिसमें विकास, वित्तीय अनुशासन और भविष्य की तैयारी तीनों को समान महत्व दिया गया है। इस बजट में अन्नदाता किसान, युवा, महिला, छात्र-छात्राओं समेत हर वर्ग का ध्यान रखा गया है।

राजकोषीय घाटा 3 प्रतिशत की सीमा में

उन्होंने बताया कि 16वें केंद्रीय वित्त आयोग की संस्तुतियों के अनुरूप वित्तीय वर्ष 2026-27 में राजकोषीय घाटे की सीमा 3 प्रतिशत निर्धारित की गई है, जो वर्ष 2030-31 तक लागू रहेगी। सरकार ने स्पष्ट किया कि वह राजकोषीय अनुशासन से किसी भी स्तर पर समझौता नहीं करेगी। उन्होंने बताया कि वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए राजकोषीय घाटा 1,18,480 .59 करोड़ रुपये अनुमानित है, जो राज्य के अनुमानित सकल राज्य घरेलू उत्पाद (जीएसडीपी) का 2 .98 प्रतिशत है। यह 3 प्रतिशत की निर्धारित सीमा के भीतर है और वित्तीय अनुशासन के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है। समग्र परिप्रेक्ष्य में, बजट 2026-27 में एक ओर जहां विकासोन्मुख नई योजनाओं का विस्तार है, वहीं दूसरी ओर राजस्व बचत और नियंत्रित राजकोषीय घाटे के माध्यम से वित्तीय स्थिरता बनाए रखने का स्पष्ट प्रयास किया गया है।

यूपी एआई मिशन और डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर

आईटी एवं इलेक्ट्रॉनिक्स विभाग के तहत 'उत्तर प्रदेश एआई मिशन' (यूपीएआई मिशन) शुरू किया जाएगा, जिसके अंतर्गत अगले तीन वर्षों में लगभग 2000 करोड़ रुपये के कार्यक्रम चरणबद्ध रूप से लागू किए जाएंगे। इसके लिए 225 करोड़ रुपये का बजट प्रावधान किया गया है। स्टेट डाटा सेंटर 2 .0 के लिए 100 करोड़ रुपये की व्यवस्था की गई है। इसके साथ नियोजन विभाग के अंतर्गत स्टेट डाटा अथॉरिटी की स्थापना के लिए 10 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। उद्योगों को प्रोत्साहन देने के लिए 53 विभागों में 'जन विश्वास सिद्धांत' लागू किया जाएगा। इसके लिए 10 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है।

एमएसएमई और रोजगार को बढ़ावा

सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम विभाग के तहत सरदार वल्लभभाई पटेल इंप्लॉयमेंट एंड इंडस्ट्रियल जोन की स्थापना के लिए 575 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। एक जनपद एक व्यंजन (ओडीओसी) योजना के लिए 75 करोड़ रुपये की व्यवस्था की गई है, जिससे स्थानीय खाद्य उत्पादों को पहचान और बाजार मिलेगा। इसके साथ ही, अवस्थापना एवं औद्योगिक विकास विभाग के अंतर्गत इंटरनेशनल फिल्म सिटी परियोजना को आगे बढ़ाने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है, जिससे प्रदेश में फिल्म उद्योग और रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे।

अंतरराष्ट्रीय महिला किसान वर्ष और एफपीओ को मजबूती

संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा वर्ष 2026 को अंतरराष्ट्रीय महिला किसान वर्ष घोषित किए जाने के मद्देनजर सरकार ने किसान उत्पादक संगठनों (एफपीओ) के लिए रिवॉल्विंग फंड योजना के अंतर्गत 150 करोड़ रुपये का कोष नाबार्ड की सहभागी संस्था 'नैब किसान' के साथ मिलकर स्थापित करने का निर्णय लिया है। इसमें सरकार 75 करोड़ रुपये का अंशदान देगी। प्रत्येक पात्र एफपीओ को अधिकतम 50 लाख रुपये तक की ऋण सीमा उपलब्ध कराई जाएगी। इसके अतिरिक्त, यूपी एग्रीज के अंतर्गत प्रदेश में एग्री एक्सपोर्ट हब की स्थापना के लिए 245 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। इसका उद्देश्य कृषि उत्पादों के निर्यात को बढ़ावा देना और किसानों को वैश्विक बाजार से जोड़ना है। मुख्यमंत्री कृषक समृद्धि योजना के तहत 38 करोड़ रुपये का बजट प्रावधान किया गया है। साथ ही प्रदेश में 2 लाख मीट्रिक टन अतिरिक्त खाद्यान्न भंडारण क्षमता विकसित की जाएगी, जिसके लिए 25 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। इसके अलावा, बजट में स्वच्छताकर्मियों को बड़ा तोहफा देते हुए उनके अकाउंट में सीधे 16 से 20 हजार रुपये भेजने का भी प्राविधान किया गया है। इसके लिए सारी तैयारियां लगभग पूरी हो चुकी हैं। जल्द ही स्कीम का फायदा स्वच्छताकर्मियों को मिलेगा।

ऋण प्रबंधन में योगी सरकार की बड़ी उपलब्धि

वित्त मंत्री ने बताया कि वर्ष 2016-17 में राज्य को 29 .3 प्रतिशत ऋण-जीएसडीपी की अर्थव्यवस्था विरासत में मिली थी, जिसे 2019-20 तक घटाकर 27 .9 प्रतिशत कर दिया गया। हालांकि कोविड-19 महामारी के कारण यह अनुपात वर्ष 2021-22 में बढ़कर 33 .4 प्रतिशत हो गया था, लेकिन सुनियोजित राजकोषीय प्रबंधन के चलते वर्ष 2024-25 में इसे पुन: 27 प्रतिशत से नीचे लाया गया है। सरकार ने आगामी वित्तीय वर्ष 2026-27 में ऋण-जीएसडीपी अनुपात को 23 .1 प्रतिशत तक लाने का लक्ष्य तय किया है। इतना ही नहीं, बजट के साथ प्रस्तुत मध्यकालीन राजकोषीय नीति में इसे चरणबद्ध रूप से 20 प्रतिशत से नीचे लाने का संकल्प भी दोहराया गया है। इसका उद्देश्य राज्य की दीर्घकालिक वित्तीय स्थिरता और सतत विकास सुनिश्चित करना है।

शिक्षा, स्वास्थ्य और कृषि को प्राथमिकता

वित्त मंत्री ने बताया कि बजट में 19 .5 प्रतिशत पूंजीगत परिव्यय का प्रावधान किया गया है, जो आधारभूत ढांचे, औद्योगिक विकास, सड़क, ऊर्जा और शहरी-ग्रामीण अधोसंरचना को नई गति देगा। पूंजीगत निवेश से रोजगार सृजन होगा और आर्थिक गतिविधियों को मजबूती मिलेगी। योगी सरकार ने सामाजिक क्षेत्रों को बजट में प्रमुख स्थान दिया है। इसके अंतर्गत शिक्षा के लिए कुल बजट का 12 .4 प्रतिशत, स्वास्थ्य एवं चिकित्सा के लिए 6 प्रतिशत और कृषि एवं सम्बद्ध सेवाओं के लिए 9 प्रतिशत का आवंटन किया गया है। यह स्पष्ट संकेत है कि सरकार मानव संसाधन विकास और किसानों की आय बढ़ाने को विकास की धुरी मानकर चल रही है।

19.5

प्रतिशत पूंजीगत परिव्यय का प्रावधान

शिक्षकों और कर्मचारियों को कैशलेस चिकित्सा सुविधा

बेसिक शिक्षा परिषद के विद्यालयों में कार्यरत शिक्षकों, शिक्षामित्रों, विशेष शिक्षकों, अनुदेशकों, कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय के कार्मिकों तथा पीएम पोषण योजना की रसोइयों एवं उनके आश्रितों को कैशलेस चिकित्सा सुविधा देने के लिए 357 .84 करोड़ रुपये का प्रस्ताव किया गया है। माध्यमिक विद्यालयों के शिक्षकों के लिए 89 .25 करोड़ रुपये की व्यवस्था की गई है। प्रदेश के विद्यालयों में अध्ययनरत छात्राओं को निशुल्क सैनेटरी नैपकिन उपलब्ध कराने के लिए 300 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है, जिससे स्वास्थ्य, स्वच्छता और स्कूल उपस्थिति में सुधार की उम्मीद है। स्नातक एवं स्नातकोत्तर छात्रों के लिए एआई प्रमाणन शुल्क प्रतिपूर्ति योजना के लिए 10 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। इसके साथ ही मुख्यमंत्री विद्यालक्ष्मी योजना के अंतर्गत मेधावी छात्रों के शिक्षा ऋण पर अतिरिक्त ब्याज सब्सिडी के लिए 30 करोड़ रुपये प्रस्तावित किए गए हैं।

सिटी इकोनॉमिक रीजन योजना

वाराणसी रीजन चयनित

केंद्रीय बजट 2026-27 के अंतर्गत सिटी इकोनॉमिक रीजन योजना में 7 रीजन की पहचान की गई है, जिनमें वाराणसी रीजन भी शामिल है। नीति आयोग की जनवरी 2026 की रिपोर्ट में काशी-विन्ध्य क्षेत्र को 'इकोनॉमिक हब' के रूप में विकसित करने का प्रस्ताव है, जिसमें 34 प्राथमिकता परियोजनाओं के माध्यम से स्वास्थ्य, शिक्षा, कौशल, पर्यटन, विनिर्माण, ऊर्जा और आवास क्षेत्रों में समेकित विकास किया जाएगा।

बजट में पूंजीगत निवेश को विशेष प्राथमिकता

राज्य सरकार ने कुल 9,12,696 .35 करोड़ रुपये के व्यय का प्रस्ताव रखा है, जिसमें पूंजीगत निवेश को विशेष प्राथमिकता दी गई है। इसमें से 6,64,470 .55 करोड़ रुपये राजस्व लेखा व्यय तथा 2,48,225 .81 करोड़ रुपये पूंजी लेखा व्यय के रूप में निर्धारित किए गए हैं। पूंजीगत व्यय का यह उच्च स्तर राज्य में दीर्घकालिक परिसंपत्तियों के निर्माण, आधारभूत संरचना के विस्तार और आर्थिक गतिविधियों को गति देने की स्पष्ट प्रतिबद्धता को दर्शाता है। वित्त मंत्री ने बताया कि समेकित निधि की प्राप्तियों में से कुल व्यय घटाने पर 64,463 .17 करोड़ रुपये का घाटा अनुमानित है। वहीं लोक लेखे से 9,500 करोड़ रुपये की शुद्ध प्राप्तियां अनुमानित की गई हैं। इन दोनों को समायोजित करने पर समस्त लेन-देन का शुद्ध परिणाम 54,963 .17 करोड़ रुपये ऋणात्मक आंका गया है, जो वित्तीय प्रबंधन के संतुलन की आवश्यकता को इंगित करता है। वित्त मंत्री ने बताया कि प्रारंभिक शेष 96 .41 करोड़ रुपये ऋणात्मक को जोड़ने पर अंतिम शेष 55,059 .58 करोड़ रुपये ऋणात्मक अनुमानित है। एक सकारात्मक संकेत यह भी है कि राजस्व बचत 64,457 .57 करोड़ रुपये अनुमानित की गई है, जो दर्शाता है कि राज्य की नियमित आय उसके नियमित व्यय से अधिक है और राजकोषीय संतुलन को बनाए रखने में सहायता कर रही है।

महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण पर विशेष जोर

यूपी बजट में महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण पर विशेष जोर दिया गया है। स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी महिलाओं को उद्यमी बनाने के उद्देश्य से उत्तर प्रदेश महिला उद्यमी क्रेडिट कार्ड योजना के तहत 200 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। इसके माध्यम से महिलाओं को आसान, ब्याज-मुक्त एवं चरणबद्ध पूंजी उपलब्ध कराकर 'लखपति दीदी' लक्ष्य को गति दी जाएगी। वहीं महिला उद्यमियों द्वारा उत्पादित सामान की बिक्री सुनिश्चित करने के लिए मुख्यमंत्री महिला उद्यमी उत्पाद विपणन योजना के अंतर्गत 100 करोड़ रुपये का बजट रखा गया है। इस योजना के तहत रेलवे स्टेशन, बस स्टेशन, एयरपोर्ट और बड़े बाजारों में महिलाओं द्वारा संचालित शोरूम व दुकानों की व्यवस्था की जाएगी, जिनका किराया शुरुआती तीन वर्षों तक राज्य सरकार वहन करेगी।

नई योजनाओं और सुदृढ़ वित्तीय संरचना की दिशा में बड़ा कदम

प्रदेश सरकार ने अपने बजट में 43,565 .33 करोड़ रुपये की नई योजनाओं को शामिल किया है, जिनका उद्देश्य अधोसंरचना विकास, सामाजिक क्षेत्र के सुदृढ़ीकरण और उत्पादक निवेश को गति देना है। यह प्रावधान राज्य की दीर्घकालिक आर्थिक वृद्धि और समावेशी विकास की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। राज्य की कुल प्राप्तियां 8,48,233 .18 करोड़ रुपये अनुमानित की गई हैं। इसमें से राजस्व प्राप्तियां 7,28,928 .12 करोड़ रुपये तथा पूंजीगत प्राप्तियां 1,19,305 .06 करोड़ रुपये निर्धारित हैं। राजस्व प्राप्तियों में कर राजस्व का बड़ा हिस्सा 6,03,401 .76 करोड़ रुपये है। इसमें स्वयं का कर राजस्व 3,34,491 करोड़ रुपये तथा केंद्रीय करों में राज्य का अंश 2,68,910 .76 करोड़ रुपये शामिल है। यह वित्तीय संरचना स्पष्ट रूप से दर्शाती है कि राज्य की आय में स्वयं के संसाधनों की भूमिका लगातार मजबूत हो रही है, जिससे राज्य आर्थिक रूप से अधिक आत्मनिर्भर और सशक्त बनता जा रहा है।

विधान सभा में यूपी बजट 2026-27 की प्रस्तुति का दृश्य।

श्रमजीवी महिला छात्रावास के लिए 80 करोड़ रुपये का बजट

मुख्यमंत्री श्रमजीवी महिला छात्रावास योजना के अंतर्गत गौतमबुद्धनगर, गाजियाबाद और लखनऊ में निर्माण कार्य चल रहा है। अन्य जनपदों (अयोध्या, बरेली, अलीगढ़, मिर्जापुर, सहारनपुर एवं मुरादाबाद) में विस्तार के लिए 80 करोड़ रुपये का बजट प्रस्तावित है। जनमानस के स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए एसजीपीजीआई में क्वाटर्नरी हेल्थ केयर सुविधा प्रारंभ करने के लिए 359 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। इसके साथ ही कैंसर मिशन के अंतर्गत हब एवं स्पोक मॉडल पर राज्य स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभागों तथा निजी क्षेत्र के समन्वय से कैंसर उपचार व्यवस्था को मजबूत किया जाएगा।

डीजल से सोलर की ओर बड़ा कदम

बजट में विशेष रूप से कृषि विभाग के अंतर्गत डीजल पंप सेट को सोलर पंप में परिवर्तित करने की महत्वाकांक्षी योजना के लिए 637 .84 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। इससे किसानों की डीजल पर निर्भरता कम होगी, लागत घटेगी और स्वच्छ ऊर्जा के उपयोग को बढ़ावा मिलेगा। यह कदम कृषि क्षेत्र में हरित ऊर्जा संक्रमण की दिशा में महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

यूपी बजट 2026-27 : चुनावी वर्ष में विकास का संतुलित संदेश

विशेष टिप्पणी

● राजेश श्रीनेत

उत्तर प्रदेश में प्रस्तावित विधानसभा चुनाव से पहले 9.13 लाख करोड़ रुपये का बजट पेश कर सरकार ने स्पष्ट संकेत दिया है कि वह चुनावी माहौल में भी विकास के एजेंडे को केंद्र में रखना चाहती है। विधान सभा में पेश यह बजट आकार में पिछले साल से लगभग 12.2 प्रतिशत बड़ा है और पूंजीगत व्यय को 19.5 प्रतिशत तक बनाए रखते हुए दीर्घकालिक आधारभूत संरचना निर्माण पर जोर देता है। राजनीति के नजरिये से देखें तो यह केवल आय व्यय का ब्यौरा नहीं, बल्कि सरकार की प्राथमिकताओं और चुनावी रणनीति का संकेत भी है।

चुनावी वर्ष के बजट अक्सर तात्कालिक राहत और लोकलुभावन घोषणाओं के लिए जाने जाते हैं, किंतु इस बजट में राजकोषीय घाटे को तीन प्रतिशत की सीमा में रखने की प्रतिबद्धता वित्तीय अनुशासन का संदेश देती है। इससे लगता है कि सरकार विकास और स्थिरता के बीच संतुलन बनाए रखना चाहती है। निवेशकों के लिए यह संकेत महत्वपूर्ण है कि राज्य की वित्तीय सेहत नियंत्रित दायरे में है और बड़े बुनियादी प्रकल्पों के लिए संसाधन उपलब्ध कराए जा रहे हैं।

स्वास्थ्य, शिक्षा और कृषि जैसे क्षेत्रों में किए गए प्रावधान भी चुनावी दृष्टि से महत्वपूर्ण हैं। चिकित्सा शिक्षा के लिए उल्लेखनीय आवंटन, नए मेडिकल कॉलेजों की स्थापना और स्वास्थ्य बजट में वृद्धि ग्रामीण और अर्द्धशहरी क्षेत्रों में आधारभूत सुविधाओं को मजबूत करने का प्रयास है। यह उन मतदाताओं के लिए संदेश है जो सार्वजनिक स्वास्थ्य ढांचे में सुधार की अपेक्षा रखते हैं। युवा मतदाताओं को ध्यान में रखते हुए आईटी, इलेक्ट्रॉनिक्स और एआई मिशन के लिए अलग से प्रावधान किए गए हैं। डिजिटल कौशल, स्टार्टअप संस्कृति और तकनीकी निवेश को बढ़ावा देना यह दर्शाता है कि सरकार नई पीढ़ी को अवसरों से जोड़ना चाहती है। टैबलेट और स्मार्टफोन वितरण जैसी योजनाएं राजनीतिक दृष्टि से भी संवाद का माध्यम बनती हैं। हालांकि, युवाओं की अपेक्षाएं अब केवल उपकरणों से आगे बढ़कर गुणवत्तापूर्ण और स्थायी रोजगार के अवसरों पर केंद्रित हैं। इस दिशा में घोषित निवेश और संभावित रोजगार के आंकड़ों का धरातल पर क्रियान्वयन ही वास्तविक कसौटी होगा।

औद्योगिक विकास के क्षेत्र में डिफेंस इंडस्ट्रियल कॉरिडोर, एमएसएमई प्रोत्साहन और निवेश नीति के लिए प्रावधान यह संकेत देते हैं कि सरकार राज्य को विनिर्माण और निर्यात केंद्र के रूप में स्थापित करना चाहती है। बड़े निवेश के समझौते और संभावित रोजगार सृजन के अनुमान चुनावी विमर्श में विकास आधारित राजनीति को बल देते हैं। फिर भी यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि इन परियोजनाओं का लाभ स्थानीय युवाओं और छोटे उद्यमियों तक कितनी तेजी से पहुंचता है। कृषि क्षेत्र में सिंचाई विस्तार, फसल सघनता में वृद्धि और उत्पादन में बढ़ोतरी के आंकड़े ग्रामीण अर्थव्यवस्था की मजबूती को रेखांकित करते हैं। ऊर्जा क्षेत्र में उत्पादन क्षमता में वृद्धि और सौर परियोजनाओं का विस्तार राज्य को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में संकेत है।

हालांकि आलोचनात्मक दृष्टि से यह भी कहा जा सकता है कि चुनावी वर्ष में घोषित योजनाओं के क्रियान्वयन की गति और पारदर्शिता पर विशेष ध्यान देना होगा। बड़े बजट का वास्तविक प्रभाव तभी दिखाई देगा जब योजनाएं समयबद्ध ढंग से पूरी हों और लाभ लक्षित वर्गों तक पहुंचे। समग्र रूप से देखें तो मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रस्तुत यह बजट विकास, निवेश और वित्तीय अनुशासन के संतुलन का प्रयास है। इसमें चुनावी संदर्भ की झलक अवश्य है, परंतु अत्यधिक लोकलुभावन रुख से बचते हुए दीर्घकालिक दृष्टि को सामने रखा गया है। मतदाता इस बात का मूल्यांकन करेंगे कि घोषित योजनाएं जमीन पर कितनी प्रभावी सिद्ध होती हैं। फिलहाल यह बजट विकास और विश्वास के संदेश के साथ चुनावी वर्ष की राजनीतिक पृष्ठभूमि को आकार देता हुआ दिखाई देता है।

केंद्रीय करों के हिस्सेदारी में से किसी राज्य का हिस्सा नहीं घटाया : सीतारमण-12

भारत-अमेरिका समझौते में संवेदनशील क्षेत्र पूरी तरह संरक्षित : वाणिज्य सचिव-12

चीन ने कहा- आपसी मतभेदों को रणनीतिक और दीर्घकालिक दृष्टिकोण से देखे भारत-13

दक्षिण अफ्रीका की अफगानिस्तान पर दूसरे सुपर ओवर में रोमांचक जीत-14

आज का मौसम

24.0° अधिकतम तापमान

11.0° न्यूनतम तापमान

सूर्योदय 06.54

सूर्यास्त 05.59

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

बरेली

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण

लखनऊ बरेली कानपुर मुरादाबाद अयोध्या हल्द्वानी

फाल्गुन कृष्ण पक्ष दशमी 12:22 उपरांत एकादशी विक्रम संवत 2082

गुरुवार, 12 फरवरी 2026, वर्ष 7, अंक 79, पृष्ठ 16 ■ मूल्य 6 रुपये

न्यूज ब्रीफ

उज्ज्वल निकम को नामित किए जाने पर याचिका दायर की

नई दिल्ली। कई हत्याओं के आरोपी गैंगस्टर विजय पलांडे ने बुधवार को अपने मामले में वकील उज्ज्वल निकम को विशेष लोक अभियोजक (एसपीपी) नामित किए जाने के खिलाफ उच्चतम न्यायालय में याचिका दायर की। अपनी याचिका में पलांडे ने दलील दी कि राज्यसभा सदस्य के रूप में नामित होने के कारण निकम इस मामले में एसपीपी नहीं रह सकते, क्योंकि यह लाभ के पद पर आसीन होने के बराबर होगा। निकम ने 2024 के लोकसभा चुनाव में मुंबई उत्तर मध्य लोकसभा क्षेत्र से भाजपा उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ा था। उन्हें कांग्रेस की वर्षा गायकवाड़ से 16,000 से अधिक वोटों से हार का सामना करना पड़ा था।

भारतीय सेना से मिजोरम की साझेदारी, स्थानीय स्तर पर बढ़ेगी भर्ती

आइजोल। मिजोरम युवा आयोग (एमवाईसी) ने भारतीय सशस्त्र बलों में राज्य के युवाओं की भागीदारी बढ़ाने के उद्देश्य से बुधवार को सेना भर्ती कार्यालय (एआरओ) के साथ एक रणनीतिक साझेदारी की घोषणा की। एक अधिकारी ने बताया कि यहां एआरओ मुख्यालय में 'यंग मिजो एसोसिएशन' के अध्यक्ष मालसॉमजुआला राल्ते और एआरओ निदेशक कर्नल प्रकाश कुमार सिंह के बीच हुई उच्चस्तरीय बैठक के बाद इस सहयोग को अंतिम रूप दिया गया।

नरवणे की किताब पर जांच में शामिल होने के लिए पेंगुइन को नोटिस

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस के विशेष प्रकोष्ठ ने पेंगुइन रैंडम हाउस इंडिया को नोटिस जारी कर पूर्व सेना प्रमुख जनरल मनोज मुकुंद नरवणे की अप्रकाशित पुस्तक को सोशल मीडिया पर उपलब्ध कराने के संबंध में स्पष्टीकरण मांगा है। यह नोटिस ऐसे समय में जारी किया गया जब पुस्तक की स्थिति और अनधिकृत संस्करणों के कथित अवैध प्रसार के विरोध में दावे किए जा रहे हैं जिससे प्रकाशक, पूर्व सेना प्रमुख और वरिष्ठ राजनीतिक हस्तियां एक व्यापक सार्वजनिक विवाद में शामिल हो गई हैं।

योगी ने 10वीं बार बजट पेश कर इकलौते मुख्यमंत्री होने का रिकार्ड अपने नाम किया

प्रदेश का बजट-2026 पेश करने जाते मुख्यमंत्री योगी, साथ में वित्त मंत्री सुरेश खन्ना।

महाबजट @9.12 लाख करोड़

- विकास और वित्तीय अनुशासन का संतुलन निवेश, रोजगार और कल्याण पर फोकस
- उच्च शिक्षा की मेधावी बेटियों को मिलेगी स्कूटी सिंचाई, बीमा एवं मुफ्त बिजली पर भी जोर

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : लोकलुभावन घोषणाओं के महाबजट के साथ बुधवार को मुख्यमंत्री योगी ने लगातार 10वीं बार बजट पेश कर इकलौते मुख्यमंत्री होने का रिकार्ड भी अपने नाम कर लिए। वित्तीय वर्ष 2026-27 के बजट का कुल आकार 9,12,696.35 करोड़ रुपये रखा गया है, जो पिछले वर्ष की तुलना में लगभग 12.9 प्रतिशत अधिक है। इसमें विकास और वित्तीय अनुशासन का संतुलन दिखा। 10 लाख युवाओं को रोजगार, लड़कियों की शादी के लिए एक लाख रुपये समेत मेधावी बेटियों को स्कूटी के एलान से युवा मतदाताओं और सिंचाई, बीमा व मुफ्त बिजली से किसानों को साधने की कोशिश हुई है।

योगी सरकार ने बुधवार को विधानसभा में वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए अब तक का सबसे बड़ा 912696 करोड़ का बजट पेश किया। यह बजट पिछले वर्ष की तुलना में करीब 13 प्रतिशत अधिक है। पूंजीगत व्यय 19.5 प्रतिशत रखा गया है, जिससे साफ है कि सरकार इंफ्रास्ट्रक्चर और दीर्घकालिक विकास पर बड़ा दांव खेल रही है। राजकोषीय घाटा 3 प्रतिशत की सीमा में रखने और ऋण-जीएसडीपी अनुपात 23.1 प्रतिशत तक लाने का लक्ष्य वित्तीय अनुशासन का संकेत देता है। शिक्षा, कृषि, स्वास्थ्य, कौशल विकास और महिला सशक्तीकरण पर विशेष ध्यान दिया गया है। वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने बजट पेश भाषण में सरकार की उपलब्धियां गिनाते हुए कहा कि प्रदेश में 10 लाख युवाओं को रोजगार देने का लक्ष्य रखा गया है। वहीं, लड़कियों की शादी के लिए एक लाख रुपये की सहायता देने की घोषणा भी की गई है। बजट में नौकरीपेशा, कामगार, व्यापारी-उद्यमी समेत सबके लिए राहत और तरक्की का पिटारा है। यह बजट चुनावी वर्ष से पहले सरकार का विकास और रोजगार केंद्रित रोडमैप माना जा रहा है, जिसमें निवेश और सामाजिक योजनाओं के संतुलन के जरिए व्यापक मतदाता वर्ग को साधने की कोशिश दिखती है। फोकस सेक्टर इंफ्रास्ट्रक्चर, सिंचाई, मेडिकल शिक्षा, एमएसएमई, ऊर्जा, डिजिटल एवं एआई मिशन है। इसका विकसित यूपी @-2047 से तालमेल है।

महिलाओं के लिए अलग प्रशिक्षण केंद्र

बजट भाषण में वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने कहा कि सरकार ने युवाओं को रोजगार योग्य बनाने के लिए मिशन मोड में कौशल संवर्धन अभियान चलाने की घोषणा की है। पीपीपी मोड में कौशल संवर्धन और जॉब प्लेसमेंट केंद्र विभिन्न जनपदों में स्थापित किए जाएंगे। महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने के लिए अलग प्रशिक्षण केंद्र बनाए जाएंगे। कौशल विकास प्रशिक्षण केंद्रों की क्षमता बढ़ाई जाएगी और नए केंद्र खोले जाएंगे। निजी क्षेत्र की सहभागिता सुनिश्चित की जाएगी। वित्त मंत्री ने कहा कि जिस व्यक्ति के पास कौशल है, वह कभी बेरोजगार नहीं रह सकता। इसलिए युवाओं को बड़े पैमाने पर प्रशिक्षण दिया जाएगा।

एग्री-एक्सपोर्ट हब किए जाएंगे स्थापित

बजट में डिजिटल इंटरप्रेन्योरशिप योजना लागू करने की घोषणा की गई है। खन्ना कहा कि ईज ऑफ डूइंग बिजनेस के अगले चरण में जनविश्वास सिद्धांत के आधार पर पंजीकरण और लाइसेंसिंग प्रक्रियाओं को और सरल बनाया जाएगा। विश्व बैंक सहायतित यूपी एग्रीज परियोजना के अंतर्गत एग्री-एक्सपोर्ट हब स्थापित किए जाएंगे। एसडीजी इंडिया इंडेक्स में उत्तर प्रदेश की रैंकिंग 29वें स्थान से सुधरकर 18वें स्थान पर पहुंच चुकी है। फरवरी 2024 में आयोजित ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के बाद लगभग 50 लाख करोड़ रुपये के एमओयू हस्ताक्षरित हुए, जिनसे 10 लाख रोजगार सृजन की संभावना है। इनमें से 15 लाख करोड़ रुपये के निवेश से जुड़ी 16 हजार से अधिक परियोजनाओं के ग्राउंड ब्रेकिंग समारोह हो चुके हैं।

लूटपाट और हत्या के तीन दोषियों को उम्रकैद

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

- 14 अक्टूबर 2018 की शाम नौकर ने अपने साथियों की मदद से की थी हत्या

अमृत विचार: शहर के उमेश जनरल स्टोर के मालिक की पत्नी की उनके ही नौकर और दो सहयोगियों ने लूट करके हत्या की थी। विशेष न्यायाधीश दस्यु प्रभावित क्षेत्र रिंकू ने तीनों आरोपियों को दोषी पाते हुए उम्रकैद की सजा सुनाई है। साथ ही 80-80 हजार रुपये जुर्माना लगाया है।

अभियोजन पक्ष के अनुसार वादी मुकदमा उमेश चंद्र रस्तोगी पुत्र स्व. कृष्ण कांति स्वरूप ने कोतवाली सिविल लाइन पुलिस को 14 अक्टूबर 2018 को तहरीर दी। जिसमें बताया कि उनकी पत्नी अरुणा रस्तोगी घर पर अकेली थी। बेटा नितिन और बहू पूजा एक समारोह में शामिल होने के लिए कासगंज के आगे मारहरा गए थे। उमेश चंद्र नौकरों के साथ दुकान पर थे। शाम लगभग छह बजे उनके घर पर काम करने वाली महिला प्रिया घर पर पहुंची। पत्नी को घर के फर्श पर घायल अवस्था में तपड़ते देखा तो बेटे और पुत्रवधू को फोन करके सूचना दी। उमेश चंद्र तुरंत घर पहुंचे तो उनकी पत्नी रसोइघर में खून से लथपथ पड़ी थीं। उनकी मौत हो चुकी थी। सूचना मिलने पर पुलिस पहुंची और रिपोर्ट दर्ज कर विवेचना की। इस दौरान घर के नौकर शिवम मौर्य और उसके साथ सोनू मौर्य व दिलीप मौर्य के नाम सामने आए। पुलिस ने 15 अक्टूबर को शिवम मौर्य और उसके साथियों की निशानदेही पर सोनू के मकान के कमरे के संदूक से एक काले रंग का बैग बरामद किया। जिसमें 20 लाख रुपये बरामद हुए। पुलिस ने हत्या में प्रयुक्त चाकू और जले हुए कपड़े बरामद किए।

न्यायालय में सिविल लाइन कोतवाली क्षेत्र के गांव खेड़ा बुजुर्ग निवासी शिवम मौर्य पुत्र राधेश्याम मौर्या, दिलीप मौर्य पुत्र राम किशोर, सोनू मौर्य पुत्र सुरेश मौर्य पर लूटपाट और हत्या करने के आरोप का मुकदमा चलाया गया। न्यायाधीश ने पत्रावली पर उपलब्ध साक्ष्य का अवलोकन किया। सहायक शासकीय अधिवक्ता राजेश बाबू शर्मा व बचाव पक्ष के अधिवक्ता की दलीलों को सुनने के बाद तीनों को दोषी पाते हुए सजा सुनाई है।

समुद्र में क्रैश लैंडिंग

सोमालिया की राजधानी मोगादिशु में समुद्र में एक यात्री विमान की क्रैश लैंडिंग होने से हड़कंप मच गया है। एडेन अब्दुले हवाई अड्डे से उड़ान भरने के कुछ मिनट बाद विमान में तकनीकी खराबी आ गई, जिसके कारण पायलट को आपातकालीन लैंडिंग करनी पड़ी।

रामपुर सीआरपीएफ शिविर पर आतंकी हमला मामले में सुनवाई करेगी सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली, एजेंसी

- उत्तर प्रदेश सरकार की हाईकोर्ट को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई को हुई सहमत
- 2007 के आतंकी हमले में चार आरोपियों को दी गई मौत की सजा कर दी गई थी निरस्त

सुप्रीम कोर्ट ने इलाहाबाद हाईकोर्ट के उस आदेश को चुनौती देने वाली उत्तर प्रदेश सरकार की याचिका पर बुधवार को सुनवाई करने पर सहमति जताई, जिसमें 2007 के रामपुर सीआरपीएफ शिविर आतंकी हमले के मामले में चार आरोपियों को दी गई मौत की सजा और एक अन्य को दी गई आजीवन कारावास की सजा निरस्त कर दी गई थी। रामपुर स्थित केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के शिविर पर 31 दिसंबर 2007 की रात को हुए हमले में सीआरपीएफ के आठ जवान मारे गए थे और पांच घायल हो गए थे।

न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और न्यायमूर्ति संदीप मेहता की पीठ ने राज्य सरकार की याचिका पर आरोपियों को नोटिस जारी किये और मामले की सुनवाई चार सप्ताह बाद निर्धारित की। पांचों आरोपियों की ओर से अधिवक्ता एम एस खान पेश हुए। राज्य सरकार ने पिछले साल 29 अक्टूबर को उच्च न्यायालय द्वारा दिए गए फैसले को चुनौती दी है। उच्च न्यायालय ने निचली अदालत के उस आदेश को खारिज कर दिया था, जिसमें इस मामले में चार लोगों को मृत्युदंड और एक अन्य को आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई थी। उच्च न्यायालय ने मोहम्मद शरीफ, सबाउद्दीन, इमरान शहजाद, मोहम्मद फारूक और जंग बहादुर खान को हत्या एवं अन्य गंभीर आरोपों से यह कहकर बरी कर दिया था कि अभियोजन पक्ष आरोपियों के खिलाफ मुख्य अपराध के मामले को संदेह से परे साबित करने में विफल रहा। हालांकि, इसने जंग बहादुर खान समेत पांचों को शस्त्र अधिनियम की धारा 25 (1-ए) के तहत दोषी पाया और उन्हें 10 साल के कठोर कारावास की सजा सुनाई। जंग बहादुर खान को आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई थी। उच्च न्यायालय ने कहा था, मामले का निस्तारण करने से पहले, हम निश्चित रूप से यह उल्लेख करना चाहेंगे कि यदि जांच और अभियोजन अधिक प्रशिक्षित पुलिस द्वारा किया गया होता तो इस मामले का परिणाम अलग होता।

राहुल के खिलाफ लाएंगे विशेषाधिकार हनन का प्रस्ताव

नई दिल्ली, एजेंसी

- संसदीय कार्य मंत्री रीजीजू बोले- राहुल गांधी के झूठे बयानों को सदन की कार्यवाही से हटाने का करेंगे अनुरोध

संसदीय कार्य मंत्री किरेन रीजीजू ने कहा है कि लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने सदन में एक मंत्री के खिलाफ बेबुनियाद आरोप लगाए हैं इसलिए सरकार ने उनके खिलाफ विशेषाधिकार हनन प्रस्ताव लाने का फैसला किया है। रीजीजू ने बुधवार को आरोप लगाया कि राहुल गांधी का भाषण झूठ से भरा था और सत्तारूढ़ गठबंधन लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष द्वारा किये गए झूठे दावों को सदन की कार्यवाही से हटाए जाने का अनुरोध करेगा।

केंद्रीय बजट पर चर्चा के दौरान राहुल के भाषण के तुरंत बाद, रीजीजू ने कहा कि सत्तारूढ़ गठबंधन के सदस्य आसन को एक नोटिस देंगे, जिसमें नेता प्रतिपक्ष द्वारा बोले गए किसी भी कथन के प्रमाणीकरण की मांग की जाएगी। उन्होंने कहा, राहुल गांधी ने जो भी झूठ बोला है, हम उसे रिकॉर्ड से हटाए जाने की मांग करेंगे। हालांकि, राहुल गांधी ने अपने बयानों को प्रमाणित करने का वादा किया है, लेकिन मंत्री ने कहा, मुझे पता है कि वह उन्हें प्रमाणित नहीं कर सकते क्योंकि उन्होंने सदन में झूठ बोला है। रीजीजू ने आरोप लगाया कि कांग्रेस नेता अक्सर जानबूझकर झूठ बोलते हैं और फिर संबंधित मंत्री का जवाब सुनने के बजाय सदन छोड़कर चले जाते हैं। उन्होंने कहा, हमारी पार्टी का रुख यह है कि हम राहुल गांधी के झूठ का जवाब सदन के बाहर देंगे, लेकिन सदन के अंदर नोटिस जारी किया जाएगा। रीजीजू ने कहा कि राहुल ने बिना नोटिस दिए पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी पर एक गंभीर आरोप लगाया है, जो विशेषाधिकार हनन है। उन्होंने कहा, हम आसन को आवश्यक सूचना देंगे।

पत्नी के सामने अधिवक्ता की गोली मारकर हत्या

कार्यालय संवाददाता, रामपुर

- जिला पंचायत कार्यालय में हेड क्लर्क ने कहासुनी के बाद मारी गोली

अमृत विचार : जिला पंचायत के हेड क्लर्क ने लाइसेंसी पिस्टल से बुधवार को एक अधिवक्ता को उसकी पत्नी के सामने ही जिला पंचायत परिसर में गोली मार दी। घायल अधिवक्ता ने अस्पताल ले जाते वक्त दम तोड़ दिया। पत्नी के वेतन कटौती को लेकर अधिवक्ता का बाबू से विवाद हुआ था।

नगर कोतवाली नालापार निवासी वकील फारुख अहमद खान (45) की पत्नी गौसिया जिला पंचायत कार्यालय में क्लर्क हैं। यहीं पर थाना पटवाई क्षेत्र के मिलक तहव्वुर गांव का रहने वाला असगर अली हेड क्लर्क है। बताया जाता है कि अधिवक्ता की पत्नी का कार्यालय में लेट आने के कारण वेतन काट लिया गया था। इसी संबंध में बुधवार को गौसिया के साथ उनके पति अधिवक्ता फारुख अहमद जिला पंचायत कार्यालय पहुंचे। उन्होंने हेड क्लर्क असगर अली से इस विषय पर बात की।

इसी बीच दोनों के बीच विवाद बढ़ गया। अचानक हेड क्लर्क ने अपनी लाइसेंसी पिस्टल से अधिवक्ता पर तीन फायर झोंक दिए। अहमद तड़पकर गिर गए। गौसिया शोर मचाते हुए बाहर की ओर भागी। लोग अधिवक्ता को जिला अस्पताल लेकर पहुंचे जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया।

कनाडा में स्कूल में गोलीबारी, 10 लोगों की गई जान

वैंकूवर। कनाडा के ब्रिटिश कोलंबिया में टंबलर रिज सेकेंडरी स्कूल और एक मकान में हुई गोलीबारी की घटना में हमलावर सहित 10 लोगों की मौत हो गई। कनाडाई प्राधिकारियों ने बताया कि 25 से अधिक लोग घायल हो गए हैं, जिनमें से दो की हालत गंभीर है। लगभग 2,400 लोगों की आबादी वाला टंबलर रिज शहर वैंकूवर से 1,000 किलोमीटर उत्तर में अल्बर्टा की सीमा के पास स्थित है। टंबलर रिज सेकेंडरी स्कूल में सातवीं कक्षा से 12वीं कक्षा तक के 175 छात्र पढ़ते हैं। अधीक्षक केन फ्लॉयड ने बताया कि जांचकर्ताओं ने हमलावर की पहचान कर ली है।

निर्देश

गृह मंत्रालय ने पहली बार राष्ट्रगीत गायन को लेकर प्रोटोकॉल तय किए

राष्ट्रगान से पहले राष्ट्रगीत के सभी छह छंद गाना जरूरी

नई दिल्ली, एजेंसी

- जब भी राष्ट्रगीत व राष्ट्रगान गाया या बजाया जाएं तो राष्ट्रगीत पहले हो

केंद्रीय गृह मंत्रालय ने निर्देश दिया है कि जब भी राष्ट्रगीत 'वंदे मातरम्' और राष्ट्रगान 'जन गण मन' एक साथ गाए या बजाए जाएं तो बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय द्वारा लिखे गए राष्ट्रगीत के सभी छह छंद पहले गाए जाएं। आदेश में मंत्रालय ने पहली बार राष्ट्रगीत 'वंदे मातरम्' के गायन को लेकर प्रोटोकॉल तय किए हैं।

जिसके तहत राष्ट्रपति के आगमन, तिरंगा फहराए जाने और राज्यपालों के भाषण जैसे आधिकारिक कार्यक्रमों में राष्ट्रगीत के सभी छह छंद (कुल अवधि तीन मिनट 10 सेकंड) गाए जाएंगे। यह आदेश 28 जनवरी को जारी किया गया। आदेश में कहा गया, जब भी राष्ट्रगीत और राष्ट्रगान गाए या बजाए जाएं, तो राष्ट्रगीत पहले गाया या बजाया जाएगा। मंत्रालय ने स्पष्ट किया है कि जहां राष्ट्रगीत गाया जाएगा, वहां उपस्थित सभी लोगों को सावधान की मुद्रा में खड़ा होना होगा। इसमें कहा गया, जब भी राष्ट्रगीत का आधिकारिक संस्करण गाया या बजाया जाए, तो वहां मौजूद सभी लोगों को सावधान मुद्रा में खड़ा होना होगा लेकिन अगर किसी समाचार रील या वृत्तचित्र के दौरान राष्ट्रगीत फिल्म के हिस्से के रूप में बजाया जाए, तो दर्शकों से खड़े होने की अपेक्षा नहीं है क्योंकि इससे फिल्म दिखाने में रुकावट आएगी और सम्मान के बजाय अव्यवस्था एवं भ्रम की स्थिति पैदा हो सकती है। मंत्रालय ने कहा कि विद्यालयों में दिन की शुरुआत राष्ट्रगीत के सामूहिक गायन से की जानी चाहिए। केंद्र सरकार 'वंदे मातरम्' के 150 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में कार्यक्रम आयोजित कर रही है।

छात्रों में राष्ट्रध्वज के प्रति सम्मान की भावना विकसित करने के निर्देश

आदेश के अनुसार, राष्ट्रध्वज फहराने, सांस्कृतिक एवं औपचारिक कार्यक्रमों (परेड को छोड़कर), तथा किसी सरकारी या सार्वजनिक समारोह में राष्ट्रपति के आगमन जैसे अवसरों पर राष्ट्रगीत का आधिकारिक संस्करण सामूहिक गायन के साथ गाया या बजाया जाएगा। राष्ट्रगीत ऐसे अवसरों पर भी गाया जा सकता है, जो भले ही पूरी तरह औपचारिक समारोह न हों, लेकिन मंत्रियों आदि की मौजूदगी के कारण महत्वपूर्ण हों। ऐसे मौकों पर (वाद्य यंत्रों के साथ या बिना) राष्ट्रगीत का सामूहिक गायन वांछनीय है। यह भी कहा कि उन सभी अवसरों की पूरी सूची देना संभव नहीं है, जहां राष्ट्रगीत का गायन किया जा सकता है लेकिन यदि मातृभूमि को सम्मान देने और उचित मर्यादा बनाए रखने के साथ राष्ट्रगीत गाया जाता है, तो इस पर कोई आपत्ति नहीं है। आदेश में विद्यालयों को निर्देश दिया गया है कि वे छात्रों में राष्ट्रध्वज के प्रति सम्मान की भावना विकसित करें।

यूपी बजट 2026-27

दुग्ध विकास को बढ़ावा

- मथुरा में 30 हजार लीटर क्षमता की प्रस्तावित परियोजना को संशोधित कर 1 लाख लीटर प्रतिदिन क्षमता का नया डेयरी प्लांट स्थापित किया जाएगा। इसके लिए 23 करोड़ का प्रावधान है। 220 नई दुग्ध समितियों के गठन और 450 के पुनर्गठन के लिए 107 करोड़ की व्यवस्था की गई है।

पशुधन संरक्षण

- प्रदेश के 7,497 गो-आश्रय स्थलों में 12 .38 लाख गोवंश संरक्षित हैं। छुट्टा गोवंश के रखरखाव के लिए 2,000 करोड़ तथा वृहद गो-संरक्षण केंद्रों के लिए 100 करोड़ प्रस्तावित हैं। पशु रोग नियंत्रण हेतु 253 करोड़ और पशु चिकित्सालय सुदृढ़ीकरण के लिए 155 करोड़ रखे गए हैं।

मत्स्य क्षेत्र में विस्तार

- प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना के तहत 195 करोड़ (पुरुष घटक) और 115 करोड़ (महिला घटक) का प्रावधान है। एकीकृत एक्वा पार्क हेतु 190 करोड़ तथा अत्याधुनिक मत्स्य थोक बाजार व प्रसंस्करण केंद्र के लिए 100 करोड़ प्रस्तावित हैं।

खाद्य एवं रसद

- खाद्य एवं रसद विभाग की योजनाओं के लिए 20,124 करोड़ का प्रावधान है। अन्नपूर्ति योजना हेतु 15,480 करोड़, नि:शुल्क एलपीजी रिफिलिंग योजना के लिए 1,500 करोड़ और अन्नपूर्णा भवन निर्माण के लिए 500 करोड़ रखे गए हैं।

उद्यान व खाद्य प्रसंस्करण

- उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण के लिए 2,832 करोड़ का प्रावधान है। राष्ट्रीय औद्यानिक मिशन के लिए 715 करोड़, प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्योग उन्नयन योजना हेतु 478 करोड़ और खाद्य प्रसंस्करण उद्योग नीति-2022 के क्रियान्वयन के लिए 300 करोड़ रखे गए हैं।

प्रमुख प्रावधान

2,400 करोड़ रुपये निजी नलकूपों को निर्बाध बिजली के लिए

2,832 करोड़ रुपये उद्यान व खाद्य प्रसंस्करण के लिए

100 करोड़ रुपये मत्स्य थोक बाजार/एक्वा पार्क/ प्रसंस्करण के लिए

2,000 छुट्टा गोवंश रखरखाव के लिए || **20,124** करोड़ रुपये खाद्य एवं रसद योजनाओं के लिए

किसानों पर मेहरबानी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने वित्तीय वर्ष 2026-27 का बजट पेश करते हुए कहा कि कृषि, मत्स्य, उद्यान, दुग्ध विकास, खाद्य-रसद पर खास फोकस है।

बजट में कृषि योजनाओं के लिए 10,888 करोड़ रुपय का प्रावधान किया गया है, जो पिछले वर्ष की तुलना में करीब 20% अधिक है। सरकार ने 2026-27 में 753.55 लाख मीट्रिक टन खाद्यान्न और 48.18 लाख मीट्रिक टन तिलहन उत्पादन का लक्ष्य रखा है। कृषकों के डीजल पंप सेट को सोलर पम्प में परिवर्तित करने के लिए 637.84 करोड़ रुपये खर्च करने का एलान किया गया।

637.84 करोड़ रुपये कृषकों के डीजल पंप सेट को सोलर पम्प में परिवर्तित करने के लिए

डीजल पंप से सोलर की ओर

- किसानों के डीजल पंप सेट को सोलर पंप में बदलने के लिए 637 .84 करोड़ का प्रावधान किया गया है। नेशनल मिशन ऑन नेचुरल फार्मिंग योजना के लिए 298 करोड़ रखे गए हैं। निजी नलकूपों को निर्बाध बिजली आपूर्ति हेतु 2,400 करोड़ प्रस्तावित हैं।

एग्री-एक्सपोर्ट और यूपी एग्रीज

- यूपी एग्रीज परियोजना के तहत एग्री-एक्सपोर्ट हब की स्थापना के लिए 245 करोड़ तथा किसान उत्पादक संगठनों (एफपीओ) के लिए 75 करोड़ का रिवॉल्विंग फंड प्रस्तावित है। एक्वा कल्चर अवसंरचना के अंतर्गत विश्वस्तरीय हैचरी व प्रशिक्षण केंद्र के लिए 155 करोड़ की बाह्य सहायता परियोजना भी शामिल है।

51.82 लाख परिवारों को 100 दिन काम

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार : निवर्तमान योजना महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) ने गांवों में जरूरतमंद श्रमिकों को रोजगार देने के साथ उनका शहर की तरफ पलायन रोका है। प्रतिवर्ष महिलाओं की भागीदारी भी बढ़ी है। लखनऊ की बात करें तो मनरेगा का दायरा छोटा है। फिर भी इस वर्ष 11 फरवरी तक 16 हजार परिवारों ने काम करके 6.15 लाख मानव दिवस सृजित किए हैं। 370 परिवार ने गारंटी के 100 दिन काम किए हैं।

वहीं, प्रदेश के आंकड़ों पर गौर करें तो वित्तीय वर्ष 2025-26 में 11 फरवरी तक प्रदेश में 21 करोड़ 92 लाख 17 हजार मानव दिवस सृजित हुए हैं। इनमें 51.82 लाख परिवार ने काम किया है। 1,60,152 परिवार को लगातार 100 दिन तक काम मिला है। इसमें महिलाओं की 41.31 फीसद भागीदारी है। अभी फरवरी और मार्च तक रोजगार का आंकड़ा और बढ़ेगा। पिछले वर्ष 2024-25 में मार्च तक 33 करोड़ 63 लाख 89 हजार मानव दिवस सृजित हुए थे, जबकि 65.26 लाख परिवारों ने काम किया था। उस समय महिलाओं की 41.87 फीसद भागीदारी रही है। जबकि 100 दिन गारंटी के 65.26 लाख परिवार ने काम किया था। अब वित्तीय वर्ष 2026-27 में योजना विकसित भारत - जी राम जी ने नाम से संचालित होकर श्रमिकों को और सशक्त बनाएगी। इसमें पहले से अधिक बजट और 125 दिन काम के साथ कई प्राविधान किए गए हैं।

41.36 फीसद महिला श्रमिकों की रही भागीदारी वित्तीय वर्ष में

21.92 लाख मानव दिवस हुए सृजित प्रदेश में 11 फरवरी तक

यूं बढ़ीं महिला श्रमिक

2021	2022	30 .96
2022	2023	31 .75
2023	2024	42 .46

- गांव में काम मांगने पर मिला है। भुगतान भी समय से खाते में आता है। इससे पारदर्शिता बढ़ी है और भरोसा भी बढ़ा है। जी राम जी में अधिक फायदा है।

– **सुरेश चंद्र**, श्रमिक, टिकारी बीकेटी

- मनरेगा में काम मिलने पर गांव के बाहर नहीं गए। इसके साथ खेतीबाड़ी भी करते हैं। सही से भरण-पोषण हो जाता है। आगे और अधिक फायदे मिलेंगे।

– **प्रेमलाल**, श्रमिक, रामपुर देवरई बीकेटी

महिलाओं को सस्ती दर पर ऋण, आवास के साथ सामाजिक सुरक्षा

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: वित्तीय वर्ष 2026-27 के बजट में महिला सशक्तिकरण को विशेष प्राथमिकता दी गई है। वित्त मंत्री सुरेश कुमार खन्ना ने बताया कि महिला एवं बाल विकास विभाग के बजट में 11 प्रतिशत वृद्धि करते हुए कुल 18,620 करोड़ का प्रावधान प्रस्तावित किया गया है। सरकार का लक्ष्य महिलाओं की आर्थिक, सामाजिक और वित्तीय भागीदारी को नई ऊंचाई देना है।

सरकार ने महिलाओं को कम ब्याज दर पर ऋण उपलब्ध कराने की घोषणा की है, ताकि वे स्वरोजगार और उद्यमिता के माध्यम से आत्मनिर्भर बन सकें। स्वयं सहायता समूहों और महिला उद्यमियों को प्राथमिकता दी जाएगी। बजट में सफाई कर्मियों और निर्माण श्रमिकों को आवास उपलब्ध कराने की पहल भी शामिल है। इससे शहरी क्षेत्रों में कार्यरत श्रमिक महिलाओं को सुरक्षित और सम्मानजनक आवास सुविधा मिलेगी। बजट 2026-27 में महिला एवं बाल कल्याण योजनाओं का विस्तार करते हुए सरकार ने सामाजिक सुरक्षा, आर्थिक सशक्तिकरण और पोषण सुरक्षा के दायरे को व्यापक बनाने की स्पष्ट रणनीति पेश की है। यह बजट महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने और बालिकाओं के सुरक्षित भविष्य की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

सामाजिक सुरक्षा का दायरा बढ़ा

- निराश्रित महिला पेंशन योजना के लिए 3,500 करोड़ का प्रावधान।
- 2016-17 में लाभार्थी : 17 .32 लाख
- 2025-26 में लाभार्थी : 38 .58 लाख से अधिक
- मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना के तहत बालिकाओं के भविष्य को सुरक्षित करने के लिए 400 करोड़ की व्यवस्था।
- कामकाजी महिलाओं के छात्रावास निर्माण हेतु 100 करोड़।
- मुख्यमंत्री श्रमजीवी महिला छात्रावास निर्माण योजना के लिए 35 करोड़।

बच्चों के संरक्षण और पोषण पर जोर

- उत्तर प्रदेश मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना के लिए 252 करोड़।
- मुख्यमंत्री बाल आश्रय योजना के तहत भवन निर्माण हेतु 80 करोड़।
- अनुपूरक पुष्टाहार कार्यक्रम के माध्यम से लगभग 1 .57 करोड़ लाभार्थियों को पोषण सहायता।

तकनीकी महाशक्ति की दिशा में कदम

वित्तीय वर्ष 2026-27 के बजट में उत्तर प्रदेश सरकार ने आईटी एवं इलेक्ट्रॉनिक्स क्षेत्र को विकास की नई धुरी बनाया है। वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने इस सेक्टर के लिए 2,059 करोड़ का प्रावधान किया है, जो वर्ष 2025-26 की तुलना में 76 प्रतिशत अधिक है। बजट में एआई मिशन के लिए 225 करोड़ का प्रावधान किया गया है।

30,000 करोड़ निवेश का लक्ष्य डाटा सेंटर में

30,000 करोड़ के अनुमानित निवेश से 8 डाटा सेंटर पार्क स्थापित करने और 900 मेगावाट क्षमता विकसित करने का लक्ष्य रखा गया है। अब तक 8 परियोजनाओं को लेटर ऑफ कम्फर्ट जारी किए गए हैं, जिनमें 6 डाटा सेंटर पार्क और 2 डाटा सेंटर इकाइयां शामिल हैं। इनसे लगभग 21,342 करोड़ का निवेश और 644 मेगावाट क्षमता अर्जित की जा चुकी है।

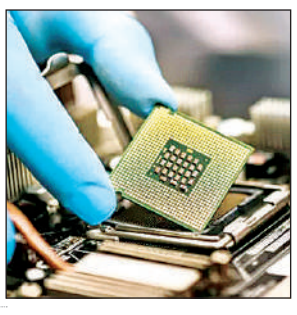

साइबर सुरक्षा को प्राथमिकता

साइबर सुरक्षा संचालन केंद्र की स्थापना को 95 .16 करोड़ का दिए गए हैं। पहले से संचालित 'एआई प्रज्ञा' कार्यक्रम के तहत माइक्रोसॉफ्ट, गूगल, इंटेल, आईबीएम और वन एम वन बी जैसी कंपनियों के सहयोग से किसानों, स्वयं सहायता समूहों, विद्यार्थियों, चिकित्सकों और सरकारी कर्मियो को प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण में अग्रणी

उत्तर प्रदेश देश का सबसे बड़ा मोबाइल फोन विनिर्माण केंद्र बन चुका है। देश के कुल मोबाइल उत्पादन का 65 प्रतिशत उत्पादन प्रदेश में होता है। भारत की 55 प्रतिशत इलेक्ट्रॉनिक्स कंपोनेंट इकाइयां भी यहीं स्थित हैं। प्रदेश का इलेक्ट्रॉनिक्स निर्यात बढ़कर 44,744 करोड़ तक पहुंच गया है।

बढ़ेगी शिक्षा की गुणवत्ता

अमृत विचार, लखनऊ : वित्तीय वर्ष 2026-27 के बजट में योगी सरकार ने शिक्षा को विकास की केंद्रीय धुरी बनाते हुए व्यापक प्रावधान किए हैं।

बेसिक से लेकर उच्च, प्राविधिक और कौशल विकास तक हर स्तर पर उल्लेखनीय बढ़ोतरी कर प्रदेश को ज्ञान-आधारित अर्थव्यवस्था की दिशा में आगे बढ़ाने का रोडमैप प्रस्तुत किया गया है। शिक्षा, कौशल और तकनीकी प्रशिक्षण पर अभूतपूर्व निवेश कर सरकार ने स्पष्ट कर दिया है कि नया उत्तर प्रदेश ज्ञान, नवाचार और रोजगारोन्मुख प्रशिक्षण के मजबूत आधार पर ही निर्मित होगा।

- **बजट 2026-27 में ज्ञान और कौशल पर सबसे बड़ा निवेश**

पढ़ाएंगे और बढ़ाएंगे

बेसिक शिक्षा

- बेसिक शिक्षा के लिए 77,622 करोड़ का प्रावधान किया गया है।
- कक्षा 1–8 के विद्यार्थियों को नि:शुल्क यूनिफॉर्म, बैग, जूते, मोजे व स्टेशनरी हेतु 650 करोड़।
- 75 जनपदों में 2-2 मुख्यमंत्री मॉडल कंपोजिट विद्यालय।
- आवासीय बालिका विद्यालय विस्तार के लिए 580 करोड़।
- कर्मचारियों के लिए कैशलेस चिकित्सा सुविधा : 358 करोड़।
- स्मार्ट स्कूल योजना : 300 करोड़।
- सहायता प्राप्त विद्यालयों के अनुरक्षण हेतु 300 करोड़।

माध्यमिक शिक्षा

- माध्यमिक शिक्षा के लिए 22,167 करोड़ (15% वृद्धि)।
- राजकीय विद्यालयों के सुदृढ़ीकरण हेतु 520 करोड़।
- सहायता प्राप्त विद्यालयों के लिए 10 करोड़।
- संस्कृत पाठशालाओं की छात्रवृत्ति : 20 करोड़।
- ड्रीम स्किल लैब क्लस्टर : 150 करोड़।
- शिक्षकों के लिए कैशलेस चिकित्सा : 89 .25 करोड़।
- छात्राओं हेतु नि:शुल्क सेनेटरी नैपकिन : 300 करोड़।
- गोरखपुर में दूसरे सैनिक स्कूल का संचालन आरंभ।

उच्च शिक्षा

- उच्च शिक्षा के लिए 6,591 करोड़ (7% वृद्धि)।
- रानी लक्ष्मीबाई स्कूटी योजना : 400 करोड़
- मुख्यमंत्री शिक्षुता प्रोत्साहन : 40 करोड़

नए विश्वविद्यालयों हेतु आवंटन

- मां विंध्यवासिनी विश्वविद्यालय, मिर्जापुर– 50 करोड़
- गुरु जम्भेश्वर विश्वविद्यालय, मुरादाबाद– 50 करोड़
- मां पटेश्वरी विश्वविद्यालय बलरामपुर– 50 करोड़
- स्वामी शुकदेवानन्द विश्वविद्यालय शाहजहांपुर– 21 करोड़
- काशी नरेश विवि भदोही – 21 करोड़
- मानसिक स्वास्थ्य एवं कल्याण : 14 .5 करोड़।
- एआई प्रमाणन शुल्क प्रतिपूर्ति :10 करोड़
- मुख्यमंत्री विद्यालक्ष्मी योजना : 30 करोड़

व्यावसायिक शिक्षा

- व्यावसायिक शिक्षा बजट में 88% वृद्धि, कुल 3,349 करोड़। शिक्षा बजट में 72% वृद्धि, कुल 2,365 करोड़।
- 286 राजकीय आईटीआई 1 .90 लाख सीटें।
- 2,963 निजी आईटीआई 4 .58 लाख सीटें।
- 47 आईटीआई में महिला शाखाएं 12 महिला आईटीआई स्वतंत्र।
- टाटा टेक्नोलॉजीज के सहयोग से 149 आईटीआई उन्नत 62 और प्रगति पर।
- कौशल विकास मिशन प्रशिक्षण व्यय : 1,000 करोड़।
- दस्तकार प्रशिक्षण योजना : 836 करोड़
- प्रोजेक्ट प्रवीण : 500 करोड़।
- मुख्यमंत्री शिक्षुता प्रशिक्षण : 20 करोड़

हरियाली पर जोर

सामाजिक वानिकी व रोपण

- सामाजिक वानिकी योजना : 800 करोड़
- पौधशाला प्रबंधन योजना : 220 करोड़
- राज्य प्रतिकारात्मक वन रोपण योजना : 189 करोड़

रानीपुर बांध फाउंडेशन

- रानीपुर बांध से जुड़े रानीपुर बांध फाउंडेशन, चित्रकूट के कॉर्पस फंड गठन के लिए 50 करोड़ का प्रावधान प्रस्तावित है।

स्वच्छ वायु

- उत्तर प्रदेश क्लीन एयर मैनेजमेंट प्रोजेक्ट (2025-26 से 2030-31) : 194 करोड़
- यह विश्व बैंक सहायतित बहु-क्षेत्रीय योजना है।

अपशिष्ट निस्तारण

- सामूहिक जैव-चिकित्सा अपशिष्ट निस्तारण सुविधा
- ई-वेस्ट रीसाइक्लिंग एवं उपचार सुविधा की स्थापना की कार्यवाही

प्राविधिक शिक्षा

- प्राविधिक शिक्षा बजट में 72% वृद्धि, कुल 2,365 करोड़।
- 195 डिप्लोमा संस्थान संचालित
- 23 नए पॉलिटेक्निक निर्माणाधीन।
- उत्कृष्टता केंद्र व उन्नयन : 714 करोड़।
- स्मार्ट कक्षाएं (251 स्थापित, 143 प्रक्रियाधीन)।
- अवसंरचना विकास : 254 करोड़।
- नए पॉलिटेक्निक : 50 करोड़।

प्रतिक्रियाएं | विशेषज्ञ बोले- डिजिटल कक्षाएं, आवासीय व्यवस्था और कैशलेस चिकित्सा से प्राथमिक शिक्षा का होगा कायाकल्प

ज्ञान, विज्ञान और नवाचार को मिलेगी उड़ान

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार: उत्तर प्रदेश का बजट 2026-27 में प्राथमिक, माध्यमिक और उच्च शिक्षा के बजट में पिछले वर्षो की तुलना में बढोत्तरी की गई है, जिसका शिक्षाविदों और अर्थशास्त्र के जानकारों ने स्वागत किया है। बजट में प्रदेश की बेसिक शिक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ करने पर विशेष फोकस किया गया है।

बजट प्रस्तावों से यह स्पष्ट संकेत मिलता है कि सरकार प्राथमिक और उच्च प्राथमिक शिक्षा के ढांचे में व्यापक बदलाव की दिशा में आगे बढ़ रही है। इसी के साथ प्राविधिक और औद्योगिक शिक्षा में सरकार के नए प्रयोग, नवाचार और इंडिया एआई मिशन युवाओं को समर्पित है।

अर्थव्यवस्था को गति देगा यह बजट

- बजट राज्य की अर्थव्यवस्था को गति को देने वाला विकासोन्मुखी बजट है। युवाओं के कौशल विकास, महिला सशक्तिकरण योजनाओं, एवं प्रोत्साहन योजनाओं से उनकी सामाजिक आर्थिक भागीदारी मजबूत होगी, जिससे निसंदेह कार्यबल में महिलाओं की भागीदारी भी बढ़ेगी। साथ ही कार्यरत महिलाओं के लिए हॉस्टल सुविधाएं महिला सुरक्षा की दिशा में सरकार का महत्वपूर्ण कदम हैं। पूंजीगत व्यय में वृद्धि से निवेश बढ़ेगा, जो रोजगार सृजन में सहायक होगा। उच्च शिक्षण संस्थानों में मानसिक स्वास्थ्य एवं कल्याण नीति की नई योजना एक अच्छी पहल है जिससे ड्राप आउट रेट भी कम होगा।

–**प्रो. पूनम वर्मा**, अर्थशास्त्र विभाग, नेताजी सुभाष चंद्र बोस राजकीय महिला महाविद्यालय

'सप्लाई-साइड इकोनॉमिक्स' की ओर झुकाव

- बजट केवल व्यय का ब्योरा मात्र नहीं है, बल्कि 1 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने की दिशा में एक 'मैक्रो-इकोनॉमिक रोडमैप' है। यह बजट स्पष्ट रूप से 'सप्लाई-साइड इकोनॉमिक्स' की ओर झुकाव दर्शाता है, जहां सरकार का प्राथमिक दर्शन 'इंफ्रास्ट्रक्चर से एम्प्लॉयमेंट' के बहुआयामी प्रभाव पर आधारित है। पूंजीगत व्यय और ढांचागत प्रोत्साहन बजट का लगभग 19 .5% हिस्सा आवंटित करना एक साहसिक आर्थिक निर्णय है। इलेक्ट्रॉनिक्स कंपोनेंट इकाइयों में 55% की राष्ट्रीय हिस्सेदारी एक रणनीतिक कदम है। बजट में कौशल विकास के लिए पीपीपी मॉडल का प्रस्ताव 'ह्यूमन कैपिटल फॉर्मेशन' की आवश्यकता को रेखांकित करता है। औद्योगिक इकाइयों में महिलाओं की भागीदारी प्रगतिशील पहल है।

–**डॉ. अनामिका चौधरी**, अर्थशास्त्र विभाग, डॉ. शकुंतला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय

संतुलित और स्वागत योग्य बजट

- प्रस्तुत बजट आम लोगों की आकांक्षाओं के अनुरूप है। शिक्षा के प्रत्येक मद में वृद्धि की गई है। इससे उत्तरप्रदेश का युवा अधिक ज्ञान और कौशल सम्पन्न होगा जिससे रोजगार के अवसर बढ़ने के साथ वह सम्मन्न भी होगा। महिलाओं के कौशल विकास केंद्रों को विकसित करना आगामी चुनाव को देखते हुए घोषणा है। यह बजट सभी क्षेत्र की जरुरतों को पूरा करने वाला संतुलित बजट है।

–**डॉ. पीयूष कुमार त्रिवेदी**, ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय, लखनऊ

विकसित उत्तर प्रदेश का बजट है यह

- पिछले वित्तीय वर्ष की तुलना में यह लगभग 12 .9 प्रतिशत अधिक है। यह बजट विकसित भारत के लक्ष्य को दृष्टिगत रखते हुए 'विकसित उत्तर प्रदेश' पर फोकस करता है। बजट में 10 लाख युवाओं को रोजगार देने का लक्ष्य रखा गया है। इसके लिए सीएम युवा उद्यमी योजना हेतु 1000 करोड़ रूपये की धनराशि आवंटित की गई है। साथ ही 40 लाख युवाओं को टैबलेट बांटने का भी प्रावधान है। जिसके लिए 575 करोड़ रूपये आवंटित किए गए हैं। रोजगार को बढ़ावा देने के उद्देश्य से ओडीओसी (एक जिला एक व्यंजन) योजना लागू की गई है। राजकोषीय-जीएसडीपी अनुपात को अनुकूलतम 3 प्रतिशत पर रखा गया है।

–**प्रो. भारती पाण्डेय**, अध्यक्ष, अर्थशास्त्र विभाग, श्रीजयनारायण पीजी कॉलेज

धुआं न शोर, इको फ्रेंडली ई-बसें बढ़ाने पर जोर

पर्यावरण की 'मित्र' इलेक्ट्रिक बसों की रफ्तार बढ़ाने की तैयारी, बस स्टेशनों पर बनेंगे चार्जिंग प्वाइंट

नीरज मिश्र, लखनऊ

अमृत विचार: न धुआं होगा और न ही शोर, इको फ्रेंडली ई-बसों के बढ़ाने पर इस बार सरकार का जोर। प्रदेश सरकार ने प्रदूषण पर गंभीर पहल करते हुए पर्यावरण के 'मित्र' इलेक्ट्रिक बसों की रफ्तार को और बढ़ाने का अपना विजन साफ कर दिया है। बजट में तात्कालिक लाभ से इतर दूरगामी परिणामों को ध्यान में रखते हुए सरकार ने उप्र. राज्य सड़क परिवहन निगम को 550 करोड़ का बजट आवंटित कर दिया है। इससे न केवल इलेक्ट्रिक बसों का कुनबा बढ़ेगा, बल्कि उनके करंट का भी ठोस इंतजाम करने पर अपनी मुहर लगा दी है। ई-बसों और ई-वाहनों को भविष्य मानते हुए सरकार न केवल गाड़ी के पंजीकरण में छूट बल्कि क्रय सब्सिडी तक में रियायत दे रही है। इसकी समय सीमा तक बढ़ा दी गई है। और तो और प्रदेश में ई-वाहनों की निर्माता कंपनियों के लिए भी विशेष तरह के छूट के पैकेज जारी किए जा चुके हैं।

400 करोड़ से खरीदी जाएंगी ई-बस

परिवहन निगम के बेड़े के सुदृढ़ीकरण के लिए बजट में 400 करोड़ रुपये मिले हैं। इस आवंटित धनराशि से इलेक्ट्रिक बसों की खरीद की जाएगी। इसका प्रयोग अन्यत्र नहीं किया जा सकेगा। सिर्फ ई-बसें की कुनबे में शामिल की जाएंगी।

रोडवेज बेड़े में अभी 220 ई-बसें

परिवहन निगम के पास अब तक 220 ई-बसें आ गई हैं। यह बसें करीब 9 स्थानों पर चल रही हैं। इनमें प्रयागराज, वाराणसी, अयोध्या, बाराबंकी, गोरखपुर, आगरा, मुरादाबाद, साहिबाबाद, नोएडा आदि शहरों में चल रही हैं। नई मिली धनराशि से ई-बसों की फ्लीट मजबूत और बड़ी होगी।

बस स्टेशनों पर 150 करोड़ से बनेंगे चार्जिंग स्टेशन

बजटीय प्रावधान में इन बसों के ईंधन यानी ई-करंट की व्यवस्था पर भी ध्यान दिया गया है। बस स्टेशन निर्माण के लिए 150 करोड़ रुपये दिए गए हैं। इनसे रोडवेज प्रबंधन बस अड्डों पर ई-चार्जिंग स्टेशन की स्थापना करेगा। यही नहीं सड़क सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए इनमें से 50 करोड़ का आवंटन जीरो फैटलिटी के लिए उपलब्ध कराया गया है। "मुख्यमंत्री सड़क सुरक्षा विजन योजना" के अंतर्गत दुर्घटनाओं की रोकथाम एवं दुर्घटना के पश्चात त्वरित कार्रवाई के लिए 50 करोड़ रुपये की व्यवस्था की गई है।

वित्तीय वर्ष 2026-27 के प्रदेश बजट में परिवहन विभाग के प्रावधानों पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि यह बजट प्रदेश की सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था को सुरक्षित, आधुनिक एवं पर्यावरण-अनुकूल बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण और दूरदर्शी कदम है। उन्होंने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ एवं वित्त मंत्री सुरेश खन्ना का आभार जताया है।

-दयाशंकर सिंह, परिवहन मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)

बजट में नई इलेक्ट्रिक बसें खरीदने, बस अड्डों के निर्माण एवं चार्जिंग स्टेशन की स्थापना के लिए दिए गए 600 करोड़ के लिए संगठन राज्य सरकार को धन्यवाद ज्ञापित करता है। इलेक्ट्रिक बसें बढ़ने से परिवहन निगम की रफ्तार और तेज होगी। संगठन का कहना है कि परिवहन निगम में दशकों से कार्यरत संविदा चालकों-परिचालकों व आउटसोर्स कर्मियों के चरणबद्ध नियमितीकरण पर भी निर्णय कराने की कृपा करें। **-गिरीश चंद्र मिश्र, महामंत्री रोडवेज कर्मचारी संयुक्त परिषद, उप्र.**

हर मंडल में खेल महाविद्यालय 2032-36 ओलंपिक लक्ष्य

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- **ग्रीनपार्क का पुनर्विकास, मेरठ खेल विश्वविद्यालय को 170 करोड़**
- **403 विधानसभा व 80 संसदीय क्षेत्रों में खेल प्रतियोगिता के लिए 20 करोड़**

अमृत विचार: वित्तीय वर्ष 2026-27 के बजट में प्रदेश के खेल ढांचे को नई दिशा देने की घोषणा की गई है। वित्त मंत्री सुरेश कुमार खन्ना ने बताया कि प्रत्येक मंडल में एक खेल महाविद्यालय स्थापित कर उसे उत्कृष्टता केंद्र के रूप में विकसित किया जाएगा, ताकि वर्ष 2032 और 2036 ओलंपिक को लक्ष्य बनाकर खिलाड़ियों को तैयार किया जा सके। इसके लिए प्रारंभिक तौर पर 80 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है।

प्रदेश के 403 विधानसभा क्षेत्रों में प्रति विधानसभा 3 लाख रुपये और 80 संसदीय क्षेत्रों में प्रति क्षेत्र 10 लाख रुपये की दर से सांसद/विधायक खेल प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी। इसके लिए 20 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। इससे ग्रामीण और स्थानीय स्तर पर प्रतिभाओं को मंच मिलेगा। मेजर ध्यानचंद राज्य खेल विश्वविद्यालय, मेरठ के नवीन भवन निर्माण एवं विकास कार्य के लिए 80 करोड़ रुपये, पूंजीगत परिसंपत्तियों के सृजन के लिए 30 करोड़ रुपये तथा शैक्षणिक व खेल गतिविधियों के संचालन के लिए 60 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। इस प्रकार कुल 170 करोड़ रुपये का बजट प्रावधान नई मांग के माध्यम से किया जा रहा है।

कानपुर स्थित ग्रीनपार्क अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम के उच्चीकरण और आधुनिकीकरण के लिए 45 करोड़ रुपये का बजट प्रस्तावित है, जिससे स्टेडियम का पुनर्विकास कर उसे आधुनिक सुविधाओं से लैस किया जाएगा। योगी सरकार का लक्ष्य है कि प्रदेश के खिलाड़ी अंतरराष्ट्रीय मंच पर तिरंगा लहराएं और उत्तर प्रदेश खेल प्रतिभा का नया केंद्र बने। वर्तमान में गोरखपुर में वीर बहादुर सिंह स्पोर्ट्स कॉलेज, लखनऊ में गुरु गोविंद सिंह स्पोर्ट्स कॉलेज और सैफई स्पोर्ट्स कॉलेज हैं।

श्रमिकों की उन्नति पर जोर, रोजगार मिशन के लिए 200 करोड़ का प्रावधान

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: वित्तीय वर्ष 2026-27 के बजट में योगी सरकार ने श्रमिकों और असंगठित कामगारों के कल्याण को विशेष प्राथमिकता दी है। वित्त मंत्री सुरेश कुमार खन्ना ने सदन में बताया कि उत्तर प्रदेश रोजगार मिशन समिति के गठन और संस्थागत सुदृढ़ीकरण के लिए 200 करोड़ का प्रावधान किया गया है। इसका उद्देश्य प्रदेश के श्रमिकों को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर रोजगार के अवसर उपलब्ध कराना है।

बजट 2026-27 में रोजगार सृजन, सामाजिक सुरक्षा, शिक्षा और स्वास्थ्य के माध्यम से श्रमिक परिवारों को सशक्त बनाने का स्पष्ट रोडमैप दिखाई देता है, जो प्रदेश में श्रम आधारित विकास मॉडल को मजबूती देने की दिशा में निर्णायक कदम है। सरकार ने घर से दूर शहरों में कार्यरत मजदूरों के लिए लेबर अड्डों के निर्माण की घोषणा की है, ताकि उन्हें सुरक्षित, संगठित और सुविधायुक्त कार्यस्थल मिल सके। इसे प्रवासी श्रमिकों

70 करोड़ रुपये अटल आवासीय विद्यालयों में श्रमिकों के बच्चों के लिए

8.41 करोड़ कामगारों को फैमिली आईडी, लेबर अड्डों का निर्माण

के श्रम प्रबंधन और सुविधा विस्तार की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

शिक्षा और स्वास्थ्य से सशक्तिकरण

श्रमिक परिवारों के सामाजिक उत्थान के लिए अटल आवासीय विद्यालयों में कक्षा 6 से 12 तक निःशुल्क गुणवत्तापूर्ण शिक्षा दी जा रही है। वर्तमान में इन विद्यालयों में 10,876 श्रमिक बच्चों का नामांकन है। इस योजना के लिए 70 करोड़ की व्यवस्था की गई है। निर्माण श्रमिकों के स्वास्थ्य परीक्षण और स्वास्थ्य शिक्षा के लिए पहली बार मोबाइल हेल्थ वैन पायलट परियोजना के रूप में संचालित की गई है। एक्स-ग्रेशिया अनुदान के तहत पंजीकृत असंगठित श्रमिकों की दुर्घटना में मृत्यु या पूर्ण दिव्यांगता की स्थिति में 2 लाख तथा आंशिक दिव्यांगता पर 1 लाख की सहायता का प्रावधान जारी रखा गया है।

8.41 करोड़ कामगारों को फैमिली आईडी

वित्त मंत्री ने बताया कि ई-श्रम पोर्टल पर पंजीकृत 8.41 करोड़ कामगारों को फैमिली आईडी से जोड़ा गया है। इसका उद्देश्य सामाजिक सुरक्षा योजनाओं का लक्षित क्रियान्वयन और पारदर्शिता सुनिश्चित करना है। डिजिटल पहचान के माध्यम से श्रमिकों को सरकारी योजनाओं का सीधा लाभ दिलाने की दिशा में यह पहल महत्वपूर्ण मानी जा रही है।

महिला उद्यमी क्रेडिट कार्ड से आधी आबादी को संबल

स्वास्थ्य, खेल, शिक्षा और दिव्यांगजन कल्याण के साथ विकास का व्यापक खाका

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बजट 2026-27 की प्रमुख उपलब्धियां बताते हुए कहा कि यह बजट महिलाओं, युवाओं, स्वास्थ्य, शिक्षा, खेल, पर्यटन और दिव्यांगजन कल्याण को केंद्र में रखकर तैयार किया गया है। उन्होंने कहा कि यह बजट 2047 तक विकसित भारत के संकल्प को साकार करने की दिशा में मजबूत कदम है।

मुख्यमंत्री ने बताया कि महिला उद्यमी क्रेडिट कार्ड योजना के माध्यम से महिलाओं को ब्याज-मुक्त पूंजी उपलब्ध कराई जाएगी, ताकि वे छोटे उद्यम शुरू कर सकें। इसके साथ ही महिला उद्यमी उत्पाद विपणन योजना लागू की जाएगी, जो केंद्रीय स्तर की सी-मार्ट अवधारणा की तर्ज पर कार्य करेगी। इसका उद्देश्य स्वयं सहायता समूहों और महिला उद्यमियों के उत्पादों को बाजार उपलब्ध कराना है। प्रत्येक जिले में श्रमजीवी महिला छात्रावास के निर्माण का भी प्रावधान किया गया है, जिससे कामकाजी महिलाओं को सुरक्षित आवास मिल सके।

दिव्यांग छात्राओं के लिए ई-ट्राइसाइकिल, डीडीआरसी केंद्र, कृत्रिम अंग वितरण केंद्र तथा 3-7 वर्ष के दिव्यांग बच्चों के लिए डे-केयर सेंटर स्थापित किए जाएंगे। वाराणसी, अयोध्या, गोरखपुर, प्रयागराज, लखनऊ, बरेली, झांसी, मेरठ और आगरा में विशेष प्रशिक्षण केंद्र स्थापित होंगे।

पीपीपी मॉडल पर 1 लाख अतिरिक्त होटल कक्ष

प्रदेश में 2024-25 में 122 करोड़ पर्यटकों के आगमन का उल्लेख करते हुए मुख्यमंत्री ने पीपीपी मॉडल पर 1 लाख अतिरिक्त होटल कक्ष और 50,000 होम-स्टे विकसित करने की घोषणा की। महिला गाइडों के लिए लाइसेंस शुल्क माफ किया जाएगा।

एसपीजीआई में खुलेगा देश का पहला क्वाटर्नरी हेल्थ केयर सेंटर

मुख्यमंत्री ने कहा कि पहले प्रदेश में 36 मेडिकल कॉलेज थे, अब 81 मेडिकल कॉलेज और 2 एम्स संचालित हैं। प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के तहत 5.46 करोड़ से अधिक आयुष्मान कार्ड जारी किए गए हैं। एसपीजीआई में देश का पहला क्वाटर्नरी हेल्थ केयर सेंटर स्थापित किया जाएगा, जिसके लिए प्रथम चरण में 250 करोड़ का प्रावधान है। यह विशेष रूप से अंग प्रत्यारोपण के क्षेत्र में महत्वपूर्ण कदम होगा। मेडिकल कॉलेजों में छात्रावास निर्माण, सड़क सुरक्षा और ट्रॉमा सेंटर सुदृढ़ीकरण के लिए भी बजट में व्यवस्था की गई है। स्वास्थ्य क्षेत्र में मेडटेक (मेडिकल टेक्नोलॉजी) के अंतर्गत एआई और रोबोटिक तकनीक को जोड़ा जाएगा। वर्तमान में दो उत्कृष्टता केंद्र एक एसजीपीजीआई और दूसरा आईआईटी कानपुर के सहयोग से संचालित को भी बजट में समर्थन दिया गया है।

युवाओं और खेल के लिए ऐतिहासिक पहल

"वन डिस्ट्रिक्ट, वन कमिश्नरी, वन डिविजनल मुख्यालय, वन स्पोर्ट्स कॉलेज" की परिकल्पना के तहत 18 मंडल मुख्यालयों पर स्पोर्ट्स कॉलेज स्थापित किए जाएंगे। स्पोर्ट्स कालेज मेरठ अप्रैल-मई तक पूर्ण रूप से संचालित होगी। इन कॉलेजों को 2030 कॉमनवेल्थ गेम्स और 2036 ओलंपिक की तैयारी के दृष्टिकोण से उत्कृष्टता केंद्र के रूप में विकसित किया जाएगा। ग्राम पंचायत स्तर पर ओपन जिम, मिनी स्टेडियम और खेल मैदान विकसित किए जाएंगे।

दोगुनी आय और घटती बेरोजगारी का किया दावा

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

वित्त मंत्री का बजट भाषण

वित्त मंत्री सुरेश खन्ना

अमृत विचार: वित्तीय वर्ष 2026-2027 के बजट अनुमानों पर वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने सर्वांगीण विकास को प्रमुखता से रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि सरकार के पिछले और वर्तमान कार्यकाल में कानून-व्यवस्था के सुदृढ़ीकरण से लेकर अवस्थापना सुविधाओं के विस्तार, औद्योगिक निवेश, रोजगार सृजन, महिला सशक्तीकरण, युवाओं के कौशल संवर्धन, किसानों की खुशहाली और गरीबी उन्मूलन तक व्यापक बदलाव दर्ज किए गए हैं।

वित्त मंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश की अर्थव्यवस्था निरंतर मजबूती की ओर अग्रसर है। वर्ष 2024-2025 (त्वरित अनुमान) में राज्य की जीएसडीपी 30.25 लाख करोड़ रुपये आंकी गई है, जो पिछले वर्ष की तुलना में 13.4 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाती है। उन्होंने बताया कि प्रदेश की प्रति व्यक्ति आय 1,09,844 रुपये आंकी गई है, जो वर्ष 2016-2017 की 54,564 रुपये प्रति व्यक्ति आय के मुकाबले दोगुने से अधिक है। वित्त मंत्री ने आगे कहा कि वर्ष 2025-2026 में प्रति व्यक्ति आय 1,20,000 रुपये होने का अनुमान है। सरकार ने लगभग छह करोड़ लोगों को बहुआयामी गरीबी से ऊपर उठाने में सफलता प्राप्त की है, जबकि बेरोजगारी दर घटकर 2.24 प्रतिशत रह गई है। उन्होंने दावा किया कि आर्थिक वृद्धि, सामाजिक सुरक्षा योजनाओं के विस्तार और निवेश-आधारित विकास मॉडल के चलते उत्तर प्रदेश देश की अग्रणी अर्थव्यवस्थाओं में तेजी से अपनी स्थिति मजबूत कर रहा है।

निवेश, निर्यात और नवाचार

अमृत विचार, लखनऊ: वित्तीय वर्ष 2026-2027 के बजट अनुमानों पर वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने अपने भाषण में उत्तर प्रदेश की आर्थिक और औद्योगिक प्रगति को विस्तार से रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि सतत विकास लक्ष्यों की दिशा में प्रदेश ने उल्लेखनीय प्रगति की है। एसडीजी इंडिया इंडेक्स में उत्तर प्रदेश की रैंकिंग वर्ष 2018-2019 में 29वें स्थान पर थी, जो बेहतर होकर वर्ष 2023-2024 में 18वें स्थान पर पहुंच गई है। वित्त मंत्री ने बताया कि फरवरी 2024 में आयोजित चौथे ग्लोबल इन्वेस्टर्स सम्मिट ने निवेश के नए कीर्तिमान स्थापित किए। अब तक लगभग 50 लाख करोड़ रुपये के एमओयू हस्ताक्षरित हो चुके हैं, जिनसे लगभग 10 लाख रोजगार सृजन की संभावना है। इनमें से करीब 15 लाख करोड़ रुपये के निवेश से जुड़ी 16 हजार से अधिक परियोजनाओं के चार ग्राउंड ब्रेकिंग समारोह संपन्न हो चुके हैं। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश आज भारत का सबसे बड़ा मोबाइल फोन विनिर्माण केंद्र बन चुका है। देश के कुल मोबाइल फोन उत्पादन का 65 प्रतिशत हिस्सा प्रदेश में निर्मित होता है। साथ ही, भारत की 55 प्रतिशत इलेक्ट्रॉनिक्स कंपोनेंट इकाइयां भी प्रदेश में स्थित हैं और इलेक्ट्रॉनिक्स निर्यात 44,744 करोड़ रुपये तक पहुंच गया है। वित्त मंत्री ने यह भी बताया कि उद्योग और तकनीक में निवेश के साथ-साथ नवाचार को बढ़ावा देने के प्रयासों के परिणामस्वरूप उत्तर प्रदेश को राष्ट्रीय स्तर पर स्टार्टअप रैंकिंग में "लीडर श्रेणी" का दर्जा प्राप्त हुआ है। उन्होंने कहा कि निवेश, विनिर्माण और नवाचार के इस त्रिकोणीय मॉडल ने प्रदेश को देश की अग्रणी अर्थव्यवस्थाओं की कतार में खड़ा कर दिया है।

भाजपा सरकार का आखिरी और विदाई बजट : अखिलेश

अमृत विचार, लखनऊ: सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा है कि यह भाजपा सरकार का आखिरी और विदाई बजट है। भाजपा जनता से किये वादों को भूल गयी। भाजपा जनता की भावनाओं से खेलती है। बजट में गरीबों, किसानों, युवाओं के लिए कुछ नहीं है। बजट का आकार बड़ा है, मगर न तो मंहगाई कम हुई और न ही बेरोजगारी खत्म हुई। सपा प्रमुख बुधवार को पार्टी मुख्यालय में प्रेस कांफ्रेंस को संबोधित करते हुए कहा कि सरकार में बैठे लोग अयोग्य है, सरकार बजट खर्च नहीं कर पाती है। अभी तक पिछले बजट का 50 फीसदी भी नहीं खर्च कर पाई है। सरकार वन ट्रिलियन डॉलर अर्थव्यवस्था का सपना दिखाती है। उन्होंने कहा कि ट्रिलियन डालर इकोनामी के लिए जीएसडीपी 90 लाख करोड़ की होनी चाहिए और ग्रोथ रेट 30 फीसदी होनी चाहिए। जब आखिरी बजट पेश कर दिया तो 90 लाख करोड़ की जीएसटडीपी कहां से बनाएंगे।

बजट का आकार और तुलना

- **कुल बजट : 9 लाख 12 हजार 696 करोड़ 35 लाख रुपये**
- **कुल प्राप्तियां: 8.48 लाख करोड़**
- **राजस्व प्राप्तियां: 7.29 लाख करोड़**
- **कुल व्यय: 9.13 लाख करोड़**
- **राजस्व व्यय: 6.64 लाख करोड़**
- **पूंजीगत व्यय: 2.48 लाख करोड़**

नई योजनाओं की भरमार

- **सरदार वल्लभभाई पटेल एम्प्लॉयमेंट एंड इंडस्ट्रियल जोन**
- **बायोप्लास्टिक औद्योगिक नीति-2024**
- **वेयरहाउसिंग एवं लॉजिस्टिक्स नीति**
- **मुख्यमंत्री कृषक समृद्धि योजना**
- **महिला उद्यमी क्रेडिट कार्ड योजना**
- **पशुधन बीमा एवं जोखिम प्रबंधन योजना**
- **सहकारी चीनी मिलों का आधुनिकीकरण**
- **ड्रीम स्किल लैब**
- **नए कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय**
- **छात्राओं के लिए प्रत्येक जनपद में छात्रावास**
- **टेक युवा-समर्थ युवा योजना**
- **चार सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल (पीपीपी मोड)**
- **ट्रॉमा सेंटर लेवल-2**
- **चिकित्सा महाविद्यालयों में छात्रावास**
- **उत्तर प्रदेश एआई मिशन**
- **स्टेट डेटा सेंटर**
- **डेटा सेंटर क्लस्टर**
- **यू-हब की स्थापना**
- **'ग्रीन' और 'पिंक' बजट पर फोकस**

बजट विकसित भारत की संकल्पनाओं को समर्पित

अमृत विचार, लखनऊ : विधान परिषद में बजट सत्र के तीसरे दिन बुधवार को उप मुख्यमंत्री व नेता सदन केशव प्रसाद मौर्य ने उत्तर प्रदेश के 2026-27 के बजट प्रावधानों को प्रस्तुत करते हुए कहा कि यह बजट विकसित भारत की संकल्पनाओं को समर्पित बजट है। जन आकांक्षाओं को पूरा करने वाला बजट है। इसमें नारीशक्ति, किसानों, युवाओं और समाज के सभी वर्गों का खयाल रखा गया है। उप मुख्यमंत्री ने सभी विभागों को आवंटित बजट का विस्तृत ब्यौरा प्रस्तुत करते हुए कहा कि प्रदेश का सर्वांगीण विकास हो रहा है। अवस्थापना सुविधाओं का विस्तार हो रहा है। महिलाओं के सशक्तीकरण की दिशा में ठोस कदम उठाये गये हैं। युवाओं को रोजगार देने, किसानों व आम जनता की खुशहाली के लिये संतुलित बजट है। बजट में ग्राम्य विकास विभाग की योजनाओं के लिए 25,550 करोड़ रुपये, इनमें मनरेगा तथा राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के लिए क्रमशः 5,544 करोड़ रुपये एवं 4580 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित की गई है।

विशेष टिप्पणी | लखनऊ विश्वविद्यालय के अर्थशास्त्र विभाग के प्रो. मनोज अग्रवाल ने बजट को बताया संतुलित

प्रदेश के समग्र विकास का प्रगतिगामी बजट

यह बजट चुनावी बजट होते हुए भी प्रगति का बजट है और दीर्घकालीन रणनीति वाला बजट है। सबसे बड़ी बात की इसमें संतुलन रखा गया है। बजट घाटे को सीमित दायरे में रखा गया है, 2.98 प्रतिशत जो 3 प्रतिशत से नीचे है। इसके अलावा राजस्व व्यय को सीमित रखते हुए राजस्व आय बढ़ाने के उपाय किए गए हैं। जिसके कारण हमारा पूंजीगत परिव्यय राज्य आय का 4.5 प्रतिशत हो गया है। यह आज से 9 साल पहले 3 प्रतिशत से काफी कम था। इसका लाभ यह हो रहा है कि जब विधि व्यवस्था दुरुस्त हो गई है, डिजिटल चीजें अच्छी होने के साथ गर्वनेंस में सुधार हुआ है। इसके अलावा इज ऑफ डूइंग बिजनेस अच्छा हुआ है। सरकारी निवेश और आधारभूत संरचना बढ़ने से विदेशी निवेश के साथ घरेलू निवेश तेजी से बढ़ा है। जो इंवेस्टर समिट में दिखाई भी दिया।

प्रो. मनोज अग्रवाल, अर्थशास्त्र विभाग, लखनऊ विश्वविद्यालय

दूसरा, यह बजट युवाओं की संभावना वाला और महिलाओं के विकास वाला है। व्यावसायिक शिक्षा और तकनीकी शिक्षा का बजट काफी बढ़ाया गया है, इसी के साथ आईटी सेक्टर और इलेक्ट्रानिक का बजट बढ़ाया गया है। दोनों का तालमेल करके लैब बनाया जाना है, एआई का लैब, डेटा सेंटर के लिए 30 हजार करोड़ के 6 प्रस्ताव स्वीकृत हुआ है। यह सारी चीजें उत्तर प्रदेश को काफी आगे ले जाएंगी। कृषि में 20 प्रतिशत, सिंचाई और बाढ़ नियंत्रण पर 30 प्रतिशत बजट बढ़ा है, इसी प्रकार पंचायती राज में बहुत ज्यादा बजट बढ़ाया गया है। खेती को आधुनिक करने के लिए डीजल पम्पिंग सेट की जगह सोलर पम्पिंग सेट को बढ़ावा देना, सड़क बनाना, पुलिया आदि के अवस्थापना के लिए पर्याप्त बजट है। केंद्र सरकार के साथ यूरोपियन यूनियन और अमेरिका से जो प्रस्ताव पास हुआ है। जिससे हमारा टैक्सटाइल का निर्यात बढ़ेगा। उत्तर प्रदेश में प्रधानमंत्री मित्र टैक्सटाइल पार्क योजना के तहत पार्क बनेगा। जिसका लाभ उठाते हुए हथकरघा और वस्त्र उद्योग का बजट 5 गुना कर दिया गया है, जिससे टैक्सटाइल सेक्टर में हमारा निर्यात बढ़ सके। इसी तरह एमएसएमई सेक्टर, अवस्थापना, उद्योग जगत का बजट भी बढ़ाया गया है। माइक्रो यूनिट में एक लाख लोगों को गारंटीमुक्त व ब्याज मुक्त ऋण देने की बात है, जिससे वह अपना व्यवसाय लगा सकें। युवाओं के प्रशिक्षण पर, मेडिकल एजुकेशन पर या मेडिकल सीट में जो बढ़ोत्तरी हुई है। उससे युवाओं के कौशल विकास, व्यावसायिक शिक्षा और उनके रोजगार की संभावनाएं तेजी से बढ़ रही है। यह सारी चीजें प्रगतिगामी हैं।

● अमृत विचार

विभागीय आवंटन में प्राथमिकताएं

सबसे अधिक आवंटन प्राथमिक शिक्षा (80,997 करोड़), ऊर्जा (65,926 करोड़), गृह (44,145 करोड़) और लोक निर्माण विभाग (33,740 करोड़) को मिला है।

बुनियादी ढांचा और निवेश

- सात संचालित एयरपोर्ट जेवर एयरपोर्ट शीघ्र शुरू
- 16,000 स्टार्टअप, 8 यूनिकॉर्न
- 15 लाख करोड़ रुपये से अधिक निवेश प्रस्ताव

पर्यटन और धार्मिक अर्थव्यवस्था

- महाकुंभ 2025 में 66 करोड़ से अधिक श्रद्धालु
- 234 गांव पर्यटन केंद्र के रूप में विकसित
- लखनऊ 'क्रिएटिव सिटी ऑफ गैस्ट्रोनॉमी'

बरेली न्यूरो एण्ड स्पाईन सुपर स्पेशलिटी सेंटर

डा. मोहित गुप्ता

M.Ch., Neurosurgery (AIIMS)
Senior Consultant Neurosurgeon
मस्तिष्क, रीढ़ एवं नस रोग विशेषज्ञ
Reg. No. UPMCI 65389
समय - प्रातः 10 से 12:30 बजे तक
एवं सायं 6 से 8:30 बजे तक

अब डॉ. मोहित गुप्ता
रविवार को भी मिलेंगे
प्रातः 10 से दोपहर 1 बजे तक

सुविधायें

ब्रेन हैमरेज | स्लिप डिस्क
ब्रेन ट्यूमर | मिर्गी का दौरा
गर्दन दर्द (सर्वाइकल)
रीढ़ की चोट, टी.बी
सिर दर्द, माइग्रेन
कमर दर्द, कंधों में दर्द
पीठ दर्द, रीढ़ की गांठ
सिर की चोट (हेड इंजरी)
हाथ पैरों में झनझनाहट
फालिज (लकवा)
नसों का दर्द
सियाटिका (कमर में पैरों का दर्द)
दिमागी में पानी व खून जमना
दिमाग, रीढ़ एवं नस सम्बन्धित सभी बीमारियों का इलाज एवं ऑपरेशन

Bareilly Neuro and Spine Super Speciality Centre
Google Maps Location

सी-427, डिवाइन अस्पताल के सामने,
के.के. अस्पताल रोड, राजेन्द्र नगर, बरेली
7417389433, 7017678157
9897287601, 8191879754

स्वामी शुकदेवानंद विवि को बजट में 21 करोड़ रुपये

यूपी सरकार की बजट घोषणा, शाहजहांपुर को मिली बड़ी सौगात, स्मार्ट सिटी विकास की पहल भी शामिल

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

अमृत विचार : यूपी सरकार ने बजट में शाहजहांपुर को बड़ी सौगात दी है। स्वामी शुकदेवानंद विश्वविद्यालय के लिए 21 करोड़ रुपये का बजट प्रावधान किया गया है। बुधवार को वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री सुरेश खन्ना की ओर से यह बजट पेश किया गया। यह राशि शाहजहांपुर में शिक्षा के स्तर को बेहतर बनाने के उद्देश्य से स्वामी शुकदेवानंद विश्वविद्यालय की स्थापना के लिए आवंटित की गई है।

बजट में यह भी उल्लेख किया गया है कि शाहजहांपुर को स्मार्ट सिटी के तौर पर विकसित करने की पहल की गई है। विश्वविद्यालय के लिए बजट आवंटन के बाद प्रोफेसर डॉ. अनुराग अग्रवाल ने प्रसन्नता व्यक्त की। स्वामी शुकदेवानंद महाविद्यालय के अधिष्ठाता और पूर्व केंद्रीय गृह राज्यमंत्री स्वामी चिन्मयानंद ने कहा कि महाविद्यालय की संपत्ति करीब 100 करोड़ रुपये की है। यहां पहले से ही बिल्डिंग, क्लासरूम और अन्य आवश्यक इंफ्रास्ट्रक्चर मौजूद है। उन्होंने कहा कि बजट कम या अधिक होने से ज्यादा महत्वपूर्ण यह है कि शाहजहांपुर को विश्वविद्यालय मिल गया है, जो स्वागत योग्य कदम है।

उन्होंने कहा कि यदि नया विश्वविद्यालय बनाया जाता तो जमीन खरीदने और निर्माण में अधिक बजट लगता।

यूपी का बजट कृषि, शिक्षा, स्वास्थ्य, औधोगिक निवेश युवाओं, महिलाओं, किसानों के लिए फायदेमंद है। 10 लाख युवाओं को रोजगार का वादा, लड़कियों की शादी की रकम अब 100000 हो गई है। छात्राओं के लिए स्कूटी के लिए 400 करोड़ का बजट है। बजट में सभी को लाभ मिलेगा।

– **किशोर कुमार गुप्ता**, राष्ट्रीय जन उद्योग व्यापार संगठन प्रदेश कार्यकारिणी अध्यक्ष

बुनियादी ढांचे और औद्योगिक विकास के लिए कुल 27,103 करोड़ का बजट रखा गया है। नए औद्योगिक क्षेत्रों के प्रोत्साहन और विस्तार के लिए 5,000 करोड़ की भारी राशि प्रस्तावित है जो आवश्यकता के अनुकूल है और इसकी हम सराहना करते हैं। ओडीओसी के विस्तार के रूप में एक जनपद एक व्यंजन के लिए 75 करोड़ दिए गए हैं जोकि ओडीओपी की मुहिम की तरह स्वागत योग्य है।

– **गुरजीत सिंह मोंगा** डिवीजनल चेयरमैन, आईआईए

72.0074 करोड़ की यह स्वीकृति शाहजहांपुर के लिए महत्वपूर्ण इंफ्रास्ट्रक्चर पहल है, जो शहर की कनेक्टिविटी और आर्थिक गतिविधियों को नई रफ्तार देगी। छोटे उद्योगों के लिए समर्पित क्लस्टर बनाने के लिए 575 करोड़ की एक नई योजना शुरू की गई है साथ ही मुख्यमंत्री औद्योगिक क्षेत्र विस्तार योजना के अधीन नए औद्योगिक क्षेत्रों को विकसित करने का प्रस्ताव है जिस से संबंधित क्षेत्र में औद्योगिक विकास संभावित है। – **विनम्र अग्रवाल**, चेयरमैन आईआईए

स्वामी शुकदेवानंद विश्वविद्यालय के लिए पहली बार उप्र शासन के द्वारा 21 करोड़ रुपये का बजट आवंटन किया जाना विश्वविद्यालय के निर्माण में बहुत बड़ा प्रोत्साहन देगा। इसके लिए यशस्वी मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और वित्त मंत्री सुरेश कुमार खन्ना का हृदय से आभार व्यक्त करते हैं। बजट खर्च के संबंध में नीतिगत निर्णय के बाद ही स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

– **डॉ. अवनीश कुमार मिश्र**, स्वामी शुकदेवानंद प्रबंध समिति सचिव

बजट में विश्वविद्यालय के लिए 21 करोड़ रुपये मिलने से विश्वविद्यालय की तेजी के साथ उन्नति होगी। विश्वविद्यालय में भवन निर्माण से लेकर लैब, कम्प्यूटर, लैपटॉप, शैक्षिक सामग्री आदि पर इस रकम को खर्च किया जाएगा। लेकिन अभी सब कुछ स्पष्ट नहीं है। अभी विवि का अकाउंट ही नहीं खुला है। रकम खर्च के संबंध में अभी गजट भी आएगा। किस मद में कितनी रकम खर्च की जाएगी। इस बारे में शासन से निर्देश आएंगे।

– **डॉ. अनुराग अग्रवाल**, उप प्राचार्य, एसएस कॉलेज

इस बार के बजट में सिंचाई, सोलर पंप और कृषि फीडर पर दिया गया जोर हमारे लिए राहत लेकर आया है। अगर खराब पड़े नलकूप दोबारा चालू हो गए तो खेतों की सिंचाई समय पर हो सकेगी। सोलर पंप से डीजल खर्च बचेगा और लागत कम होगी, जिससे आय बढ़ने की उम्मीद है।

– **कौशल मिश्रा**, किसान

उत्तर प्रदेश का बजट सर्वांगीण विकास करने का दर्पण है, एक पूरा रोडमैप है। देश की जनता बड़ी उम्मीद के साथ उत्तर प्रदेश की ओर देख रही थी और आज जो ऐतिहासिक बजट आया है, उसने प्रदेश की जनता की जो उम्मीद, आशा और विश्वास है उसको पूरा करता हुआ दिख रहा है।

– प्रशांत कठेरिया, भाजपा नेता

एमएसएमई सेक्टर को आर्थिक विकास और रोजगार सृजन का मुख्य आधार बनाया गया है। युवाओं के लिए स्किल डेवलपमेंट और अप्रेंटिसशिप योजनाए प्रस्तावित हैं, जो आवश्यक हैं। नई इकाइयों के लिए कैपिटल सब्सिडी और ब्याज सब्सिडी मिली है।

– **हेमंत रोहरा**, वाइस चेयरमैन, आईआईए

सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम क्षेत्र के लिए 3,822 करोड़ का प्रावधान किया गया है। यह पिछले वर्ष की तुलना में 19 प्रतिशत की वृद्धि है। इसके अतिरिक्त युवा उद्यमियों को 5 लाख तक का ब्याज मुक्त ऋण प्रदान करके हर साल 1 लाख सूक्ष्म उद्यम स्थापित करने के लक्ष्य से युवा रोजगार और स्टार्टअप को बढ़ावा मिलेगा जो कि प्रशंसा योग्य है।

– **रोहित गोयल**, सचिव आईआईए

उत्तर प्रदेश विधान सभा में प्रदेश के ऊर्जावान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के कुशल नेतृत्व में वित्त मंत्री सुरेश कुमार खन्ना द्वारा वित्तीय वर्ष 2026–27 का प्रस्तुत बजट कृषि, शिक्षा और स्वास्थ्य जैसे मूलभूत क्षेत्रों को प्राथमिकता देकर अंत्योदय से सर्वोदय की भावना को साकार करने वाला बजट है।

– **विनीत मिश्र**, केंद्रीय राज्य मंत्री प्रतिनिधि

विश्वविद्यालय के लिए 21 करोड़ रुपये के आवंटन को स्वीकार किया, लेकिन विकास के लिए अलग से बजट न होने पर सवाल उठाया। वित्त मंत्री स्वयं शाहजहांपुर की नगर विधानसभा सीट से विधायक हैं, फिर भी जिले के विकास के लिए कुछ नहीं किया गया। – **तनवीर खां**, सपा जिलाध्यक्ष

बजट में किसानों को अन्नदाता के साथ-साथ उद्यमी बनाने के प्रयास किए गए हैं। सरकार ऐसी अनेक योजनाओं पर काम कर रही है, जो इस दिशा में किसानों के लिए लाभकारी होंगी।

– **शिव ओम** शर्मा, क्षेत्रीय मंत्री, भाजपा किसान मोर्चा ब्रज क्षेत्र

बजट में सरकार ने किसानों को बजट के नाम पर मिल रही है लॉलीपॉप और निजी कंपनियों के हित में बजट पेश किया गया है। ऐसे में किसानों को कुछ भी नहीं मिला पा रहा है।

–**सचिन मिश्रा**, महासचिव, राष्ट्रीय किसान मजदूर संगठन पुवायां तहसील

शाहजहांपुर को स्मार्ट सिटी के रूप में विकसित करने की योजना में शामिल किया जाना सुखद है। गंगा एक्सप्रेस वे के माध्यम से बेहतर कनेक्टिविटी और औद्योगीकरण को बढ़ावा मिलेगा, जिससे आर्थिक विकास को गति मिलेगी।

– **मोहम्मद कामरान**, प्रतिभूति बाजार प्रशिक्षक

विकास और समृद्धि की नई दिशा तय करता वित्तीय वर्ष 2026–27 का उत्तर प्रदेश सरकार का 9.12 लाख करोड़ का ऐतिहासिक बजट, 25 करोड़ प्रदेशवासियों के सपनों को साकार करने का सशक्त रोडमैप प्रस्तुत करता है। इसे विकासोन्मुखी और समावेशी बजट कह सकते हैं।

– **नवजोत सिंह**, शिक्षक

जिले को व्यापक लाभ मिलने की उम्मीद

शाहजहांपुर, अमृत विचार : शाहजहांपुर को इस बजट में कोई अलग बड़ी परियोजना नहीं मिली, लेकिन कनेक्टिविटी, एमएसएमई, कृषि, शिक्षा और स्वास्थ्य से जुड़ी योजनाओं के माध्यम से जिले को व्यापक लाभ मिलने की उम्मीद है। यदि योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन हुआ, तो व्यापार और रोजगार के अवसरों में वृद्धि देखी जा सकती है। रिंग रोड (सुभाषनगर–शाहबाजनगर) के मध्य, उत्तर रेलवे समपार संख्या 325/सी पर 2-लेन उपरगामी सेतु के निर्माण के लिए 72.0074 करोड़ की धनराशि को मुख्यमंत्री ने स्वीकृति प्रदान की है।

बजट की घोषणा के बाद विश्वविद्यालय परिसर में प्रसन्नता व्यक्त करते प्रोफेसर।

विधानसभा में प्रदेश सरकार के बजट में युवा, महिला और रोजगार पर सबसे ज्यादा ध्यान दिया है। वित्त मंत्री सुरेश कुमार खन्ना ने 9 लाख 12 हजार 696 करोड़ का बजट पेश करते हुए अपने भाषण में प्रमुख घोषणा में 10 लाख युवाओं को रोजगार देने की बात कही है। – **वैभव सक्सेना**, अभाविप पदाधिकारी

ऑनलाइन ट्रेडिंग पर अतिरिक्त टैक्स की उम्मीद थी, ताकि छोटे और मझोले व्यापारियों को राहत मिले, स्वास्थ्य, शिक्षा और रोजगार पर ध्यान ज्यादा दिया गया है। बजट सराहनीय है।

– **मो सलाउद्दीन** अख्तर, महानगर अध्यक्ष, उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल

बरात में किशोर का अपहरण, कटरी में छोड़ा

शाहजहांपुर, अमृत विचार: कलान क्षेत्र में बरात में आए किशोर का बाइक सवार लोगों ने अपहरण कर लिया। अपहरणकर्ताओं ने बदायूं के गंगातट पर छोड़कर भाग गए। कलान थाना क्षेत्र के गांव ढढ़ई निवासी रामसिया सक्सेना की पुत्री की शादी थी। बदायूं जिले के कस्बा चादरचोक निवासी प्रेमपाल सक्सेना का 17 वर्षीय पुत्र मोरपाल बरात में शामिल होने आया था। मंगलवार की रात में नौ बजे बाइक पर दो लोग आए और मौका पाकर मोरपाल को तमंचा दिखाकर जान से मारने की धमकी दी। आरोप है कि बाइक सवार बदमाशों ने किशोर का अपहरण कर लिया और बदायूं के अटेना घाट पर ले गए। अपहरणकर्ताओं ने उसका मोबाइल छीन लिया। मोरपाल ने शोर मचाया तो बाइक सवार उसे छोड़कर भाग गए। पुलिस ने शक के आधार पर कुछ लोगों को हिरासत में लिया और पूछताछ कर रही है। कलान थाना प्रभारी शिवदीन वर्मा ने बताया कि मामला अपहरण नहीं लग रहा है, बल्कि जांच की जा रही है।

बाइक से टकराकर बुजुर्ग महिला की जान गई

संवाददाता, मिर्जापुर

अमृत विचार: क्षेत्र में बुधवार अपराह्न करीब डेढ़ बजे जलालाबाद-ढाईघाट स्टेट हाइवे पर ग्राम पृथ्वीपुर में हाइवे क्रास कर दूसरे घर में जा रही 60 वर्षीय महिला द्रोपदी पत्नी प्रहलाद की बाइक से टकराकर दर्दनाक मृत्यु हो गई। मौके पर मौजूद ग्रामीणों ने बाइक चालक को पीटकर पुलिस के हवाले कर दिया।

मृतका के पति प्रहलाद ने बताया कि बुधवार अपराह्न करीब डेढ़ बजे उसकी पत्नी द्रोपदी घर से हाइवे के दूसरी ओर स्थित अपने दूसरे घर में जा रही थी। हाइवे क्रास करते समय ढाईघाट की ओर से तेजी व लापरवाही से बाइक चलाते हुए बाइक सवार ने उसकी पत्नी द्रोपदी को टक्कर मार दी।

जिससे उनकी मौके पर ही मृत्यु हो गई। ग्रामीणों ने बाइक चालक को मौके पर ही पकड़कर जमकर पिटाई करने के बाद पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने मौके पर आकर आरोपी बाइक चालक को ग्रामीणों से मुक्त करवाकर थाने और शव को सीएचसी जरियनपुर भेज दिया। ग्रामीणों ने बताया कि बाइक चालक अफजल ने अपना नाम अफजल पुत्र मंगू निवासी ग्राम कमथरी, थाना शमशाबाद (फर्रुखाबाद) बताया है। जबकि बाइक पर बैठी महिला का नाम रईसा पत्नी स्वर्गीय इदरीश व अरीबा पुत्री साहिल बताया।

ट्रैक्टर-ट्राली पलटी, चालक की मौत

शाहजहांपुर, अमृत विचार : राष्ट्रीय राजमार्ग पर खिरिया सकटू गांव के सामने गन्ने से भरी ट्रैक्टर-ट्राली अचानक पलट गयी और चालक दबकर घायल हो गया। चालक की इलाज के दौरान मौत हो गयी। खुदागंज थाना क्षेत्र के गांव फुलवा निवासी 25 वर्षीय धर्मेंद्र गंगवार मंगलवार की शाम आठ बजे ट्रैक्टर-ट्राली पर गन्ना लेकर तिलहर चीनी मिल जा रहे थे। हाईवे खिरिया सकटू गांव के सामने अचानक ट्रैक्टर-ट्राली पलट गयी। जिससे ट्रैक्टर चालक धर्मेंद्र कुमार घायल हो गया। घायल को सीएचसी कटरा पर लाया गया। डाक्टर ने घायल को बरेली के लिए रेफर कर दिया। देर रात बरेली ले जाते समय घायल की मौत हो गई।

पंडित दीनदयाल उपाध्याय की पुण्यतिथि मनाई

कलान, अमृत विचार: ब्लॉक प्रमुख कार्यालय परिसर में बुधवार को पंडित दीनदयाल उपाध्याय की पुण्यतिथि पर भाजपा कार्यकर्ताओं ने श्रद्धांजलि दी। नगर पंचायत चेयरमैन हर नारायण गुप्ता, भाजपा मंडल अध्यक्ष अजय प्रताप सिंह, पूर्व प्रधान रामगोपाल वर्मा, सभासद संदीप गुर्जर आदि मौजूद रहे।

लेबर कोड बदलाव के विरोध में किया प्रदर्शन

- प्रतिरक्षा कर्मचारी यूनियन ने किया विरोध

संवाददाता, शाहजहांपुर

अमृत विचार: प्रतिरक्षा कर्मचारी यूनियन की ओर से लेबर कोड में प्रस्तावित बदलावों के विरोध में काला बैज लगाकर शांतिपूर्ण प्रदर्शन किया गया। यूनियन पदाधिकारियों और सदस्यों ने आरोप लगाया कि लेबर कोड में किए जा रहे परिवर्तन कर्मचारियों के हितों के प्रतिकूल हैं और इससे श्रमिकों के अधिकार प्रभावित होंगे।

प्रदर्शन के दौरान यूनियन की ओर से निर्णय लिया गया कि कर्मचारियों की मांगों को प्रभावी ढंग से उठाने के लिए 11 फरवरी को रैली निकाली जाएगी।

इसके बाद 12 फरवरी को एक घंटे की सांकेतिक हड़ताल और लंच बहिष्कार किया जाएगा। कार्यक्रम में अध्यक्ष नीरज दीक्षित, महामंत्री मो. रिज़वान, समीउद्दीन, राममोहन अग्निहोत्री, मो. नसीम, मुकेश भारती, सुरेश सक्सेना, इमरान रज़ा, विमलदीप शर्मा, शकील अहमद, रवि सक्सेना, नौशाद हसन, राजकुमार मौर्य, प्रदीप सक्सेना, शम्स तौहीद, मो. यासीन, मो. अज़हर, लाल बहादुर, संदीप दीक्षित, वज़हुल कमर, राजवीर और मो. मोईन सहित अन्य सदस्य मौजूद रहे।

यूनियन ने केंद्र सरकार से मांग की है कि कर्मचारियों के हितों को ध्यान में रखते हुए लेबर कोड में किए जा रहे बदलावों पर पुनर्विचार किया जाए।

गुस्साए ग्रामीणों ने ब्लॉक मुख्यालय पर जड़ा ताला

- तीन बार कोटा चयन प्रस्ताव पर सचिव ने नहीं की बैठक
- ब्लॉक प्रमुख के समझाने पर शांत हुए लोग, बैठक आज

संवाददाता, खुटार

अमृत विचार: गांव राठ में निलंबित चल रहे कोटा चयन के प्रस्ताव को लेकर खुली बैठक के मामले में सचिव पर बुधवार को ग्रामीणों का गुस्सा फूट पड़ा। तमाम ग्रामीण ट्रैक्टर ट्राली से ब्लॉक मुख्यालय पहुंचे और गेट पर ताला लगा दिया। बाद में सचिव के खिलाफ जमकर प्रदर्शन कर नारेबाजी की। इससे ब्लॉक में कर्मचारियों और लोगों का गेट से निकलना बंद हो गया। जानकारी के बाद ब्लॉक प्रमुख नमित दीक्षित पहुंचे और ग्रामीणों से बातचीत की। लोगों ने बताया कि जिलापूर्ति अधिकारी की ओर से कोटा निलंबित कर दिया गया था। एसडीएम ने गांव में खुली बैठक कराने के निर्देश दिए थे। ग्राम विकास अधिकारी ने कोटा चयन को लेकर तीन बार तारीख तय की। इसके बावजूद सचिव नहीं पहुंचे।

ब्लॉक मुख्यालय के गेट पर ताला जड़ने के बाद मौजूद ग्रामीण। ● अमृत विचार

जिस कारण यह कदम उठाया गया। ब्लॉक प्रमुख नमित दीक्षित ने गुरुवार को कोटा चयन की खुली बैठक कराने का आश्वासन दिया। इसके बाद ग्रामीण शांत हुए और वापस लौट गए। खुटार ब्लॉक के गांव राठ निवासी अशोक कुमार ने बताया कि कुछ माह पहले उनके गांव में सरकारी सस्ते गल्ले की दुकान में अनियमितता पाए जाने पर जिलापूर्ति अधिकारी ने निलंबित कर दिया था। बाद में एसडीएम ने गांव में खुली बैठक कर कोटा चयन करने के आदेश दिए थे। ग्रामीणों का आरोप है कि खुली बैठक को ग्राम विकास अधिकारी प्रमोद कुमार वर्मा ने 26 दिसंबर 2025, और 28 जनवरी 2026 व बाद में 11 फरवरी, 2026 को खुली बैठक कराने का प्रस्ताव किया था। इसके बावजूद सचिव प्रस्तावित तारीखों पर कोटा चयन की खुली बैठक को नहीं रखा।बुधवार को ग्रामीण भड़क उठे और ट्रैक्टर ट्राली से ब्लॉक मुख्यालय पहुंच गए। जहां ग्रामीणों ने ब्लॉक के मुख्य गेट पर ताला जड़ दिया और आने जाने वाले लोगों के आवागमन पर रोक लगा दी। ग्रामीणों ने कहा कि उन्हें तीन बार तारीख दी गई। इसके बाद भी गांव में कोटा चयन को खुली बैठक नहीं कराई गई है। ग्रामीणों के प्रदर्शन करने की सूचना मिलते ही ब्लॉक प्रमुख नमित दीक्षित, भाजपा नेता देवनरायण मिश्रा ब्लॉक पहुंचे। जहां प्रदर्शन कर रहे ग्रामीणों को शांत कराया। ब्लॉक प्रमुख नमित दीक्षित ने ग्रामीणों को आश्वासन दिया कि गुरुवार को गांव राठ में कोटा चयन के लिए खुली बैठक कराई जाएगी। इस बात पर ग्रामीण राजी हो गए और धरना प्रदर्शन समाप्त कर दिया। इस दौरान अश्वनी कुमार, कुलदीप कुमार, सर्वेश कुमार, धर्मेंद्र कुमार, नवीन कुमार, अरुण कुमार, दिनेश कुमार, श्यामू, सुरेंद्र कुमार, गुड्डू भैया, रामपाल, देवेंद्र आदि ग्रामीण मौजूद रहे।

Lifelines MEDICAL OF BAREILLY
अमृत विचार
विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें :- 8445507002

फोकस नेत्रालय
राजेन्द्र नगर, बरेली 731-098-7005

बरेली का सबसे बड़ा केवल आँखों के लिए समर्पित प्राइवेट अस्पताल ...
नवीनतम AI तकनीक एवं NABH मान्यता के साथ

- 40,000 से अधिक सफल सर्जरी सम्पन्न
- बिना इंजेक्शन एनेस्थीसिया (केवल आई ड्राप्स द्वारा)
- आयुष्मान/सीजीएचएस/ ईसीएचएस/सीएपीएफ सभी स्वास्थ्य बीमा मान्य
- कैशलेस ईलाज

स्वास्थ्य जागरूकता अभियान
नि : शुल्क परामर्श
कैम्प में समस्त ब्लड जाँचें, ई.सी.जी., एक्स-रे 50% के छूट पर किये जायेंगे।
रजिस्ट्रेशन शुल्क 20/-
महीने के प्रत्येक रविवार को
समय : सुबह 10 से 5 बजे तक
डॉ. दीपक माहेश्वरी
MBBS., MD, Consultant Physucuan & Critical Care Specialist
ब्लड प्रेशर, हृदय रोग
श्वांस रोग, गम्भीर रोग विशेषज्ञ
प्रेमलोक हॉस्पिटल
नरियावल अड्डा,
शाहजहाँपुर रोड, बरेली।
9084307201, 9412244430
डॉ. नितिन अग्रवाल हृदय रोग विशेषज्ञ
मो. 9457833777

ADITYA
आदित्य आई एण्ड लेजर सेन्टर
उपलब्ध सुविधायें :-
बिना सुई बिना टांका आधुनिक लेंस प्रत्यारोपण की सुविधा।
100000 से अधिक आंखों के आपरेशन का अनुभव
TPA कैशलेस सुविधा उपलब्ध
अल्ट्रासाउण्ड द्वारा पर्दे की जांच की सुविधा उपलब्ध
IOL Master 700 द्वारा लेंस का नम्बर
लेजर द्वारा आंख की झिल्ली हटाने की सुविधा उपलब्ध
बी स्कैन द्वारा पर्दे की जांच उपलब्ध
OCT द्वारा काला पानी एवं पर्दे की जांच व उपचार
8077344353
समय : प्रातः 10 बजे से सायं 7 बजे तक (सोमवार से शनिवार)
आयुष्मान कार्ड धारकों के लिए फ्री आपरेशन की सुविधा
डॉ. आदित्य त्यागी
MBBS, DOMS, DNB, MNAMS
CARARACT REFRATIVE & GLAUCOMA SURGERON
ट्यूलिप ग्रांड के सामने, पीलीभीत बाईपास, बरेली

न्यूज ब्रीफ

छात्रा लापता गुमशुदगी दर्ज

शाहजहांपुर, अमृत विचार : सेहरामऊ दक्षिणी थाना क्षेत्र के एक गांव की महिला ने थाने में दी तहरीर में बताया कि उसकी पुत्री शहर में एक इंटर कालेज की कक्षा 10 की छात्रा है। 09 फरवरी की सुबह उसकी पुत्री घर से कालेज के लिए पढ़ने के लिए गयी थी, जो आज तक घर वापस नहीं आयी है। उन्होंने रिश्तेदारी और स्कूल में जाकर पता किया तो पुत्री का पता नहीं चला। पुलिस ने छात्रा की गुमशुदगदी दर्ज कर ली है। पुलिस लापता छात्रा की तलाश कर रही है।

छत से गिरकर महिला गंभीर घायल

कलान, अमृत विचार : थाना क्षेत्र के ग्राम ढाका लालपुर निवासी ओम सिंह की पत्नी पूनम बुधवार शाम करीब 4 :30 बजे अपने घर की छत पर साफ-सफाई कर रही थीं। इसी दौरान संतुलन बिगड़ने से वह नीचे गिर गईं और गंभीर रूप से घायल हो गईं। परिजनों ने एंबुलेंस की सहायता से उन्हें प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया, जहां उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई। घटना के बाद परिवार में अफरा-तफरी मच गई।

गर्रा नदी किनारे मिला अज्ञात शव

तिलहर, अमृत विचार : कोतवाली क्षेत्र के गांव पिंगरा के पास गर्रा नदी किनारे बुधवार को एक अज्ञात व्यक्ति का शव मिलने से क्षेत्र में हड़कंप मच गया। सूचना मिलते ही कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची और शव की शिनाख्त कराने का प्रयास किया, लेकिन पहचान नहीं हो सकी। पुलिस ने आवश्यक कार्रवाई करते हुए शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। शव मिलने की खबर से आसपास के गांवों में चर्चा का माहौल बना रहा।

सड़क हादसे में घायल छात्र की मौत

तिलहर, अमृत विचार : जैतीपुर थाना क्षेत्र के बंथरी गांव निवासी संजेश के पुत्र सुधांशु की सड़क हादसे में घायल होने के बाद इलाज के दौरान मौत हो गई। संजेश के अनुसार 4 फरवरी की सुबह सुधांशु बरखेड़ा मार्ग स्थित पिथनापुर के स्कूल जा रहा था। आरोप है कि पिथनापुर गांव के ट्रैक्टर चालक कर्मवीर उर्फ कटीले ने उसे टक्कर मार दी। सुधांशु ट्रैक्टर में फंस गया और कई मीटर तक घसीटा गया। घायल छात्र को शाहजहांपुर के राजकीय मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया। 10 फरवरी को डॉ. ने उसे बरेली रेफर किया, लेकिन उसी रात रास्ते में उसकी मौत हो गई। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पिता ने ट्रैक्टर चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है।

पीतल की चेन को सोना बताकर ठगी

दो दाने असली देकर भरोसा जीता, जेवर गिरवीं रखकर लाए नकदी

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

- बरेली मोड़ पर सौदा, मेडिकल कॉलेज गेट के सामने लिए रुपये
- महिला समेत तीन अज्ञात पर कांट थाने में मुकदमा दर्ज

अमृत विचार: कांट थाना क्षेत्र के गांव जरावन निवासी राधेश्याम से एक महिला समेत तीन अज्ञात लोगों ने सोने की चेन बताकर पीतल की चेन थमा दी और चार लाख रुपये ठग लिए। आरोप है कि ठगों ने पहले चेन के दो दाने तोड़कर जांच के लिए दिए, जो असली सोना निकले। इसी भरोसे में आकर पीड़ित ने घर के जेवर गिरवीं रखकर रकम का इंतजाम किया। पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ विभिन्न धाराओं में रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

राधेश्याम ने तहरीर में बताया कि 08 फरवरी को दोपहर करीब तीन बजे वह मोटरसाइकिल की सर्विस कराने कांट में पप्पू मिस्त्री की दुकान पर गया था। वहीं एक व्यक्ति से बातचीत हुई। वह उसे अलग ले जाकर बोला कि खुटार में पुल निर्माण के दौरान खुदाई में सोने की चेन और करीब 60 चांदी के सिक्के मिले हैं। उसने एक चांदी का सिक्का दिखाते हुए खरीदार तलाशने को कहा और मोबाइल नंबर लेकर शाम को संपर्क करने की बात कही।

09 फरवरी को आरोपी ने फोन कर बरेली मोड़ बुलाया। वहां वह एक महिला और एक अन्य व्यक्ति के साथ मिला और आवास विकास कालोनी के गोल चौराहे पर ले गया। आरोपी ने चेन दिखाकर दो दाने तोड़कर दिए और कहा कि जांच करा लो। राधेश्याम उन टुकड़ों को कांट स्थित प्रिया ज्वैलर्स पर ले गया, जहां जांच में उन्हें असली सोना बताया गया। उसने दोनों दाने चार हजार रुपये में बेच दिए। इसके बाद आरोपी ने 10 फरवरी को दिन में डेढ़ बजे रुपये लेकर आने को कहा। राधेश्याम ने यह बात अपने चचेरे भाई सत्यप्रकाश को बताई।

दोनों ने घर के जेवर एक सराफा की दुकान पर गिरवीं रखकर चार लाख रुपये जुटाए और बरेली मोड़ पहुंचे। आरोपी दोनों को लेकर राजकीय मेडिकल कॉलेज के गेट के सामने आया। कुछ देर बाद वह महिला और एक अन्य व्यक्ति के साथ लौटा। दिन में करीब तीन बजे चार लाख रुपये लेकर सोने की चेन देकर चला गया। शाम को दोनों भाइयों ने कांट में सियाराम ज्वैलर्स पर चेन की जांच कराई तो उसे नकली बताया गया। आरोपियों की तलाश की गई, लेकिन वे नहीं मिले। कांट प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि एक महिला समेत तीन अज्ञात के खिलाफ विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है और विवेचना जारी है।

महिला ने अपहरण का झांसा देकर 3.10 लाख की ऑनलाइन ठगी की

शाहजहांपुर : जलालाबाद थाना क्षेत्र के गांव तिकोला निवासी मूंगालाल ने थाना में तहरीर देकर बताया कि उनके भतीजे सोरन सिंह से एक महिला ने ऑनलाइन ठगी कर तीन लाख 10 हजार रुपये ट्रांसफर करा लिए। मामले में अज्ञात के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर पुलिस जांच में जुट गई है। तहरीर के अनुसार 03 फरवरी को सोरन सिंह अपने मोबाइल नंबर के माध्यम से एक महिला से व्हाट्सएप पर चैटिंग और वार्तालाप कर रहे थे। इस दौरान हुई बातचीत के स्क्रीनशॉट सोरन सिंह की बेटी अंशिका ने ले लिए थे। चैटिंग के दौरान सोरन सिंह ने मोबाइल नंबर के जरिए कुल तीन लाख 10 हजार रुपये ट्रांसफर किए। बताया गया कि जब सोरन सिंह के पास पैसे समाप्त हो गए तो उन्होंने फोन करने वाली महिला को रकम देने में असमर्थता जताई। आरोप है कि महिला ने अपहरण का भय दिखाकर रकम ऐंठी। बाद में सोरन सिंह ने महिला से अपने रुपये वापस करने की मांग की। ठगी का एहसास होने पर उन्होंने अपनी पत्नी मीना देवी और बेटी अंशिका को पूरी जानकारी दी। घटनाक्रम में यह भी बताया गया कि चैटिंग करने वाली महिला स्वयं को दिल्ली की निवासी बता रही थी। पीड़ित मूंगालाल ने पुलिस से मांग की है कि उनके भतीजे से ठगे गए तीन लाख 10 हजार रुपये वापस कराए जाएं और आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की जाए। जलालाबाद प्रभारी निरीक्षक राजीव तोमर ने बताया कि अज्ञात के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है और मामले की विवेचना की जा रही है।

अश्लील वीडियो बनाने के विरोध पर मां-बेटे को पीटा

शाहजहांपुर, अमृत विचार : जलालाबाद थाना क्षेत्र के गांव रैपुरा की एक महिला ने थाना पर दी गई तहरीर में बताया कि गांव की सीमा राजपूत असभ्य महिला है। आरोप है कि आए दिन ग्रामवासियों के ऊपर आपत्तिजनक एवं अश्लील वीडियो बनाकर इंटरनेट पर अपलोड करती रहती है। जिस कारण गांव वाले अपने आप को शर्म महसूस करते है। ऐसे ही एक अत्यन्त आपत्तिजनक वीडियो को लेकर पीड़िता की आरोपी सीमा से कहासुनी हो गयी। पीड़िता अपने बेटे पुष्पेंद्र को लेकर आरोपी महिला के घर पर पति से शिकायत करने के लिए गयी थी। उसने कहा कि इस तरह के अश्लील वीडियो मत बनाया करो और बच्चों पर बुरा प्रभाव पड़ रहा है, जिससे गांव वालों की बदमानी होती है।

आरोप है कि महिला और उसके पति तथा देवर बबलू व कप्तान ने एक राय होकर मां-बेटे को पीटकर घायल कर दिया। प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है। पुलिस मामले की विवेचना कर रही है।

अचेत अवस्था में सड़क किनारे मिला युवक

संवाददाता, पुवायां

- शादी के कार्ड पर दिए नंबरों पर संपर्क करने पर हुई युवक की पहचान
- यातायात पुलिस ने अस्पताल भिजवाया, परिजन आकर ले गए अपने साथ

अमृत विचार: इटावा से शादी समारोह में शामिल होने आया एक युवक बुधवार को संदिग्ध हालात में राजीव चौक के पास सड़क किनारे पड़ा मिला। युवक के शरीर पर केवल नेकर था, जबकि उसके अन्य कपड़े गायब थे। सूचना पर पहुंची यातायात पुलिस ने उसे अस्पताल भिजवाया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद लड़की पक्ष के लोग उसे अपने साथ ले गए।

जानकारी के अनुसार बुधवार दोपहर राजीव चौक पर ड्यूटी के दौरान यातायात पुलिसकर्मियों की नजर पिंक बूथ के पास पड़े एक युवक पर पड़ी। युवक अचेत अवस्था में था और अपने बारे में कुछ भी बता पाने की स्थिति में नहीं था। उसके पास मिले एक बैग की तलाशी लेने पर उसमें शादी का कार्ड और एक डायरी मिली, जिसमें नाम-पता दर्ज था।

कार्ड पर दिए गए मोबाइल नंबरों पर संपर्क करने पर युवक की पहचान इटावा जनपद के मोहल्ला छिपैटी चौपार निवासी अजय शुक्ला के रूप में हुई। बताया गया कि वह पुवायां स्थित एक पैलेस में आई बारात में शामिल होने आया था। बारात की बस छूट जाने के कारण वह अलग से किसी सवारी से पुवायां पहुंच रहा था।

पुलिस के अनुसार युवक के बैग से शराब के दो खाली पाउच (पौए) भी बरामद हुए हैं। युवक की हालत को देखते हुए उसे तत्काल अस्पताल भेजा गया। सूचना मिलने पर लड़की पक्ष के लोग अस्पताल पहुंचे और प्राथमिक उपचार के बाद उसे अपने साथ ले गए।

स्थानीय लोगों में चर्चा है कि युवक जहरखुरानी का शिकार हो सकता है, हालांकि इस संबंध में पुलिस द्वारा कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है। मामले की जांच की जा रही है।

लघु उद्योग व कारीगरों के लिए सांसद ने सदन में उठाई आवाज

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

- अरुण सागर बोले-योजनाओं के लिए जागरुकता अभियान चलाये

अमृत विचार: भाजपा सांसद अरुण सागर ने नियम 377 के तहत लोकसभा में लघु उद्योगों और कारीगरों के उत्थान का मुद्दा प्रमुखता से उठाया। उन्होंने सदन में कहा कि शाहजहांपुर में एमएसएमई मंत्रालय की योजनाओं को अधिक प्रभावी ढंग से लागू किया जाए और आम लोगों में इनके प्रति व्यापक जागरूकता अभियान चलाया जाए।

अरुण सागर।

सांसद ने शाहजहांपुर के लिए तीन प्रमुख मांगें रखीं। उन्होंने स्थानीय उत्पादों की ऑनलाइन ब्रांडिंग और प्रदर्शनियों के आयोजन, विश्वकर्मा योजना के अंतर्गत कारीगरों को टूलकिट वितरण व कौशल प्रशिक्षण तथा योजनाओं की मॉनिटरिंग के लिए जिला स्तर पर डिजिटल डैशबोर्ड और निगरानी समिति गठित करने की मांग की। उन्होंने कहा कि ओडीओपी, विश्वकर्मा योजना और पीएमईजीपी जैसी योजनाएं हस्तशिल्पियों और छोटे उद्यमियों के जीवन में बदलाव ला सकती हैं। जनपद में हस्तशिल्प, कृषि आधारित उद्योगों और छोटे कारखानों के विकास की पर्याप्त संभावनाएं हैं, लेकिन योजनाओं की जानकारी के अभाव, जटिल प्रक्रियाओं और प्रभावी निगरानी न होने से अपेक्षित लाभ नहीं मिल पा रहा है।

सांसद ने सुझाव दिया कि योजनाओं की प्रगति पर नजर रखने के लिए डिजिटल डैशबोर्ड तैयार किया जाए, जिससे प्रत्येक योजना की स्थिति स्पष्ट रूप से देखी जा सके। साथ ही नियमित समीक्षा बैठकों में लोकसभा सांसद को भी शामिल करने की व्यवस्था की जाए। उन्होंने कहा कि इन कदमों से स्थानीय अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी, रोजगार के अवसर बढ़ेंगे और कारीगरों को सशक्त किया जा सकेगा। उन्होंने यह भी कहा कि केंद्र सरकार आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के लिए लगातार जनकल्याणकारी योजनाएं लागू कर रही है।

वीडियो वायरल करने की धमकी देकर मांगी रंगदारी

शाहजहांपुर, अमृत विचार : सदर बाजार थाना क्षेत्र के एक मोहल्ले की महिला ने थाना पर दी गई तहरीर में बताया कि एक साल से गाजी खान निवासी एमनजई जलालनगर थाना सदर से रिलेशनशिप में थी। आरोप है कि आरोपी अंटा चौराहे पर एक कैफे में उसे ले गया। उसके साथ जबरन शारीरिक संबंध बनाए। इस दौरान आरोपी ने अपने मोबाइल से वीडियो बना ली थी। विरोध करने पर आरोपी ने महिला को मारपीट की थी। अब उसका ब्रेकअप हो गया है। पीड़िता का आरोप है कि आरोपी उसकी न्यूड फोटो और वीडियो वायरल करने की धमकी देने के नाम दो लाख रुपये की रंगदारी की मांग कर रहा है। आरोपी ने धमकी दी कि रंगदारी नहीं दी तो जान से मार देंगे। इस कृत्य में गाजी खान व शोएब खान निवासी सुभाषनगर थाना सदर बाजार, मानसी निवासी लोधीपुर थाना रोजा साथ दे रहे है। पीड़िता ने मांग की है कि आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया जाए। प्रभारी निरीक्षक ब्रजेश कुमार सिंह ने बताया कि आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। पुलिस आरोपियों की तलाश कर रही है।

धान लदा ट्रक हाईवे पर पलटा, कई घंटे रहा जाम

संवाददाता, खुटार

पूरनपुर हाइवे पर पलटा पड़ा धान भरा ट्रक। ● अमृत विचार

- पुलिस और एनएचएआई कर्मियों ने वाहनों को एक साइड से निकलवाया

अमृत विचार: खुटार-पूरनपुर रोड पर लौहगांपुर जंगल में बुधवार दिन में सवा बारह बजे बाइक सवार को बचाने के फेर में धान लदा ट्रक अनियंत्रित होकर हाइवे पर बीचों-बीच पलट गया। हादसे के बाद बाइक सवार फरार हो गया। लेकिन ट्रक चालक व हेल्पर घायल हो गए। ट्रक पलटने से तेज धमाके की आवाज सुनकर आसपड़ोस के रहने वाले और राहगीर पहुंच गए और सड़क के दोनों तरफ वाहनों की लंबी कतार लग गई। इससे आवागमन बाधित हो गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायलों को एंबुलेंस से खुटार सीएचसी में भर्ती कराया। गनीमत रही कि बड़ा हादसा होने से टल गया। खास बात यह रही कि पुलिस-प्रशासन और एनएचएआई विभाग ने हाइवे पर पलटा ट्रक को हटवाने की जरूरत नहीं समझी। इससे बड़े व छोटे वाहन कई घंटे जाम में फंसे रहे और लोगों को परेशानी उठानी पड़ी। देर शाम तक ट्रक को नहीं हटाया जा सका। एनएचएआई कर्मियों व पुलिस ने एक साइड से बाद में वाहनों को निकलवाया। तो कुछ राहत मिल पाई। लेकिन आवागमन प्रभावित रहा। पुलिस के अनुसार, दूसरे वाहन में धान को लदवाकर पलटे ट्रक को हटाया जाएगा। इसके बाद ही जाम पूरी तरह से खुल सकेगी। हालांकि, एक तरफ से वाहनों को निकलवाया जा रहा है।

जनपद रामपुर के कैमरी निवासी चालक तौफीक अहमद गांव निवासी अपने साथी हेल्पर फरमान के साथ ट्रक में धान लेकर महाराजगंज से जनपद रामपुर जा रहे थे। बुधवार दिन के सवा बारह बजे खुटार-पूरनपुर मार्ग पर लौहगांपुर जंगल में अचानक तेज रफ्तार बाइक सवार ट्रक के सामने आ गया। ट्रक चालक तौफीक ने बाइक सवार को बचाने के चक्कर में ब्रेक लगा दिए। इससे धान लदा ट्रक अनियंत्रित हो गया और हाइवे के बीचो-बीच जंगल में पलट गया। हादसे में चालक तौफीक और हेल्पर फरमान घायल हो गए। हादसे के बाद भारी भीड़ जमा हो गई और सड़क के दोनों और वाहनों की लंबी लाइन लग गई।

राहगीरों की सूचना पर पुलिस के साथ ही एंबुलेंस मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने घायलों को एंबुलेंस से खुटार के सरकारी अस्पताल भेजा। जहां घायलों का इलाज किया गया। पुलिस ने कई घंटे बाद एक साइड से आवागमन शुरू कराया। इस दौरान हाईवे के दोनों तरफ कई किलोमीटर तक वाहनों की लंबी लाइन लगी रही। इससे कई घंटे तक आवागमन भी प्रभावित रहा। लेकिन देर शाम तक ट्रक को हाइवे से नहीं हटाया जा सका।

पीलीभीत और खुटार जाने वाले लोगों को कई किमी काटा फेर

खुटार : हाइवे पर धान लदा ट्रक पलटने से सड़क के दोनों तरफ लंबी जाम लग गई। जाम में जनपद पीलीभीत व खुटार से आने जाने वाले लोग फंस गए। जल्दी जाने के चक्कर में देर हो गई। तो कुछ वाहन चालकों ने जैसे तैसे वाहनों को जाम से निकाल दिया गांवों से होकर कई किमी का लंबा चक्कर काटा तो राहत मिल सकी। कुछ घंटे बाद पुलिस व एनएचएआई कर्मियों ने एक साइड से वाहन निकलवाना शुरू कर दिया। लेकिन देर शाम तक आवागमन प्रभावित रहा।

खेत में दवा छिड़कने के दौरान किसान की मौत

संवाददाता, जैतीपुर/शाहजहांपुर

अमृत विचार: आलमपुर गांव में एक किसान खेत पर फसल में कीटनाशक दवा छिड़क रहा था। दवा छिड़कते समय किसान बेहोश हो गया। परिवार वाले खेत पर पहुंचे और उसे मेडिकल कालेज लेकर आए। इलाज के दौरान किसान की मौत हो गयी।

अमोल।

जैतीपुर थाना क्षेत्र के गांव आलमपुर निवासी 40 वर्षीय अमोल मंगलवार की दोपहर बाद खेत पर फसल में कीटनाशक दवा का छिड़काव कर रहे थे। दवा छिड़कते समय किसान बेहोश हो गए। परिवार वाले खेत पर पहुंचे और उसे लेकर सीएचसी पर गए। जहां डॉक्टर ने मेडिकल कालेज के लिए रेफर कर दिया। परिजन रात में उसे मेडिकल कालेज लेकर आए। जहां डाक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। परिजनों ने पुलिस को जानकारी दी। परिजनों ने बताया कि उनके पास एक बीघा खेत था। अकेले परिवार चला रहे थे।

जुलूस को लेकर धार्मिक स्थल ढके जाएंगे

शाहजहांपुर, अमृत विचार : पुलिस प्रशासन और नगर निगम ने होली पर निकलने वाले लाट साहब और छोटे लाट साहब के जुलूस को लेकर पूरी तैयारी कर ली है। दोनों जुलूसों के निकलने वाले मार्ग पर 271 धार्मिक स्थलों को चार दिन पहले तिरपाल से ढका जाएगा। धार्मिक स्थल के आस-पास बेरीकेडिंग की भी जाएगी। बड़े लाट साहब जुलूस को लेकर सदर बाजार थाना क्षेत्र में 71 और चौक कोतवाली क्षेत्र में 112 धार्मिक स्थल ढके जाएंगे। आरसी मिशन थाना क्षेत्र में निकलने वाले छोटे लाट साहब जुलूस को लेकर 30 धार्मिक स्थलों को ढका जाएगा।

हादसे में पति के बाद पत्नी की अस्पताल में मौत

शाहजहांपुर, अमृत विचार : तीन दिन पूर्व हादसे में पति की मौके पर मौत हो गयी थी, जबकि पत्नी घायल हो गयी थी। घायल पत्नी की बरेली में इलाज के दौरान मौत हो गई।

कांट थाना क्षेत्र के गांव पिपरौला अहमदपुर निवासी 30 वर्षीय सुभाष वर्मा पत्नी अनीता के साथ 8 फरवरी को बाइक से रामचंद्र मिशन थाना क्षेत्र के गांव उधौपारा में बहन की ननद की शादी में बाइक से जा रहे थे। शाम को नवादा इंदेपुर गांव के सामने वाहन ने बाइक को टक्कर मार दी, जिससे पति-पत्नी घायल हो गए थे। चौक कोतवाली पुलिस ने घायत दंपती को मेडिकल कालेज भेज दिया था। जहां डाक्टर ने सुभाष को मृत घोषित कर दिया था। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराया। इधर उसकी पत्नी अनीत की हालत गंभीर होने पर डाक्टर ने बरेली रेफर कर दिया था। मंगलवार रात बरेली में अनीत की मौत हो गई। चौक कोवताली को सूचना दी। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। प्रभारी निरीक्षक अश्वनी कुमार सिंह ने बताया कि तहरीर मिलने पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

मालगाड़ी की चपेट में आकर युवक की मौत

तिलहर, अमृत विचार: मीरानपुर कटरा थाना क्षेत्र के गांव बरखेड़ा हवेली निवासी 32 वर्षीय अनुज गंगवार पुत्र अबधनाथ गंगवार की बुधवार सुबह मालगाड़ी की चपेट में आकर मौत हो गई। घटना गुलचंपा रेलवे क्रॉसिंग के निकट डाउन लाइन पर हुई। सूचना मिलने पर पहुंची जीआरपी ने मौके पर कार्रवाई करते हुए शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

अमृत विचार एक सम्पूर्ण अखबार

क्लासीफाइड

विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें

9756905552, 8445507002

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा नाम फैज अहमद सिद्दीकी पुत्र स्व. शकील अहमद सिद्दीकी है मैं अपना नाम फैज अहमद सिद्दीकी से बदलकर फैज अहमद करना चाहता हूं। अत: भविष्य में मुझे फैज अहमद के नाम से ही जाना जाये।

सूचना

मैंने अपना नाम MOHAMMAD SHUAIB SHAMSI से बदलकर SHUAIB SHAMSI कर लिया है, भविष्य में मुझे इसी नाम से जाना, पहचाना व पुकारा जाए। **शोएब शम्सी पुत्र अफजाल उल हक शम्सी, निवासी मोहल्ला पकड़िया गुरूद्वारा रोड, पीलीभीत।**

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरी PNB METLIFE पॉलिसी में पिता का नाम भूलवश समर पाल अंकित हो गया है जबकि उनका वास्तविक नाम समर पाल सिंह है। आधार कार्ड व अन्य सभी दस्तावेजों में भी उनका नाम समर पाल सिंह ही दर्ज है। **केन्द्र सिंह पुत्र श्री समर पाल सिंह निवासी ग्राम परौरा तहसील मीरगंज जिला बरेली।**

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैंने अपने पुत्र ईबने अली व उसकी पत्नी रिहाना को गलत आचरण एवं दुर्व्यवहार के कारण सम्बन्ध विच्छेद कर अपनी समस्त चल-अचल सम्पत्ति व जात जायदाद से बेदखल कर दिया है। भविष्य में उनके द्वारा किए गए कृत्यों के लिए वह स्वयं जिम्मेदार होंगे। मेरा व मेरे परिवार से कोई वास्ता नहीं होगा। **फातिमा बेगम पत्नी इसरत अली निवासी मोहल्ला मीरखां बाबर नगर कस्बा व तहसील मीरगंज जिला बरेली।**

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैंने अपने पुत्र गुड्डू व पुत्रवधु फातिमा को उसके गलत व्यवहार व आचरण के कारण अपनी समस्त चल -अचल संपत्ति से बेदखल कर संबंध विच्छेद कर लिया है। अब मेरे व मेरे परिवार के किसी भी सदस्य से उनका कोई संबंध व सरोकार नहीं होगा वह अपने कृत्य का स्वयं जिम्मेदार होंगे। **आरिफ पुत्र हामिद निवासी ग्राम नदायल परगना व तहसील सहसवान जिला (बदायूं)**

बिकाऊ है

225 गज मकान

कॉर्नर का पूर्वमुखी

आशीष रॉयलपार्क फेस-2,

इच्छुक व्यक्ति ही संपर्क करें- बरेली

मो. 9897211014

आवश्यकता है

अनुभवी व्यक्तियों की

- आयुष्मान मित्र
- पी.आर.ओ. (पब्लिक रिलेशन ऑफिसर)
- कंप्यूटर ऑपरेटर
- सिक्यूरिटी गार्ड
- कुक (रसोइया)/कुक हेल्पर

वेतन योग्यतानुसार

सम्पर्क करें

एच.आर. ऑफिस एडमिन ब्लाक

वरूण अर्जुन मेडिकल कॉलेज एवं रोहिलखण्ड अस्पताल

एन.एच.-30 बन्थरा, शाहजहाँपुर

समय : प्रातः 10 बजे से सायं 04 बजे तक

मो. 7521001986

वैधानिक सूचना :- समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन जैसे टावर सम्बन्धी, नौकरी सम्बन्धी, ऋण सम्बन्धी या अन्य किसी भी प्रकार के विज्ञापन में पाठकों को सावधान किया जाता है। विज्ञापनदाता द्वारा किये गये दावे या उल्लेख, समर्थन की पुष्टि समाचार पत्र नहीं करता है।

चीनी मिल प्रकरण में 10 कर्मियों पर रिपोर्ट

संवाददाता, तिलहर

तिलहर चीनी मिल परिसर में जांच करती पुलिस क्षेत्राधिकारी ज्योति यादव।

- बुधवार को कोतवाली पुलिस ने कई के नामजद रिपोर्ट दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी

अमृत विचार: जिला शाहजहांपुर की तिलहर किसान सहकारी चीनी मिल लिमिटेड में मंगलवार को हुए विवाद के मामले में पुलिस ने प्रधान प्रबंधक शैलेंद्र अस्थाना की तहरीर पर दस कर्मचारियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है।

आरोप है कि कैजुअल कर्मचारियों ने अपनी मांगों को लेकर प्रधान प्रबंधक शैलेंद्र अस्थाना से मिलने का प्रयास किया, जिस दौरान गाली-गलौज और मारपीट की घटना हुई। बुधवार को कोतवाली पुलिस ने संजय यादव, प्रदीप यादव, आलोक यादव, सचिन सिंह, निर्भान सिंह यादव, दुर्गेश कुमार, मनोज प्रजापति, आशुतोष मौर्य, अनुराग गंगवार और अभिषेक शर्मा के खिलाफ विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। मुकदमा दर्ज होने के बाद कर्मचारियों में हड़कंप मच गया।

पुलिस क्षेत्राधिकारी ज्योति यादव ने चीनी मिल पहुंचकर घटना स्थल का निरीक्षण किया और कर्मचारियों के बयान दर्ज किए। उन्होंने बताया कि परिसर में कार्य सामान्य रूप से चल रहा है और जांच के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। कोतवाली प्रभारी जुगल किशोर पाल ने बताया कि अभिषेक शर्मा और आलोक को कोतवाली लाकर नोटिस तामील कराए गए और बाद में परिजनों के सुपुर्द कर दिया गया।

मछली विक्रेता को पीटकर किया घायल

शाहजहांपुर, अमृत विचार: रोजा थाना क्षेत्र के गांव रुकनपुर निवासी निजामुद्दीन ने थाने में दी तहरीर में बताया कि मछली बेचने का काम करता है। दो दिन पूर्व अटसलिया पुल के नीचे मछली बेच रहा था। एक व्यक्ति उसके पास मछली लेने आया। व्यक्ति मछली खरीदते समय गलत भाषा का प्रयोग करने लगा। उसने कहा कि मछली और कहीं जाकर खरीद लो। इतना सुनकर आरोपी मछली विक्रेता को गाली देने लगा। उसने गाली देने से मना किया। आरोप है कि आरोपी ने मछली विक्रेता को पीटकर घायल कर दिया, जिससे उसका होठ भी कट गया है। आरोपी जान से मारने की धमकी देकर भाग गया। प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि आरोपी गोविंद निवासी कहेलिया थाना सेहरामऊ दक्षिणी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। पुलिस मामले की विवेचना कर रही रही है।

बच्चों के विवाद में तीन राउंड फायरिंग

संवाददाता, खुटार

- बाद में हुआ समझौता, गांव में दहशत का माहौल

अमृत विचार: खुटार के एक गांव में बच्चों के विवाद में फायरिंग कर दी। मामला पुलिस तक पहुंचा तो दोनों पक्षों के बीच समझौता करा दिया गया।

खुटार के एक गांव में बुधवार दोपहर करीब पौने एक बजे किसी बात को लेकर बच्चों का आपस में विवाद हो गया। विवाद बढ़ने के बाद दोनों पक्ष से कई लोग आमने-सामने आ गए और गाली-गलौज करने लगे। बाद में मारपीट की नौबत आ गई। दोनों पक्षों में मारपीट हो गई। इस बीच एक पक्ष की ओर से एक व्यक्ति ने तीन राउंड फायरिंग कर दी। तो गांव में हलचल मच गई। गनीमत रही कि किसी को गोली नहीं लगी। लेकिन दूसरे पक्ष के लोगों ने मौके से भागकर घर पहुंचे और जान बचाई। चर्चा है कि पहले पक्ष के लोगों ने फायरिंग करने के बाद दूसरे पक्ष को धमकी दी और वहां से चले गए। माना जा रहा है कि बाद में पीड़ित पक्ष खुटार थाने पहुंचा और घटना की जानकारी पुलिस को दी। इसके बावजूद पुलिस ने कोई कार्रवाई नहीं की। जबकि फायरिंग करने वाले पक्ष को थाने बुलाकर समझौता करा दिया। पुलिस पूरे प्रकरण से इनकार कर रही है। सीओ प्रवीण मलिक ने बताया कि मीडिया से जानकारी मिली है। कल मौके पर पहुंचकर जांच की जाएगी।

अमृत विचार
बरेली, गुरुवार, 12 फरवरी 2026
शाहजहांपुर

अम्बा हैल्थ क्लीनिक

डॉ.आर.एस.सिंह
B.A.M.S.
(आयुर्वेदाचार्य)
स्त्री-पुरुष रोग विशेषज्ञ
30 वर्षों से चिकित्सा का अनुभव प्राप्त
ISO.9001:2015 Certify Tredmark Clinic

★ पतले-दुबले
★ गाल पिचके
★ कमजोर स्त्री-पुरुष
★ मोटापा व वजन बढ़ाने के लिए
परामर्श लें।
चिकित्सा जानकारी
भूख न लगना, अपच, कब्ज, गैस बनना, खाने के बाद शौचालय जाना, बच्चों का शारीरिक विकास न होना, पुलिस व फोर्स आदि नौकरी में नाप तौल में कमी होना, बच्चों का बिस्तर गीला करना, मोटे पेट व थुल-थुले व्यक्ति का वजन कम करना, कील-मुंहासे, झाइयां, सफेद दागों व सावलापन हटाना, सुन्दर दिखाना, बालों का समय से पहले झड़ना, टूटना, सफेद होना एवं गंजापन होना, खूनी व वादी बवासीर आदि सभी बिमारियों का परामर्श लें।
किसी भी प्रकार का नशा जैसे
शराब, अफीम, गुटखा, सुल्फा, गांजा बीड़ी, सिगरेट आदि नसा छुड़ाने की रोगी को बिना लाये बिना बताये जानकारी प्राप्त करें।
स्त्री-पुरुष गुप्त समस्याएं
● स्वपन दोष, शीघ्रपतन, मर्दाना कमजोरी होना
● हस्तमैथुन, धात जाने से कमी होना
● इन्द्री का ढीलापन-छोटापन व पतलापन होना
● वीर्य में शुक्राणु का कम होना
● ल्यूकोरिया, बांझपन, बच्चेदानी में रसोली होना
● यौन अंगो का ढीलापन या इच्छा कम होना
● मासिक धर्म अनियमित होना या उम्र से पहले बन्द होना

वैवाहिक जीवन को सफल बनायें अविकसित सीना को सुडौल आकर्षक बनायें
Sexually Transmitted Bacterial Disease
सुजाक, गिनोरिया, एड्स, यौन अंगो पर खुजली या छाले पड़ने पर तुरन्त डाक्टर से सम्पर्क करें
गलत फिल्में देखने व फोन पर बातें करने से या पेशाब में चिपचिपा पदार्थ निकलने पर तुरन्त सम्पर्क करें
डॉ. साहब
आपके विश्वास पर सभी बिमारियों को ठीक करने की कोशिश कर सकते हैं दावा या गारंटी नहीं दे सकते
मिलें सुबह 11 से सायं 5 बजे तक
दिनांक :-
8 फरवरी 2026, रविवार
22 फरवरी 2026, रविवार
निकट बरेली कॉलेज, होटल मोती महल काली बाड़ी चौराहा, बरेली
9837069463
7599211076

टीईटी अनिवार्यता के विरोध में शिक्षकों का प्रदर्शन

खिरनीबाग मैदान में जुटे शिक्षकों ने 2011 से पूर्व नियुक्त शिक्षकों पर नियम विरुद्ध बताया फैसला

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

● अनिवार्यता खत्म न होने पर आंदोलन की चेतावनी

अमृत विचार: उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ के प्रांतीय निर्देश पर सैकड़ों शिक्षकों ने टीईटी अनिवार्यता के विरोध में प्रदर्शन किया। संघ के बैनर तले शिक्षक-शिक्षिकाएं खिरनीबाग मैदान में एकत्र हुए और कार्यरत शिक्षकों पर टीईटी लागू किए जाने के विरोध में नारेबाजी की। प्रदर्शन के दौरान पुतला दहन किया गया तथा संबंधित निर्णय की प्रतियां भी जलाई गईं।

जिला अध्यक्ष यशपाल सिंह ने कहा कि वर्ष 2011 से पूर्व नियुक्त शिक्षकों पर टीईटी लागू किया जाना नियम विरुद्ध है। जिला कोषाध्यक्ष नितिन मिश्रा ने बताया कि इस संबंध में प्रत्येक जिले में सांसदों को ज्ञापन भी दिए गए थे और सरकार से सहानुभूतिपूर्वक विचार की अपेक्षा की गई थी। उन्होंने कहा कि यदि 2011 से पूर्व कार्यरत शिक्षकों पर टीईटी की अनिवार्यता समाप्त नहीं की गई तो संगठन के आह्वान पर शिक्षकों को आंदोलन के लिए बाध्य होना पड़ेगा।

प्रदर्शन में जिला मंत्री विजय प्रताप सिंह, वरिष्ठ शिक्षक नेता सरताज अली, जिला वरिष्ठ उपाध्यक्ष जुबेर आलम, जिला संयुक्त मंत्री अजीत कनौजिया, आदेश सिंह तोमर, राजकुमार सिंह, अरविंद सिंह चौहान, अरुण भदौरिया, धर्मेंद्र प्रताप सिंह, सत्येंद्र गौतम, कौशलेंद्र भदोरिया, धर्मवीर सिंह, सत्येंद्र सिंह, दिलीप यादव, कौशलेंद्र भदौरिया, मृदुला शर्मा, बबिता श्रीवास्तव, शोभना सिंह, शिवानी कौशल, सज्जन कुमार, लालमन गौतम, विनोद कुमार सिंह, विकास मिश्रा, आकाश गुप्ता, मोहम्मद शरीफ, धनपाल सिंह, गजला बानो, गुल्फराज, अफसाना बेगम, इरफान अली, सत्येंद्र यादव, मानस दीक्षित सहित सैकड़ों शिक्षक-शिक्षिकाएं उपस्थित रहे।

खिरनीबाग मैदान में टीईटी अनिवार्यता के विरोध में पुतला दहन करते शिक्षक।

केंद्रीय राज्यमंत्री जयंत चौधरी के बयान पर भड़के शिक्षक

शाहजहांपुर। वर्ष 2011 से पूर्व नियुक्त शिक्षकों पर भी टीईटी अनिवार्य किए जाने संबंधी केन्द्रीय शिक्षा राज्य मंत्री जयंत चौधरी के बयान के विरोध में जिला शाहजहांपुर के शिक्षकों ने जोरदार प्रदर्शन किया। उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ और टीचर फेडरेशन ऑफ इंडिया के संयुक्त आवाहन पर आयोजित इस विरोध कार्यक्रम में शिक्षकों ने रामलीला मैदान, खिरनीबाग से लेकर सुदामा प्रसाद चौराहे तक नारेबाजी की और मंत्री के वक्तव्य की प्रतियां जलाकर आक्रोश व्यक्त किया।

जिला अध्यक्ष मुनीश मिश्र और जिला मंत्री देवेश वाजपेई के नेतृत्व में शाम चार बजे दर्जनों शिक्षक-शिक्षिकाएं रामलीला मैदान में एकत्र हुए। रामलीला मैदान से प्रदर्शनकारी शिक्षक सुदामा प्रसाद चौराहे तक पहुंचे और वहां वक्तव्य की प्रतियां जलाने के बाद पुन : मैदान में लौटकर जयंत चौधरी का पुतला दहन किया। प्रदर्शन में संघ के कोषाध्यक्ष रविन्द्र पाल प्रजापति, वरिष्ठ शिक्षक नेता सरताज अली, उपाध्यक्ष प्रदीप सिंह, जिला संयुक्त मंत्री डॉ. विनय गुप्ता, नफीस अहमद, बीटीसी शिक्षक संघ के प्रदीप जायसवाल, जिलाध्यक्ष राजकमल आर्य, मंत्री सिंधौली अरविंद गौतम, अरविंद त्रिपाठी, देवेन्द्र सिंह, इमरान सईद आदि रहे।

कश्यप स्वाभिमान संगठन ने सौंपा 14 सूत्रीय मांग पत्र

संवाददाता, शाहजहांपुर

● प्रदेश में बढ़ती अपराधिक घटनाओं पर जताई चिंता
● सोनू कश्यप के परिवार की मदद करने की मांग

अमृत विचार : अखिल भारतीय कश्यप स्वाभिमान संगठन उत्तर प्रदेश की ओर से 11 फरवरी 2026 को मुख्यमंत्री को संबोधित 14 सूत्रीय मांग पत्र जिलाधिकारी शाहजहांपुर को प्रेषित किया गया। संगठन ने प्रदेश में बढ़ते जघन्य अपराध, हत्या, उत्पीड़न और शोषण की घटनाओं पर चिंता जताई है।

मांग पत्र में मेरठ के सरधना ज्वालागढ़ में सोनू कश्यप उर्फ रानू कश्यप की हत्या, मैनपुरी के किशनी क्षेत्र के ग्राम पंचायत सौज मजरा सेह खुर्द निवासी बेचेलाल पुत्र हजारी लाल कश्यप की हत्या, मैनपुरी के अहिमलपुर अटलागंज में 24 वर्षीय गीता कश्यप की सामूहिक दुष्कर्म के बाद हत्या तथा मेरठ के ग्राम मोहम्मदपुर थाना मैसूम की 14 वर्षीय शालू कश्यप की हत्या के मामलों में दोषियों को फांसी की सजा देने और पीड़ित परिवारों को एक-एक करोड़ रुपये की आर्थिक सहायता देने की मांग की गई है। संगठन ने सोनू कश्यप के परिवार को दो एकड़ जमीन और उनकी बहन को सरकारी नौकरी देने, गीता कश्यप की बहन को नौकरी देने तथा संबंधित परिवारों को सुरक्षा उपलब्ध कराने की भी मांग की है।

मांग पत्र पर गौतम बुद्ध झलकारी बाई सेवा समिति के संस्थापक अध्यक्ष शिवनंदन सागर, उमेशपाल, राजेशकुमार करय, कृष्ण कुमार, हसराम, राजेश कुमार कश्यप, धर्मवीर, छोटेलाल, जिलाध्यक्ष देशवराज, अदन लाल, अशोक कुमार कश्यप, नवीन कुमार, अनीता, राजेश कुमार वर्मा सहित अन्य पदाधिकारियों के हस्ताक्षर हैं। संगठन ने प्रदेश सरकार से शीघ्र कार्रवाई कर पीड़ितों को न्याय दिलाने की मांग की है।

मंडी में निर्माणाधीन दुर्गा मंदिर कॉरिडोर का निरीक्षण करते नगर आयुक्त।

नगर आयुक्त ने निर्माण कार्य का किया निरीक्षण

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

अमृत विचार : नगर आयुक्त डॉ. बिपिन कुमार मिश्र ने बुधवार को मोहल्ला भारद्वाजी, मंडी में निर्माणाधीन दुर्गा मंदिर कॉरिडोर के निर्माण कार्य का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान निर्माण कार्य की स्थिति को देखा व अवैध अतिक्रमण की भी स्थिति का जायजा लिया।

उन्होंने सम्बंधितों को निर्देश दिए कि निर्माण कार्य समय पर पूर्ण कराया जाए तथा अवैध अतिक्रमण को भी तत्काल हटाया जाए। निरीक्षण में नगर निगम की प्रवर्तन दल टीम मौजूद रही।

जीएफ कॉलेज में मतदाता जागरुकता शिविर लगाया

शाहजहांपुर, अमृत विचार : जीएफ कॉलेज में मतदाता जागरुकता अभियान के अंतर्गत राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई की ओर से एक दिवसीय शिविर आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए प्राचार्य प्रो मोहसिन हसन खान ने कहा कि भारत विश्व का सबसे बड़ा लोकतांत्रिक देश है और निर्वाचन प्रक्रिया लोकतंत्र का अहम आधार है, इसलिए प्रत्येक नागरिक को मतदाता बनना चाहिए। इलेक्टोरल लिटरेसी क्लब के नोडल अधिकारी डॉ. खलील अहमद ने स्वयंसेवियों को मतदाता सूची में नाम दर्ज कराने के लिए प्रेरित किया और मतदान से संबंधित आवश्यक जानकारी दी। शिविर के उपरांत स्वयंसेवियों ने मतदाता जागरुकता रैली निकाली। रैली के माध्यम से लोगों को वोट बनवाने, विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम में सहयोग करने और मतदान के महत्व को समझने के लिए प्रेरित किया गया। इस दौरान स्वयंसेवियों ने लक्ष्य गीत भी प्रस्तुत किया।

मदरसा बोर्ड : तीन केंद्रों पर 370 परीक्षार्थी अनुपस्थित

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

अमृत विचार : मंगलवार को मदरसा बोर्ड की परीक्षा में तीसरे दिन तीनों केंद्रों पर कुल 370 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। सचल दल प्रभारी केएम शर्मा व वरिष्ठ सहायक जीशान इलाही ने टीम के साथ दोनों पालियों में परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण किया।

तीसरे दिन प्रथम पाली में मुंशी / मौलवी (सेकेण्डरी) के कुल 815 नामांकित छात्रों में से 332 ने परीक्षा छोड़ दी। जबकि 483 परीक्षार्थी परीक्षा में शामिल हुए। वहीं, द्वितीय पाली में आलिम (सीनियर सेकेण्डरी) में कुल पंजीकृत 217 परीक्षार्थियों में से 179 ने परीक्षा दी। जबकि 38 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। डीआईओएस कार्यालय के वक्फ निरीक्षक / सचल दल प्रभारी केएम शर्मा ने बताया कि सुबह की पहली पाली में तिलहर के आरबीएम इंटर कालेज में और दूसरी पाली में शहर के नेशनल गर्ल्स इंटर कालेज अली जई और एजेड खान इंटर कालेज जलालनगर का निरीक्षण किया। एजेड खान इंटर कालेज के प्रधानाचार्य केंद्र व्यवस्थापक अहसन जलील ने बताया कि उनके केंद्र पर पहली पाली में 165 ने परीक्षा दी। जबकि 117 छात्र अनुपस्थित रहे। दूसरी पाली में 85 छात्रों ने परीक्षा दी और 9 छात्र अनुपस्थित रहे।

बुधवार को तीसरे दिन एजेड खान इंटर कालेज में मदरसा बोर्ड की परीक्षा देते परीक्षार्थी। ● अमृत विचार

सचल दल में नहीं है महिला सदस्य

मदरसा बोर्डकी परीक्षा में सचल दल में महिला सदस्य नहीं चल रही हैं। जिससे छात्राओं की तलाशी लेने में समस्या आ रही है। बताते हैं कि सचल दल प्रभारी ने एक मान्यता प्राप्त मदरसे की दो शिक्षिकाओं को सचल दल की सदस्य बना दिया। लेकिन आज महिला सदस्य कहीं नहीं दिखाई दीं। इस पर कई केंद्र व्यवस्थापकों ने आपत्ति भी दर्ज कराई। डीएमओ रोहित कुमार सिंह ने बताया कि मंगलवार को पहली पाली में 59 .26 प्रतिशत छात्र उपस्थित रहे। जबकि 40 .74 प्रतिशत छात्र अनुपस्थित रहे। वहीं दूसरी पाली में 82 .49 प्रतिशत छात्रों की उपस्थिति और 17 .51 प्रतिशत की गैर हाजिरी रही।

रामचंद्र मिशन आश्रम में बसंत उत्सव आज

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

अमृत विचार : श्री राम चन्द्र मिशन के अध्यक्ष एवं हार्टफुलनेस मेडिटेशन के मार्गदर्शक कमलेश डी पटेल दाजी के सान्निध्य में आयोजित बीस दिवसीय बसंत उत्सव का आरंभ गुरुवार से आध्यात्मिक वातावरण में हो रहा है। उत्सव से पूर्व दाजी बुधवार दोपहर करीब 12 बजे शाहजहांपुर स्थित आश्रम पहुंचे, जहां उनका भव्य स्वागत किया गया।

आश्रम आगमन पर बाबूजी महाराज के सुपुत्र सर्वेश चंद्रा, मिशन के संयुक्त सचिव अर्जुन अग्रवाल, एके गर्ग, उत्तर प्रदेश प्रभारी अनुपम अग्रवाल, माधोगोपाल अग्रवाल, राजगोपाल अग्रवाल, गोपाल अग्रवाल, अमिता चंद्रा, बाबूजी के प्रपौत्र विनीत चंद्रा, सुयश सिन्हा, सुमन अग्रवाल, ममता अग्रवाल, सौमेंद्र त्यागी सहित सैकड़ों अभ्यासियों और

श्री राम चन्द्र मिशन के अध्यक्ष एवं हार्टफुलनेस मेडीटेशन के मार्गदर्शक गुरुदेव कमलेश डी. पटेल 'दाजी' का पुष्प भेंटकर स्वागत करते अभ्यासी और बच्चे। ● अमृत विचार

● शाहजहांपुर आश्रम पहुंचने पर दाजी का किया स्वागत

बच्चों ने फूल भेंटकर स्वागत किया। दाजी के पहुंचते ही आश्रम परिसर में साधना और आध्यात्मिकता का वातावरण दृष्टिगोचर हुआ। आगमन के बाद दाजी ने पूरे आश्रम परिसर का निरीक्षण किया। बसंत उत्सव में सहभागिता के लिए देश के विभिन्न प्रांतों के साथ-साथ विदेशों से भी हजारों अभ्यासी शाहजहांपुर पहुंच रहे हैं। शाम को दाजी ने उपस्थित अभ्यासियों को ध्यान कराया। उत्सव के लिए मंगलवार रात से ही रेलवे स्टेशन और बस स्टेशन पर अभ्यासियों का आना शुरू हो गया था, जो बुधवार देर रात तक जारी रहा। मिशन के स्वयंसेवकों ने स्टेशन से आने वाले अभ्यासियों को बसों के माध्यम से आश्रम पहुंचाया।

फिरका परस्त संगठन भाईचारा तोड़ने में लगे हैं : शहाबुद्दीन

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

अमृत विचार : आल इंडिया मुस्लिम जमात के राष्ट्रीय अध्यक्ष मौलाना मुफ्ती शहाबुद्दीन रजवी बरेलवी ने कहा कि चंद फिरका परस्त संगठन हिंदू मुस्लिम भाईचारे को तोड़ने में लगे हुए हैं, यही असामाजिक तत्व जगह-जगह मस्जिदों, मजारों, और घर में पढ़ रहे नमाजियों के खिलाफ साजिश रचने में लगे रहते हैं। जबकि इस तरह की बातों से पूरे समाज का नुकसान होता है।

उन्होंने यह बातें यहां एक कार्यक्रम में शिरकत के दौरान मीडिया से बात करते हुए कहीं। उन्होंने कहा कि मुसलमानों, मस्जिदों और मजारों के खिलाफ जिस तरह से साजिशें और कार्यवाहियां की जा रही हैं, उससे देश कमजोर होगा। उन्होंने कहा कि मदरसे हमारे दीन के किले हैं। इनमें पढ़ने वाले छात्रों की हौसला अफजाई की जानी चाहिए। बातचीत के दौरान मौलाना ने कहा कि उत्तराखंड सरकार द्वारा बनाई गई कमेटी ने अल्पसंख्यकों से कोई सलाह व मशवरा नहीं लिया, एक तरफा मन माने ढंग से समान नागरिक संहिता का ड्राफ तैयार किया गया, फिर ऐसेम्बली में पास कराकर जबरन लागू कर दिया गया। असम के मुख्यमंत्री हेमंत कुमार बिसवा शर्मा मुसलमानों को हाशिए पर ले जाने, समाजी बहिष्कार, देश से बेदखली और घुसपैठिया कहकर मुसलमानों के खिलाफ मुहिम चलाते रहें हैं। असम राज्य में 1200 मदरसों में ताले लगा दिए गए, मुसलमानो की आर्थिक तौर पर कमर तोड़ दी गई। इतना ही नहीं आसामी मुसलमानों को बंगलादेशी कहकर टारगेट किया जा रहा है।

आजमीन-ए-हज को दिया विधिवत प्रशिक्षण

मदरसा नुरुल हुदा में आजमीन-ए- हज को प्रशिक्षण देते हज ट्रेनर मशकूर हसन खां।

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

● मदरसा नुरुल हुदा बिजलीपुरा में लगा हज प्रशिक्षण शिविर

अमृत विचार : उत्तर प्रदेश राज्य हज समिति से नामित हज प्रशिक्षण केंद्र मदरसा नुरुल हुदा बिजलीपुरा में हज यात्रा पर जाने वाले आज़मीन को विधिवत प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम में बड़ी संख्या में हज यात्री उपस्थित रहे।

जिला हज प्रशिक्षक मशकूर हसन खां ने हज के अरकान (मुख्य कर्तव्यों) और वाजिबात को विस्तारपूर्वक समझाया। उन्होंने एहराम बांधने का तरीका, तवाफ, सई, अराफात में ठहरना, मुजदलिफा में कयाम, रमीय-ए-जमरात तथा कुर्बानी से संबंधित सभी आवश्यक मसाइल पर विस्तार से जानकारी दी। साथ ही हज यात्रा के दौरान अनुशासन, सब्र, आपसी सहयोग और सऊदी अरब के नियमों का पालन करने की विशेष हिदायत दी।

प्रशिक्षकों ने आज़मीन-ए-हज को स्वास्थ्य संबंधी सावधानियों, आवश्यक दस्तावेजों की देखभाल तथा समूह के साथ रहने की अहमियत पर भी प्रकाश डाला। बरेली से आए मौलाना शहाबुद्दीन रजवी ने कहा कि हज एक मुकद्दस इबादत है, जिसे सही जानकारी और नीयत के साथ अदा करना चाहिए। हज इंसान पर फर्ज है, यह इस्लाम की बुनियादों में से एक है।

कार्यक्रम के अंत में उपस्थित हज यात्रियों ने विभिन्न सवाल पूछे, जिनका संतोषजनक उत्तर दिया गया। अंत में प्रधानाचार्य इक़बाल हुसैन उर्फ फूल मियां ने बताया कि टीकाकरण 17 फरवरी को पुराना जिला चिकित्सालय स्थित सभागार में किया जाएगा। इस मौके पर सैयद कामरान हुसैन, इज़हार हसन, मुईन खां, ममनून खां, जहूर खां आदि मौजूद रहे।

हज जाने वाले यात्रियों को नूरी मरकज में किया जाएगा प्रशिक्षित

शाहजहांपुर, अमृत विचार : नूरी मरकज तारीन में अध्यक्ष हाजी इम्तियाज अली खां एडवोकेट की अध्यक्षता में महत्वपूर्ण बैठक हुई। जिसमें सचिव हाजी मसूद अख्तर खां ने बताया कि हज यात्रियों के लिए पहला हज-ट्रेनिंग कैंप रविवार 15 फरवरी को पूर्वान्ह 11 :00 बजे से अपराह्न 2 :00 बजे तक आयोजित किया जाएगा। इस कैम्प में हज, उमरा व एहराम के सम्बन्ध में हज पर जाने वाले यात्रियों को प्रशिक्षित किया जाएगा। इसके अलावा उन्हें पैदल चलने, भीड़ से बचने एवं आत्म संयम (सेल्फ-कंट्रोल) के बारे में भी जानकारी दी जाएगी। हाजी इम्तियाज अली खां ने बताया कि सीएमओ डॉ विनय कुमार मिश्र के निर्देशन में मंगलवार 17 फरवरी को पुराने जिला अस्पताल में उनकी चिकित्सा टीम के माध्यम मेनिन जाइटिस आदि का टीकाकरण किया जाएगा। उन्होंने आजमीन से टीकाकरण के लिए समय से पहुंचने की अपील की। सभी हज यात्री अपने साथ भरे गये हज फार्म व जमा की गई पे इन स्लिप की प्रति भी अपने साथ लायें। बैठक में हाजी मुन्ना खां सकलैनी, जाने आलम आदि मौजूद थे।

जल जीवन मिशन की लापरवाही से 110.95 लाख की सड़क खतरे में

कुर्रिया कला, अमृत विचार : मल्हपुर से बिसरा बाले संपर्क मार्ग पर जल जीवन मिशन के कार्य में लापरवाही के आरोप लगे हैं। पीडब्ल्यूडी की ओर से 110.95 लाख रुपये की लागत से निर्मित इस सड़क का लोकार्पण 25 जनवरी 2025 को ददरौल विधायक अरविन्द सिंह ने किया था। लोकार्पण के बाद पाइपलाइन डालने का कार्य शुरू हुआ, जिसमें जॉइंट ठीक से न होने और खुदाई के बाद सड़क को मानक के अनुसार दुरुस्त न करने से सड़क किनारे बड़ा उभार बन गया है। ग्राम प्रधान मल्हपुर अनुराग मिश्रा ने बताया कि कई बार उच्च अधिकारियों से शिकायत की गई, लेकिन सुधार नहीं हुआ। लीकेज के कारण गंदा पानी भी फैल रहा है, जिससे बीमारी की आशंका बढ़ गई है।

बच्चों ने जानी चीनी तैयार करने की प्रक्रिया

ब्लॉक संसाधन केंद्र खुटार से शैक्षिक भ्रमण के लिए रवाना होते छात्र-छात्राएं। ● अमृत विचार

संवाददाता, खुटार

● शैक्षिक भ्रमण पर बजाज चीनी मिल पहुंचे बच्चे

अमृत विचार: ब्लॉक संसाधन केंद्र खुटार में राष्ट्रीय आविष्कार अभियान के अंतर्गत एक दिवसीय शैक्षिक भ्रमण कार्यक्रम आयोजित किया गया।

विकासखंड खुटार के सभी परिषदीय विद्यालयों से तीन-तीन छात्र-छात्राओं का चयन किया गया। इस प्रकार कुल 100 विद्यार्थियों ने इस एक्सपोजर विजिट में सहभागिता की। कार्यक्रम में कक्षा 6, 7 और 8 के छात्र-छात्राओं को बस के माध्यम से गोला गोकर्णनाथ स्थित हिंदुस्तान बजाज चीनी लिमिटेड ले जाया गया। वहां विद्यार्थियों ने चीनी मिल की कार्यप्रणाली का अवलोकन किया और जाना कि गन्ने से चीनी तैयार करने की प्रक्रिया किस प्रकार संपन्न होती है। उत्पादन की विभिन्न अवस्थाओं को देखकर विद्यार्थियों ने व्यवहारिक जानकारी प्राप्त की।

भ्रमण के उपरांत सभी छात्र-छात्राएं पुनः ब्लॉक संसाधन केंद्र खुटार लौटे, जहां कार्यक्रम का समापन किया गया। बीईओ मृत्युंजय सिंह यादव ने विद्यार्थियों से भरी बस को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस दौरान शिक्षक सुबोध त्रिपाठी, पंकज वर्मा सहित अन्य शिक्षक और शिक्षिकाएं छात्र-छात्राओं के साथ मौजूद रहे और पूरे कार्यक्रम की निगरानी की।

हिंदू सम्मेलन में एकता पर जोर

अल्हागंज, अमृत विचार : रोडवेज बस स्टेशन के पास आयोजित हिंदू सम्मेलन में आरएसएस के विभाग प्रचारक रवि ने कहा कि जब तक हिंदू समाज जाति बंधनों में बंटा रहेगा, तब तक अपनी शक्ति को नहीं पहचान सकेगा। उन्होंने कहा कि समाज और देश विरोधी शक्तियां इसका लाभ उठा रही हैं। उन्होंने वेद, देवस्थान और शिक्षा पर हमलों तथा लव जिहाद व धर्म परिवर्तन के मुद्दों का उल्लेख किया।कार्यक्रम में भाजपा जिला महामंत्री अनिल गुप्ता, नगर संघ चालक रमेश शुक्ला सहित कई वक्ताओं ने विचार रखे। कार्यक्रम की अध्यक्षता राम लखन मिश्रा, उदित गुप्ता और राम जी ने दीप प्रज्वलन कर की। मातृशक्ति की साधना सत्यदेव महाराज भी उपस्थित रहे। संचालन रोहित अग्निहोत्री ने किया।

न्यूज ब्रीफ

सहसवान में बाइक की टक्कर से युवक की मौत

बदायूं, अमृत विचार : कोतवाली सहसवान क्षेत्र के नगर में मंगलवार रात निजी अस्पताल के सामने बारात चढ़ रही थी। एक बाइक सवार ने मुजरिया थाना क्षेत्र के गांव अठर्रा निवासी कालीचरण पुत्र सियाराम को टक्कर मार दी और मौके से भाग गया। मौके पर अफरा-तफरी मच गई। कालीचरण गंभीर रूप से घायल हो गए। घायल को अस्पताल ले जाया गया। हालत गंभीर होने पर चिकित्सक ने जिला अस्पताल रेफर कर दिया। जहां चिकित्सक ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव को मोर्चरी में रखवाकर परिजनों को सूचना दी।

तहसील आए युवक की मौत, परिजनों में चीत्कार

बदायूं, अमृत विचार : सिविल लाइन कोतवाली क्षेत्र के मंडी समिति निवासी सत्यपाल पुत्र बिहारीलाल बुधवार दोपहर लगभग तीन बजे तहसील सदर आए थे। उन्हें एसआईआर संबंधी नोटिस मिला था। जिसकी सुनवाई के लिए वह तहसील आए थे। इसी दौरान उनकी तबीयत अचानक खराब हो गई। वह बेसुध होकर जमीन पर गिर गए। मौके पर अफरा-तफरी मच गई। तहसील के कर्मचारियों ने पुलिस को सूचना देकर उन्हें जिला अस्पताल भिजवाया। जहां चिकित्सक ने मौत घोषित कर दी। सूचना मिलने पर परिजन चीत्कार करते पहुंचे। परिजनों की ओर से तहरीर नहीं दी गई है। प्रथम दृष्टया हार्ट अटैक से मौत मानी जा रही है।

उत्तर प्रदेश के बजट में जिला खाली हाथ, टूटी उम्मीदों की सांस

अलग से बजट में कुछ नहीं मिला, प्रदेश की योजनाओं के सहारे ही हो सकेंगे विकास कार्य, विरोधी दल के नेताओं ने बजट को जनविरोधी बताया

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

अमृत विचार: प्रदेश सरकार ने बुधवार को बजट पेश किया। सरकार के बजट से जनपदवासियों को काफी उम्मीदें थीं। लेकिन सरकार ने सदन में बजट पेश किया तो उम्मीदों का प्याला खाली रह गया। जिले के लिए कोई विशेष प्रावधान या विकास की परियोजना मंजूर नहीं हुई। अब सिर्फ उन्हीं योजनाओं से उम्मीदें हैं, जो पूरे प्रदेश के लिए लागू होंगी। विपक्षी दलों और व्यापारियों ने इस पर निराशा प्रकट की। कहा कि यह सरकार का विदाई बजट है। इससे युवाओं और किसानों का भला नहीं होने वाला।

बुधवार को प्रदेश सरकार के बजट से जिले के लोगों को काफी उम्मीदें थीं। लगता था कि बजट में शायद सरकार जिले पर खास मेहरबान रहेगी। लेकिन ऐसा नहीं हुआ। जबकि विद्यार्थियों को टैबलेट-स्मार्ट फोन वितरण और स्कूटी दिए जाने की योजना पूर्व से संचालित हैं। वहीं सामूहिक विवाह योजना में धनराशि पहले से बढ़ा दी गई है। किसानों के लिए नलकूपों का बिल पहले ही माफ किया जा रहा है। वृद्धावस्था, विधवा और विकलांग पेंशन में बढ़ोतरी की उम्मीद लाभार्थियों को थी। लेकिन यह मंशा पूरी न हो सकी। जिले के लोगों को एक आधुनिक स्टेडियम के निर्माण की उम्मीद भी वह भी अधूरी रह गई। वैसे सत्ता पक्ष के पदाधिकारी सरकार के बजट को प्रदेश का समग्र विकास करने वाला बता रहे हैं, वहीं विपक्षी इसे आंकड़ों का पुलिंदा बताने में लगे हैं। उनका कहना है कि प्रदेश सरकार का बजट जनविरोधी व दिशाहीन है। जिससे युवाओं, किसानों और व्यापारियों का भला नहीं होने वाला।

प्रदेश सरकार के संकल्प को आगे बढाने वाला है यह बजट

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में वित्तीय वर्ष 2026-27 का बजट वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने सदन में रखा, विकसित उत्तर प्रदेश के संकल्प को आगे बढ़ाने वाला प्रभावी और दूरदर्शी बजट है। उत्तर प्रदेश की अर्थव्यवस्था अब केवल कृषि आधारित न रहकर बहु-क्षेत्रीय स्वरूप ले चुकी है। इसी का परिणाम है कि वर्ष 2016-17 में 54,564 रही प्रति व्यक्ति आय बढ़कर वर्ष 2024-25 में 1,09,844 हो गई है। शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि, युवा रोजगार, महिला सशक्तिकरण और सुदृढ़ कानून व्यवस्था पर विशेष ध्यान दिया गया है। यह बजट प्रदेश के नागरिकों के जीवन में बेहतर लाने के क्रमिक प्रयासों की दिशा में एक मील का पत्थर साबित होगा। **-राजीव गुप्ता,** भाजपा जिला अध्यक्ष

सामाजिक और आर्थिक विकास होगा मजबूत, रोजगार सृजन होगा

उत्तर प्रदेश का बजट 2026-27 आर्थिक विकास और रोजगार सृजन के प्रति स्पष्ट प्रतिबद्धता दर्शाता है। यह उद्योग, व्यापार और युवाओं को स्वरोजगार व उद्यमिता के अवसर देता है। स्वास्थ्य, शिक्षा और बुनियादी ढांचे में किए गए निवेश प्रदेश की सामाजिक और आर्थिक प्रगति को मजबूत बना रहे हैं। यह बजट समावेशी विकास और हर वर्ग के कल्याण का प्रतीक है। **-अश्विनी गोयल,** सीए

कृषि क्षेत्र होगा मजबूत

उत्तर प्रदेश का बजट 2026-27 किसानों और कृषि क्षेत्र को सशक्त बनाने का स्पष्ट संदेश देता है। कृषि और संबद्ध सेवाओं को पर्याप्त बजट आवंटन, युवाओं और किसानों के लिए स्वरोजगार और उद्यमिता के अवसर सुनिश्चित करता है। **-अमन राठौर,** निर्देशक, एफपीओ-एमएएचसी लखनपुर एग्रो प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड

महिलाओं को मिलेंगे रोजगार के नए अवसर

उत्तर प्रदेश का बजट 2026-27 व्यवसाय, युवा और महिलाओं के सशक्तिकरण को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है। स्वरोजगार और महिला उद्यमिता के लिए किए गए प्रावधान छोटे व्यवसायियों के लिए नए अवसर खोलते हैं। **-शालिनी शर्मा,** स्टाइल ब्यूटी जोन पार्लर

प्रदेश के नागरिकों की भलाई वाला बजट

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में शिक्षा, स्वास्थ्य और ग्रामीण समृद्धि पर जोर देना स्पष्ट संदेश है कि उत्तर प्रदेश में हर नागरिक की भलाई और सशक्तिकरण प्राथमिकता है। यह बजट विद्यार्थियों और युवाओं के भविष्य को उज्जवल बनाएगा। **-डॉ. संदीप भारती,** प्रधानाचार्य, एस. के. इंटर कॉलेज

सतत विकास वाला है बजट

समावेशी और सतत विकास की दिशा में यह बजट शिक्षा, स्वास्थ्य और ग्रामीण समृद्धि को सुदृढ़ करना है। मुख्यमंत्री के नेतृत्व में यह कदम प्रदेश के युवाओं और समाज के हर वर्ग के लिए अवसर और प्रगति लाएगा।

-डॉ. श्रद्धा गुप्ता, प्राचार्य, राजकीय महाविद्यालय

स्वास्थ्य सेवाएं होंगी मजबूत

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में यह बजट समावेशी विकास और स्वास्थ्य को प्राथमिकता देने का उदाहरण है। यह स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने के साथ-साथ ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में जीवन स्तर सुधारने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। **-डॉ. अजीत पाल सिंह,** सलाहकार चिकित्सक एवं डायबिटोलॉजिस्ट

ग्रामीण क्षेत्र बनेगा समृद्ध

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में यह बजट स्वास्थ्य, शिक्षा और ग्रामीण समृद्धि पर केंद्रित है। यह न केवल सेवाओं को सुदृढ़ करेगा, बल्कि प्रदेश की जनता के जीवन स्तर और सुरक्षा को भी मजबूती देगा। **-डॉ. पलवीन कौर,** सर्विलांस मेडिकल ऑफिसर, विश्व स्वास्थ्य संगठन

शिक्षा व्यवस्था होगी सुदृढ़

प्रदेश सरकार ने शिक्षा चिकित्सा और कृषि पर विशेष ध्यान दिया। सरकार ने कुल बजट का 12.4 फीसदी हिस्सा शिक्षा पर, 6 फीसदी चिकित्सा पर और 9 फीसदी हिस्सा कृषि से जुड़ी योजनाओं पर खर्च होगा जो कि सराहनीय है। **-मोहम्मद शीराज आलम,** अधिवक्ता

किसान और नौजवान विरोधी है बजट

बजट में बदायूं को कुछ नहीं मिला है। योगी सरकार का विदाई बजट है। बजट किसान नौजवान कर्मचारी व विकास विरोधी है। किसानों की आय दोगुनी करने और रोजगार देने का कोई रोड मैप नहीं। पुरानी पेंशन देने और संविदा कर्मियों को अधिकार देने का कोई प्रावधान नहीं है। 9.12 लाख करोड़ का बजट केवल आंकड़ों की बाजीगरी है। इसमें नई योजनाओं के लिए मात्र 43 हजार करोड़ का आवंटन किया गया है जो पिछले बजट से भी कम है। राजकोषीय घाटे को भरने के लिए जनता पर आर्थिक बोझ डालने की तैयारी की गई है।

- अजीत यादव, कांग्रेस जिलाध्यक्ष

जनविरोधी और दिशाहीन है उत्तर प्रदेश सरकार का बजट, किसानों युवाओं की अनदेखी

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय सचिव एवं पूर्व मंत्री आबिद रजा ने उत्तर प्रदेश सरकार के बजट को लेकर अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए बजट को जनविरोधी और दिशाहीन बताया। कहा कि इसमें आम जनता, किसानों, युवाओं और कर्मचारियों के हितों की अनदेखी की गई है। सरकार ने बड़े-बड़े आंकड़ों के जरिए वास्तविक समस्याओं से ध्यान हटाने की कोशिश की है। प्रदेश में महंगाई, बेरोजगारी और किसानों की आय जैसे गंभीर मुद्दों पर बजट में कोई ठोस प्रावधान नजर नहीं आ रहा है। सरकार ने विकास के दावों के बावजूद शिक्षा और स्वास्थ्य जैसे बुनियादी क्षेत्रों में अपेक्षित बढ़ोतरी नहीं की है। उनके अनुसार बजट में घोषणाएं अधिक हैं, लेकिन जमीनी हकीकत से उसका तालमेल कम है। **-आबिद रजा,** राष्ट्रीय सचिव सपा

जीएसटी में नहीं दी गई रियायत, व्यापारी जगत को निराशा

व्यापारियों को केंद्रीय बजट के बाद प्रदेश बजट से थी काफी उम्मीदें। लेकिन बजट से काफी निराशा हुई है। मंडी समिति समाप्त करने का प्रावधान नहीं किया गया है। जीएसटी में भी कोई रियायत नहीं दी है। बिजली की दरों में कोई कमी नहीं की गई है। इससे व्यापारियों को कोई लाभ नहीं मिलेगा। यह बात अलग है कि 9 लाख करोड़ से ज्यादा के ऐतिहासिक बजट से आम जनमानस को लाभ पहुंचेगा। **-नवनीत गुप्ता,** युवा प्रदेश अध्यक्ष, उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल

सराय सांवल गांव में बंद घर के ताले तोड़कर लाखों की चोरी

संवाददाता, उघैती

- शादी में संभल के बहजोई गया था पूरा परिवार
- मेन गेट की बजाय कहीं और से घुसे थे चोर

अमृत विचार : चोरों ने मंगलवार रात उघैती थाना क्षेत्र के गांव सराय सांवल के बंद घर को निशाना बनाया। नगदी समेत लाखों रुपये के जेवर चोरी कर लिए। परिवार अपने घर के सदस्य की शादी में शामिल होने के लिए जिला संभल के कस्बा बहजोई गया हुआ था। वापस लौटने पर चोरी की जानकारी हुई। सूचना पर पुलिस ने मौका मुआयना किया। जल्द ही खुलासा करने का आश्वासन दिया है।

गांव निवासी वीरेश पुत्र जगदीश शर्मा अपने परिवार के साथ भतीजे की शादी में शामिल होने के लिए गए थे। घर पर ताला लगाया था। अगले दिन सुबह परिवार वापस आया तो मेन गेट पर तो ताला लगा मिला लेकिन कमरों में सामान फैला पड़ा था। कमरों और अलमारियों के ताले टूटे थे। परिजनों के अनुसार चोर 48 हजार रुपये नगद, अलमारी से सोने-चांदी के जेवर चोरी कर लिए। परिजन ने पुलिस को सूचना दी। थाना प्रभारी ऋषिपाल सिंह पुलिस बल के साथ गांव पहुंचे। पूछताछ करके साक्ष्य एकत्र किए। परिजनों ने बताया कि चोर मेन गेट की बजाय किसी और रास्ते से आए थे। थाना प्रभारी ने बताया पीड़ित की तहरीर पर मामला दर्ज करके आगे की कार्रवाई की जाएगी।

दातागंज में भी बनेगा मुख्यमंत्री मॉडल स्कूल

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

- शासन की ओर से पूर्व में जारी हो चुकी है स्वीकृति, तलाशी जा रही जमीन
- जिले में दो हो जाएंगे मुख्यमंत्री मॉडल स्कूल, एक की उझानी में बन रही बिल्डिंग

अमृत विचार: जनपद के दातागंज तहसील क्षेत्र में मुख्यमंत्री मॉडल कंपोजिट विद्यालय का निर्माण किया जाएगा। जिसका जिक्र बुधवार को पेश किए गए बजट के दौरान वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने किया। स्कूल का निर्माण तीस बीघा जमीन पर होगा। जिसे चिन्हित कर लिया गया है। शासन के निर्देश पर बेसिक शिक्षा विभाग की ओर से प्रशासकीय व वित्तीय सहमति के लिए प्रस्ताव बनाकर भेजा गया है। जिसकी स्वीकृति जल्द ही मिलने की उम्मीद शिक्षा अधिकारी द्वारा जताई जा रही है। बुधवार को प्रदेश सरकार की ओर से बजट प्रस्तुत किया गया। वित्त मंत्री ने अपने बजट भाषण में प्रत्येक जनपद में दो-दो मुख्यमंत्री मॉडल कंपोजिट विद्यालय का निर्माण कराने की बात कही। जिले में भी दो मॉडल स्कूल का निर्माण होना है। जिसमें एक स्कूल सदर तहसील के ब्लॉक उझानी क्षेत्र के गांव बरसुआ में बन रहा है। जिसका करीब 40 प्रतिशत से अधिक निर्माण पूरा हो चुका है। दूसरा मुख्यमंत्री माडल कंपोजिट विद्यालय का निर्माण दातागंज तहसील क्षेत्र के ब्लॉक म्याऊं क्षेत्र के गांव कोड़ा जयकरण में होगा। स्कूल निर्माण के लिए शासन के आदेश पर करीब 30 बीघा जमीन चिन्हित की गई है।

> प्रथम चरण के दौरान एक मुख्यमंत्री मॉडल कंपोजिट स्कूल बनाने की स्वीकृति मिली थी। जिसका निर्माण चल रहा है। दूसरे स्कूल की स्वीकृति शासन स्तर से और मिली है। जमीन की तलाश कर ली है। निर्माण के लिए बजट की मांग करते हुए प्रस्ताव शासन में भेजा गया है। उम्मीद है कि 15 से 20 दिनों में स्वीकृति मिल जाएगी। **-वीरेंद्र कुमार सिंह,** बीएसए

इन सुविधाओं से सुसज्जित होगा विद्यालय

मुख्यमंत्री मॉडल कंपोजिट विद्यालय में कई सुविधाओं से सुसज्जित किया जाएगा। विद्यालय में मुख्य भवन जी-प्लस-टू के समेत मिड-डे मील भवन जी प्लस वन, प्रधानाचार्य व उप प्रधानाचार्य आवास निर्माण, कर्मचारी आवास का निर्माण, डारमेट्री, बाल वाटिका भवन, मल्टीपरपज हाल, गार्ड रूम, बाउंड्रीवाल, इंटरलाकिंग, सीसी रोड का निर्माण होगा। विद्यालय में 1,500 छात्रों की क्षमता होगी। इनके पढ़ने के लिए 30 से अधिक कक्षा-कक्ष बनेंगे। बच्चों को यहां शहरों की तरह बेहतर शिक्षा प्राप्त मिलेगी।

बच्चों का होगा सर्वांगीण विकास

बेसिक शिक्षा अधिकारी का कहना है मुख्यमंत्री मॉडल कंपोजिट विद्यालय में बच्चों का संपूर्ण विकास होगा। विद्यालय में बच्चों को पढ़ाई संग खेल, कौशल विकास, डिजिटल शिक्षा व समग्र व्यक्तित्व निर्माण, सामाजिक, आर्थिक चुनौतियां झेल रहे दलित, पिछड़े और गरीब वर्ग के बच्चों को मुख्यधारा से जोड़ना विद्यालय की प्राथमिकता में है।

पहले आओ, पहले पाओ के आधार पर मिलेगा गन्ना बीज

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

- विभाग के पास नहीं है बीज, अपने बीज को रोककर बाकी गन्ना ही चीनी मिलों को दें किसान

अमृत विचार : जिला गन्ना अधिकारी अशर्फी लाल ने बताया कि बसंत कालीन गन्ना बुवाई का समय सन्निकट है। वर्तमान में जिले में उपलब्ध पेराई योग्य गन्ना की खरीद जिले की चीनी मिल के अलावा बाहरी चीनी मिलें कर रही हैं। बसंत कालीन गन्ना बुवाई के लिए किसानों द्वारा स्वीकृत और नई प्रजातियों के गन्ना बीज की मांग की जा रही है।

कहा कि जिले में विभाग के पास इतना बीज नहीं है कि सभी बुवाई करने वाले किसानों को बीज की आपूर्ति कर सके। ऐसी दिशा में किसान जितनी बुवाई करने जा रहे हैं उतने क्षेत्र के लिए अपना खुद का गन्ना रोक लें और बाकी चीनी मिलों पर आपूर्ति करें। बताया कि शोध केन्द्रों से जिले को को.शा. 13231, यूपी 14234, को.शा. 17231, को. शा. 13235, को. 15023 प्रजातियों का 830 क्विंटल बीज आवंटित किया गया है। जिसका वितरण किसानों का पंजीकरण होने पर पहले आओ, पहले पाओ के आधार पर किया जाएगा। विभाग के पास पौधशालाओं में विभिन्न प्रजातियों का चीनी मिल, बदायूं क्षेत्र में 52500 क्विंटल और चीनी मिल, बिसौली के क्षेत्र में 80500 क्विंटल अनुमानित बीज उपलब्ध है। किसान मोबाइल नंबर 7081202506 पर संपर्क कर सकते हैं।

सचिव आते नहीं, कैसे बनें जन्म प्रमाण-पत्र

संवाददाता, विजय नगला

गांव के पंचायत घर पर लगा ताला। ● अमृत विचार

अमृत विचार : जन्म प्रमाण पत्र बनवाने को आधा दर्जन से ज्यादा ग्रामीण सचिवालय के चक्कर लगाने को मजबूर हैं। ग्रामीणों का आरोप है कि सचिव सचिवालय पर नहीं आते हैं। ग्रामीणों ने डीएम से सचिव को पंचायत घर पर भिजवाने की मांग की है।

विकास जगत क्षेत्र के गांव गुरगांव के ग्रामीणों के अनुसार पंचायत घर पर तैनात सचिव लगभग एक महीने से नहीं आ रहे हैं। जिससे लाखों रुपये से बनाया गया यह पंचायत घर शोपीस बनकर रह गया है। गांव के ह्रदेश, सुदेश, रजनीश, महावीर, वीरपाल, रामेंद्र, ओंकार, गजराज, रामवती आदि ने बताया कि बच्चों के विद्यालय में प्रवेश के लिए जन्म प्रमाण पत्र मांगे जा रहे हैं। लेकिन सचिव के न होने की वजह से प्रमाण पत्र नहीं बन पा रहे। बच्चों के स्कूल में प्रवेश के लिए खासी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों ने बताया कि उन्होंने प्रधान से शिकायत की थी। लेकिन प्रधान ने कहा कि सचिव उनका भी फोन नहीं उठाते तो ग्रामीणों का क्या उठाएंगे। ग्राम प्रधान राय सिंह ने बताया कि सचिव नए आए हैं। उन्होंने अभी चार्ज नहीं लिया है। जिसके कारण सभी कार्य रुके हुए हैं।

शिक्षकों का नर्तकियों के साथ डांस करते वीडियो वायरल

आसफपुर, अमृत विचार : विकास क्षेत्र आसफपुर का एक इंटर कॉलेज एक बार फिर विवाद में घिर गया है। कॉलेज के दो शिक्षकों का नर्तकियों के साथ कथित रूप से अशोभनीय तरीके से डांस करते वीडियो सोशल साइट्स पर वायरल हुआ है। शिक्षकों के आचरण को लेकर तरह-तरह की बातें कही जा रही हैं। वीडियो किसी निजी कार्यक्रम का बताया जा रहा है। एक कॉलेज के दो शिक्षक मंच पर नर्तकियों के नाचते नजर आ रहे हैं। इससे पहले भी कॉलेज विवादों में रहा है। दो शिक्षकों के बीच मारपीट का मामला सामने आया था।

किसानों ने समस्याओं को लेकर सौंपा ज्ञापन

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

मालवीय अध्यापक आवास गृह पर मौजूद संगठन के पदाधिकारी व अन्य।

अमृत विचार : मालवीय अध्यापक आवास गृह पर भारतीय किसान यूनियन, चूढ़नी गुट की मासिक पंचायत हुई। किसानों और जनहित के मुद्दों पर चर्चा की। संगठन के जिला प्रभारी कृष्ण अवतार शाक्य ने तहसील परिसर में बने शौचालय पर अवैध वसूली का आरोप लगाया। कहा कि रोज सैकड़ों किसान तहसील आते हैं। शौचालय का प्रयोग करने के लिए उनसे 5 से 10 रुपये की उगाही की जाती है। बिसौली तहसील अध्यक्ष रजनेश उपाध्याय ने गेहूं क्रय केंद्र बढ़ाने की मांग की। जिससे किसानों को ज्यादा दूरी तय न करनी पड़े। जिलाध्यक्ष सतीश साहू ने कहा कि किसानों की आलू, गेहूं और सरसों की फसल खड़ी है। वहीं बिजली विभाग वसूली अभियान चला रहा है। जिला प्रशासन को चाहिए किसानों की फसल उठने तक अभियान को रोक दिया जाए। इरशाद खां को सर्वसम्मति से जिला उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया है। जिसके बाद 5 सूत्रीय मांग का ज्ञापन सिटी मजिस्ट्रेट को सौंपा। नगर अध्यक्ष नूरुद्दीन, सतेंद्र यादव, शराफत खां, यादवेंद्र यादव, मुंशीलाल, भगवान दास, बलवीर, प्रेमवती, इसरार, अशोक, बीईशु दास आदि उपस्थित रहे।

ओवरटेक कर रहा डंपर पलटा, चालक और हेल्पर घायल

कुंवरगांव अमृत विचार : बदायूं-आंवला मार्ग पर वाहन को ओवरटेक करते समय बजरफुट भरा डंपर पलट गया। हादसे में डंपर चालक और परिचालक गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को अस्पताल ले जाया गया। हादसा कोतवाली सिविल लाइन क्षेत्र में जिला उद्योग केंद्र के पास हुआ। दस टायरा डंपर कुंवरगांव की ओर से बजरफुट लेकर बदायूं की ओर आ रहा था। भूसा लेकर जा रहे ट्रक को ओवरटेक करते समय डंपर चालक नियंत्रण खो बैठा। सड़क किनारे पुलिया के नीचे पलट गया। पुलिया क्षतिग्रस्त हो गई। डंपर चालक जिला रामपुर के पटवाई निवासी नाजिम पुत्र शहजादे और परिचालक रामपुर के रसूलपुर निवासी नाहिद पुत्र जाकिर हुसैन केबिन में फंस गए और गंभीर रूप से घायल हो गए। राहगीरों ने डायल 112 पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने घायलों को जिला अस्पताल भेजा। बताया जा रहा है कि डंपर बदायूं किसी बिल्डिंग मैटेरियल की दुकान पर जा रहा था। पुलिस ने क्रेन मंगवाकर डंपर सीधा कराया।

- चालक और हेल्पर को पुलिस ने ग्रामीणों की मदद से निकाला

यूपी बोर्ड परीक्षा | नकल और उत्तर पुस्तिकाओं की हेराफेरी रोकने को लागू की नई व्यवस्था

कापी के हर पन्ने पर लिखना होगा अनुक्रमांक

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

अमृत विचार: यूपी बोर्ड हाईस्कूल इंटरमीडिएट की बोर्ड परीक्षाएं 18 फरवरी से शुरू हो रही हैं। परीक्षा शुरू होने में मात्र सप्ताह भर का समय बचा है। नकल विहीन और पारदर्शिता से परीक्षाएं कराने के लिए नई-नई व्यवस्था लागू की जा रही हैं। नई व्यवस्था के तहत इस बार परीक्षार्थियों को उत्तर पुस्तिका के हर पन्ने पर अनुक्रमांक नंबर लिखना अनिवार्य होगा। जिससे उत्तर पुस्तिका की परीक्षा के दौरान हेराफेरी को रोकी जा सके। अनुक्रमांक नंबर लिखवाने की जिम्मेदारी कक्ष निरीक्षक की होगी। आदेशों से डीआईओएस ने सभी केंद्रों के व्यवस्थापकों को अवगत कराया है।

अब से पूर्व बोर्ड परीक्षा के दौरान परीक्षार्थी को उत्तर पुस्तिका के पहले पन्ने पर ही अनुक्रमांक नंबर लिखना होता था। जिसके चलते परीक्षा के दौरान उत्तर पुस्तिका की हेराफेरी किए जाने की संभावना रहती है। कई जिलों में उत्तर पुस्तिका बदले जाने की भी शिकायत शासन स्तर तक पहुंची थी। इन शिकायतों को विराम देने और हेराफेरी रोकने के लिए बोर्ड की ओर से नई व्यवस्था लागू की है। इस नई व्यवस्था के तहत इस वर्ष बोर्ड परीक्षा में नकल और उत्तर पुस्तिकाओं की हेराफेरी रोकने के लिए परीक्षार्थियों को उत्तर पुस्तिका के प्रत्येक पन्ने पर अपना अनुक्रमांक और कॉपी नंबर लिखना अनिवार्य होगा। नई व्यवस्था के तहत उत्तर पुस्तिका के हर पृष्ठ पर अनुक्रमांक और कॉपी नंबर लिखवाने की जिम्मेदारी कक्ष निरीक्षकों की होगी। परीक्षा के दौरान कक्ष निरीक्षक यह सुनिश्चित करेंगे कि सभी पन्नों पर सही ढंग से विवरण अंकित हो। परीक्षार्थी प्रश्नपत्र मिलने से पहले उत्तर पुस्तिका पर कुछ भी न लिखें।

> बोर्ड परीक्षा नकल विहीन और पारदर्शी कराने के लिए बोर्ड की ओर से गाइडलाइन जारी हो रही है। जारी हुई गाइडलाइन के तहत परीक्षा के दौरान परीक्षार्थी को उत्तर पुस्तिका के हर पृष्ठ पर अनुक्रमांक और कॉपी नंबर लिखना अनिवार्य रहेगा। जिसकी जिम्मेदारी कक्ष निरीक्षक की रहेगी। गाइड लाइन से केंद्र व्यवस्थापकों को अवगत करा दिया गया है। **-लालजी यादव,** जिला विद्यालय निरीक्षक

उत्तर पुस्तिका के दोनों ओर उत्तर खिलने की होगी अनुमति

जिला विद्यालय निरीक्षक ने बताया कि इस बार नई व्यवस्था लागू की गई है। उत्तर पुस्तिका के प्रत्येक पृष्ठ पर अनुक्रमांक नंबर और कॉपी नंबर लिखना अनिवार्य होगा। परीक्षार्थियों को उत्तर पुस्तिका के दोनों ओर उत्तर लिखने की अनुमति होगी। रफ कार्य, आवश्यक गणनाएं या प्रारूप उत्तर पुस्तिका के कवर पृष्ठ के पीछे या किसी अन्य रिक्त पृष्ठ पर की जा सकती हैं। ऐसे पृष्ठों पर रफ लिखकर काटना अनिवार्य होगा, ताकि मूल्यांकन के दौरान कोई भ्रम न हो।

केंद्रों पर तैयारियों को दिया जा रहा अंतिम रूप

यूपी बोर्ड परीक्षा के लिए जिले में 98 कॉलेजों को केंद्र बनाया गया है। इन पर हाईस्कूल इंटरमीडिएट के कुल 67945 परीक्षार्थी परीक्षा देने पहुंचेंगे। केंद्रों पर उत्तर पुस्तिकाएं और प्रश्न पत्र पहुंचने शुरू हो गए हैं। अन्य तैयारी भी पूरी की जा रही हैं। वहीं प्रशासन की ओर से भी तैयारियों को अंतिम रूप दिया जा रहा है।

पांच लाख रुपये न देने पर महिला को घर से निकाला

विजय नगला, अमृत विचार: दहेज की मांग पूरी न होने पर ससुरालीजनों ने महिला को घर से निकाल दिया। थाना बिनावर क्षेत्र के गांव चन्दौरा निवासी चंद्रावती पुत्री नेकराम ने तहरीर देकर बताया कि उनकी शादी बरेली के थाना कैंट क्षेत्र के गांव बबिया इचौरिया निवासी सुरजीत पुत्र अरविंद के साथ एक साल पहले हुई थी। पिता ने लगभग सात लाख रुपये दान दहेज दिया था। जिससे ससुरालीजन खुश नहीं थे। अतिरिक्त दहेज में पांच लाख रुपये मांगने शुरू कर दिए। रुपये न देने पर हमेशा ताने मारते हैं। महिला ने अपने पिता को बताया तो उन्होंने कहा कि एक साल पहले ही तो शादी की है। अब पांच लाख रुपये नहीं हैं। आरोप है कि ससुरालीजनों ने 10 फरवरी को महिला को घर से निकाल दिया।

भाकियू ने खनन विभाग के खिलाफ खोला मोर्चा

संवाददाता, कादरचौक

- रात के अंधेरे में खनन कराने का लगाया आरोप, नहीं होती कार्रवाई

अमृत विचार: भारतीय किसान यूनियन असली गैर राजनैतिक ने खनन विभाग के खिलाफ मोर्चा खोलते हुए जमकर प्रदर्शन किया। धरना प्रदर्शन की अध्यक्षता सूरजपाल सिंह ने की और संचालन युवा जिला अध्यक्ष जसवीर सिंह यादव ने किया।

इस दौरान सूरजपाल सिंह ने कहा गया कि उनके द्वारा खनन विभाग और अवैध खनन माफिया की शिकायत जिला अधिकारी को 19 जनवरी को ज्ञापन के द्वारा दी थी। लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। कहा की दिलीप पुत्र अखिलेश ग्राम नाई पिंडरी बिल्सी के रहने वाले हैं। इन्होंने अपनी मशीन से रेत उठाने की अनुमति खनन विभाग से ली थी लेकिन खनन अधिकारी ने मशीन को सीज करके मुजरिया थाने भिजवा दिया। जांच में लेखपाल, कानूनगो, तहसीलदार और उप जिला अधिकारी बिल्सी ने मशीन निर्दोष पाई, उसके बाद इसे रिलीज ऑर्डर मिला। जिला अध्यक्ष केपीएस राठौर ने कहा बरेली आगरा हाईवे पर कंपनी द्वारा मिट्टी 8 से 9 फुट उठा रहे हैं जबकि अनुमति 2 मीटर की होती है। और खनन अधिकारी द्वारा हाथ से मिट्टी उठाने की अनुमति 100 घन मीटर की 10 से 12 दिनों के लिए दो से तीन ट्रैक्टर को दी जाती है लेकिन हाथ से मिट्टी उठाने की अनुमति मिलते ही 5 से 8 ट्रैक्टर माफिया लगाकर मिट्टी उठाने का कार्य शुरू कर देते हैं। अनुमति से कई हजार गुना मिट्टी उठा लेते हैं लेकिन ऐसे लोगों को पकड़ना तो दूर देखने भी नहीं जाते हैं। कहा कि दोषियों को खिलाफ कार्रवाई की जाए।

जिला उद्योग केंद्र के पास पलटा डंपर।

अमृत विचार

बरेली, गुरुवार, 12 फरवरी 2026

न्यूज ब्रीफ

शराब पीकर खेल मैदान पर पहुंचा कर्मी निलंबित

बदायूं, अमृत विचार : इस्लामियां इंटर कॉलेज मैदान पर बेसिक शिक्षा विभाग की 42वीं खेलकूद प्रतियोगिताएं चल रही हैं। जिसके दूसरे दिन संविलियन विद्यालय में कार्यरत चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी आरेंद्र प्रकाश आर्य शराब पीकर पहुंच गया। नशे की स्थिति में उसके द्वारा खिलाड़ियों से अनुचित आचरण किया जाने लगा। जिसकी शिकायत खिलाड़ियों और शिक्षकों ने बीएसए से की। बीएसए ने चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी को निलंबित कर दिया। निलंबन के बाद कर्मचारी को सालारपुर ब्लॉक से संबद्ध कर दिया है।

युवक का लात-घूसों से पीटा, वीडियो वायरल

बदायूं, अमृत विचार : उसहैत थाना क्षेत्र के गांव भसुंदरा में एक युवक को लात-घूंसे और बेल्ट से पीटा गया। युवक गंभीर रूप से चोटिल हो गया। घटना एक घर के बाहर लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है। वीडियो वायरल भी हुआ है। पुलिस ने पुलिस को तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है। साथ में वीडियो भी उपलब्ध कराया है।

आपत्तिजनक टिप्पणी करने पर दो गिरफ्तार

बदायूं, अमृत विचार : दातागंज कोतवाली क्षेत्र के मोहल्ला इमामबाड़ा निवासी गुड्डू रील बनाता है। उसने अपने परिचित गांव ढिलवारी निवासी मकबूल अंसारी के साथ रील बनाई। जिसमें वैश्य समाज के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणी की। लोगों ने पुलिस से शिकायत की। पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करके गिरफ्तार कर लिया।

गुधनी गांव में फंदे पर लटकी नवविवाहिता

बिल्सी। कोतवाली क्षेत्र के गांव गुधनी में बुधवार शाम एक नवविवाहिता ने संदिग्ध परिस्थितियों में फांसी लगाकर जान दे दी। सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा भर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मामले की जांच की जा रही है। जानकारी के अनुसार गांव निवासी अशोक कुमार पुत्र मलखान सिंह की शादी करीब नौ माह पूर्व सिरासोल गांव निवासी उजाला देवी (22) पुत्री राकेश कुमार के साथ हुई थी। बुधवार शाम उजाला अपने कमरे में चली गई। काफी देर तक बाहर न निकलने पर परिजनों को संदेह हुआ। दरवाजा खोला गया तो वह चुन्नी का फंदा बनाकर लटकी मिली। घटना से परिवार में कोहराम मच गया। बताया जाता है कि उजाला का पति अशोक कुमार दिल्ली में रहकर मजदूरी करता है। घर पर उसकी सास मौजूद थी।

जनपदीय प्रतियोगिता में कादरचौक के खिलाड़ियों का दबदबा

इस्लामियां इंटर कॉलेज मैदान पर चल रहीं 42वीं जनपद स्तरीय प्रतियोगिताएं, प्रतियोगिता के दूसरे दिन खिलाड़ियों ने किया उम्दा प्रदर्शन

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

अमृत विचार: बेसिक शिक्षा विभाग की 42 वीं जनपदीय खेल प्रतियोगिता का आयोजन इस्लामिया इंटर कॉलेज मैदान पर हो रहा है। प्रतियोगिता में कादरचौक ब्लॉक के खिलाड़ियों का दबदबा रहा। उन्होंने हर खेल में उम्दा प्रदर्शन किया। विजेताओं को मेडल पहनाकर सम्मानित किया गया।

दूसरे दिन की प्रतियोगिता जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी वीरेंद्र कुमार सिंह ने शुरू कराई। और कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में बच्चों को अपनी प्रतिभा दिखाने के बहुत से अवसर प्राप्त होते हैं परंतु खेल के क्षेत्र में अपनी प्रतिभा को प्रदर्शित करने का यह एक बहुत ही अच्छा माध्यम है। प्राथमिक स्तर बालक वर्ग में 200 मीटर दौड़ में अखिलेश दातागंज प्रथम, प्रशांत कादर चौक द्वितीय एवं करन जगत तृतीय स्थान पर रहे। लंबी कूद में हिमांशु उझानी प्रथम, कुलदीप कादर चौक द्वितीय एवं राजन दातागंज तृतीय स्थान पर रहे। खो-खो में कादर चौक की टीम विजेता रही वहीं अंबियापुर की टीम उप-विजेता बनी। प्राथमिक स्तर बालिका वर्ग संध्या उसावां प्रथम, नंदिनी सलारपुर द्वितीय, पूनम सलारपुर तृतीय स्थान पर रही। लंबी कूद प्राथमिक स्तर बालिका वर्ग में सगोपी कादरचौक प्रथम, करिश्मा कादर चौक द्वितीय, लक्ष्मी उझानी तृतीय स्थान पर रही। खो-खो में कादर चौक की टीम विजेता एवं वजीरगंज की टीम उप-विजेता बनी। 200 मीटर दौड़ में कुणाल उझानी प्रथम, रवि जगत द्वितीय, अनुज कादर चौक तृतीय स्थान पर रहे। 600 मीटर दौड़ में आकाश उझानी प्रथम, अरबाज समरेर द्वितीय, अनुज कादरचौक तृतीय स्थान पर रहे। लंबी कूद में सोनू सलारपुर प्रथम, अर्जुन जगत द्वितीय, अनुराग उझानी तृतीय स्थान पर रहे। कबड्डी में अंबियापुर की टीम विजेता बनी। वहीं दहगवां की टीम उप-विजेता बनी। खो-खो में कादर चौक विजेता एवं सालारपुर उपविजेता रहा। उच्च प्राथमिक स्तर बालिका वर्ग में 200 मीटर दौड़ में दीक्षा सलारपुर प्रथम, नीतू उझानी द्वितीय, शिवी उझानी तृतीय स्थान पर रही। 600 मीटर दौड़ में दीक्षा सालारपुर प्रथम, वंशिका सालारपुर एवं सलोनी उझानी तृतीय स्थान पर रही। लंबी कूद में गोसिया बी उझानी प्रथम, रुचि कादर चौक द्वितीय व स्वाती दहगवां तृतीय स्थान पर रही। खो-खो में उझानी विजेता एवं बिसौली की टीम उप विजेता रही।

इस मौके पर किशोर, कामिनी राठौर, अशोक यादव, प्रदीप गुप्ता, किरण देवी, रामदास यादव, ज्योति सक्सेना, सुदेश मिश्रा, लव कुमार शर्मा, राजन यादव, रामवीर यादव आदि मौजूद रहे।

कबड्डी प्रतियोगिता में प्रतिभाग करतीं बालिकाएं। ● अमृत विचार

लंबी कूद प्रतियोगिता में प्रतिभाग करते खिलाड़ी। ● अमृत विचार

बच्चों की बिगड़ी तबीयत, स्वास्थ्य अधिकारी बोले, अस्पताल भेज दो...

● जिला स्तरीय प्रतियोगिता की सूचना देने के बाद भी एम्बुलेंस की नहीं की व्यवस्था

बदायूं, अमृत विचार : हाफिज सिद्दीकी इस्लामिया इंटर कॉलेज में बेसिक शिक्षा विभाग की जिला स्तरीय प्रतियोगिताएं चल रही हैं। जहां सैकड़ों नन्हें बच्चे अपनी क्षमता का प्रदर्शन कर रहे हैं। विभाग की ओर से सभी संबंधित विभागों को आमंत्रण पत्र भेजा गया था। स्वास्थ्य विभाग से एम्बुलेंस की व्यवस्था करने को कहा था लेकिन विभाग ने एम्बुलेंस उपलब्ध नहीं कराई गई हैं। बुधवार को कई बच्चों की तबीयत खराब हो गई। शिक्षक संघ के पदाधिकारियों ने स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को फोन करके सूचना दी और एम्बुलेंस की मांग की लेकिन आरोप है कि अधिकारियों ने कहा कि बच्चों को जिला अस्पताल भेज दो लेकिन एम्बुलेंस नहीं भेजी। संगठन के पदाधिकारी चोटिल सुविता, वंशिका, नीरज, लवली और मधु को अपने वाहन से बच्चों को चिकित्सक के पास ले गए। शिक्षक संघ के प्रदेश प्रचार मंत्री व जिलाध्यक्ष संजीव शर्मा ने बताया कि स्वास्थ्य विभाग को सूचना दी गई थी लेकिन मैदान पर एम्बुलेंस आई और न ही कोई स्वास्थ्यकर्मी। कहा कि बच्चों को जिला अस्पताल भेज दो।

पैर में चोट लगने से परेशान लवली और मधु। ● अमृत विचार

खेल के दौरान अचानक चक्कर आ गया था। शिक्षक ने अपने पास से दवा मंगवाकर दी तो कुछ आराम मिला। -सुविता

खेलते समय पैर में मोच आ गई थी। मैडम ने कहा कि थोड़ी देर में डॉक्टर आ जाएंगे लेकिन कोई नहीं आया तो मैडम ने स्प्रे किया। -वंशिका

पूरा दिन मैदान में गुजरा था। खेलते समय गिरने से हाथ में चोट आ गई थी। लेकिन समय से दवा नहीं दी गई। बहुत परेशानी हुई। - नीरज

त्योहारों पर नई परंपरा डालने का कोई भी प्रयास नहीं करें

आगामी त्योहार के संबंध में पीस कमेटी की बैठक करतीं प्रभारी निरीक्षक ज्योति सिंह।

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

अमृत विचार : आगामी त्योहारों के मद्देनजर थाना मुजरिया में पीस कमेटी की बैठक की गई।

प्रभारी निरीक्षक ज्योति सिंह ने पुलिस की मदद करने और शांति व्यवस्था बनाए रखने का आह्वान किया। कहा कि होली का त्यौहार जल्द है। इसे अमन चैन से के साथ मनाएं। नई परंपरा डालने का प्रयास न करें।

अगर कोई ऐसा करने का प्रयास करता है तो पुलिस को सूचित करें। उपनिरीक्षक रामवीर सिंह, उमेश कुमार, ग्राम प्रधान केहरी सिंह, गजेन्द्र सिंह, धनपाल, केपी सिंह, बब्बन खान आदि मौजूद रहे।

अंत्योदय की भावना को सशक्त बना रहे प्रधानमंत्री : राजीव

● दीनदयाल उपाध्याय के सिद्धांतों पर आगे बढ़ती भाजपा : भूपेंद्र सिंह

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

अमृत विचार : राजमहल गार्डन में भाजपा व जनसंघ के प्रमुख विचारक, एकात्म मानववाद और अंत्योदय के प्रणेता पंडित दीनदयाल उपाध्याय की पुण्यतिथि पर समर्पण दिवस के रूप में कार्यक्रम आयोजित किया गया। चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर भावपूर्ण श्रद्धांजलि दी गई। तीन सत्रों के माध्यम से पंडित दीनदयाल उपाध्याय के विचारों, दर्शन और अंत्योदय के संकल्प पर मुख्य अतिथि पूर्व डीसीबी चेयरमैन भूपेंद्र सिंह, भाजपा जिलाध्यक्ष राजीव कुमार गुप्ता, जिला प्रवक्ता शैलेन्द्र मोहन शर्मा ने अपने विचार साझा किए।

जिलाध्यक्ष ने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय का सपना था कि समाज का सबसे कमजोर व्यक्ति भी विकास की मुख्यधारा से जुड़े। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में चल रही योजनाएं उसी सोच को आगे बढ़ा रही हैं। गरीब, किसान, श्रमिक, महिला और युवा वर्ग के लिए किए जा रहे कार्य अंत्योदय की भावना को सशक्त बना रहे हैं। सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास इसी विचारधारा का विस्तार है। पूर्व डीसीबी चेयरमैन ने कहा पंडित दीनदयाल उपाध्याय, भारतीय जनसंघ के संस्थापक के रूप में, संगठन को केवल चुनावी मंच नहीं बल्कि सेवा और विचार का माध्यम मानते थे। उन्होंने अनुशासन, समर्पण, ईमानदारी और सेवा भाव को संगठन की असली ताकत बताया।

आज भाजपा उसी सोच के साथ आगे बढ़ रही है और संगठनात्मक विस्तार के माध्यम से समाज के हर वर्ग तक जुड़ाव बना रही है। जिला प्रवक्ता ने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय द्वारा दिया गया एकात्म मानववाद भारत की अपनी सोच है। जिसमें व्यक्ति, परिवार, समाज और राष्ट्र सबको एक साथ देखा जाता है। पंडित दीनदयाल का जीवन बहुत सादा था, लेकिन उनके विचार बहुत ऊंचे थे। उन्होंने कभी पद या प्रसिद्धि की चिंता नहीं की, बल्कि हमेशा समाज और राष्ट्र के हित में काम किया। मंच का संचालन जिला महामंत्री एमपी सिंह राजपूत ने किया।

पूर्व विधायक धर्मेंद्र शाक्य, पूर्व मंत्री विमल कृष्ण अग्रवाल, पूर्व चेयरमैन दीपमाला गोयल, रविन्द्र पाल सिंह, शैलेश पाठक, रेखा देवी, दिनेश कुमार सिंह, वेदप्रकाश राठौर, धीरज सक्सेना, अनेक पाल सिंह, केसी शाक्य, ओम कृष्ण सागर, मनोज मसीह, बीएस मौर्य, गिरीश पाल सिंह, अजय तोमर, मुनीश अग्रवाल, अनुभव उपाध्याय आदि उपस्थित रहे।

कार्यक्रम में जानकारी देते भाजपा जिलाध्यक्ष राजीव कुमार गुप्ता व अन्य।

पुण्यतिथि पर आयोजित कार्यक्रम में मौजूद भाजपा के पदाधिकारी व अन्य। ● अमृत विचार

होमगार्डों को सौंपे गए मुख्यमंत्री की ओर से भेजे गए प्रशस्ति पत्र

संवाददाता, विजय नगला

अमृत विचार : महाकुंभ प्रयागराज में पूरी निष्ठा से ड्यूटी करने वाले होमगार्ड को मुख्यमंत्री के द्वारा भेजे गए प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया।

बुधवार को थाना बिनावर में तैनात 21 होमगार्ड को महाकुंभ में निष्ठा के साथ ड्यूटी करने पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की ओर से भेजे गए प्रशस्ति पत्र से सम्मानित किया गया। थाना में कार्यक्रम का आयोजन किया गया था। थाना प्रभारी राजेंद्र सिंह ने सभी होमगार्डों को पत्र सौंपे। कर्मचारियों को संबोधित करते हुए कहा कि होमगार्ड बहुत ही निष्ठा से ड्यूटी करते हैं। पुलिस के साथ कंधे से कंधा मिलाकर साथ देते हैं। होमगार्डों ने मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री के प्रशस्ति पत्र भेजने पर उन्हें ड्यूटी करने में गर्व महसूस हो रहा है। इस मौके पर होमगार्ड कैलाश चंद्र, मोहनलाल, नरेंद्र पाल, कृष्ण औतार, मुनेंद्र कुमार, राजपाल, अली हसन, प्रमोद कुमार, सुबोध कुमार, महेश चंद्र, जगतपाल, वेद प्रकाश आदि मौजूद रहे।

होमगार्ड को प्रशस्ति पत्र देते थाना प्रभारी।

● महाकुंभ में निष्ठा के साथ ड्यूटी करने पर भेजे थे प्रशस्ति पत्र

प्राण प्रतिष्ठा के बाद हुआ भंडारा

● प्रातःकाल से ही मंदिर परिसर में धार्मिक अनुष्ठान शुरू हुए

● शिव परिवार की विधिवत प्राण प्रतिष्ठा की गई

संवाददाता, बिल्सी

अमृत विचार: नगर प्राचीन हनुमानगढ़ी मंदिर परिसर में बुधवार को जीर्णोद्धार कार्य पूर्ण होने के बाद शिव परिवार की विधिवत प्राण प्रतिष्ठा की गई। प्रातःकाल से ही मंदिर परिसर में धार्मिक अनुष्ठानों का सिलसिला शुरू हो गया था। विद्वान आचार्यों ने वैदिक मंत्रोच्चार, हवन-पूजन और जलाभिषेक के बीच भगवान शिव, माता पार्वती, गणेश एवं कार्तिकेय की प्रतिमाओं की स्थापना कराई।

प्राण प्रतिष्ठा के दौरान हर-हर महादेव और बम-बम भोले के जयघोष से वातावरण भक्तिमय बना रहा। बड़ी संख्या में महिला-पुरुष मौजूद रहे।

श्रद्धालुओं ने विधि-विधान से पूजन कर परिवार की सुख-समृद्धि और क्षेत्र की खुशहाली की कामना की। अनुष्ठान के उपरांत भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें सैकड़ों श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण कर पुण्य लाभ अर्जित किया। आयोजकों ने बताया कि मंदिर के जीर्णोद्धार से श्रद्धालुओं में खासा उत्साह है। कार्यक्रम की व्यवस्थाओं में युवाओं ने सक्रिय सहयोग किया। सुरक्षा और साफ-सफाई की भी समुचित व्यवस्था रही। इस मौके पर कई लोगों का सहयोग रहा।

भंडारे में प्रसाद का वितरण करते आयोजक। ● अमृत विचार

एक दिवसीय जागरूकता शिविर आयोजन आज

बदायूं, अमृत विचार : जिला ग्रामोद्योग अधिकारी संदीप कुमार ने बताया कि उप्र खादी तथा ग्रामोद्योग विभाग से संचालित योजनाओं के प्रचार-प्रसार के लिए एक दिवसीय जागरूकता शिविर नगला मन्दिर परिसर में 12 फरवरी को दोपहर 12 बजे से लगेगा। शिविर में विभाग द्वारा संचालित प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम योजना, मुख्यमंत्री ग्रामोद्योग योजना और मुख्यमंत्री माटीकला योजना के साथ ही व्यवहारिक कौशल सुधार प्रशिक्षण योजना की जानकारी दी जाएगी। उद्योग स्थापना में रूचि रखने वाले उद्यमियों के मार्गदर्शन के लिए अन्य विभागों के अधिकारियों, कर्मचारियों के द्वारा भी जागरूकता शिविर में प्रतिभाग किया जाएगा। उद्योग स्थापित करने के इच्छुक शिक्षित नवयुवक, 18 से 50 वर्ष के बीच के कारीगर इस योजनाओं का लाभ लेने के लिए पंजीकरण करा सकते हैं।

पंडित दीनदयाल उपाध्याय की पुण्यतिथि पर श्रद्धासुमन अर्पित

संवाददाता, कुंवरगांव

पंडित दीनदयाल उपाध्याय चित्र पर पुष्प अर्पित करते भाजपा कार्यकर्ता और पदाधिकारी।

अमृत विचार: बुधवार को नगर पंचायत कार्यालय में पंडित दीनदयाल उपाध्याय की पुण्यतिथि को समर्पण दिवस के रूप में मनाया गया।

कार्यक्रम में उपस्थित जनप्रतिनिधियों एवं कार्यकर्ताओं ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें भावपूर्ण श्रद्धांजलि दी। वक्ताओं ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि उनका संपूर्ण जीवन राष्ट्र सेवा, संगठन सुदृढ़ीकरण एवं समाज के अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति के उत्थान के लिए समर्पित रहा। उन्होंने एकात्म मानववाद की विचारधारा के माध्यम से अंत्योदय का संदेश दिया, जो आज भी प्रासंगिक है। इस मौके पर चेयरमैन पति अरविंद रावत, पूर्व भाजपा मंडल उपाध्यक्ष अनिल ठाकुर, अवनीश शंखधार, देवेश सक्सेना, अजय उपाध्याय, प्रेम पाल, सहित अन्य गणमान्य लोग मौजूद रहे।

परीक्षा में लापरवाही न बरतें केंद्रव्यवस्थापक : डीएम

● यूपी बोर्ड परीक्षा के संबंध में डायट स्थित ऑडिटोरियम में हुई बैठक

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

यूपी बोर्ड परीक्षा के संबंध में आयोजित बैठक में निर्देशित करते डीएम अवनीश राय। ● अमृत विचार

अमृत विचार : आगामी 18 फरवरी से 12 मार्च के बीच संचालित होने वाली यूपी बोर्ड परीक्षा की तैयारियों के संबंध डायट स्थित ऑडिटोरियम में बैठक की गई। डीएम अवनीश राय ने कहा कि बोर्ड परीक्षा को नकलविहीन, सुचितापूर्ण व पारदर्शी ढंग से संपन्न कराना शासन की प्राथमिकता है। सभी अधिकारी, केन्द्र व्यवस्थापक व मजिस्ट्रेट बोर्ड परीक्षा को शांतिपूर्ण ढंग से सफलतापूर्वक आयोजित कराना सुनिश्चित करें।

उन्होंने बताया कि बोर्ड परीक्षा वर्ष 2026 के लिए 98 परीक्षा केन्द्रों पर एक-एक केन्द्र व्यवस्थापक और बाह्य केंद्र व्यवस्थापक की नियुक्ति की गई है। नियुक्त किए गए बाह्य केन्द्र व्यवस्थापकों को निर्देशित किया कि वह आवंटित परीक्षा केंद्र पर तत्काल पहुंचकर दोनों ओर वायस रिकार्डर युक्त सीसीटीवी कैमरा, प्रधानाचार्य कक्ष से अलग डबल लॉक युक्त कमरा, जिसमें 4 डबल लॉक युक्त अलमारी होना अनिवार्य हैं। और कमरे के अंदर और गेट पर सीसीटीवी कैमरा लगा हो, डीवीआर की 30 दिन की रिकॉर्डिंग सहित स्वच्छ पेयजल, बालक/बालिका अलग-2 शौचालय की व्यवस्था, पर्याप्त फर्नीचर आदि की व्यवस्था कराना सुनिश्चित करें। कहा कि अगर किसी बाह्य केंद्र व्यवस्थापक के द्वारा किसी भी प्रकार की लापरवाही बरती जाती है तो उनके विरूद्ध अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी। जिन प्रधानाचार्यां, प्रवक्ता, सहायक अध्यापकों के पाल्य परीक्षा केन्द्र पर परीक्षा दे रहे हो वह केन्द्र व्यवस्थापक/बाह्य केन्द्र व्यवस्थापक का पदभार ग्रहण नहीं करेंगे। शिक्षा निदेशक के निर्देशों के क्रम में प्रयोगात्मक परीक्षा हाईस्कूल, इंटरमीडिएट परीक्षा को नकलविहीन, शुचिता पूर्ण वातावरण में संपन्न कराने, बोर्ड परीक्षा के केंद्रों के निरीक्षण, अनुश्रयन के लिए 6 सचल दलों का गठन किया गया है। सचल दल प्रभारियों व सदस्यों से अपेक्षा की कि परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण करें।

रोपित पौधों को जीवित रखने का संकल्प लिया

बदायूं, अमृत विचार : जिले में संचालित वाटरशेड विकास घटक प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना 2.0 के अंतर्गत बिसौली के जलागम समिमि बेहटा पाठक के गांव ढिलवारी में वाटरशेड महोत्सव का आयोजन किया गया। बच्चों ने प्रचार-प्रसार के लिए जागरूकता प्रभात फेर निकाली। विद्यालय में बच्चों की जल संरक्षण से संबंधित पाठशाला में भी निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें पहले तीन स्थान प्राप्त करने वाले बच्चों को सम्मानित किया गया। श्रमदान वृक्षारोपण, भूमिपूजन भी हुआ। भूमि संरक्षण द्वारा योजना के मुख्य उद्देश्य और योजना का परिचय देते हुए रोपित पौधों को जीवित रखने का संकल्प दिलाया। भूमि एवं जल संरक्षण की शपथ ली, जल संरक्षण के लिए जागरूक किया। ग्राम प्रधान भूरेलाल, भूमि संरक्षण अधिकारी मनोज रावत, राज कुमार, अवर अभियंता पीयूष शर्मा और पूरन सिंह आदि उपस्थित रहे।

समाजसेवी मिल-जुलकर करा रहे हैं बिसौली के मोक्षधाम का जीर्णोद्धार

● मोक्षधाम में फैली अव्यवस्थाओं को खत्म करने का संकल्प

संवाददाता, बिसौली

राजीव के साथ उनके सहयोगी। ● अमृत विचार

अमृत विचार: सोत नदी किनारे स्थित मोक्षधाम पर फैली अव्यवस्थाओं पर अब विराम लग गया है। कस्बे के समाजसेवी इसका जीर्णोद्धार करा रहे हैं। जिसकी चर्चा कस्बे भर में हो रही है।

सोत नदी के किनारे मोक्षधाम बना हुआ है। यहां पर अंतिम यात्रा में शामिल होने वाले लोगों को अव्यवस्था के चलते दिक्कतों का सामना करना पड़ता था। यहां आने वाले लोग इसके जीर्णोद्धार की चर्चा तो करते थे। लेकिन कुछ दिनों बाद भूल जाते थे। हालांकि समय समय पर यहां सौन्दीकरण का काम हुआ था, इसके बाद भी अव्यवस्थाएं दूर नहीं हुईं। अब समाजसेवियों के द्वारा मोक्ष धाम का जीर्णोद्धार किया जा रहा है। जाइंट्स ग्रुप बिसौली स्टार के साहू सावेंद्र, कपड़ा व्यवसायी राजीव रस्तोगी सहित अन्य लोगों मोक्षधाम का उद्धार के लिए भागीरथी प्रयासों में लगे हुए हैं। यहां पर भवन, पानी, ईंधन, पार्किंग स्थल, लाइट और सफाई आदि सहित अन्य व्यवस्थाएं कराई जा रही हैं। इनके अलावा अन्य लोग भी इसके जीर्णोद्धार में सहयोग कर रहे हैं। समाजसेवी राजीव रस्तोगी का कहना है कि उनको और भी आर्थिक मदद की जरूरत है, ये यहां के रहने वालों का अंतिम पड़ाव है इसका ध्यान रखते हुए लोगों को चाहिए कि वो अपनी क्षमतानुसार सहयोग करें।

टीईटी अनिवार्यता के बयान पर भड़के शिक्षक, जयंत चौधरी का पुतला फूंका

केंद्रीय राज्यमंत्री जयंत चौधरी के बयान पर शिक्षक संगठनों ने किया प्रदर्शन

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

अमृत विचार : टीईटी की अनिवार्यता को लेकर राज्यमंत्री जयंत चौधरी के बयान पर शिक्षक संगठन भड़क गए। हाफिज सिद्दीकी इस्लामिया इंटर कॉलेज के गेट पर नारेबाजी करते हुए प्रदर्शन किया। उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ के प्रांतीय नेतृत्व के आह्वान पर प्रांतीय प्रचार मंत्री व जिलाध्यक्ष संजीव कुमार शर्मा के नेतृत्व में राज्य मंत्री का पुतला फूंका।

शिक्षकों ने कहा कि उनकी नौकरी तत्कालीन नियमों और अहर्ताओं के आधार पर आरटीई एक्ट लागू होने से पहले लगी। ऐसी स्थिति में शिक्षकों को सेवा में बने रहने और पदोन्नति के लिए टीईटी की अनिवार्यता किया जाना पूरी तरह से नियम विरुद्ध है। इस आदेश पर सिर्फ उत्तर प्रदेश ही नहीं बल्कि पूरे देश के लगभग 20 लाख से अधिक शिक्षक प्रभावित हो रहे हैं। शिक्षकों ने नो टेट, बिफोर आरटीई एक्ट का नारा लगाया। टीचर्स फेडरेशन ऑफ इंडिया के राष्ट्रीय सचिव संजीव शर्मा ने कहा कि भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय के राज्यमंत्री जयंत चौधरी शिक्षकों के साथ वार्ता में जो बयान देते हैं। संसद में उसके विपरीत बयान दे रहे हैं। देश के 20 लाख शिक्षक जो निर्धारित योग्यता हासिल करके शिक्षक बने हैं उन्हें सेवा में आने के 20-25 वर्ष बाद वर्तमान की योग्यता हासिल करने को बाध्य करना न्यायोचित नहीं है। कहा कि जयंत चौधरी के बयान की जितनी निंदा की जाए वो कम है। उनका कहना है कि 20 साल पहले पुलिस, सेना या अर्धसैनिक बलों में 10 किमी की रेस लगाकर भर्ती अधिकारी या सैनिक को अगर आज दौड़ा दिया जाए तो विभाग खाली हो जाएगा। 50-55 साल के शिक्षकों को परीक्षा में बैठने को मजबूर किया जा रहा है। शिक्षकों का कहना है कि देश के नागरिक अपने सांसद इसलिए चुनते हैं कि संसद में उनके हितों की रक्षा करेंगे। संसद में सभी राज्यों से सत्ता पक्ष और विपक्ष के सांसदों ने गत संसद सत्र में इस विषय को उठाया था लेकिन उसके बाद भी जयंत चौधरी का सदन में यह उत्तर देना यह सिद्ध करता है कि उनको किसी के हितों से कोई मतलब नहीं है। इस दौरान उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ के जिला महामंत्री उदयवीर सिंह यादव, जिला कोषाध्यक्ष सुशील चौधरी, राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ के जिला संयोजक दुष्यंत रघुवंशी, प्रदीप गुप्ता, सोनी गुप्ता, महिला शिक्षक संघ की जिलाध्यक्ष किरन सिसौदिया, पूर्व माध्यमिक शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष प्रेमानंद शर्मा, हरीश यादव, बृजेश यादव, अनुज शर्मा, मधुकर उपाध्याय, डॉ. यतेंद्र शर्मा, राजेंद्र गुलाटी, सुरेंद्र सिंह पटेल, मोहम्मद अराफात, संजय यादव, राजेश कुमार, आयुष भारद्वाज आदि मौजूद रहे।

इस्लामिया इंटर कॉलेज के गेट पर पुतला फूंकते शिक्षक। ● अमृत विचार

● टीईटी की इस लड़ाई को लेकर सड़कों और सदन से सुप्रीम कोर्ट तक लड़ने को हैं तैयार : संजीव शर्मा

न्यूज ब्रीफ

पीस कमेटी की बैठक में भाईचारे पर जोर

बिल्सी,अमृत विचार : आगामी महाशिवरात्रि पर्व, रमजान माह एवं होली के दृष्टिगत कोतवाली परिसर में बुधवार को पीस कमेटी की बैठक आयोजित की गई। बैठक में विभिन्न धर्मों के प्रतिनिधियों व क्षेत्र के गणमान्य लोगों ने भाग लेकर त्योहारों को शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में मनाने का संकल्प लिया। एसडीएम प्रेमपाल सिंह एवं सीओ सुनील कुमार सिंह ने कहा कि सभी पर्व पारंपरिक उल्लास के साथ संपन्न हों, इसके लिए प्रशासन पूरी तरह सतर्क है। उन्होंने लोगों से आपसी भाईचारा बनाए रखने और अफवाहों से दूर रहने की अपील की। कोतवाल मनोज कुमार सिंह ने स्पष्ट कहा कि यदि कोई व्यक्ति माहौल खराब करने या खुराफात करने का प्रयास करेगा तो उसके विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाएगी। साथ ही सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक पोस्ट साझा न करने की भी हिदायत दी गई। बैठक में दीपक चौहान, सुधीर सोमानी, गोपालदास स्वामी, सोनू सिंह, आदित्य माहेश्वरी, सहित अन्य गणमान्य लोग मौजूद रहे।

इंटरमीडिएट विद्यार्थियों को दी गई विदाई

बिल्सी,अमृत विचार : नगर के भूदेवी वार्ष्णेय इंटर कॉलेज में बुधवार को इण्टरमीडिएट विद्यार्थियों का विदाई समारोह आयोजित हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रबन्धक सुरेश बाबू गुप्ता, उप प्रबन्धक दिनेश कुमार गुप्ता, सदस्य संजीव वार्ष्णेय एवं प्रधानाचार्य प्रदीप कुमार शर्मा ने दीप प्रज्ज्वलन कर किया। कक्षा 12 की प्रीबोर्ड परीक्षा में विज्ञान वर्ग में शुभम सागर, कला वर्ग में अहदनूर तथा वाणिज्य वर्ग में सुहानी चौहान ने सर्वश्रेष्ठ अंक प्राप्त किए। मिस वीडीवीआइसी अहदनूर व मिस्टर वीडीवीआइसी लक्ष्य तिवारी चुने गए। हैड वॉय अनुभव यादव व हैड गर्ल वंशिका राघव नियुक्त हुए।

तीन दिन और बढ़ा न्यायालय का बहिष्कार

संवाददाता, बिल्सी

अमृत विचारः तहसील बार एसोसिएशन की ओर से एसडीएम प्रशासन के विरोध में चल रहा न्यायिक कार्य बहिष्कार बुधवार को पुनः तीन दिन के लिए बढ़ा दिया गया। इस संबंध में बार एसोसिएशन के अध्यक्ष ज्ञानेंद्र सिंह एवं महासचिव ज्ञान सिंह त्यागी ने संयुक्त रूप से जानकारी दी।

बार एसोसिएशन के अध्यक्ष ने कहा कि तहसील में व्याप्त भ्रष्टाचार किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। यदि कोई भी अधिकारी भ्रष्टाचार में लिप्त पाया जाता है तो उसका हर स्तर पर विरोध किया जाएगा। पदाधिकारियों का कहना है कि अधिवक्ताओं की मांगों को लेकर पूर्व में भी प्रशासन को अवगत कराया जा चुका है, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है। अध्यक्ष ज्ञानेंद्र सिंह ने स्पष्ट किया कि जब तक अधिवक्ताओं की मांगें पूरी नहीं की जाती और व्यवहार में सुधार नहीं होता, तब तक एसडीएम न्यायालय का बहिष्कार जारी रहेगा। महासचिव ज्ञान सिंह त्यागी ने कहा कि यह आंदोलन अधिवक्ताओं की एकजुटता का प्रतीक है और इसे शांतिपूर्ण तरीके से आगे बढ़ाया जाएगा। इस दौरान बार एसोसिएशन के अखिलेश सक्सेना, वीरपाल सिंह, सलीम मिया, योगेश विसारिया, रामनाथ शर्मा, आदि अधिवक्ता मौजूद रहे।

विरोध जताते अधिवक्ता। ● अमृत विचार

वार्षिकोत्सव में बच्चों ने किया धमाल

संवाददाता, बिल्सी

अमृत विचारः बुधवार को एसपीजेएम. जूनियर हाई 22 वां वार्षिकोत्सव मनाया गया। जिसमें बच्चों ने जमकर धमाल मचाया। सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। जिसकी सभी ने सराहना की।

कार्यक्रम को अमित जैन, शरत जैन, अमिता जैन,अनु जैन ने सरस्वती मां के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित कर आरंभ कराया। वार्षिकोत्सव में गणेश वंदना, सरस्वती वंदना,नमोकार मंत्र, कव्वाली, वेलकम सॉन्ग, रेट्रो थीम, आर्मी, गोविंदा डांस, काली डांस, लेजी डांस बच्चों के द्वारा प्रस्तुत किए गए। गत वर्ष स्कूल टॉपर, कक्षा टॉपर छात्र छात्राओं को सम्मानित किया गया। इसके साथ ही विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को भी सम्मानित किया गया।

प्रधानाध्यापक रोहित शर्मा ने बेस्ट बॉय अयान सैफी को शील्ड देकर पुरस्कृत किया। इसी क्रम में बेस्ट गर्ल पावनी श्रीवास्तव को शाहिदा खान ने, आइडल गर्ल सोनाक्षी गौतम चुना गया। इस दौरान अमिता जैन ने संदेश दिया। इस मौके पर प्रधानाध्यापक रोहित शर्मा, मनोज सक्सेना, रेन यादव, काजल जैन, काजल देवल, रचना सिंह, हिमांशी ओझा आदि मौजूद रहे।

ग्रामीणों को दी बीमा और साइबर अपराध की जानकारी

ग्रामीणों को जानकारी देते बैंक कर्मचारी। ● अमृत विचार

कुंवरगांव संवाददाता

अमृत विचारः क्षेत्र में लोगों को जागरूक करने के उद्देश्य से बैंक द्वारा ब्लॉक सालारपुर के गांव बन्नाण में शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें किसानों को प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना, प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना तथा अटल पेंशन योजना सहित विभिन्न सामाजिक सुरक्षा योजनाओं की जानकारी दी गई।

बैंक अधिकारियों और कर्मचारियों ने ग्रामीणों को बीमा योजनाओं के लाभ, पात्रता और आवेदन प्रक्रिया के बारे में विस्तार से बताया। साथ ही साइबर अपराधों के बढ़ते मामलों को देखते हुए लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी गई। अधिकारियों ने बताया कि केवाईसी अपडेट करने के नाम पर ओटीपी मांग कर ठगी करने जैसी घटनाएं लगातार सामने आ रही हैं, इसलिए किसी भी अंजान व्यक्ति को अपना ओटीपी, बैंक खाता विवरण या अन्य गोपनीय जानकारी साझा न करें। कार्यक्रम में अपर सिविल जज (सीनियर डिवीजन) कोमल श्रीवास्तव, अग्रणी जिला प्रबंधक राकेश रंजन तथा पंजाब नेशनल शाखा प्रबंधक नितिन गंगवार समेत अन्य लोग उपस्थित रहे।

पूर्व सैनिकों की समस्याएं सुनकर निस्तारण का निर्देश

बदायूं,अमृत विचार : जिला सैनिक कल्याण एवं पुनर्वास ओर से कलेक्ट्रेट सभागार में जिला सैनिक बन्धु बैठक का आयोजन एडीएम प्रशासन अरुण कुमार की अध्यक्षता में हुआ। बैठक का संचालन जिला सैनिक कल्याण एवं पुनर्वास अधिकारी ले. कर्नल संदीप सिंह (अवकाश प्राप्त) ने किया। बैठक में प्राप्त प्रार्थना पत्रों पर की गई कार्रवाई के बारे में बताया गया। विभिन्न समस्याओं से संबंधित चार नए प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किए गए।

एडीएम प्रशासन ने उनकी समस्याओं को लेकर चर्चा की। त्वरित व प्रभावी निस्तारण की बात कही। बैठक में विभिन्न विभागों के अधिकारियों समेत 29 पूर्व सैनिक मौजूद रहे। उन्हें समस्या बताने के अलावा सुझाव भी दिए। एडीएम ने निर्देशित किया कि सभी प्रार्थना पत्र मूलरूप से सिटी मजिस्ट्रेट को भेजे जाएं और निस्तारण कराएं।

बिसौली नगर होगा कूड़ा मुक्त

संवाददाता, बिसौली

अमृत विचारः नगर से निकलने वाले कूड़े के निस्तारण के लिए जल्द ही प्रोसेसिंग प्लांट लगाया जाएगा। प्लांट लगाने के लिए 50 लाख का प्रस्ताव बनाकर मंजूरी के लिए शासन में भेजा है। इसके बाद लोगों को सड़क किनारे लगे कूड़े के ढेरों से निजात मिल जाएगी। साथ ही डंपिंग ग्राउंड में भी कूड़े का पहाड़ नजर नहीं आएगा।

कस्बे के चारों तरफ फैले कचरे से लोग लम्बे समय से परेशान हैं। ग्राम हत्सा से सर्वा तक, बंजरिया से कुडौली तक लगभग सभी सड़क किनारे की खंदियां कस्बे से निकलने वाले कचरे से भरी पड़ी हैं। जिससे नगर की सुंदरता प्रभावित हो रही है। साथ ही कचरा बीमारियों का कारण भी बन रहा है। पांच वर्ष पूर्व बिसौली से करीब चार किलोमीटर दूर सुजानपुर गांव के जंगल में एक डंपिंग ग्राऊंड की वैकल्पिक व्यवस्था नगर पालिका द्वारा की गई थी। करीब आठ बीघा में निर्धारित इस डंपिंग ग्राऊंड के चारों तरफ पालिका ने करीब आठ फीट ऊंची बाउंड्री वॉल भी बनबा दी। यह ग्राउंड पर कुछ दिन कचरा डाला गया था। इसके बाद कस्बे के लोगों ने राहत की सांस ली। लेकिन गांव सुजानपुर के लोगों ने गांव के बीच से गुजरने वाले पालिका के कचरा भरे वाहनों के निकलने पर भारी एतराज जताया। इसके बाद से यहां कचरा पड़ा बंद हो गया। अब पालिका के कर्मचारी कस्बे के जिस रोड या स्थान पर जगह मिल जाती है, वहां पर कचरा डाल रहे हैं। नगर पालिका प्रशासन ने इस को ध्यान में रखते शासन को एक डीपीआर (डिटेल्ड प्रोजेक्ट रिपोर्ट) भेजी है। जो प्रक्रिया में है।

सफाई कर्मियों के साथ ईओ रवि यादव। ● अमृत विचार

● नगर पालिका ने कूड़ा निस्तारण प्लांट की मंजूरी को शासन में भेजा प्रस्ताव

पूर्वोत्तर रेलवे

ई–निविदा सूचना : ओटी–18–2025

उप मुख्य विद्युत इंजीनियर / निर्माण, पूर्वोत्तर रेलवे, गोरखपुर द्वारा भारत के राष्ट्रपति की ओर से निम्नलिखित कार्यो के लिये ''खुली'' निविदा आमंत्रित की जाती है। **निविदा सं०:**– ओटी–18–2025, **कार्य का विवरण:**– कुसुम्ही–गोरखपुर– डोमिनगढ़ तीसरी लाइन और गोरखपुर– नकहा दोहरीकरण परियोजना के अन्तर्गत गोरखपुर में 25 केवी, 50 हट्र्ज, सिंगल फेज, एसी नए स्विचिंग पोस्ट (एसएसपी) का डिजाइन, आपूर्ति, स्थापना, परीक्षण एवं कमीशनिंग का कार्य। **अनुमानित लागत:**– रु. 1,48,35,483.35, **बयाना राशि:**– रु. 2,24,200.00, **निविदा प्रपत्र का मूल्य** – रु निल, **कार्य पूर्ण करने की अवधि** – 06 माह, **निविदा बन्द होने की अंतिम तिथि व समय:** 05.03.2026 को 15.00 बजे।, **नोट:** • इस निविदा के विरुद्ध कोई मैनुअल आफर स्वीकार नहीं किया जायेगा। ऐसे प्राप्त मैनुअल आफर को उपेक्षित कर दिया जायेगा। विस्तृत विवरण व निविदा जमा करने हेतु कृपया भारतीय रेलवे की वेबसाइट **www.ireps.gov.in** को देखें।, • निविदा सूचना में यदि हिन्दी या अंग्रेजी के आलेखों में कोई भिन्नता होती है तो अंग्रेजी के ही आलेख मान्य होगें।

उप मुख्य विद्युत इंजीनियर/निर्माण, गोरखपुर

मुजाधि/विद्युत–277

ट्रेनों में बीड़ी/सिगरेट न पियें

कार्यालय ग्राम पंचायत ढकनी रजपुरी वि.खं. भुता बरेली

पत्रांक: 108/लेखा/निविदा/वर्ष 2025–26 दिनांक: 08.01.2026

अल्पकालीन निविदा सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि ग्राम पंचायत ढकनी रजपुरी में मनरेगा योजना के अन्तर्गत मुकेश पन्डित के घर से हरप्रसाद के घर तक सी.सी. रोड व नाली निर्माण कार्य होना है। जिसकी लागत 2.50 लाख है। इच्छुक फर्म सीमेन्ट, बजरफुट, बजरी, रेता, प्रथम ईट, रोड़ा आदि आपूर्ति हेतु दिनांक 17.02.2026 तक निविदा आमंत्रित की जाती है। जिन्हें कार्यालय ग्राम पंचायत में दिनांक 18.02.2026 तक जमा कर सकते हैं। जिन्हें उसी दिन शाम 4 बजे खोला जायेगा। जिस फर्म का टेन्डर सबसे कम दर का होगा उसे स्वीकार किया जायेगा।

नरेन्द्र कुमार, प्रधान — अजेय यादव, सचिव

कार्यालय ग्राम पंचायत सिठौरा वि.खं. भदपुरा (बरेली)

निविदा आमंत्रण सूचना दिनांक : 12.02.2026

समस्त अधिकृत फर्मो व विक्रेताओं को सूचित किया जाता है कि ग्राम पंचायत सिठौरा में मनरेगा योजना के अन्तर्गत निम्न निर्माण हेतु सामग्री आपूर्ति हेतु पंजीकृत फर्मो से निविदा आमंत्रित की जाती है। सामग्री विवरण निम्नवत् है। ईट, बजरफुट, सरिया, सीमेंट, रेज, बजरी व अन्य सामग्री जो प्राक्कलन में लिखित है। निविदा पंचायत कार्यालय पर दिनांक 12.02.2026 से 14.02.2026 तक किसी समय खोली जा सकती है। कार्य हेतु सामग्री आपूर्ति आदि की सूचना किसी कार्यालय दिवस में देखी जा सकती है।

क्र.सं.	कार्य का नाम	माप	अनु. लागत
1.	पूरनलाल की बैठक से नहर तक सी.सी. रोड व पक्की नाली निर्माण	95x4 मीटर	2,86,500.00

अभिषेक सिंह–सचिव — वीरवती–ग्राम प्रधान

क्षेत्रीय कार्यालय सहायक रजिस्ट्रार, फर्म्स, सोसाइटीज तथा चिट्स
193–ए, सिविल लाइन्स, बरेली मण्डल, बरेली

सार्वजनिक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि श्री कृष्ण पाल सिंह द्वारा अध्यक्ष की हैसियत से करन सिंह मैमोरियल पब्लिक शिक्षा समिति, ग्राम महताबपुर पो. खास तह. दातागंज जिला बदायूं का नाम परिवर्तन कर संस्था का नया नाम करन सिंह मैमोरियल संस्कृत पब्लिक स्कूल शिक्षा समिति, ग्राम महताबपुर पो. खास तह. दातागंज जिला बदायूं करने हेतु प्रपत्र प्रस्तुत किये गये है। वर्तमान में प्रबन्धकारिणी समिति की सूची में निम्नलिखित पदाधिकारी/सदस्य है–

क्र.सं.	नाम/पिता/पति का नाम	पद
1.	श्री कृष्णपाल सिंह पुत्र श्री करन सिंह	अध्यक्ष
2.	श्री शिवओम पुत्र श्री कृष्णपाल सिंह	उपाध्यक्ष
3.	श्री राजकपूर उर्फ अभिषेक पुत्र श्री देवेन्द्र पाल	प्रबन्धक
4.	श्री पप्पू सिंह पुत्र श्री कृष्णपाल सिंह	कोषाध्यक्ष
5.	श्री रानी पत्नी श्री कृष्णपाल	सदस्य
6.	श्रीमती आरजू पत्नी श्री राजकपूर उर्फ अभिषेक	सदस्य
7.	प्रियंका पुत्री श्री रविकान्त	सदस्य

उपरोक्त संस्था का नाम परिवर्तन किये जाने में यदि सम्मानित पदाधिकारी/सदस्य को कोई आपत्ति हो तो सूचना प्रकाशन के 15 दिनों के अन्दर फोटोयुक्त नोटरीशपथ पत्र के माध्यम से आपत्ति पत्र अधोहस्ताक्षरी के कार्यालय में प्रस्तुत करें। यदि उक्त निर्धारित अवधि में किसी की कोई आपत्ति प्राप्त नहीं होती है तो यह समझा जायेगा कि किसी को कोई आपत्ति नहीं है, तत् उपरान्त आपत्ति के अभाव में एक पक्षीय कार्यवाही करते हुए अग्रिम कार्यवाही सुनिश्चित कर ली जायेगी जिसकी सम्पूर्ण जिम्मेदारी भू.पू./वर्ममान पदाधिकारी/सदस्यों की होगी। उपरोक्त सार्वजनिक सूचना/नोटिस सोसा. रजि. एक्ट 1860 की धारा–4 के अन्तर्गत जारी की जा रही है।

सहायक रजिस्ट्रार, बरेली।

पूर्वोत्तर रेलवे — ई-ऑक्शन सूचना

सं. सी/54/खानपान/ई ऑक्शन दिनांक 10.02.2026

वरि. मंडल वाणिज्य प्रबन्धक/इज्जतनगर द्वारा आई.आर.ई.पी.एस. (IREPS) पर पंजीकृत संस्थाओं से ई-ऑक्शन के माध्यम से खानपान ठेकों हेतु बोलियाँ आमंत्रित की जा रही हैं। ऑक्शन कैटलाग को आई.आर.ई.पी.एस. (IREPS) की वेबसाइट www.ireps.gov.in पर प्रकाशित किया जा चुका है। इज्जतनगर मंडल की आगामी ई-ऑक्शन का विवरण निम्नवत है–

श्रेणी	कैटलॉग सं.	ऑक्शन प्रारंभ	ऑक्शन समापन
खानपान	IZN-CAT-26-01	20.02.26/12:00:00	20.02.26/13:50:00

क्रम	स्टेशन	स्टेशन कोड	श्रेणी	ऑक्शन के लिए इकाई	चिन्हित इकाई	प्लेटफार्म सं.
01	गंजडुंडवारा	GWA	डी	जीएमयू/स्टाल	अनारक्षित	01
02	कमालगंज	KLJ	डी	जीएमयू/स्टाल	अनारक्षित/महिला	01
03	सिकंदराराउ	SKA	डी	जीएमयू/स्टाल	अनारक्षित	01
04	रुदायन	RDN	डी	जीएमयू/स्टाल	अनारक्षित	01
05	फतेहगढ़	FGR	डी	जीएमयू/स्टाल	अनारक्षित	01
06	निगोही	NOH	ई	जीएमयू/स्टाल	अनारक्षित	01
07	कम्पिल रोड	KXF	ई	जीएमयू/स्टाल	अनारक्षित/महिला	01
08	उझानी	UJH	डी	एसएमयू/स्टाल	अन्य पिछड़ा वर्ग	01
09	पीपलसाना	PLS	ई	एसएमयू/स्टाल	अन्य पिछड़ा वर्ग	01

1. बोलीदाताओं को सलाह दी जाती है कि ई–ऑक्शन से सम्बन्धित जानकारी के लिए रेलवे की वेबसाइट www.ireps.gov.in देखें। 2. उक्त ई–ऑक्शन, आई.आर.ई.पी.एस. (IREPS) के ई–ऑक्शन लीजिंग मॉड्यूल के माध्यम से आमंत्रित किया गया है। 3. ई–ऑक्शन संबंधित समस्त जानकारी जैसे पात्रता, कार्य का दायरा, ठेके की अवधि, नियम एवं शर्तें आदि आई.आर.ई.पी.एस. (IREPS) की वेबसाइट www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है। 4. बोलीदाता उक्त दिये गये दिनांक एवं समय के अनुसार ही ई–ऑक्शन में भाग ले सकते हैं। 5. सभी संभावित बोलीदाताओं से अनुरोध है कि ई–ऑक्शन से संबंधित किसी भी शुद्धिपत्र हेतु नियमित रूप से रेलवे की वेबसाइट www.ireps.gov.in का अवलोकन करते रहें।

मुजाधि/वाणिज्य-257 — सहायक वाणिज्य प्रबन्धक/इज्जतनगर

गाड़ियों की छतों व पायदान पर कदापि यात्रा न करें

किसान सहकारी चीनी मिल्स लि०, सम्पूर्णानगर, जिला–खीरी

ई–निविदा सूचना

मिल समिति में वर्ष 2025-26 में Supply of PM Analyzer Sensor Etc. से सम्बन्धित ई-बिड निविदायें दिनांक 11.02.2026 से दिनांक 18.02.2026 को सायंकाल 6:55 बजे तक आमंत्रित की गयी है। उक्त निविदायें **www.etender.up.nic.in** एवं **www.upsugarfed.org** पर देखी जा सकती है।

प्रधान प्रबन्धक

कार्यालय अधिशासी अभियन्ता
निर्माण खण्ड, लो०नि०वि०, बदायूँ।
ऑनलाइन ई-निविदा आमंत्रण सूचना

No. : 166 / Nivida(E-T.)/ 2025-26 — Date : 05-02-2026

1. महामहिम राज्यपाल, उ0 प्र0 की ओर से अधिशासी अभियन्ता, निर्माण खण्ड, लोनिवि बदायूँ के अन्तर्गत निम्न तालिका में अंकित विवरण के अनुसार ऑनलाइन ई–निविदा दि0 13.02.2026 से दि0 19.02.2026 की दोपहर 12.00 बजे तक आमंत्रित की गयी हैं:–

2.

Sr. No.	District	Name of work	Estimated cost (in Rs. Lacs)	Bid Security (in Rs.lac)	Cost of Bid Document (Rs.)	Time of completion	Address of Executive Engineer Executing the work	Address of Superintending Engineer	Address of Chief Engineer	Eligible category of Contractor
1	2	3	0	5	6	7	8	9	10	11
1	Budaun	वर्ष 2024–25 में विधानसभा क्षेत्र बिसौली के अन्तर्गत पड़ने वाले ग्रामीण मार्गो पर गडढा मुक्ति एवं पैच मरम्मत का कार्य।	32.10	3.21	Tender Cost+ Stationery Charges+ GST Rs.944.00	Four Month	C.D. P.W.D., Budaun	Budaun-Pilibhit Circle, P.W.D. Bareilly	Bareilly Zone P.W.D., Bareilly	A,B,C,D
2	Budaun	वर्ष 2024–25 में विधानसभा क्षेत्र बिसौली के अन्तर्गत पड़ने वाले राज्य मार्ग/अजिमा पर गडढा मुक्ति एवं पैच मरम्मत का कार्य।	30.40	3.04	Tender Cost+ Stationery Charges+ GST Rs.944.00	Four Month	C.D. P.W.D., Budaun	Budaun-Pilibhit Circle, P.W.D. Bareilly	Bareilly Zone P.W.D., Bareilly	A,B,C,D
3	Budaun	वर्ष 2024–25 में विधानसभा क्षेत्र सहसवान के अन्तर्गत पड़ने वाले ग्रामीण मार्गो पर गडढा मुक्ति एवं पैच मरम्मत का कार्य।	28.70	2.87	Tender Cost+ Stationery Charges+ GST Rs.944.00	Four Month	C.D. P.W.D., Budaun	Budaun-Pilibhit Circle, P.W.D. Bareilly	Bareilly Zone P.W.D., Bareilly	A,B,C,D
4	Budaun	वर्ष 2024–25 में विधानसभा क्षेत्र सहसवान के अन्तर्गत पड़ने वाले राज्य मार्ग मार्गो पर गडढा मुक्ति एवं पैच मरम्मत का कार्य।	32.60	3.26	Tender Cost+ Stationery Charges+ GST Rs.944.00	Four Month	C.D. P.W.D., Budaun	Budaun-Pilibhit Circle, P.W.D. Bareilly	Bareilly Zone P.W.D., Bareilly	A,B,C,D
5	Budaun	वर्ष 2024–25 में राज्य मार्ग/अन्य जिला मार्ग एवं ग्रामीण मार्गों पर गडढा मुक्ति एवं पैच मरम्मत हेतु बिसौली स्थित विभागीय हॉट मिक्स प्लाण्ट पर ग्रिट आपूर्ति का कार्य।	28.70	2.87	Tender Cost+ Stationery Charges+ GST Rs.944.00	Four Month	C.D. P.W.D., Budaun	Budaun-Pilibhit Circle, P.W.D. Bareilly	Bareilly Zone P.W.D., Bareilly	A,B,C,D

3- बिड डाक्यूमेन्ट वेबसाइट http://etender.up.nic.in. पर दिनांक 13.02.2026 से 19.02.2026 तक उपलब्ध है, निविदाये दिनांक 19.02.2026 को दोपहर 12.00 बजे तक अपलोड की जा सकती हैं। इसकी तकनीकी बिड दिनांक 19.02.2026 को दोपहर 12.30 बजे खोली जायेगी।

निविदा से सम्बन्धित अधिक जानकारी वेबसाइट http://etender.up.nic.in पर उपलब्ध है।

UP - 245765 दिनांक: 10/02/2026
विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in पर उपलब्ध है।

(देवपाल सिंह)
अधिशासी अभियन्ता
निर्माण खण्ड, लो.नि.वि., बदायूँ।

कार्यालय सम्भागीय खाद्य नियंत्रक, बरेली सम्भाग, बरेली

पत्रांक : 2972/स्वी.अनु./गे.ख./परि.–ई–निविदा/2026–27/बरेली — दिनांक : 10.02.2026

अल्पकालीन ई–टेण्डर नोटिस

कार्यालय आयुक्त, खाद्य तथा रसद विभाग, उ.प्र. जवाहर भवन, लखनऊ के कार्यालय पत्रांक 5471/अ.आ.वि./रा.वि.व.–01/2026–27 दिनांक 29.12.2025 के साथ संलग्न शासनादेश सं.– 380/29–5–2025 (ई.2000859) दिनांक 24.12.2025 के द्वारा रबी विपणन वर्ष 2026–27 में मूल्य समर्थन योजना के अन्तर्गत गेहूँ क्रय व्यवस्था संबंधी समय सारिणी में दिये गये निर्देशों तथा शासनादेश सं. 591/29–4–2023/4013(99)/7/2022 दिनांक 16.05.2023, शासनादेश सं. 1215/29–4013(99)7/2022 दिनांक 15.09.2022, शासनादेश सं.–571/29–4–2023/4013(99)/ 7/2022 दिनांक 03.05.2023, शासन के पत्र संख्या 831/29–4–2023–385/19 दिनांक 25.07.2023 एवं अपर आयुक्त (विपणन), खाद्य तथा रसद विभाग, उ.प्र. जवाहर भवन लखनऊ के पत्रांक 3773/अ.वि.श./है.परि./परि. दर/359/2022 दिनांक 25.07.2023 के साथ संलग्न राज्य स्तरीय कमेटी (एस.एल.सी.) की दिनांक 10.07.2023 को सम्पन्न बैठक के कार्यवृत्त के आलोक में इस कार्यालय के पत्रांक 2893/स्वी.अनु./गे.ख./परि./ई–निविदा/2026–27/बरेली दिनांक 02.02.2026 के द्वारा प्रथम बार बरेली सम्भाग के जनपद बरेली, बदायूं, पीलीभीत एवं शाहजहांपुर में रबी विपणन वर्ष 2025–26 के अन्तर्गत राज्य सरकार द्वारा नामित समस्त क्रय एजेन्सियों से सम्बन्धित जनपद के जिलाधिकारियों द्वारा स्वीकृत गेहूँ क्रय केन्द्रों से निर्धारित/सम्बद्ध भारतीय खाद्य निगम डिपो तक गेहूँ के परिवहन कार्य हेतु (एस.एल.सी. द्वारा अनुमोदन की प्रत्याशा में) शेड्यूल दर के सापेक्ष ई–टेण्डरिंग के माध्यम से ई–निविदायें आमंत्रित की गयी थी।

उक्त ई–टेण्डर के उपरांत मण्डल में विज्ञापित केन्द्रों पर परिवहन कार्य हेतु विचारणीय निविदा न प्राप्त होने वाले अवशेष केन्द्रों एवं जिलाधिकारी बरेली, बदायूं, पीलीभीत, शाहजहांपुर द्वारा स्वीकृत नवीन गेहूँ क्रय केन्द्रों पर संलग्न सूची (सूची सं. 01) के अनुसार समस्त क्रय संस्थाओं के गेहूँ परिवहन कार्य हेतु जनपद बरेली के 6, जनपद बदायूं के 23 जनपद पीलीभीत के 07 एवं जनपद शाहजहांपुर के 18 कुल 54 गेहूँ क्रय केन्द्रों पर पुनः ई–टेण्डर आमंत्रित किये जाते है।

शासनादेश सं. 380/29–5–2025 (ई.2000859) दिनांक 24.12.2025 में निर्धारित व्यवस्थान्तर्गत क्रय केन्द्रों का चयन जिलाधिकारी द्वारा किया जायेगा। यदि जिलाधिकारी द्वारा स्वीकृत/प्रस्तावित क्रय केन्द्रों में से किसी क्रय केन्द्र का चयन नहीं किया जाता है अथवा चयन के उपरान्त निरस्त किया जाता है तो क्रय केन्द्र हेतु डाली गयी समस्त परिवहन कार्य की निविदायें निरस्त समझी जायेगी। संलग्न सूची के अनुसार रबी विपणन वर्ष 2026–27 के अन्तर्गत गेहूँ परिवहन कार्य हेतु ई–निविदायें जनपदवार, केन्द्रवार प्राप्त की जायेगी। निविदादाता द्वारा प्रत्येक केन्द्र के लिए पृथक–पृथक निविदा संलग्न किये जायेंगे तथा निविदा शुल्क (प्रत्येक केन्द्र हेतु) एवं धरोहर धनराशि के रिसीट/यू.टी.आर. की ''स्कैन्ड कापी'' ऑनलाइन निविदा प्रपत्र के साथ निविदादाता द्वारा अपलोड की जायेगी। परिवहन कार्य हेतु निर्धारित निविदा प्रपत्र मूल्य, धरोहर धनराशि निविदा विशिष्टीकरण निविदा खुलने की तिथि एवं अन्य सम्बन्धित जानकारी http://etender.up.nic.in से डाउनलोड की जा सकती है। परिवहन कार्य हेतु निविदा प्रपत्र शुलक 500+90(जी.एस.टी.)=590/– तथा प्रत्येक निविदा के साथ परिवहन कार्य के लिये धरोहर धनराशि रू. 15,000/– सम्भागीय वरिष्ठ वित्त एवं लेखाधिकारी (खाद्य), बरेली के पदनाम से खाता संख्या 0232104000190848 आई.एफ.एस.सी. कोड IBKL0000232 आई.डी.बी.आई. बैंक सिविल लाइन्स बरेली में आर.टी.जी.एस./एन.ई.एफ.टी. से जमा किया जायेगा। प्रत्येक निविदा के साथ निविदा शुल्क एवं धरोहर धनराशि के रिसीट/यू.टी.आर. की ''स्कैन्ड कापी'' ऑनलाइन निविदा प्रपत्र के साथ निविदादाता द्वारा अपलोड की जायेगी।

निविदा प्रपत्र ऑनलाइन वेबसाइट http://etender.up.nic.in पर दिनांक 17.02.2026 को अपरान्ह 02:00 बजे तक अपलोड की जा सकती है। टेक्निकल बिड दिनांक 17.02.2026 को अपरान्ह 03:00 बजे तदर्थ गठित ई–निविदा समिति के द्वारा ऑनलाइन खोली जायेगी। टेक्निकल बिड के प्रपत्रों की जांचोपरान्त इसमें अहर्य निविदादाताओं की ही वित्तीय निविदा पर विचार नहीं किया जायेगा। तदोपरांत वित्तीय, निविदा समिति द्वारा खोली जायेगी। निविदा को बिना कोई कारण बताये अस्वीकार करने का अधिकार सम्भागीय खाद्य नियंत्रक, बरेली के पास सुरक्षित होगा।

निविदा की शर्त में परिवर्तन तथा शुद्धि पत्र आदि की सूचना केवल ई–टेण्डर वेबसाइट http://etender.up.nic.in पर उपलब्ध होंगे।

(डा. मनिकन्डन ए.)
आई.ए.एस.
सम्भागीय खाद्य नियन्त्रक,
बरेली सम्भाग, बरेली।

अमृत विचार

गुरुवार, 12 फरवरी 2026

डीपफेक पर शिकंजा

एआई के दौर में डीपफेक लोकतंत्र, निजता और राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए गंभीर चुनौती है। आईटी नियमों में हालिया संशोधन, डीपफेक और एआई-जनित सामग्री की नई परिभाषाएं, निर्दिष्ट सामग्री को शीघ्रता से हटाने का अनिवार्य प्रावधान नियामकीय ढांचे को ताकत देंगे। ये इस चुनौती से निबटने का सराहनीय प्रयास है। संशोधित नियमों में 'एआई-जनित या सिंथेटिक मीडिया', 'डीपफेक', 'मॉर्फ्ड या मैनिपुलेटेड कंटेंट' और 'भ्रामक लेबलिंग' जैसी स्पष्ट परिभाषाएं शामिल करने के बाद प्लेटफॉर्म का यह तर्क कि सामग्री 'यूजर-जनरेटेड' है, इसलिए उनकी जिम्मेदारी सीमित है, कुतर्क में बदल गया है। अब यदि कोई ऑडियो-वीडियो एआई जनित है और उसे वास्तविक बताकर प्रसारित किया गया, तो साफ बताना होगा। गंभीर मामलों में शिकायत होने के तीन घंटे के भीतर सोशल मीडिया इंटरमीडियरी को इसे हटाना या निष्क्रिय करना होगा। यह प्रावधान महत्वपूर्ण सोशल मीडिया इंटरमीडियरी, मैसेजिंग सेवाओं, वीडियो-शेयरिंग साइट्स और होस्टिंग प्रदाताओं सभी पर लागू होगा।

आईटी अधिनियम की धारा 79 के तहत प्लेटफॉर्म को 'सेफ हार्बर' सुरक्षा मिलती है, यानी यूजर की पोस्ट के लिए वे स्वतः दोषी नहीं माने जाते। अब नए नियमों के तहत यदि प्लेटफॉर्म समयबद्ध तरीके से डीपफेक हटाने, लेबलिंग और शिकायत-निवारण अपनाएंगी, तभी उनकी सेफ हार्बर सुरक्षा बचेगी। इसका अर्थ है कि अब उनकी जिम्मेदारी अधिक है और बचाव की गुंजाइश थोड़ी कम, हालांकि इन संशोधनों के बाद भी यह चुनौती बाकी है कि नियम मुख्यतः शिकायत-आधारित हैं, कंटेंट हटाने की प्रक्रिया तब सक्रिय होती है, जब कोई यूजर शिकायत करे और सरकार उस संबंधित सामग्री को फ्लैग करे। डीपफेक का शिकार स्थानीय पुलिस के साइबर सेल में एफआईआर दर्ज करा सकता है, साइबर क्राइम पोर्टल पर ऑनलाइन रिपोर्ट कर सकता है अथवा ग्रिवेंस ऑफिसर को ईमेल के जरिये औपचारिक शिकायत दर्ज करा सकता है। पर सवाल यह है कि हर यूजर दिन रात इसकी बात पर निगरानी नहीं रख सकता कि वह कब कहां और किस प्लेटफॉर्म पर डीपफेक का शिकार हो चुका है। इस मामले में आम उपयोगकर्ता विकल्पहीन नजर आता है, इसलिए भले ही एआई टूल्स सुलभ हैं और 'क्राइम-एज़-ए-सर्विस' मॉडल ने इसे संगठित अपराध का रूप दे दिया हो, नये नियमों के सख्त लेबलिंग, त्वरित टेकडाउन और ट्रेसबिलिटी से नुकसान को किंचित कम किया जा सके, लेकिन अधिक प्रभावी बनाने के लिए प्लेटफॉर्म को प्रोएक्टिव मॉनिटरिंग, एआई-आधारित डिटेक्शन और जोखिम-आधारित फ्लैगिंग अपनानी ही होगी। सर्विस प्रोवाइडर समय सीमा में कार्रवाई नहीं करता, तो सेफ हार्बर तत्काल समाप्त होने, भारी जुर्माने के साथ उसके विरुद्ध आपराधिक मामला बनना चाहिए, लेकिन यहां स्पष्ट आर्थिक दंड और पीड़ित के लिए क्षतिपूर्ति तंत्र का अभाव है, जो नियमों को कमजोर बनाएगा। जब तक अनुपालन न करने पर ठोस दंड, जैसे- राजस्व-आधारित जुर्माना, अस्थायी निलंबन या लाइसेंस शर्तें स्पष्ट न हों, तब तक नियमों की प्रभावशीलता सीमित रहेगी।

प्रसंगवश

स्वराष्ट्र, स्वभाषा के पक्षधर थे महर्षि दयानंद सरस्वती

महान समाज सुधारक महर्षि दयानंद सरस्वती ऐसे युग पुरुष थे, जिन्होंने सामाजिक कुरीति उन्मूलन, स्त्री शिक्षा को प्रोत्साहन, सामाजिक समरसता के लिए काम कर समाज सुधार की नई क्रान्ति का सूत्रपात किया। उन्होंने देश में स्वराज्य तथा आजादी की भावना को सुदृढ़ किया। महर्षि दयानंद और उनका आदर्श था- 'कृण्वंतो विश्वमार्यम्' ॥ अर्थात, हम पूरे विश्व को श्रेष्ठ बनाएं, हम पूरे विश्व में श्रेष्ठ विचारों का, मानवीय आदर्शों का संचार करें, इसलिए, 21वीं सदी में आज जब विश्व अनेक विवादों में फंसा है, हिंसा और अस्थिरता में घिरा हुआ है, तब महर्षि दयानंद सरस्वती जी का दिखाया मार्ग करोड़ों लोगों में आशा का संचार करता है।

उनका जन्म 12 फरवरी, 1824 को गुजरात के टंकारा में एक पारंपरिक ब्राह्मण परिवार में हुआ था। उनका नाम मूल शंकर तिवारी था। उनके माता-पिता यशोदाबाई और लालजी तिवारी

सुधांशु टाक
लेखक

समर्पित हिंदू थे। छोटी उम्र में ही उनमें आध्यात्मिक ज्ञान के प्रति गहरी रुचि विकसित हो गई और उन्होंने मूर्ति पूजा, अनुष्ठानों और अंधविश्वासों पर प्रश्न उठाए।

19 वर्ष की उम्र में सांसारिक जीवन त्यागकर, वे सत्य की खोज में लगभग 15 वर्षों तक एक तपस्वी के रूप में भ्रमण करते रहे। उन्होंने मथुरा में स्वामी विरजानंद से शिक्षा प्राप्त की, जिन्होंने उन्हें हिंदू धर्म से भ्रष्ट प्रथाओं को समाप्त करने तथा वेदों के सच्चे अर्थ को पुनर्स्थापित करने के लिए काम करने का आग्रह किया। जब महर्षि दयानंद जी का जन्म हुआ, तब देश सदियों की गुलामी से कमजोर पड़कर अपनी आभा, अपना तेज, अपना आत्मविश्वास, सब कुछ खोता चला जा रहा था। प्रतिपल हमारे संस्कारों को, हमारे आदर्शों को, हमारे मूल्योंर को चूर-चूर करने की लाखों कोशिशें होती रहती थीं। जब किसी समाज में गुलामी की हीन भावना घर कर जाती है, तो आध्यात्म और आस्था की जगह आडंबर आना स्वाभाविक हो जाता है। ऐसी परिस्थिति में महर्षि दयानंद जी ने आगे आकर वेदों के बोध को समाज जीवन में पुनर्जीवित किया। उन्होंने समाज को दिशा दी, अपने तर्कों से ये सिद्ध किया और उन्होंने ये बार-बार बताया कि खामी भारत के धर्म और परंपराओं में नहीं है। खामी है कि हम उनके वास्तविक स्वरूप को भूल गए हैं और विकृतियों से भर गए हैं।

स्वराष्ट्र, स्वभाषा, स्वभूषा, स्वसंस्कृति और स्वतंत्रता के प्रबलतम पक्षधर महर्षि दयानंद सरस्वती ऐसे दिव्य राष्ट्र पुरुष थे, जिनका संपूर्ण चिंतन और कार्य जहां आध्यात्मिकता से ओतप्रोत था, वहीं राष्ट्र उनके लिए प्रथम था। महर्षि दयानंद मानते थे कि व्यक्ति की सर्वांगीण उन्नति 'स्व' से ही प्रारंभ होती है। किसी भी क्षेत्र की पराधीनता व्यक्ति, समाज और राष्ट्र के लिए अधोगति का कारण बनती है। पराधीन व्यक्ति चाह कर भी कुछ नहीं कर पाता है।

भारतवर्ष की स्वाधीनता के लिए एकदम साफ और बुलंद शब्दों में आवाज उठाने वाले सर्वप्रथम व्यक्ति महर्षि दयानंद ही थे और इसके लिए कष्ट और अमानवीयता की सीमा तक यातनाएं सहने वाले अधिकांशतः व्यक्ति देव दयानंद के अनुयाई और पथानुगामी ही थे। उसे समय के प्रायः सभी युगपुरुष और महापुरुष जहां कुछ एक क्षेत्र में कार्य करके अपने कर्तव्य की इतिश्री समझ रहे थे वहां मात्र महर्षि दयानंद ने संपूर्ण क्रांति के लिए कार्य किया। अपने अमर ग्रंथ सत्यार्थ प्रकाश की रचना से भी पहले सन् 1874 में ऋषि दयानंद सरस्वती ने 'आर्याभिविनय' की रचना की थी। उसमें उन्होंने स्पष्ट लिखा था- 'अन्य देशवासी राजा हमारे देश में कभी शासन न करें। हम कभी पराधीन न हों।'

हम खेलना बंद नहीं करते, क्योंकि हम बूढ़े हो जाते हैं। हम बूढ़े हो जाते हैं, क्योंकि हम खेलना बंद कर देते हैं।

–जार्ज बर्नाड शॉ, आइरिश लेखक

उत्तराखंड के लिए संजीवनी बनेगी होमस्टे की नीति

अमित शर्मा
हल्द्वानी

पर्वतीय और पर्यटन राज्य की बेशुमार खूबियां समेटे उत्तराखंड के लिए होमस्टे की नयी नीति को किसी संजीवनी से कम नहीं आंका जा सकता है। होमस्टे के कॉन्सेप्ट ने न केवल यहां रोजगार के द्वार खोले हैं, बल्कि अकल्पनीय पर्यटन का विस्तार भी किया है। प्रदेश के दूर-दराज के ग्रामीण क्षेत्रों में होमस्टे अलग से पहाड़ की लोक संस्कृति, परंपरा, संस्कार और स्थानीय उत्पादों की पहचान देश-विदेश में करवा रहा है। मात्र 10 वर्षों में होमस्टे का प्रचलन राज्य के कोने-कोने में पैर जमाने में सफल हुआ है।

अलग राज्य बनने के बाद प्रदेश में सबसे बड़ी समस्या रोजगार की थी जिस कारण ग्रामीण क्षेत्रों से युवाओं को मजबूरन पलायन करना पड़ रहा था और पलायन रोकना ही प्रदेश सरकार की सबसे बड़ी चुनौती रहती आई है। रोजगार के अभाव में प्रदेश में गांव के गांव वीरान होने लगे थे। इस समस्या पर अंकुश लगाने के लिए कोई युक्ति नहीं थी, लेकिन करीब दस वर्ष पहले होमस्टे का कॉन्सेप्ट वापसी की लौ बनकर सामने आया। यह देखने में बेहद मामूली नजर आ रहा था, लेकिन रोजगार के साथ पर्यटन के विस्तार का बड़ा मार्ग था। कुछ वर्ष यूं ही बीत गए और करीब छह बरस पहले इसके महत्व को समझते हुए प्रदेश सरकार ने होमस्टे को आगे ले जाने के लिए युवाओं को इससे जोड़ने व प्रेरित करने का अभियान शुरू कर दिया।

दरअसल, यह पर्यटन की ऐसी अवधारणा थी, जिसमें खर्च न के बराबर और आकर्षण अनूठा था। अधिक कुछ न कर पुराने घरों को संवारना था और पर्यटक के रूप में आने वाले मेहमानों को घर जैसे प्यार के साथ आवभगत करना था। कुमाऊं और गढ़वाल की संस्कृति सैकड़ों वर्ष पुरानी है, जो देश और दुनिया में अलग पहचान रखती है, लेकिन इसका विस्तार तभी संभव था, जब महानगरों से लोग आएं और यहां की संस्कृति, सौहार्द, खान-पान और रहन-सहन की अनुभूति को अनुभव कर सकें।

उत्तराखंड के लिए होमस्टे की नई नीति को किसी संजीवनी से कम नहीं आंका जा सकता। होमस्टे के कॉन्सेप्ट ने न केवल यहां रोजगार के द्वार खोले हैं, बल्कि पर्यटन का विस्तार भी किया है।

प्रदेश के पारंपरिक कुमाऊंनी, गढ़वाली घर मिट्टी-पत्थर और लकड़ी से बने होते हैं। पर्यावरण संरक्षण की झलक और उदाहरण देते प्रतीत होते हैं। पर्यटकों के लिए यह ऐसा आकर्षण और अनुभव है, जो कल्पना से परे होता है। मगर इस अहसास को जगाने के लिए सैलानियों की मौजूदगी बेहद जरूरी थी। इस बीच कोविड महामारी शुरू हो गई। यह महामारी अभिशाप जरूर थी, लेकिन राज्य के होमस्टे का सुहाना सफर यहीं से शुरू हुआ। पलायन कर चुके युवाओं का रिवर्स पलायन शुरू हो गया और उनके लिए उन्हें जब होमस्टे के बारे में पता लगा तो उन्हें अपने सपनों का संसार घर में बसाने का सुनहरा अवसर मिल गया।

एक खास बात यह भी है कि उत्तराखंड की एक विशेष पहचान कुकिंग को लेकर भी रही है। गांव छोड़ महानगरों की शरण लेने वाले लोगों में एक तबका बड़े-नामी होटलों में खाना बनाने में माहिर माने जाते हैं। यह ऐसा हुनर है, जो होमस्टे की सफलता की बुनियाद है। यही वजह है कि वर्तमान में प्रदेशभर में 6545 होमस्टे सफलता के साथ संचालित हो रहे है और 20 हजार से अधिक लोग इन होमस्टे में आजीविका कमाने के साथ अपनी जड़ों से वापस जुड़ रहे हैं।

इसमें जरा भी संदेह नहीं कि उत्तराखंड की प्राकृतिक सुंदरता दुनिया में अलग और बेपनाह खूबसूरत है। इधर, होमस्टे ने जहां रोजगार की दिशा में बड़ा कदम उठाया, वहीं प्रदेश की तमाम खूबियों के चलते देश-विदेश के लोगों के प्रति आकर्षण पैदा किया है। देवभूमि की बड़ी विशेषता यहां का भोजन है, जो औषधि का काम करता है। गहत और भट्ट की दाल और राजमा का कोई सानी नहीं। इसके अलावा बिच्छू समेत पहाड़ी सब्जियों का भंडार ग्रामीण अंचलों में उपलब्ध है, जो शहरों की हाईब्रिड सब्जियों से कहीं अधिक उत्तम व ऑर्गेनिक है। भाग दौड़ भरी जिंदगी से पहाड़ों का सुकून व शांति का वातावरण पर्यटकों को बेहद भाने लगा है। आदर सत्कार, स्नेह, प्रेम और संस्कार, जो होटलों में संभव नहीं, वह होमस्टे में मिलता है। कम खर्च और ढेर सारी मौज-मस्ती का आनंद होमस्टे में मिल जाता है। यही वजह है कि वर्तमान में होटलों की जगह होमस्टे की मांग बढ़ने लगी है।

उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की कैबिनेट ने बीते माह होमस्टे योजना को लेकर बड़ा फैसला लेते हुए अहम बदलाव किए। इसके अनुसार, अब केवल उत्तराखंड के स्थायी निवासी ही होमस्टे योजना का लाभ उठा सकते हैं, हालांकि अन्य राज्यों के होम स्टे संचालक बेड एंड ब्रेकफास्ट योजना में शामिल होंगे, जिन्हें जीएसटी और व्यावसायिक दरों पर बिजली-पानी मिलेगा। नई 'उत्तराखंड पर्यटन, यात्रा व्यवसाय, होम स्टे और बेड एंड ब्रेकफास्ट पंजीकरण नियमावली-2026' का स्पष्ट उद्देश्य स्थानीय निवासियों के हितों की रक्षा करना है।

इस योजना के बड़े फायदों में, स्थानीय निवासियों को रोजगार के बेहतर अवसर मिलेंगे और रिवर्स पलायन में यह योजना संजीवनी का काम करेगी। पहाड़ की जवानी पहाड़ के ही काम आएगी। स्थानीय होने के चलते वे स्वयं पहाड़ व अपने आसपास की संस्कृति, विशेषताओं से मेहमान पर्यटकों को बता सकेंगे। स्थानीय होम स्टे संचालकों को बिजली और पानी की सुविधा घरेलू दरों पर मिलने से उनकी लागत भी कम होगी।

पर्यटन अधिकारी अतुल भंडारी कहते हैं कि होमस्टे दूरदराज के ग्रामीण अंचल के लिए किसी वरदान से कम नहीं। प्रदेश की बड़ी आबादी दूर गांवों में रहती है, जहां रोजगार के रूप में होमस्टे लोगों का जीवन स्तर बदल रहा है। होमस्टे खोलने को लेकर सरकार 50 प्रतिशत की सब्सिडी दे रही है, तो बैंक से मिलने वाले ऋण में बैंक ब्याज में 50 फीसद छूट दे रहा है। होमस्टे ने रिवर्स पलायन में बड़ी भूमिका निभाई है। ग्रामीण विकास और पलायन आयोग की रिपोर्ट 2025 के अनुसार 6000 से अधिक प्रवासी अपने गांवों में लौटकर अधिकांश होमस्टे का स्वरोजगार कर रहे हैं।

आमने

आपने भारत बेच दिया है। क्या आपको भारत बेचने में शर्म नहीं आती? आपने हमारी मां, भारत माता को बेच दिया है। आपको पता है उन्होंने भारत क्यों बेचा? क्योंकि वे उनका गला घोंट रहे हैं। उन्होंने उनकी गर्दन पकड़ रखी है। हम प्रधानमंत्री की आंखों में डर देख सकते हैं।

–राहुल गांधी
नेता प्रतिपक्ष

आपने कहा कि इन्होंने देश बेच दिया, पर मैं कहना चाहता हूं कि आज तक कोई माई का लाल पैदा नहीं हुआ, जो देश को बेच सके और न कोई है जो हमारे देश को खरीद सके। मैं दावे के साथ कह सकता हूं कि इस देश के अब तक के सबसे मजबूत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हैं।

–किरेन रिजिजू
संसदीय कार्यमंत्री

सामने

बजट: चुनावी रेवड़ियों की जगह मजबूत रोडमैप

मनोज त्रिपाठी
कानपुर

उत्तर प्रदेश में 2027 के पूर्वार्द्ध में विधानसभा चुनाव होने हैं, लेकिन इसके बावजूद योगी आदित्यनाथ सरकार के दूसरे कार्यकाल का अंतिम पूर्ण बजट उम्मीदों के विपरीत चुनावी घोषणाओं, लोक लुभावन योजनाओं और मुफ्त की रेवड़ियों से परहेज करता हुआ जनता के उस विश्वास का दस्तावेज जैसा लगता है, जिसे सरकार ने नौ सालों में पूरी शिद्दत के साथ अर्जित किया है। इसी कारण वित्तीय वर्ष 2026-27 का सरकार का बजट जो कि 9,12,696 करोड़ रुपये के साथ आकार में अब तक का सबसे बड़ा है, वित्तीय लेखा-जोखा से ज्यादा, सरकार की आर्थिक सोच, राजनीतिक प्राथमिकताओं और प्रशासनिक क्षमताओं का बखान करने के साथ स्वाभाविक रूप से महत्वाकांक्षी और रणनीतिक रहते हुए विकसित यूपी का रोडमैप प्रस्तुत करता है।

यदि समग्र आकार और संरचना पर नजर डालें, तो यह बजट पिछले वर्षों की तुलना में अधिक विस्तारवादी है। कुल परिव्यय पिछले साल की तुलना में करीब 12.2 फीसदी ज्यादा है। इसके साथ ही वित्तीय अनुशासन और पूंजीगत खर्च बढ़ाने पर खास फोकस है। पूंजीगत व्यय (कैपिटल एक्सपेंडिचर) में वृद्धि के जरिए यह संदेश देने की कोशिश की गई है कि प्रदेश केवल कल्याणकारी योजनाओं पर ही नहीं, बल्कि दीर्घकालिक बुनियादी ढांचे पर भी निवेश कर रहा है। एक्सप्रेस-वे, मेट्रो विस्तार, डिफेंस कॉरिडोर, औद्योगिक पार्क, एग्री-एक्सपोर्ट हब, नए मेडिकल कॉलेज, एआई मिशन, प्लेसमेंट सेंटर्स आदि, ये सब मिलकर उस नए उत्तम प्रदेश की तस्वीर पेश करते हैं, जिसे सरकार निवेश-हितैषी और आधुनिक बनाना चाहती है, हालांकि पूंजीगत व्यय के साथ राजकोषीय घाटे को नियंत्रित रखना आसान नहीं होता। यदि राज्य का कर्ज अनुपात बढ़ता है, तो भविष्य की पीढ़ियों पर बोझ बढ़ सकता है। सरकार ने इसे लेकर संतुलन का दावा किया है, लेकिन वैश्विक आर्थिक परिस्थितियों और केंद्र से मिलने वाले अनुदान पर निर्भरता को देखते हुए उसे वित्तीय प्रबंधन की परीक्षा देना अभी बाकी है।

सरकार जब प्रदेश की प्रति व्यक्ति आय एक लाख 20 हजार होने और छह करोड़ लोगों को गरीबी रेखा से बाहर निकालने का आंकड़ा पेश करती है, तो यह बताना नहीं भूलती कि अर्थव्यवस्था का हाल पहले क्या था और किस तरह वह राज्य की अर्थव्यवस्था को एक डॉलर ट्रिलियन बनाने की दिशा में तेजी से अग्रसर है। इसी क्रम में वित्त मंत्री सुरेश खन्ना का यह बताना कि उत्तर प्रदेश देश की तीन टॉप अर्थव्यवस्थाओं में शामिल है। एसडीजी इंडिया इंडेक्स में प्रदेश की रैंकिंग 2018-19 में 29वें स्थान से सुधरकर 2023-24 में 18वें स्थान पर पहुंच गई है।

फरवरी 2024 में आयोजित चौथे ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में करीब 50 लाख करोड़ रुपये के एमओयू साइन हुए हैं, जिनसे लगभग 10 लाख रोजगार पैदा होने की संभावना है। अब तक 16 हजार से ज्यादा परियोजनाओं के लिए लगभग 15 लाख करोड़ रुपये के निवेश के साथ चार ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी हो चुकी हैं, तो योगी सरकार के इसी दावे पर मुहर लगती है कि उसके पिछले और वर्तमान कार्यकाल में प्रदेश का सर्वांगीण विकास हुआ है, चाहे कानून व्यवस्था का सुदृढ़ीकरण हो, अवस्थापना सुविधाओं का विस्तार हो, औद्योगिक निवेश या रोजगार सृजन हो, महिलाओं का सशक्तीकरण हो या युवाओं का कौशल संवर्धन, किसानों की खुशहाली हो या गरीबी उन्मूलन। इन सारी बातों से सरकार यही संदेश हर किसी तक पहुंचाना चाहती है कि अब तक की बदलाव की यात्रा को आगे बढ़ाते हुए इस बार का बजट भी प्रदेश के संतुलित विकास, विशेषकर युवाओं और बुनियादी ढांचे पर केंद्रित है, ताकि राज्य को देश की सबसे बड़ी आर्थिक महाशक्ति बनाया जा सके।

बजट का सबसे बड़ा हिस्सा बुनियादी ढांचे के लिए आवंटित किया गया है। विशेष रूप से सड़कों और फ्लाईओवर के निर्माण पर 34,468 करोड़ रुपये दिए गए हैं। इससे प्रदेश में एक्सप्रेसवे, मुख्य राजमार्ग, बाईपास, ग्रामीण सड़कों और पुलों के विस्तार पर तेजी से काम होगा। फिलहाल प्रदेश में सात एक्सप्रेसवे पर ट्रैफिक दौड़ रहा है, तीन एक्सप्रेसवे निर्माणाधीन हैं। अब चार और नए एक्सप्रेसवे बनने की घोषणा से सरकार का इरादा साफ है कि प्रदेश के हर जिले को बेहतर सड़क कनेक्टिविटी से जोड़ा जाए, ताकि परिवहन सुविधाएं मजबूत हों और आर्थिक गतिविधियां बढ़ें, क्योंकि यही वह बिंदु है, जिससे लोगों में विकास होने की आम राय बनती है।

निवेश आकर्षित करने और रोजगार सृजन में महत्वपूर्ण योगदान मिलता है। बेहतर सड़क नेटवर्क से औद्योगिक क्षेत्रों तक माल की ढुलाई आसान होने से लॉजिस्टिक्स लागत कम होती है और व्यापार-कारोबार बढ़ता है। इसी तरह ग्रामीण इलाकों में सड़कों के विस्तार से किसानों की बाजार तक पहुंच आसान होने से उनकी आय में सुधार आ सकता है। बजट का दूसरा सबसे प्रमुख हिस्सा टेक्नोलॉजी और एआई मिशन है, जिसमें राज्य को आईटी हब बनाने का संकल्प है।

यूपी सरकार का अंतिम पूर्ण बजट उम्मीदों के विपरीत चुनावी घोषणाओं से परहेज करता हुआ जनता के विश्वास का दस्तावेज जैसा लगता है।

सोशल फोरम

फिर चित्रा ने नहीं गाया

1975-76 के लगभग जगजीत-चित्राजी का पहला LP रिकार्ड Unforgettables आया, उसके बाद ही हिंदुस्तान में ही नहीं, एक हद तक पाकिस्तान में भी गज़ल गायकी का जैसे ट्रेंड ही बदल गया। उस समय ग़ज़ल गायकी में ग्रेट मेंहदी हसन बहुत बड़ा नाम थे और भारत में तलत महमूद थे और भी बड़े-बड़े शास्त्रीय ग़ज़ल गायक थे

रश्मि त्रिपाठी
ब्लॉगर

उस दौर के, किंतु जगजीत सिंह एक ऐसा नाम उभरा जो जीवन का अंत होने के समय तक निरंतर शोहरत की बुलंदियों पर चढ़ता चला गया। बिना इस बात की परवाह किए कि बाकी गायक कितने बड़े और शोहरतमंद हैं?

अपनी सरल गायकी और मखमली आवाज़ के बल पर जगजीत सिंह न केवल खुद जन-जन के प्रिय होते चले गए, अपितु उन्होंने ग़ज़ल को भी अपार लोकप्रियता दिलाई। ग़ज़ल जो कुछ 'एलीट क्लास' की बैठकों के शौकीनों की शोभा मात्र हुआ करती थीं, अब आम लोगों में गुनगुनाने की चीज़ बन गई। बात यहां तक आ गई कि लोकप्रिय फिल्मी गीतों की तुलना में भी जगजीत जी को अधिक शोहरत मिलने लगी।

कुछ वर्षों के इस सफर के बाद जगजीत सिंह को हिंदी सिनेमा में गाने का मौका भी मिल गया। 'तुम इतना जो मुस्करा रहे हो' या फिर 'होठों से छू लो तुम,मेरा गीत अमर कर दो' जैसे अनेक कालजयी फिल्मी गाने जगजीत सिंह की गायकी और उन्हीं की मौसिक़ी से निकले थे। इससे पहले 1967 में जब जगजीत काम ढूंढ रहे थे, तब उनकी मुलाकात चित्रा दत्ता से हुई। चित्रा उस वक्त शादीशुदा थीं। वो मुंबई में जहां रहती थीं। उनके सामने वाले घर में जगजीत का आना-जाना लगा रहता था और यहीं पर दोनों की मुलाकात हुई थी।

धीरे धीरे वे एक-दूसरे को पसंद करने लगे थे और अलग सी बात ये थी कि जगजीत ने उनके पति देबू प्रसाद दत्ता से उन्हे मांग लिया था। दिसंबर 1969 में चित्रा ने अपने पति को तलाक देकर जगजीत सिंह से शादी कर ली। कहते हैं कि देबू दत्ता का भी कहीं और अफेयर था, इसलिए उनको भी तलाक में सुविधा हो गई।

चित्रा-जगजीत दोनों एक साथ एक के बाद एक कॉन्सर्ट लगातार करते जा रहे थे। शोहरत-दौलत दिन-दूनी रात चौगुनी बढ़ती गई। साल 1980 तक जगजीत सिंह गजल किंग बन चुके थे। इसी समय उनके एक मात्र पुत्र विवेक की 1990 में एक एक्सीडेंट में मृत्यु हो गई। दोनों ने गाना छोड़ दिया। कुछ दिन बाद जगजीत सिंह तो रोमांटिक न सही, लेकिन थोड़े बदले मिज़ाज़ के गीत-गजल गाने लगे, लेकिन चित्रा ने फिर नहीं गाया। **–फेसबुक वॉल से**

सामयिकी

ईयू-यूएस से व्यापारिक समझौता सुनहरा मौका

भारत-अमेरिका व्यापार समझौते के तहत अब भारतीय निर्यातकों को 50 प्रतिशत शुल्क के स्थान पर सिर्फ 18 प्रतिशत शुल्क ही देना होगा, किंतु यह भी सत्य है कि पहले यह शुल्क मात्र 2.9 प्रतिशत ही था। यह दोनों समझौते भारत को विश्व पटल पर मजबूत स्थिति में खड़ा होने का अवसर प्रदान करते हैं। यदि भारत यूरोपीय संघ व्यापार समझौते को सभी समझौतों की जननी कहा जा सकता है, तो भारत-अमेरिका व्यापार समझौता सभी समझौतों का जनक माना जा सकता है। अमेरिका द्वारा भारत पर लगाया जाने वाला शुल्क अब 18 प्रतिशत रह जाएगा, हालांकि भारतीय यूरोपीय संघ समझौता अपने आप में महत्वपूर्ण है, किन्तु भारत द्वारा अपने सबसे महत्वपूर्ण व्यापारिक साझेदार अमेरिका से निर्यात को विविधतापूर्ण बनाना भी एक कठिन प्रयास था, जिसमें भारत को अंततः सफलता प्राप्त हुई। यह समझौता

प्रो. रिपुदमन सिंह
शिक्षाविद्

न केवल भारत की व्यापार स्थिति को बहाल करेगा, बल्कि दशकों पुराने भारत-अमेरिका राजनयिक संबंधों को भी मजबूत करेगा, जिनमें हाल ही में तनाव के संकेत दिखाई दिए थे।

भारत-अमेरिका व्यापार समझौते ने भारतीय उद्योगों को राहत की सांस लेने का मौका प्रदान किया है। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप का यह दावा कि अब भारत रूस से तेल नहीं खरीदेगा भी चुनौतीपूर्ण है, भारत को इस पर ध्यान देना होगा, क्योंकि रूसी तेल पूरी तरह बंद करने पर भारत को अपने एक तिहाई तेल की आपूर्ति के लिए विकल्प तलाशना होगा तथा रूस के साथ भारत के संबंध पर भी असर पड़ेगा। रूस भारत का लंबे समय से मित्र और रक्षा उपकरणों का महत्वपूर्ण आपूर्तिकर्ता है। यह कदम भारत के लिए संबंधों को पुनर्गठन करने जैसा होगा। इसी तरह वेनेजुएला से अधिक कच्चा तेल खरीदना शोधन संबंधी चुनौतियां उत्पन्न करेगा।

इसके अतिरिक्त यह भी विचारणीय है कि भारत ने अमेरिका को टैरिफ रियायतों निवेशों और खरीद आदेशों के संदर्भ में क्या प्रतिबद्धतायें निर्धारित की हैं, क्योंकि ट्रंप और उनकी टीम, संवेदनशील कृषि उत्पादों और डेयरी उत्पादों के आदान-प्रदान किए जाने का दावा कर रहे हैं। भारतीय वाणिज्य मंत्री ने ट्रंप के इस दावे पर कोई प्रतिक्रिया अभी तक नहीं दी है, लेकिन अमेरिकी व्यापार समझौते ने एक उम्मीद की किरण तो दी है, क्योंकि इससे शेयर बाजारों में तेजी आई है, रुपये को मजबूती मिली है और कपड़ा, परिधान, चमड़ा, जूते और इंजीनियरिंग सामान जैसे श्रम प्रधान उद्योगों में उत्साह का माहौल है।

व्यापार के मोर्चे पर भारत के वस्त्र और चमड़ा निर्यातकों को त्वरित लाभ मिलने की संभावना है। वर्तमान में खेल सामग्री, रत्न और आभूषणों के निर्यातकों को उच्च टैरिफ के चलते कठिनाई का सामना करना पड़ रहा था और यह निर्यातक 10-20 प्रतिशत तक नुकान उठा रहे थे। यह डैडम् क्षेत्र में रोजगार सृजन में महत्वपूर्ण भूमिका अदा करते हैं। भारत वस्त्र और परिधान का 28 प्रतिशत निर्यात अमेरिका को करता है, जो भारतीय चमड़े और खेल सामग्री का भी बहुत बड़ा बाजार है। भारत-यूरोपीय संघ व्यापार समझौता भारत के इतने बड़े निर्यात को इतनी जल्दी समायोजित करने की स्थिति में संभवतः नहीं था, किंतु एक वैकल्पिक व्यवस्था बनने की स्थिति में जरूर आगे आ सकता है। अमेरिकी रणनीतिकार संभवतः इसी संभावना को भांपने में सफल रहे हैं और भारत-अमेरिका समझौते को अति शीघ्र लागू करने के लिए तत्पर हो गए हैं। भारत-अमेरिका व्यापार समझौता का एक व्यापक रणनीतिक उद्देश्य भी है, यह द्विपक्षीय संबंधों में सामान्य स्थिति बहाल करने में भी मदद करेगा, जो नागरिक परमाणु समझौते के बाद से लगातार मजबूत होते गए हैं।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक हरि ओम गुप्ता द्वारा अमृत विचार प्रकाशन, नवादा जोगियान, चक रोड, रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज के सामने, बरेली (उ.प्र.), पिन कोड-243006 से मुद्रित एवं 932 कटरा चांद खां, भारत पेट्रोल पंप के सामने पीलीभीत बाईपास रोड बरेली (उ.प्र.) पिन कोड-243005 से प्रकाशित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, स्थानीय संपादक- नवीन गुप्ता*** 0581-4000222 (कार्यालय), ईमेल- editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UPHIN/2019/78502, *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्यायक्षेत्र बरेली होगा)।

कैम्पस

75% कॉलेज छात्रों को नहीं दे पा रहे जॉब वाली स्किल्स

राजेश जैन
लेखक

भारत में हर साल लाखों युवा बड़े सपनों के साथ कॉलेज और यूनिवर्सिटी में दाखिला लेते हैं। परिवार उम्मीद करता है कि चार साल की पढ़ाई के बाद बच्चा अच्छी नौकरी पाएगा, आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनेगा और समाज में सम्मान पाएगा, लेकिन आज की सच्चाई यह है कि डिग्री मिलने के बाद भी नौकरी मिलना किसी जुए से कम नहीं रह गया है। टीमलीज एडटेक की ताजा रिपोर्ट बताती है कि भारत के करीब 75 प्रतिशत कॉलेज और विश्वविद्यालय अपने छात्रों को जॉब-रेडी स्किल्स देने में नाकाम हो रहे हैं। यानी डिग्री तो मिल रही है, लेकिन नौकरी के लायक नहीं है। यह सिर्फ शिक्षा व्यवस्था की विफलता नहीं, बल्कि देश के भविष्य के साथ खिलवाड़ है।

डिग्री की फैक्ट्रियां बनते जा रहे हैं कॉलेज

आज बड़ी संख्या में संस्थान सिर्फ डिग्री बांटने वाली फैक्ट्रियों में बदल चुके हैं। क्लासरूम में थ्योरी पढ़ाई जाती है, पुराने सिलेबस रटाए जाते हैं, लेकिन असली दुनिया की जरूरतों से छात्रों का कोई संपर्क नहीं होता। नतीजा यह होता है कि छात्र पास होकर निकलते हैं, लेकिन उन्हें यह तक नहीं पता होता कि इंडस्ट्री उनसे क्या चाहती है। आज कंपनियों को ऐसे युवा चाहिए जो टेक्नोलॉजी समझते हों, कम्युनिकेशन में मजबूत हों, प्रॉब्लम सॉल्विंग कर सकें, प्रैक्टिकल एक्सपीरियंस रखते हों, लेकिन ज्यादातर कॉलेज इन स्किल्स पर काम ही नहीं करते।

प्लेसमेंट का कड़वा सच

कागजों में कई संस्थान 100 प्रतिशत प्लेसमेंट का दावा करते हैं, लेकिन सच्चाई इससे बहुत अलग है। रिपोर्ट के अनुसार, सिर्फ 16.67 प्रतिशत संस्थान ही ऐसे हैं, जो अपने 76 प्रतिशत से 100 प्रतिशत छात्रों को छह महीने के भीतर नौकरी दिला पाते हैं। बाकी छात्रों को या तो बहुत कम सैलरी वाली नौकरी मिलती है या फिर वे बेरोजगार घूमते रहते हैं या किसी दूसरे कोर्स की तैयारी करने लगते हैं। यह स्थिति उन माता-पिता के लिए भी चिंता का विषय है, जो भारी फीस भरकर बच्चों को प्राइवेट कॉलेजों में पढ़ाते हैं। इंडस्ट्री और पढ़ाई के बीच गहरी खाई आज की शिक्षा व्यवस्था का सबसे बड़ा दोष यही है कि पाठ्यक्रम और उद्योग की जरूरतों में तालमेल नहीं है। रिपोर्ट बताती है कि सिर्फ 8.6 प्रतिशत संस्थानों के कोर्स पूरी तरह इंडस्ट्री-फ्रेंडली हैं, 51 प्रतिशत से ज्यादा संस्थानों का उद्योग से कोई तालमेल ही नहीं। मतलब आधे से ज्यादा कॉलेज ऐसे हैं, जहां पढ़ाया कुछ और जाता है और नौकरी में चाहिए कुछ और।

क्लासरूम में इंडस्ट्री का अनुभव नदारद

अगर कॉलेजों में इंडस्ट्री एक्सपर्ट्स पढ़ाएं, तो छात्रों को असली दुनिया की समझ मिले, लेकिन रिपोर्ट कहती है कि सिर्फ 7.56 प्रतिशत संस्थानों में ही 'प्रोफेसर ऑफ प्रैक्टिस' जैसे इंडस्ट्री प्रोफेशनल्स को शामिल किया गया है। बाकी जगह वही पुराने प्रोफेसर, वही पुराने नोट्स, वही पुरानी थ्योरी। छात्रों को यह नहीं बताया जाता कि आज जॉब मार्केट कैसे बदल रहा है, नई भूमिकाएं क्या हैं, कंपनियां किस तरह की स्किल्स ढूंढ रही हैं।

सर्टिफिकेट्स से दूरी

आज कंपनियां सिर्फ डिग्री नहीं देखतीं, वे मान्यता प्राप्त इंडस्ट्री सर्टिफिकेट्स को भी महत्व देती हैं। जैसे-एआई और डेटा साइंस सर्टिफिकेट, डिजिटल मार्केटिंग, साइबर सिक्योरिटी, क्लाउड कंप्यूटिंग, लेकिन रिपोर्ट के मुताबिक, 60 प्रतिशत से ज्यादा संस्थानों ने इन सर्टिफिकेट्स को अपने कोर्स में शामिल करने पर कभी सोचा ही नहीं। नतीजा ये हुआ छात्र ऐसे स्किल्स के बिना ग्रेजुएट होते हैं, जिन्हें कंपनियां तुरंत पहचान सकें।

इंटर्नशिप: नाम की, काम की नहीं

नौकरी से पहले इंटर्नशिप सबसे जरूरी कदम होती है। यहीं से छात्र सीखते हैं-ऑफिस कल्चर, टीमवर्क, असली प्रोजेक्ट पर काम, लेकिन भारत में सिर्फ 9.4 प्रतिशत संस्थानों में सभी कोर्स के लिए अनिवार्य इंटर्नशिप होती है और 37.8 प्रतिशत संस्थानों में इंटर्नशिप की कोई व्यवस्था ही नहीं है। यानी लाखों छात्र बिना किसी प्रैक्टिकल अनुभव के सीधे जॉब मार्केट में उतर जाते हैं। फिर कंपनियां कहती हैं-आपके पास एक्सपीरियंस नहीं है।

लाइव प्रोजेक्ट्स भी गायब

लाइव इंडस्ट्री प्रोजेक्ट्स छात्रों को रियल वर्ल्ड प्रॉब्लम सॉल्विंग सिखाते हैं, लेकिन सिर्फ 9.68 प्रतिशत संस्थानों में ही ऐसे प्रोजेक्ट कराए जाते हैं। बाकी जगह थ्योरी पढ़ाओ, एग्जाम लो, डिग्री दो और मामला खत्म।

एलुमनाई नेटवर्क की कमजोरी

पूर्व छात्र किसी भी संस्थान की ताकत होते हैं। वे मेंटरशिप दे सकते हैं, रेफरल दिला सकते हैं, जॉब के मौके खोल सकते हैं, लेकिन रिपोर्ट बताती है कि सिर्फ 5.44 प्रतिशत संस्थानों के पास सक्रिय एलुमनाई नेटवर्क है। यानी कॉलेज अपने ही पुराने छात्रों की ताकत का इस्तेमाल नहीं कर पा रहे।

इसका असर सिर्फ छात्रों पर नहीं, देश पर भी-जब युवा बेरोजगार रहते हैं, तो इसका असर सिर्फ परिवार पर नहीं, पूरी अर्थव्यवस्था पर पड़ता है। उत्पादकता घटती है, मानसिक तनाव बढ़ता है, स्किल गैप बढ़ता है, माइग्रेशन बढ़ता है, डिग्रीधारी बेरोजगारी, देश के लिए सबसे खतरनाक संकेतों में से एक है।

यह है समाधान

रिपोर्ट साफ कहती है कि अब बदलाव विकल्प नहीं, मजबूरी है। इसके लिए इंडस्ट्री-अनुकूल सिलेबस, अनिवार्य इंटर्नशिप, लाइव प्रोजेक्ट्स, इंडस्ट्री एक्सपर्ट्स की भागीदारी, सर्टिफिकेट कोर्स, मजबूत एलुमनाई नेटवर्क, कॉलेजों को सिर्फ पढ़ाने की नहीं, रोजगार दिलाने की जिम्मेदारी लेनी होगी।

सरकार की भूमिका भी अहम

नई शिक्षा नीति सही दिशा में कदम है, लेकिन जमीन पर उसका असर अभी सीमित है। सरकार को चाहिए कि कॉलेजों की जवाबदेही तय करे, प्लेसमेंट डेटा पब्लिक करे, स्किल-बेस्ड एजुकेशन को बढ़ावा दे, इंडस्ट्री पार्टनरशिप अनिवार्य बनाए, छात्रों को भी जागरूक होना होगा। आज का छात्र सिर्फ डिग्री पर निर्भर नहीं रह सकता। उसे खुद भी ऑनलाइन स्किल्स सीखनी होंगी, इंटर्नशिप ढूंढनी होगी, नेटवर्क बनाना होगा, इंडस्ट्री ट्रेंड समझना होगा। अगर भारत की हायर एजुकेशन सिस्टम आज नहीं सुधरा तो आने वाले सालों में डिग्रियों की भीड़ होगी, लेकिन नौकरियों की कमी। यह संकट सिर्फ शिक्षा का नहीं, राष्ट्र निर्माण का संकट है। अब वक्त है डिग्री फैक्ट्रियों को रोजगार केंद्रों में बदलने का।

वर्ड स्मिथ

कैसे बना शैंपू शब्द

आज शैंपू हमारी रोजमर्रा की जिंदगी का एक सामान्य शब्द बन चुका है, लेकिन बहुत कम लोग जानते हैं कि इसका जन्म भारत में हुआ और यह शब्द हिंदी-उर्दू नहीं, बल्कि संस्कृत मूल से होकर अंग्रेजी तक पहुंचा। 'शैंपू' शब्द की कहानी औपनिवेशिक भारत, आयुर्वेद और पश्चिमी संस्कृति के आपसी संपर्क से जुड़ी है। 'शैंपू' शब्द की जड़ संस्कृत के शब्द 'चम्पू' (Champu) में मिलती है। 'चम्पू' का अर्थ होता है-दबाना, मलना या मालिश करना। प्राचीन भारत में सिर और शरीर की तेल मालिश को 'चम्पू' कहा जाता था। यह केवल सौंदर्य का नहीं, बल्कि स्वास्थ्य का भी महत्वपूर्ण हिस्सा था। आयुर्वेद में सिर की मालिश को तनाव दूर करने, रक्तसंचार बढ़ाने और बालों को स्वस्थ रखने का प्रभावी उपाय माना गया है।

17वीं-18वीं शताब्दी में जब ब्रिटिश व्यापारी और अधिकारी भारत आए, तो उन्होंने यहां की मालिश और स्नान पद्धतियों को देखा। बंगाल में 'चम्पू' एक प्रचलित प्रक्रिया थी, जिसमें जड़ी-बूटियों और प्राकृतिक तत्वों से सिर की सफाई और मालिश की जाती थी। अंग्रेजों ने इस शब्द को अपने उच्चारण के अनुसार 'Shampoo' कहना शुरू कर दिया। सन 1762 में यह शब्द पहली बार अंग्रेजी शब्दकोश में दर्ज हुआ। शुरुआत में 'शैंपू' का अर्थ केवल सिर की मालिश या शरीर को मलने की क्रिया था, न कि किसी तरल पदार्थ का नाम। बाद में, 19 वीं शताब्दी में जब तरल साबुन और बाल धोने वाले उत्पाद विकसित हुए, तब इस प्रक्रिया से जुड़े उत्पाद को ही 'शैंपू' कहा जाने लगा। इस प्रकार, 'शैंपू' केवल एक कॉस्मेटिक उत्पाद नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति की देन है, जो संस्कृत से चलकर औपनिवेशिक रास्तों से होती हुई पूरी दुनिया की भाषाओं में शामिल हो गई। यह शब्द हमें याद दिलाता है कि भारतीय परंपराओं का वैश्विक प्रभाव कितना गहरा और स्थायी रहा है।

नोटिस बोर्ड

- बेरोजगार युवाओं के लिए अच्छी खबर है। उन्हें रोजगार पाने के लिए बहुत जल्द सुनहरा अवसर मिलेगा। जिला सेवा योजन विभाग, अमेठी की ओर से 26 फरवरी को आरआरपीजी कॉलेज में वृहद रोजगार मेले का आयोजन किया जाएगा, जिसमें 50 से अधिक नामी कंपनियां प्रतिभाग करेंगी। मेले के माध्यम से 2000 से अधिक युवाओं को रोजगार से जोड़ने की तैयारी की जा रही है। मेले में कक्षा आठवीं पास से लेकर स्नातक, परास्नातक, बीटेक, आइटीआइ और पॉलिटेक्निक उत्तीर्ण युवाओं को उनकी योग्यता के अनुरूप रोजगार पाने का अवसर मिलेगा। निजी क्षेत्र की प्रतिष्ठित कंपनियों के प्रतिनिधि मौके पर ही साक्षात्कार लेकर चयन प्रक्रिया पूरी करेंगे। इच्छुक अभ्यर्थी अपने शैक्षिक प्रमाण पत्र और बायोडाटा साथ ले जाएं।

- बरेली कॉलेज के ललितकला विभाग ने बीए प्रथम सेमेस्टर चित्रकला विषय की प्रयोगात्मक परीक्षा का कार्यक्रम घोषित कर दिया है। विभागीय सूचना के अनुसार बैक और रेगुलर दोनों श्रेणी के विद्यार्थियों की परीक्षा 14 फरवरी को सुबह 10 बजे से आयोजित की जाएगी। परीक्षा ललितकला विभाग में ही संपन्न होगी। विभाग के प्रभारी प्रो. एबीएल. लखटकिया ने छात्रों को निर्देश दिए हैं कि वे परीक्षा के दिन निर्धारित समय से कम से कम आधा घंटा पहले विभाग में उपस्थित रहें, ताकि सभी आवश्यक औपचारिकताएं समय पर पूरी की जा सकें और परीक्षा प्रक्रिया सुचारु रूप से संचालित हो।

कैंपस में पहला दिन

जीवन को सोचने व समझने की यात्रा

कृष्णा चौहान
बीएससी छात्रा, एसएस कॉलेज, शाहजहांपुर

आज भी स्मृतियों में किसी ताजी सुबह की तरह कॉलेज का पहला दिन चमकता है। स्कूल की सुरक्षित और जानी-पहचानी दुनिया से निकलकर बीएससी की छात्रा के रूप में कॉलेज की देहरी पर कदम रखना मेरे लिए उत्साह और संकोच दोनों का मिला-जुला अनुभव था। हाथ में नई फाइल, कंधे पर बैग और मन में अनगिनत सवाल, क्या मैं यहां अपने सपनों के करीब पहुंच पाऊंगी?

कॉलेज का विशाल परिसर देखते ही मन आश्चर्य से भर उठा। ऊंची इमारतें, हरे-भरे पेड़, भागते हुए छात्र, कहीं हंसी की आवाजें तो कहीं गंभीर चेहरों पर किताबों का बोझ, सब कुछ नया था। विभाग की ओर बढ़ते कदमों के साथ दिल की धड़कनें तेज होती जा रही थीं। बीएससी की छात्रा होने का गर्व तो था, लेकिन साथ ही यह डर भी कि विज्ञान जैसे गंभीर विषय को संभाल पाऊंगी या नहीं। पहली कक्षा का अनुभव कभी नहीं भूल सकती। प्रयोगशाला में रखे चमकते उपकरण, रसायनों की हल्की गंध और दीवारों पर टंगे वैज्ञानिकों के चित्र मुझे एक अलग ही दुनिया में ले गए। जब पहली बार अध्यापक ने अपना परिचय दिया और विषय की महत्ता समझाई, तब महसूस हुआ कि यह सिर्फ पढ़ाई नहीं, बल्कि जीवन के सोचने और समझने की एक नई यात्रा है। सबसे सुकून देने वाला पल तब आया, जब कुछ अनजान चेहरे मुस्कान में बदल गए। पास बैठी छात्रा से हुई छोटी-सी बातचीत दोस्ती की शुरुआत बन गई। लगा जैसे डर धीरे-धीरे आत्मविश्वास में बदल रहा हो। कैंटीन की पहली चाय और हल्की-फुल्की बातचीत ने उस दिन को और यादगार बना दिया।

शाम को कॉलेज से लौटते समय मन में थकान नहीं, बल्कि एक अजीब-सी खुशी थी। लगा, जैसे जीवन का नया अध्याय शुरू हो चुका है। आज जब पीछे मुड़कर देखती हूं, तो समझ में आता है कि वह पहला दिन सिर्फ कॉलेज का नहीं था, बल्कि मेरे आत्मनिर्भर बनने की दिशा में पहला कदम था, जो आज भी मुझे आगे बढ़ने की प्रेरणा देता है।

करेंट अफेयर्स

- हाल ही में सरकार ने सूचना प्रौद्योगिकी (मध्यस्थ दिशानिर्देश और डिजिटल मीडिया आचार संहिता) नियम, 2021 में संशोधन को आधिकारिक रूप से अधिसूचित कर दिया है, जिससे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स के लिए नियम और कड़े हो गए हैं। संशोधित आईटी नियम 2021 के तहत अब एआई-जनित (AI-generated) सामग्री पर "स्पष्ट और प्रमुख" लेबल लगाना अनिवार्य होगा और अवैध सामग्री हटाने की समय-सीमा 36 घंटे से घटाकर केवल तीन घंटे कर दी गई है। ये बदलाव 20 फरवरी 2026 से लागू होंगे।
- भारत और सेशेल्स के द्विपक्षीय संबंध एक नए रणनीतिक स्तर पर पहुंचा गए हैं। हाल ही में सेशेल्स के राष्ट्रपति की भारत की राजकीय यात्रा के दौरान, दोनों देशों ने सततता, आर्थिक विकास और सुरक्षा के लिए सुदृढ़ संपर्कों के माध्यम से संयुक्त दृष्टि (SESEL) की घोषणा की। यह पहल हिंद महासागर क्षेत्र में भारत की बढ़ती भूमिका और एक करीबी समुद्री साझेदार के रूप में सेशेल्स के महत्व को रेखांकित करती है, जिसमें सुरक्षा, विकास और जन-केंद्रित सहयोग को केंद्र में रखा गया है।
- हाल ही में नीति आयोग ने आंध्र प्रदेश के लिए एक महत्वाकांक्षी स्वच्छ ऊर्जा योजना पेश की है। इस नीति ब्लूप्रिंट का उद्देश्य वर्ष 2035 तक आंध्र प्रदेश को भारत के प्रमुख नवीकरणीय ऊर्जा हब में बदलना है। घटती बिजली लागत और बड़े क्षमता विस्तार के साथ आंध्र प्रदेश को भविष्य में देश के लिए स्वच्छ ऊर्जा निर्यात केंद्र के रूप में स्थापित किया जा रहा है।
- हाल ही में वैश्विक खेल प्रशासन के लिए एक ऐतिहासिक घटनाक्रम में अंतर्राष्ट्रीय ओलंपिक समिति (IOC) ने ईरान से अपनी पहली महिला सदस्य का चुनाव किया है। ईरानी बैडमिंटन खिलाड़ी सोरया अघाई हाजिआगहा को 4 फरवरी इटली के मिलान में आयोजित 145 वें IOC सत्र के दौरान निर्वाचित किया गया। इस चुनाव के साथ ही वे IOC की वर्तमान सबसे कम उम्र की सदस्य भी बन गई हैं।
- भारत की स्टार निशानेबाज मनु भाकर ने नई दिल्ली में आयोजित एशियन शूटिंग चैंपियनशिप 2026 में 25 मीटर पिस्टल स्पर्धा में रजत पदक जीता। यह उपलब्धि उन्होंने 10 मीटर एयर पिस्टल फाइनल में सातवां स्थान हासिल करने के पांच दिन बाद दर्ज की। डबल शूट-ऑफ के बीच मनु ने मानसिक मजबूती दिखाते हुए दूसरा स्थान हासिल किया। यह 25 मीटर पिस्टल में उनका पहला व्यक्तिगत सिल्वर मेडल है।

जॉब अलर्ट

एम.पी. राज्य सहकारी बैंक

- पद का नाम-कंप्यूटर ऑपरेटर, कंप्यूटर ऑपरेटर (संविदा), सोसायटी मैनेजर, अधिकारी
- पदों की संख्या- (1763 क्लर्क + 313 अधिकारी) 2076 पद
- सैलरी/पे स्केल क्लर्क : लेवल-4 (Rs. 19,500-62,000) 7 वां पे स्केल / लेवल-7 (Rs. 28,700-91,300) / 6 वां पे स्केल (Rs. 5,200-20,200 + 1900 GP)
- शैक्षणिक योग्यता-स्नातक
- आयु सीमा -18 से 35 वर्ष (40 वर्ष छूट के साथ), कंप्यूटर ऑपरेटर (संविदा) : 18 से 55 साल
- आवेदन की अंतिम तिथि- 20 फरवरी 2026
- वेबसाइट-www.apexbankmp.bank.in

हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग

- पद का नाम- ग्रुप सी पदों के लिए भर्ती (विभिन्न विभाग / बोर्ड / निगम)
- सीईटी ग्रुप सी पर आधारित- विज्ञापन नंबर 01/2025 क्वॉलिफाइड कैंडिडेट
- पदों कि संख्या -4227
- एप्लीकेशन शुरू होने की तारीख- 9 फरवरी 2026
- आवेदन की अंतिम तिथि- 23 फरवरी 2026
- ऑफिशियल वेबसाइट www.hssc.gov.in

सेंट्रल इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड

- पद का नाम- डिप्टी जनरल मैनेजर (इलेक्ट्रिकल/इलेक्ट्रॉनिक्स), डिप्टी जनरल मैनेजर (माइक्रोवेव), दूसरे पोस्ट (डिप्टी इंजीनियर, ग्रेजुएट इंजीनियर ट्रेनी, वगैरह
- पदों की संख्या- 34
- विज्ञापन नंबर 118/Pers/1/2026
- सैलरी- Rs.17,500 - 2,20,000/- हर महीने
- क्वालिफिकेशन- B.E./B.Tech / MBA / CA/ ICWA / ग्रेजुएट / 10th
- एज लिमिट- पदानुसार
- आवेदन की अंतिम तिथि- 3 फरवरी 2026
- वेबसाइट- https://www.celindia.co.in

बोर्ड परीक्षा से पहले सफलता का स्मार्ट स्टडी प्लान

डॉ. मनोज कुमार तिवारी
बीएचयू

बीते दिनों परीक्षा पर चर्चा के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक कुशल मनोवैज्ञानिक की भांति विद्यार्थियों से परीक्षा पर चर्चा की, उन्होंने सीधे परीक्षा तनाव पर चर्चा करने के बजाय छात्रों के जीवन व उनके क्षेत्र से संबंधित विभिन्न आयामों पर चर्चा की, जिससे छात्र उनसे सीधे जुड़ सके। प्रधानमंत्री ने कहा कि हर छात्र अद्वितीय हैं, उनकी अपनी क्षमता, विशेषता, जीवनशैली, सोचने-समझने का ढंग अलग-अलग होता है, इसलिए विद्यार्थियों का परीक्षा की तैयारी का तरीका अलग-अलग हो सकता है। उन्होंने छात्रों से कहा कि अपनी परीक्षा की तैयारी अपने ढंग से करनी चाहिए, सभी के सुझाव को सुनना चाहिए, किंतु अपनी तैयारी का पैटर्न अपने अनुभव के अनुसार तय करना चाहिए। यूपी बोर्ड एग्जाम के कुछ दिन ही शेष रह गए हैं।

इन दिनों में परीक्षार्थियों को विशेष ध्यान रखते हुए परीक्षा की तैयारी करनी चाहिए। आइए आज आपको बताते हैं, कुछ महत्वपूर्ण परीक्षा उपयोगी सुझाव, जिन्हें अपनाकर आप परीक्षा में अच्छे नंबर ला सकते हैं।

सिलेबस के अनुसार बनाएं स्टडी प्लान

सबसे पहले एक सरल और व्यावहारिक टाइम टेबल तैयार करें। यह बहुत जटिल नहीं होना चाहिए। दिन के अलग-अलग समय के अनुसार विषय तय करें। सुबह का समय पढ़ाई के लिए सबसे उपयुक्त माना जाता है, इसलिए इस समय कठिन विषयों का अध्ययन करें। दोपहर में हल्के टॉपिक और शाम के समय रिवीजन पर ध्यान दें।

जरूरी टॉपिक पर करें फोकस

जब बोर्ड परीक्षा में कुछ ही दिन शेष हों, तब नया पाठ्यक्रम शुरू करने के बजाय महत्वपूर्ण अध्यायों पर ध्यान देना समझदारी है। सिलेबस में शामिल मुख्य चैप्टर और पिछले वर्षों के प्रश्नपत्रों का विश्लेषण करें। जिन टॉपिक से बार-बार प्रश्न पूछे जाते हैं, उन्हें अच्छी तरह तैयार करें। अगर कोई अध्याय पूरा नहीं आता है, तो उसे छोड़ने के बजाय उसके आसान हिस्सों को जरूर पढ़ लें।

प्रश्नों की लिखकर करें प्रैक्टिस

पढ़ी हुई सामग्री को बार-बार दोहराना बहुत जरूरी है। रोजाना कम से कम एक बार रिवीजन करें। साथ ही लिखकर अभ्यास करने से उत्तर लेखन की गति बढ़ती है और परीक्षा के समय समय-प्रबंधन में मदद मिलती है। गणित, विज्ञान और अकाउंट्स जैसे विषयों में यह तरीका विशेष रूप से लाभकारी होता है।

मॉक टेस्ट देना न भूलें

पुराने प्रश्नपत्र और फुल मॉक टेस्ट बोर्ड परीक्षा की तैयारी का सबसे बेहतर साधन हैं। छात्रों को सप्ताह में कम से कम दो से तीन फुल-लेंथ मॉक टेस्ट देने चाहिए। इससे परीक्षा के माहौल की आदत बनती है। टेस्ट के बाद अपनी गलतियों को समझें और उन्हें सुधारने पर काम करें।

तनाव से दूर रहें, बनाए रखें आत्मविश्वास

परीक्षा से पहले घबराहट होना स्वाभाविक है, लेकिन अत्यधिक तनाव पढ़ाई पर नकारात्मक प्रभाव डालता है। छात्रों को खुद पर भरोसा रखना चाहिए। पूरे साल की गई मेहनत अंतिम समय में जरूर रंग लाएगी।

बाजार	सेंसेक्स ↓	निफ्टी ↑
बंद हुआ	84,233.64	25,953.85
गिरावट/बढ़त	40.28	18.70
प्रतिशत में	0.05	0.07

सोना 1,61,300 प्रति 10 ग्राम

चांदी 2,68,500 प्रति किलो

अमृत विचार

बरेली, गुरुवार, 12 फरवरी 2026

www.amritvichar.com

कारोबार

बरेली मंडी

वनस्पति तेल तिलहन : तुलसी 2610, राज श्री 1940, फॉर्चून कि. 2425, रविन्द्रा 2515, फॉर्चुन 13 किग्रा 2145, जय जवान 2125, सचिन 2120, सूरज 2125, अवसर 1865, उजाला 1920, गृहणी 13 किग्रा 1975, क्लासिक (किग्रा) 2325, मोर 2320, चक्र टिन 2375, ब्लू 2215, आशीर्वाद मस्टर्ड 2420, स्वास्तिक 2565

किराना : हल्दी निजामाबाद 17000, जीरा 24500, लाल मिर्च 18000-23000, धनिया 9400-12000, अजवायान 13500-20000, मेथी 6000-8000 सौंफ 9000-13000, सोंठ 31000, (प्रतिकि.) लौंग 800-1000, बादाम 780-1080, काजू 2 पीस 840, किसमिस पीली 300-400, मखाना 800-1100

चावल (प्रति कु) : डबल चाबी सेला 9700, स्पाइस 6500, शरबती कच्ची 5250, शर्बती स्टीम 5350, मंसूरी 4000, महबूब सेला 4050, गौरी रॉयल 8400, राजभोग 6850, हरी पत्ती (1 किग्रा, 5 किग्रा) 10100, हरी पति नेचुरल 9100, गौरी स्पेशल 8500, गौरी प्रीमियम 10200, सूमो 4000, गौरी रॉयल 8600, मंसूरी पनघट 4200,लाडली 4200

दाल दलहन : मूंग दाल इंदौर 9800, मूंग धोवा 10000, राजमा चित्रा 11200-12000, राजमा भूटान नया 10100, मलका काली 7250-7450 मलका दाल 7350-9200, मलका छाँटी 7250, दाल उड़द बिलासपुर 8800-9800, मसूर दाल छोटी 10000-11600, दाल उड़द दिल्ली 11200, उड़द साबुत दिल्ली 10500, उड़द धोवा इंदौर 12700, उड़द धोवा 9800-11500,चना काला 7150, दाल चना 7250, दाल चना मोटी 7100, मलका विदेशी 7200, रूपकिशोर बेसन 7500, चना अकोला 6600, डबरा 6800-8400, सच्चा हीरा 8700, मोटा हीरा 10000, अरहर गोला मोटा 8800, अरहर पटका मोटा 9500, अरहर कोरा मोटा 9800, अरहर पटका छोटा 11100-11800, अरहर कोरी छोटी 13100

चीनी : पीलीभीत 4460, बहेड़ी 4300

हल्द्वानी मंडी

चावल : शरबती- 4000, मसूरी- 1600, बासमती- 8200-9000, परमल- 2200-3900

दाल दलहन : काला चना- 2600-4000, साबुत चना दाल- 1400, मूंग साबुत- 5000, राजमा- 9000-12200, दाल उड़द- 7500, साबुत मसूर दाल- 4000, मसूर दाल- 1500

उड़द साबुत- 10400, काबुली चना- 7500-10000, अरहर दाल- 10000 -12200, लोबिया/करमानी- 2400-4400

भारत-अमेरिका समझौते में संवेदनशील क्षेत्र पूरी तरह संरक्षित : वाणिज्य सचिव

दोनों पक्ष संयुक्त बयान को कानूनी समझौते में बदलने पर कर रहे काम

- दोनों देश मार्च के अंत तक समझौते के प्रारूप के अंतिम रूप दिए जाने के बाद हस्ताक्षर की उम्मीद

न्यूर्नबर्ग (जर्मनी), एजेंसी

वाणिज्य सचिव राजेश अग्रवाल ने कहा कि भारत ने व्यापार समझौतों में हमेशा उन क्षेत्रों को लेकर स्पष्ट सोच रखी है जो देश के लिए बेहद संवेदनशील हैं और अमेरिका के साथ अंतरिम व्यापार समझौते में ऐसे सभी प्रमुख क्षेत्रों की पूरी तरह रक्षा की गई है। उन्होंने कहा कि दोनों पक्ष संयुक्त बयान को कानूनी समझौते में बदलने पर काम कर रहे हैं जिसे मार्च के अंत तक अंतिम रूप देकर हस्ताक्षर किए जाने की उम्मीद है।

अग्रवाल ने कहा कि भारत ने हमेशा सभी समझौतों पर स्पष्ट सोच के साथ बातचीत की है। जो भी क्षेत्र भारत के लिए बेहद संवेदनशील हैं, जहां हमें लगता है कि हमारे किसान, मछुआरे, दुग्ध क्षेत्र प्रभावित हो सकते हैं, वहां हमने अपने साझेदार देशों को साफ बता दिया है कि भारत ऐसे मामलों में बाजार नहीं खोल सकता या पहुंच नहीं दे सकता।

उन्होंने कहा कि अगर आप पिछले एक साल में किए गए सभी समझौतों को देखें। हमने पांच व्यापार समझौते किए हैं। सभी में संवेदनशील क्षेत्रों की रक्षा की गई है। अमेरिका के साथ भी सभी प्रमुख संवेदनशील क्षेत्रों को सुरक्षित रखा गया है। जहां थोड़ी संवेदनशीलता थी, वहां हमने शुल्क दर कोटा व्यवस्था का इस्तेमाल किया ताकि बाजार तक पहुंच सीमित रहे और हमारे किसानों पर असर न पड़े। इस महीने की शुरुआत में घोषित अंतरिम व्यापार समझौते के तहत भारत ने मक्का, गेहूं, चावल, सोया, पोल्ट्री, दूध, पनीर, एथेनॉल (ईंधन), तंबाकू, कुछ सब्जियों और मांस जैसे संवेदनशील कृषि एवं दुग्ध उत्पादों को पूरी तरह संरक्षित रखा है। इन वस्तुओं पर अमेरिका को कोई शुल्क रियायत नहीं दी गई है। ये उत्पाद संवेदनशील हैं क्योंकि इनका संबंध देश के छोटे एवं सीमांत किसानों की आजीविका से है। अन्य मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) में भी भारत ने संवेदनशील कृषि और दुग्ध उत्पादों पर आयात शुल्क में कोई रियायत नहीं दी है।

देश का निर्यात सकारात्मक रहने की उम्मीद

वाणिज्य सचिव राजेश अग्रवाल ने कहा कि वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं के बावजूद चालू वित्त वर्ष में अब तक भारत के वस्तु एवं सेवा निर्यात में सकारात्मक वृद्धि दर्ज की गई है और जनवरी में भी इसके सकारात्मक रहने का अनुमान है। जनवरी के आंकड़े इस महीने आधिकारिक रूप से जारी किए जाएंगे। अग्रवाल ने कहा, कुल मिलाकर निर्यात अच्छा प्रदर्शन कर रहा है। वस्तु निर्यात में हम मजबूती से टिके हुए हैं। सेवाएं हमेशा की तरह बहुत अच्छा कर रही हैं। आप (जनवरी के आंकड़ों) के सकारात्मक रहने की उम्मीद कर सकते हैं। जनवरी के निर्यात आंकड़ों को लेकर पूछे गए सवाल पर उन्होंने यह बात कही। अग्रवाल यहां बायोफैच 2026 प्रदर्शनी में हिस्सा लेने पहुंचे हैं जहां 100 से अधिक भारतीय प्रदर्शक और करीब 20 राज्य अपने जैविक उत्पादों का प्रदर्शन कर रहे हैं।

कृषि ग्रामीण अर्थव्यवस्था की रीढ़

भारत ने हाल ही में यूरोपीय संघ, ब्रिटेन तथा ऑस्ट्रेलिया के साथ एफटीए को अंतिम रूप दिया है। कृषि और इससे जुड़ी गतिविधियां जैसे पशुपालन भारत की ग्रामीण अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं। इनसे 50 करोड़ से अधिक लोगों को रोजगार मिलता है। विकसित अर्थव्यवस्थाओं में जहां कृषि अत्यधिक मशीनीकृत और कॉरपोरेट आधारित है, वहीं भारत में यह आजीविका का सवाल है। भारतीय कृषि क्षेत्र को वर्तमान में घरेलू किसानों को अनुचित प्रतिस्पर्धा से बचाने के लिए मध्यम से उच्च शुल्क एवं नियामकीय उपायों के जरिये संरक्षण दिया गया है। भारत को 2024 में अमेरिका का कृषि निर्यात 1.6 अरब अमेरिकी डॉलर रहा।

समझौते पर संशोधित दस्तावेज से व्हाइट हाउस ने कुछ दालों का जिक्र हटाया

न्यूयॉर्क/वॉशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति के आवास एवं कार्यालय व्हाइट हाउस ने अंतरिम व्यापार समझौते पर जारी संशोधित दस्तावेज में उन अमेरिकी उत्पादों की सूची से दालों का जिक्र हटा दिया है जिन पर भारत के शुल्क समाप्त करने या कम किए जाने की बात कही गई थी। व्हाइट हाउस ने अमेरिका और भारत ने की ऐतिहासिक व्यापार समझौते (अंतरिम समझौता) की घोषणा शीर्षक से एक दस्तावेज (फैक्ट शीट) सोमवार को जारी किया था। भारत और अमेरिका के पारस्परिक एवं लाभकारी व्यापार से संबंधित अंतरिम समझौते के ढांचे की संयुक्त घोषणा के कुछ दिन बाद व्हाइट हाउस ने इसे जारी किया। इसमें समझौते की प्रमुख शर्तों को उल्लेख किया गया है जैसे कि भारत सभी अमेरिकी औद्योगिक वस्तुओं एवं अमेरिकी खाद्य व कृषि उत्पादों की एक विस्तृत श्रृंखला पर शुल्क समाप्त करेगा या घटाएगा। इनमें ड्राइड डिस्टिलर्स ग्रेन्स, रेड सोरघम, ट्री नट्स, ताजे और प्रसंस्कृत फल, कुछ दालें, सोयाबीन तेल, वाइन और स्पिरिट सहित अन्य उत्पाद शामिल हैं। साथ ही यह कहा गया था कि भारत ने अधिक अमेरिकी उत्पाद खरीदने तथा ऊर्जा, सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी, कृषि, कोयला और अन्य क्षेत्रों में 500 अरब डॉलर से अधिक के अमेरिकी उत्पाद खरीदने की प्रतिबद्धता जताई है। व्हाइट हाउस ने हालांकि मंगलवार को जारी संशोधित दस्तावेज (फैक्ट शीट) में दालों का जिक्र हटा दिया और भारत के लिए प्रयुक्त शब्द प्रतिबद्ध को बदलकर इरादा रखता है (इंटेंड्स) कर दिया गया है। संशोधित दस्तावेज में कहा गया है, भारत सभी अमेरिकी औद्योगिक वस्तुओं व अमेरिकी खाद्य एवं कृषि उत्पादों की एक विस्तृत श्रृंखला पर शुल्क समाप्त या कम करेगा जिनमें ड्राइड डिस्टिलर्स ग्रेन्स (डीडीजी), रेड सोरघम, ट्री नट्स, ताजे व प्रसंस्कृत फल, सोयाबीन तेल, वाइन तथा स्पिरिट और अन्य उत्पाद शामिल हैं। भारत अधिक अमेरिकी उत्पाद खरीदने और 500 अरब डॉलर से अधिक की अमेरिकी ऊर्जा, सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी, कोयला और अन्य उत्पादों की खरीद का इरादा रखता है।

एसएमई की पूंजी बाजार में पहुंच सीमित

- सेबी प्रमुख पांडये ने कहा- सूचीबद्धता से कंपनियों का संचालन हो सकता बेहतर

मुंबई, एजेंसी

सेबी के चेयरमैन तुहिन कांत पांडेय ने बुधवार को कहा कि पिछले कुछ समय में हुए विकास के बावजूद, पूंजी बाजार के नजरिये से लघु एवं मझोले उद्यम (एसएमई) क्षेत्र की पहुंच अभी भी सीमित बनी हुई है। पांडेय ने इंडिया एसएमई वित्तपोषण और निवेश शिखर सम्मेलन में कहा कि सूचीबद्धता से ऐसी छोटी कंपनियों में संचालन व्यवस्था बेहतर हो सकती है।

उन्होंने कहा कि नियामक संस्था को अतीत में इस मोर्चे पर कुछ चुनौतियों का सामना करना पड़ा है। भारत की क्षमता के मुकाबले एसएमई पूंजी बाजार अभी भी सीमित बना हुआ है। कंपनियां पूंजी बाजारों से अपरिचित होने और मर्चेंट बैंकरों तक सीमित पहुंच के कारण बाजार में आने से हिचकिचाती हैं। कुछ वर्षों में सूचीबद्धता में हुई प्रगति का जिक्र करते हुए पांडेय ने कहा कि आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के माध्यम से पूंजी जुटाने की लागत भी एक बाधा हो सकती है। ऐसी कंपनियां खुलासा और अनुपालन को बोझिल मानती हैं और दस्तावेज दाखिल करने संबंधी व्यावहारिक मार्गदर्शन अक्सर अस्पष्ट होता है।

सेबी प्रमुख ने बाजार से पूंजी जुटाने की आवश्यकता पर जोर देते हुए कहा कि ऐसा कदम संचालन व्यवस्था को बेहतर बनाता है, जिससे पूंजी की लागत कम हो सकती है क्योंकि बाजार विश्वसनीयता को पुरस्कृत करते हैं। उन्होंने कहा कि कुछ समय पहले, बाजार से पूंजी प्राप्त करने में एक और बाधा तब उत्पन्न हुई जब कुछ एसएमई ने एसएमई ढांचे के तहत उपलब्ध रियायतों का दुरुपयोग किया। ऐसे मामलों ने एसएमई आईपीओ में निवेशकों के भरोसे को बुरी तरह प्रभावित किया।

1,400 कंपनियां अलग एसएमई एक्सचेंज पर सूचीबद्ध

पांडेय ने कहा कि ऐसे भी मामले सामने आए जहां कुछ एसएमई ने सकारात्मक माहौल बनाने और निवेशकों को अपने शेयर खरीदने के लिए प्रेरित करने को अनुचित व्यापार गतिविधियों का सहारा लिया। सेबी और शेयर बाजार दोनों ने इस पर सुधार किया है। 1,400 कंपनियां अलग से बनाये गये एसएमई स्टॉक एक्सचेंज पर सूचीबद्ध हैं और उनका कुल बाजार पूंजीकरण 4.1 लाख करोड़ रुपये है। इनमें से 350 से अधिक कंपनियां मुख्य शेयर बाजार में स्थानांतरित हो चुकी हैं। पिछले वित्त वर्ष में कंपनियों ने 98 आईपीओ के माध्यम से 9,800 करोड़ रुपये जुटाए। 2025-26 में जनवरी तक 232 सूचीबद्धता के साथ बढ़कर 10,500 करोड़ रुपये हो गया है।

ईसी बिना खदान संचालन पर एनएलसी को कैग ने फटकारा

नई दिल्ली। नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (कैग) ने वैध पर्यावरणीय मंजूरी के बिना अपनी एक खदान का संचालन करने के लिए एनएलसी इंडिया को फटकार लगाई है। कैग ने कहा कि पर्यावरणीय मंजूरी (ईसी) के पुनः सत्यापन को कंपनी के समय पर आवेदन नहीं करने से एनएलसी इंडिया ने माइन-II का संचालन वैध ईसी के बिना किया।

ऑडिट में सामने आया कि अगस्त, 2017 में उच्चतम न्यायालय के आदेश और अप्रैल, 2018 में पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय की अधिसूचना के बाद ईसी पुनः सत्यापन के लिए आवेदन में देरी से खदान में अनधिकृत संचालन हुआ। एनएलसी इंडिया के परिचालन प्रदर्शन पर 2017-18 से 2022-23 की अवधि को शामिल करने वाली ऑडिट रिपोर्ट राज्यसभा और लोकसभा में रखी गई।

देश का प्रत्यक्ष कर संग्रह 9.4% बढ़कर 19.44 लाख करोड़

नई दिल्ली, एजेंसी

चालू वित्त वर्ष में 10 फरवरी तक प्रत्यक्ष कर संग्रह 9.4% बढ़कर 19.44 लाख करोड़ रुपये हो गया। यह बढ़ोतरी कॉरपोरेट कर की बेहतर वसूली और कर रिफंड की धीमी गति का परिणाम है।

आयकर विभाग से बुधवार को जारी आंकड़ों के मुताबिक, शुद्ध कॉरपोरेट कर संग्रह 14.51% बढ़कर 8.90 लाख करोड़ पहुंच गया। वहीं गैर-कॉरपोरेट कर संग्रह, जिसमें व्यक्तिगत आयकर और हिंदू अविभाजित परिवार (एचयूएफ) से मिले कर शामिल हैं, 5.91% बढ़कर 10.03 लाख करोड़ रुपये रहा। शेयरों एवं अन्य प्रतिभूतियों के लेनदेन पर लगाया जाने वाला प्रतिभूति लेनदेन कर (एसटीटी) का संग्रह 1 अप्रैल, 2025 से 10 फरवरी, 2026 के दौरान 50,279 करोड़ रहा। कर रिफंड जारी करने में 18.82% की गिरावट आई और यह घटकर 3.34 लाख करोड़ रहा। रिफंड में कमी से कर संग्रह वृद्धि दर को सहारा मिला।

देश का सकल प्रत्यक्ष कर संग्रह 4.09% बढ़कर 22.78 लाख करोड़ रुपये हो गया। इसमें 10.88 लाख करोड़ का सकल कॉरपोरेट कर और 11.39 लाख करोड़ रुपये का सकल गैर-कॉरपोरेट कर शामिल हैं। सरकार ने संशोधित अनुमान (आरई) में कुल प्रत्यक्ष कर संग्रह 24.84 लाख करोड़ रुपये रहने का अनुमान जताया है।

- आयकर विभाग के मुताबिक, शुद्ध कॉरपोरेट कर संग्रह 14.51% बढ़कर 8.90 लाख करोड़ पहुंचा

राष्ट्रीय

बजट पर चर्चा : लोस में भाजपा-कांग्रेस में ठनी

जिन्हें असत्य बोलने की आदत होती है वे कभी भी टिक नहीं पाते : अनुराग ठाकुर

नई दिल्ली। भाजपा सांसद अनुराग ठाकुर ने बुधवार को लोकसभा में बजट पर चर्चा में भाग लेने के तुरंत बाद राहुल गांधी के सदन से चले जाने को लेकर उनपर निशाना साधते हुए कहा कि जिन्हें असत्य बोलने की आदत होती है वे ज्यादा समय तक टिक नहीं पाते हैं।

ठाकुर ने 2026-27 के बजट पर चर्चा में भाग लेते हुए कहा, पहले यह होता था कि हमारे भाषण के बीच में राहुल सदन से चले जाते थे, लेकिन अब तो यह स्थिति है कि वह पहले ही भाग जाते हैं।' क्योंकि जिन्हें असत्य बोलने की आदत होती है वे ज्यादा देर टिक नहीं पाते हैं। ना उनके आरोप कभी टिक पाए, न ये नेता कभी टिक पाए हैं। भाजपा सांसद ने कहा कि आज भारत विश्व की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है जो भारत के लिए गर्व की और मुस्कुराने की बात है।

उन्होंने नेता प्रतिपक्ष पर कटाक्ष करते हुए कहा, मुझे याद नहीं कि राहुल गांधी पिछली बार कब मुस्कुराये थे। वह 31 जुलाई 2025 को चार बजकर 20 मिनट पर मुस्कुराये थे। जब भारत ने किसी देश के आगे झुकने से मना कर दिया था। किसी ने भारत को तल्खी में डेड इकोनॉमी (मृत अर्थव्यव्यवस्था) कहा था। उन्होंने कहा कि भारत डेड इकोनॉमी नहीं, बल्कि डोमिनेटिंग (दबदबा रखने वाली) इकोनॉमी है।

उन्होंने वोट चोरी के आरोपों पर राहुल पर पलटवार करते हुए कहा, मुझे तो लगता है कि इनकी प्रोग्रामिंग अंकल सैम (अमेरिका सरकार) और अंकल सोरोस (जॉर्ज सोरोस) ने की है। इनमें अंकल सैम का सिम कार्ड और अंकल सोरोस का सिम कार्ड है। उधर से टाइप होता है और इधर से टेलीकास्ट होता है। ठाकुर ने भारत में डेटा सेंटर के लिए बजट प्रस्ताव में 20 साल के लिए कर अवकाश का उल्लेख करते हुए कहा कि इससे भारत में निवेश आएगा, लेकिन राहुल गांधी इसका विरोध कर रहे हैं।

सरकार ने अमेरिका के सामने समर्पण किया, भारत माता को बेच दिया : राहुल

नई दिल्ली। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने अमेरिका के साथ व्यापार समझौते को लेकर बुधवार को आरोप लगाया कि मोदी सरकार ने पूरी तरह समर्पण कर दिया है और उसे शर्म आनी चाहिए कि उसने भारत माता को बेच दिया है।

उन्होंने केंद्रीय बजट पर चर्चा में भाग लेते हुए दावा किया कि प्रधानमंत्री मोदी इस तरह का समझौता करने को विवश हुए क्योंकि अमेरिका ने उनकी गर्दन पकड़ रखी है। कांग्रेस नेता ने टोका-टाकी के बीच यह भी कहा कि भारत-अमेरिका समझौते में देश के किसानों के हितों को कुचला गया, जैसा आज से पहले किसी प्रधानमंत्री ने नहीं किया और आगे भी कोई नहीं करेगा। कांग्रेस नेता ने मोदी और सरकार पर निशाना साधते हुए अमेरिका में एक भारतीय उद्योगपति के खिलाफ दर्ज मामले और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर चर्चित प्रकरण का उल्लेख किया, जिस पर पीठासीन सभापति ने नियमों का हवाला देते हुए कहा कि यह रिकॉर्ड में शामिल नहीं होगा।

संसदीय कार्य मंत्री किरेन रीजीजू ने कहा कि नेता प्रतिपक्ष ने जो आरोप लगाए हैं उन्हें उन आरोपों को सत्यापित करना चाहिए, जिस पर कांग्रेस नेता ने कहा कि वह इसके लिए तैयार हैं। राहुल गांधी ने कहा, मुझे सबसे ज़्यादा हैरानी इस बात पर हुई कि अमेरिका-भारत व्यापार समझौते में क्या हुआ। अगर हम इंडिया गठबंधन (की सरकार में) अमेरिकी राष्ट्रपति से बातचीत कर रहे होते, तो हम साफ़ करते कि इस पूरे समीकरण में सबसे महत्वपूर्ण पूंजी भारतीय डेटा है। अगर डॉलर को सुरक्षित रखना है, तो उसे यह मानना होगा कि भारतीय डेटा रणनीतिक पूंजी है और किसी भी चर्चा को बराबरी पर होना चाहिए, मालिक और नौकर की तरह नहीं। भारत की ऊर्जा सुरक्षा पर कोई समझौता नहीं हो सकता और अमेरिका अपने किसानों की रक्षा करेगा, वहीं हम अपने किसानों की रक्षा करेंगे।

केंद्रीय करों के हिस्सेदारी में से किसी राज्य का हिस्सा नहीं घटाया : सीतारमण

नई दिल्ली, एजेंसी

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने राज्यों को केंद्र से उनकी कर हिस्सेदारी का हस्तांतरण नहीं होने संबंधी कुछ विपक्षी सांसदों के आरोपों को खारिज करते हुए बुधवार को कहा कि सरकार ने केंद्रीय करों के विभाज्य पूल में से किसी राज्य का हिस्सा नहीं घटाया है।

सीतारमण ने लोकसभा में बजट पर हुई चर्चा का जवाब देते हुए कहा कि सरकार ने बजट में पांच मेडिकल क्लस्टर, पांच मेगा औद्योगिक पार्क, बुजुर्गों के देखभाल के लिए पेशेवरों को तैयार करने जैसी कई घोषणाएं की हैं जिनसे लाखों रोजगारों का सृजन होगा। हम पर आरोप है कि हम राज्यों की 41% कर हिस्सेदारी का हस्तांतरण नहीं करते। मैं आश्वासन देती हूं कि हमने केंद्रीय करों में राज्यों को मिलने वाली हिस्सेदारी में से किसी राज्य का हिस्सा नहीं घटाया है। वित्त मंत्री ने कहा कि 16वें वित्त आयोग ने 2018-19 से 2022-23 तक राज्यों की कर हिस्सेदारी का विश्लेषण किया और निष्कर्ष निकाला कि केंद्र से राज्यों को मिलने वाला यह धन आयोग की सिफारिश से मेल खाता है और इसमें कोई कमी नहीं की गई है।

उन्होंने कहा कि अगले वित्त वर्ष में राज्यों को कुल कर हस्तांतरण 25.44 लाख करोड़ रुपये होने का अनुमान है जो चालू वित्त वर्ष की तुलना में 2.07 लाख करोड़ अधिक होगा। संविधान ने केंद्र को उपकर और अधिशेष लगाने का अधिकार दिया है और विभाज्य पूल में वह शामिल नहीं होता है, इसलिए राज्यों की कुल कर हिस्सेदारी की बात करते समय उपकर और अधिशेष संबंधी आरोप अनुचित हैं।

बंगाल में बम चलता है कानून नहीं

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने पश्चिम बंगाल की तृणमूल कांग्रेस सरकार पर करारा प्रहार करते हुए कहा कि बंगाल में बम चलता है, कानून नहीं। सदन में विपक्षी सदस्यों के शोर-गुल के बीच, उन्होंने राज्य में महिलाओं के साथ हुई हालिया घटनाओं का जिक्र करते हुए कहा कि तृणमूल सरकार कानून-व्यवस्था को बेहतर करने के बजाय दोष महिलाओं पर मढ़ रही है। वित्त मंत्री ने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर निशाना साधते हुए कहा, मुख्यमंत्री एक महिला होते हुए भी बोल रही हैं कि अगर महिला, विशेष रूप से लड़की हो तो रात्रि के समय बाहर नहीं जाओ। आप कानून-व्यवस्था को बेहतर नहीं कर रहे हैं, मगर महिला के उपर दोष डालते जा रहे हैं। उन्होंने दुर्गापुर में एमबीबीएस छात्रा के साथ हुए सामूहिक दुष्कर्म की घटना का भी जिक्र किया।

विकसित भारत शिक्षा अधिष्ठान विधेयक

विचार को 31 सदस्यीय संयुक्त समिति का किया गया गठन

नई दिल्ली, एजेंसी

- समिति में दोनों सदनों के सदस्य, प्रावधानों की समीक्षा के बाद रिपोर्ट करेगी प्रस्तुत

उच्च शिक्षा के लिए एकल नियामक बनाने का प्रस्ताव करने वाले विकसित भारत शिक्षा अधिष्ठान विधेयक (वीबीएसए) पर गौर करने के लिए संसद में 31 सदस्यीय संयुक्त समिति का गठन किया गया है, जिसका नेतृत्व बीजेपी सांसद डी. पुरंदेश्वरी करेंगी।

लोकसभा सचिवालय द्वारा मंगलवार को जारी अधिसूचना के अनुसार, इस समिति में दोनों सदनों के सदस्य शामिल हैं और यह प्रस्तावित कानून के प्रावधानों की समीक्षा करने के बाद अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करेगी। संसद में वीबीएसए विधेयक को शीतकालीन सत्र के दौरान पेश किया गया था। यह विधेयक राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 के अनुरूप उच्च शिक्षा नियामक ढांचे में व्यापक बदलाव करने का उद्देश्य रखता है। प्रस्तावित कानून का लक्ष्य विभिन्न मौजूदा नियामकों को एक ही व्यापक संस्था से बदलना और मान्यता, वित्त पोषण और मानक निर्धारण की जिम्मेदारियों को अलग करना है। सरकार ने कहा था कि विपक्षी दलों द्वारा संघवाद, संस्थागत स्वायत्तता और शक्तियों के केंद्रीकरण से जुड़ी चिंता जताने के मद्देनजर परामर्श के लिए वह संयुक्त समिति को भेजना चाहती है।

एअर इंडिया विमान दुर्घटना जांच रिपोर्ट दाखिल करे केंद्र

- केंद्र ने कहा- एएआईबी जांच अंतिम चरण में, कुछ जांच विदेश में किए जाने की जरूरत

नई दिल्ली, एजेंसी

उच्चतम न्यायालय ने 12 जून, 2025 को एअर इंडिया विमान दुर्घटना के मामले में बुधवार को केंद्र से अब तक अपनाए गए प्रक्रियात्मक प्रोटोकॉल पर संक्षिप्त रिपोर्ट दाखिल करने को कहा। अदालत ने यह निर्देश तब दिया जब उसे सूचित किया गया कि हादसे की जांच विमान दुर्घटना जांच बोर्ड (एएआईबी) द्वारा अंतिम चरण में है।

लंदन जा रही एअर इंडिया की बोइंग 787-8 उड़ान एआई171 गुजरात के अहमदाबाद में दुर्घटनाग्रस्त हुई थी, जिसमें 241 यात्री और चालक दल समेत 260 लोग मारे गए। दुर्घटना में गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री विजय रूपाणी की भी मौत हो गई थी। बुधवार को प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ को सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने बताया कि एएआईबी जांच अंतिम चरण में है और कुछ जांच विदेश में किए जाने की जरूरत है। मेहता केंद्र और नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) की तरफ से अदालत में पेश हुए। शीर्ष विधि अधिकारी ने कहा कि मामले पर तीन संबंधित याचिकाओं को व्यापक सुनवाई के लिए तीन सप्ताह के बाद सूचीबद्ध किया जा सकता है। पीठ का शुरू में विचार था कि एएआईबी जांच रिपोर्ट सीलबंद लिफाफे में उसके समक्ष प्रस्तुत की जाए।

एसआईटी के समक्ष पेश हों पूर्व टीडीबी सचिव

शबरिमला सोना चोरी का मामला

उच्चतम न्यायालय ने त्रावणकोर देवस्वोम बोर्ड (टीडीबी) की पूर्व सचिव को शबरिमला सोना चोरी मामले की जांच कर रही विशेष जांच टीम (एसआईटी) के समक्ष पेश होने का निर्देश दिया और उनकी अग्रिम जमानत अवधि भी बढ़ा दी। न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता और एससी शर्मा की पीठ ने पूर्व टीडीबी सचिव एस जयश्री को गिरफ्तारी से दी गई राहत को बढ़ाते हुए उनसे मामले के जांच अधिकारी के समक्ष पेश होने के लिए कहा। न्यायालय ने कहा, प्रतिवादी केरल राज्य के जवाबी हलफनामे के अनुच्छेद 16 में उल्लिखित तथ्यों को ध्यान में रखते हुए, हम याचिकाकर्ता को निर्देश देते हैं कि वह आगे की पूछताछ के लिए 18 फरवरी, 2026 को दोपहर 12 बजे एक बार फिर जांच अधिकारी के समक्ष उपस्थित हो। पूर्व में दी गई अंतरिम सुरक्षा अगली सुनवाई की तारीख तक जारी रहेगी। इसने मामले को 20 फरवरी के लिए सूचीबद्ध करने का निर्देश दिया। शीर्ष अदालत ने 18 दिसंबर, 2025 को जयश्री की स्वास्थ्य स्थिति को ध्यान में रखते हुए उन्हें गिरफ्तारी से सुरक्षा प्रदान करते हुए, उन्हें 8-9 जनवरी को जांच अधिकारी के समक्ष पेश होने का निर्देश दिया। द्वारपालक (संरक्षक देवता) की मूर्ति की परतों से सोने की चोरी से संबंधित मामले में चौथी आरोपी जयश्री, 2019 में टीडीबी की सचिव थीं।

यूएपीए पर रिपोर्ट दाखिल करे एनआईए

उच्चतम न्यायालय ने बुधवार को राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) को निर्देश दिया है कि वह पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद जिले में हुई हिंसा और अशांति से संबंधित मामले में आतंकवाद से जुड़े कठोर प्रावधानों वाले गैर कानूनी गतिविधि रोकथाम अधिनियम (यूएपीए) के इस्तेमाल का औचित्य स्पष्ट करते हुए कलकत्ता उच्च न्यायालय में सीलबंद लिफाफे में रिपोर्ट दाखिल करे। पश्चिम बंगाल सरकार की अपील का निस्तारण करते हुए प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने राज्य सरकार को मुर्शिदाबाद हिंसा मामले में एनआईए की जांच के खिलाफ अपनी शिकायतों के साथ उच्च न्यायालय में जाने के लिए भी कहा।

हिमंत से जुड़ी याचिका होगी सूचीबद्ध

उच्चतम न्यायालय ने बुधवार को चार लोगों द्वारा दायर एक और याचिका पर विचार करने पर सहमति व्यक्त की, जिसमें असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा के खिलाफ राज्य में मुसलमानों को निशाना बनाने वाले कथित नफरती भाषणों के मामले में निर्देश देने का अनुरोध किया गया है। मंगलवार को प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ ने मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) और सीपीआई नेता एनी राजा की एक अलग याचिका पर सुनवाई के लिए सहमति दे दी। इसमें एक वायरल वीडियो को लेकर मुख्यमंत्री के खिलाफ कार्रवाई का अनुरोध किया गया है। वीडियो में हिमंत को मुस्लिमों पर राइफल से गोली चलाते हुए दिखाया गया था।

वर्ल्ड ब्रीफ

फिलीपींस में जहाज डूबने से मरने वालों की संख्या 52 हुई

फिलीपींस। फिलीपींस के बेसिलन प्रांत के पास यात्री-मालवाहक जहाज 'त्रिशा कर्स्टन 3' के डूबने से 52 लोगों की मौत हो गई है। फिलीपीन कोस्ट गार्ड (पीसीजी) ने तकनीकी गोताखोर टीमों के चल रहे प्रयासों का हवाला देते हुए बताया कि गोताखोरों ने मंगलवार तड़के बालुक-बालुक द्वीप के पास खोज और बचाव अभियान के दौरान एक और शव बरामद किया। कुल मिलाकर 316 लोगों को बचा लिया गया है, जबकि बचाव दल अभी भी शेष पीड़ितों की तलाश में जुटे हैं। यह जहाज 26 जनवरी की रात बेसिलन से लगभग एक समुद्री मील की दूरी पर डूब गया था, जिसमें 332 यात्री और चालक दल के 27 सदस्य सवार थे। अधिकारियों ने कहा कि डूबने का संभावित कारण तकनीकी खामी थी।

धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने में सिंगापुर में भारतीय को सजा

सिंगापुर। सिंगापुर की एक अदालत ने बुधवार को भारतीय मूल के एक व्यक्ति को धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने और एक सार्वजनिक अधिकारी के खिलाफ अपशब्दों का प्रयोग करने के आरोप में 14 सप्ताह की जेल की सजा सुनाई। चैनल न्यूज एशिया (सीएनए) की रिपोर्ट के अनुसार 36 वर्षीय विकनेस्वरन वी मोगनावल ने धार्मिक सद्भाव बनाए रखने के अधिनियम के तहत एक आरोप और एक लोक सेवक के खिलाफ अपशब्दों का प्रयोग करने के दूसरे आरोप में दोषी होने की बात स्वीकार कर ली है। वह इसलिए नाराज था क्योंकि उसके पड़ोसी के बच्चे अक्सर उसके अपार्टमेंट के पास वाले साझा गलियारे में खेलते थे। उसकी पड़ोसी अपने पति, तीन बच्चों, सास, बहन और एक नौकरानी के साथ वहीं रहती थी।

तनाव कम करने के लिए यूनान और तुर्किए के नेता करेंगे वार्ता

अंकारा। यूनान के प्रधानमंत्री क्यारियाकोस मित्सोताकिस बुधवार को तुर्किए की यात्रा के लिए रवाना हुए, जहां दोनों देशों के बीच वार्ता होने की उम्मीद है। यह यात्रा ऐसे समय में संवाद बनाए रखने के प्रयासों का हिस्सा है जब दोनों प्रतिद्वंद्वी देशों के बीच तनाव बढ़ रहा है। वरिष्ठ मंत्रियों के एक प्रतिनिधिमंडल के साथ आने वाले मित्सोताकिस तुर्किए के राष्ट्रपति रजब तैयब एर्दोआन से मुलाकात करेंगे। यह वार्ता उच्च स्तरीय सहयोग परिषद के तहत एक पहल है जिसे नाटो के दोनों सहयोगियों के बीच संबंधों को बेहतर बनाने के लिए शुरू किया गया था। यूनान और तुर्किये के बीच समुद्री सीमाओं, साइप्रस और पूर्वी भूमध्य सागर में 'ड्रिलिंग' अधिकारों सहित कई मुद्दों पर मतभेद बना हुआ है।

श्रीलंकाई सांसद की हत्या के मामले में 12 को मौत की सजा

कोलंबो, एजेंसी

● बेगमपुर इलाके में हुआ हादसा पुलिस ने दर्ज किया मामला

श्रीलंका की गम्पाहा हाईकोर्ट ने बुधवार को वर्ष 2022 में तत्कालीन सांसद अमरकीर्ति अथुकोराला और उनके सुरक्षा अधिकारी की हत्या के मामले में 12 व्यक्तियों को दोषी करार देते हुए मौत की सजा सुनाई। यह फैसला एक लंबी सुनवाई के बाद आया है, जिसमें इन हत्याओं के संबंध में कुल 42 लोगों को आरोपित किया गया था।

मौत की सजा के अलावा, अदालत ने चार अन्य व्यक्तियों को छह महीने की जेल की सजा सुनाई है। अन्य 23 आरोपियों को अदालत ने बरी कर दिया। रिपोर्टों के अनुसार, मई 2022 में देशव्यापी अशांति के दौरान सांसद और उनके सुरक्षा अधिकारी ने प्रदर्शनकारियों की एक आक्रोशित भीड़ पर उस समय गोलियां चला दी थीं, जब वे उनके वाहन को रोक रहे थे। इस घटना में दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए थे। उसी दिन बाद में सांसद और उनके सुरक्षाकर्मी पास की एक इमारत के अंदर मृत पाए गए थे।

साइबर ठगों को सिस्टम का साथ

डिजिटल 'डकैती'

डिजिटल अरेस्ट के जरिए 54,000 करोड़ रुपये से भी ज्यादा की ठगी को हाल ही में सुप्रीम कोर्ट ने डकैती करार दिया है। यह निराशाजनक ही है कि साइबर ठगी यह तरीका कई वर्षों से इस्तेमाल किया जा रहा है लेकिन देश का गृह विभाग इसे रोकने के लिए कोई ठोस कदम नहीं उठा पाया है। रिकॉर्ड के अनुसार देश में डिजिटल अरेस्ट की घटनाओं का इतिहास करीब पांच साल पुराना हो चुका है। साल दर साल इन घटनाओं में बेहद तेज वृद्धि हुई है। इस बीच सबसे ज्यादा चिंताजनक यह है कि ठगी के कुछ मामलों में बैंक और टेलीकॉम अफसरों की साठगांठ भी सामने आई है। डिजिटल अरेस्ट की घटनाओं में अपराधियों तक पहुंचने में पुलिस की कामयाबी की दर भी बेहद मामूली है। इसके साथ यह भी सवाल उठने लगे हैं कि देश में डिजिटल क्रांति पर जोर देने के साथ लोगों को ठगी से बचाने के लिए पर्याप्त उपाय नहीं किए गए हैं।

डिजिटल अरेस्ट की शुरुआत

- लोगों को वीडियो कॉल कर डिजिटल अरेस्ट के जरिए ठगी के मामले 2021 में आने शुरू हुए और बाद में तेजी से इनकी संख्या बढ़ी।
- डिजिटल अरेस्ट में मनोवैज्ञानिक दबाव और वीडियो विजुअल्स की मदद ली गई जो जामतारा जैसे ठगी के केंद्रों से विकसित हुआ।
- भारत सरकार के आंकड़ों के अनुसार 2022 में 40,000 केस दर्ज किए गए थे जो 2024 तक बढ़कर 1.23 लाख से अधिक हो गए।
- नेशनल साइबर क्राइम रिपोर्टिंग पोर्टल के अनुसार 2024 में तीन गुना वृद्धि हुई, शुरू के 4 महीनों में ही 120.30 करोड़ की ठगी हुई।

अंतर्राष्ट्रीय नेटवर्क और तकनीक

- जांच में पाया गया कि ठग गिरोहों के तार दक्षिण-पूर्वी एशियाई देशों जैसे कंबोडिया, म्यांमार, लाओस और थाईलैंड से जुड़े हैं।
- हाल के वर्षों में अपराधियों ने एआई का उपयोग करके पुलिस अधिकारियों की आवाज और चेहरे की नकल करनी शुरू की है।

बैंक अधिकारियों की साठगांठ

- दिल्ली में येस बैंक के दो अफसर गिरफ्तार किए गए, जिन्होंने फर्जी खाते खोले ताकि पैसे को लाउंडर किया जा सके।
- कमीशन लेकर फर्जी खाते खोलने पर हैदराबाद और बेंगलुरु में एयू स्मॉल फाइनेंस, बंधन बैंक शाखा प्रबंधक पकड़े गए।
- तेलंगाना में ऑपरेशन इनसाइडर के तहत कई बैंक अफसर पकड़े गए जो खाते खोलकर अपराधियों की मदद कर रहे थे।
- वोडाफोन के एरिया सेल्स मैनेजर ने साइबर ठगों को 21,000 सिम मुहैया कराए, जिसे दिल्ली में सीबीआई ने गिरफ्तार किया।

हैरतअंगेज मामले

- चेन्नई में विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय के पूर्व केंद्रीय सचिव पद्म भूषण सम्मानित टी. रामासामी को डिजिटल अरेस्ट कर ठगों ने 57 लाख की ठगी की।
- अगस्त 2024 में ठगों ने पद्म भूषण से सम्मानित वर्धमान ग्रुप के एसपी ओसवाल को सीबीआई अफसर बनकर डिजिटल अरेस्ट किया और 7 करोड़ ठग लिए।
- चंडीगढ़ में रिटायर्ड कर्नल और उनकी पत्नी से 3.4 करोड़ रुपये की ठगी हुई।

डिजिटल क्रांति में सुरक्षा की कमी

- भारत का पहला व्यापक डिजिटल कानून डिजिटल क्रांति के कई वर्षों बाद आया। इसके नियम अभी भी पूरी तरह लागू होने की प्रक्रिया में हैं। इस देरी ने ठगों को बड़ा अवसर मुहैया कराया।
- टेलीकॉम और बैंकिंग कर्मचारी ही सुरक्षा प्रोटोकॉल को दरकिनार कर रहे हैं, जो सिस्टम की बड़ी कमजोरी है। रिजर्व बैंक ने भी स्वीकार किया है कि म्यूल खाते खोलने के पीछे साठगांठ है।
- ठग अत्याधुनिक एआई और डीपफेक उपयोग कर रहे हैं जबकि देश के कई राज्यों में साइबर पुलिस के पास पुराना बुनियादी ढांचा है और वह विशेषज्ञों की भारी कमी से जूझ रही है।

आपसी मतभेदों को रणनीतिक और दीर्घकालिक दृष्टिकोण से देखे भारत

दोनों देशों के बीच विदेश सचिव स्तर की वार्ता के बाद चीन ने दिया जोर

बीजिंग, एजेंसी

भारत ने संवेदनशील मुद्दों पर चिंता जताई

इस वार्ता पर विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि दोनों पक्षों ने द्विपक्षीय संबंधों में सकारात्मक गति की समीक्षा की और लोगों के बीच आदान-प्रदान को बढ़ाकर तथा संवेदनशील मुद्दों पर चिंताओं को दूर करके संबंधों को आगे बढ़ाने के तरीकों पर चर्चा की। जायसवाल ने संवेदनशील मुद्दों के बारे में विस्तार से नहीं बताया, लेकिन समझा जाता है कि भारतीय पक्ष दुर्लभ पृथ्वी खनिजों से संबंधित चीन के निर्यात नियंत्रण उपायों को लेकर चिंतित है। मिसरी और झाओक्सू की वार्ता पर भारतीय पक्ष की ओर से जारी बयान में कहा गया कि चर्चा मुख्य रूप से द्विपक्षीय संबंधों को स्थिर करने और पुनर्निर्माण में हालिया प्रगति तथा आगे संपर्क बढ़ाने के उपायों पर केंद्रित रही। दोनों पक्षों ने इस बात पर जोर दिया कि सीमा क्षेत्रों में शांति और स्थिरता द्विपक्षीय संबंधों की समग्र प्रगति के लिए अत्यंत आवश्यक है।

चीन के विदेश मंत्रालय ने नR दिल्ली में भारत के साथ मंगलवार को हुई रणनीतिक वार्ता पर मंगलवार को कहा कि दोनों देशों को अपने संबंधों को रणनीतिक एवं दीर्घकालिक दृष्टिकोण से देखना चाहिए, साथ ही मतभेदों को उचित तरीके से सुलझाना चाहिए और सहयोग बढ़ाना चाहिए। विदेश सचिव विक्रम मिसरी और उनके चीनी समकक्ष मा झाओक्सू ने भारत-चीन रणनीतिक वार्ता की, जिसमें द्विपक्षीय संबंधों के सभी पहलुओं पर चर्चा हुई।मा झाओक्सू भारत में 'ब्रिक्स' शेरपा बैठक में भाग लेने आए हैं।

चीन के विदेश मंत्रालय की ओर से मिसरी और झाओक्सू के बीच बातचीत पर कहा गया कि दोनों पक्षों ने अंतरराष्ट्रीय और क्षेत्रीय स्थिति, दोनों देशों की आंतरिक एवं बाहरी नीतियों, साझा हितों से जुड़े क्षेत्रीय एवं वैश्विक मुद्दों तथा चीन-भारत संबंधों पर मित्रतापूर्ण, स्पष्ट और गहन संवाद किया। दोनों पक्षों ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय स्थिति में जटिल और गहरे बदलावों को देखते हुए भारत और चीन को मिलकर काम करना चाहिए तथा चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बीच बनी महत्वपूर्ण समझ को गंभीरता से लागू करना चाहिए। बयान में कहा गया है कि दोनों नेताओं के बीच बनी समझ के अनुसार, दोनों देशों को यह रणनीतिक धारणा बनाए रखनी चाहिए कि भारत और चीन प्रतिद्वंद्वी नहीं बल्कि सहयोगी साझेदार हैं और दोनों एक-दूसरे के लिए विकास का अवसर हैं, खतरा नहीं।

चीन ने कहा कि दोनों देशों को आपसी विश्वास को मजबूत करना चाहिए, सहयोग बढ़ाना चाहिए, मतभेदों को सही तरीके से सुलझाना चाहिए और संबंधों को स्थिर एवं सही दिशा में आगे बढ़ाना चाहिए। दोनों पक्षों ने 2026 और 2027 में ब्रिक्स अध्यक्षता के दौरान एक-दूसरे के कार्यों का समर्थन करने पर सहमति जताई। इसके अलावा दोनों पक्षों ने बहुपक्षवाद, संयुक्त राष्ट्र की केंद्रीय भूमिका, 'ग्लोबल साउथ' में एकता एवं सहयोग को मजबूत करने, अंतरराष्ट्रीय न्याय एवं निष्पक्षता की रक्षा करने, बहुध्रुवीय विश्व के लिए मिलकर काम करने तथा एशिया और विश्व में शांति एवं विकास में योगदान देने पर सहमति जताई।

बीजिंग में भारत और अमेरिका के राजदूतों की मुलाकात

बीजिंग। चीन में भारत के राजदूत प्रदीप रावत और उनके अमेरिकी समकक्ष डेविड पर्ड्यू ने बीजिंग में मुलाकात की और अमेरिका-भारत संबंधों एवं साझा हितों पर चर्चा की। पर्ड्यू ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, रक्षा, ऊर्जा, महत्वपूर्ण खनिजों पर घनिष्ठ सहयोग और क्वाड की भागीदारी के माध्यम से अमेरिका-भारत संबंध वास्तविक परिणाम देते हैं। उन्होंने कहा, अपने मित्र राजदूत रावत से मिलकर हमारी साझा रुचियों पर चर्चा करना हमेशा ही बहुत अच्छा अनुभव रहता है। दिसंबर के बाद से यह उनकी दूसरी बैठक है। रावत, पर्ड्यू और चीन में जापानी राजदूत केंजी कानासुगी ने पिछले साल दिसंबर में अमेरिकी दूतावास में मुलाकात की थी।

बांग्लादेश में आम चुनाव आज, 50% से ज्यादा मतदान केंद्र संवेदनशील

● सीसीटीवी कैमरे लगाए गए, बॉडी कैमरे से लैस पुलिसकर्मी तैनात

ढाका, एजेंसी

आम चुनाव की पूर्व संध्या पर ढाका में मतपेटियां तैयार करता एक कर्मचारी।

बांग्लादेश में बृहस्पतिवार को होने जा रहे आम चुनाव के लिए आधे से अधिक मतदान केंद्रों को संवेदनशील के रूप में चिह्नित किया गया है। अधिकारियों के मुताबिक इनमें से 90 प्रतिशत मतदान केंद्र सीसीटीवी कैमरों की निगरानी में रहेंगे। राजधानी ढाका में बॉडी कैमरों से लैस पुलिसकर्मियों को तैनात किया गया है।

अधिकारियों ने बताया कि निर्वाचन आयोग की सुरक्षा प्रणाली जोखिम मूल्यांकन पर आधारित है। निर्वाचन आयुक्त अबुल फजल मोहम्मद सनाउल्लाह ने मंगलवार देर रात संवाददाता सम्मेलन में कहा, स्थानीय स्तर पर संवेदनशीलता के आकलन के आधार पर सुरक्षा व्यवस्था की जा रही है। निर्वाचन आयोग के अधिकारियों ने कहा कि इन चुनाव में देश के चुनावी इतिहास में कानून प्रवर्तन कर्मियों की अब तक की सबसे बड़ी तैनाती और प्रौद्योगिकी का सबसे व्यापक उपयोग देखने को मिलेगा। सनाउल्लाह ने कहा कि निर्वाचन आयोग को उम्मीद है कि कानून प्रवर्तन एजेंसी मतदान के दौरान और चुनाव के बाद मतदाताओं के लिए शांतिपूर्ण माहौल सुनिश्चित करेंगी।

उन्होंने कहा कि निर्वाचन आयोग कानून-व्यवस्था की मौजूदा स्थिति से काफी हद तक संतुष्ट है और पहले की तुलना में हम अब बेहतर स्थिति में हैं। उनकी यह टिप्पणी पुलिस महानिरीक्षक बहारुल आलम के उस बयान के कुछ देर बाद आई है जिसमें उन्होंने कहा था कि देश भर में लगभग 43,000 मतदान केंद्रों में से 24,000 मतदान केंद्र उच्च या मध्यम जोखिम वाले मतदान केंद्र पाए गए हैं।

मुख्य मुकाबला बीएनपी और जमात के बीच

बांग्लादेश में एक जटिल 84 सूत्री सुधार पैकेज पर जनमत संग्रह के साथ आम चुनाव हो रहे हैं। मुख्य मुकाबला बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) और उसके पूर्व सहयोगी जमात-ए-इस्लामी के बीच है। मुख्य सलाहकार मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार ने अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना की अवामी लीग को पिछले साल भंग कर दिया था और पार्टी के चुनाव लड़ने पर रोक लगा दी थी। बांग्लादेश में बृहस्पतिवार को संसदीय चुनाव होंगे।

भारत-पाकिस्तान के बीच मार गिराए गए थे 10 विमान : ट्रंप

न्यूयॉर्क/वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक बार फिर यह दावा दोहराया कि उन्होंने पिछले साल भारत और पाकिस्तान के बीच सैन्य टकराव को टैरिफ की धमकी देकर रोक दिया था जो परमाणु युद्ध में बदल सकता था। उन्होंने कहा, इस संघर्ष में उनके हस्तक्षेप करने तक 10 विमान मार गिराए गए थे।

ट्रंप ने मंगलवार को एक साक्षात्कार में कहा, मैंने आठ युद्ध रुकवाए। इनमें से छह टैरिफ के कारण सुलझे। जैसे भारत और पाकिस्तान। मैंने कहा कि अगर आप यह युद्ध नहीं रोकते हैं तो मैं आप पर टैरिफ लगा दूंगा क्योंकि मैं नहीं चाहता कि लोग मारे जाएं। अमेरिका के राष्ट्रपति ने कहा, उन्होंने पूछा कि युद्ध का टैरिफ से क्या लेना-देना। ट्रंप ने पाकिस्तान के प्रधानमंत्री के उस बयान का भी जिक्र किया जिसमें उन्होंने कहा था, ट्रंप ने हमें लड़ाई रोकने के लिए राजी करके कम से कम एक करोड़ लोगों की जान बचाई।

पेजेश्कियान ने प्रदर्शनों पर खूनी कार्रवाई के पीड़ितों से माफी मांगी

दुबई, एजेंसी

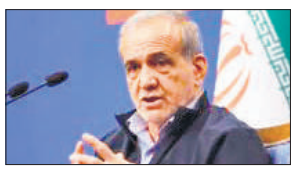

● देशव्यापी प्रदर्शनों पर पश्चिमी देशों के दुष्प्रचार की निंदा की

ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियान ने देशव्यापी प्रदर्शनों और उसके बाद हुई खूनी कार्रवाई से पीड़ित सभी लोगों से बुधवार को माफी मांगी। हालांकि, राष्ट्रपति ने प्रदर्शनों को लेकर फैलाए कथित पश्चिमी दुष्प्रचार की भी निंदा की।

पेजेश्कियान ने कहा कि वह प्रदर्शनों और उनके खिलाफ कार्रवाई के दौरान हुए लोगों के गहरे दुख को समझते हैं लेकिन उन्होंने सीधे तौर पर यह स्वीकार नहीं किया कि इस रक्तपात में ईरानी सुरक्षा बलों की भूमिका थी। उन्होंने कहा, हम जनता के सामने शर्मिंदा हैं और इन घटनाओं में जिन लोगों को नुकसान पहुंचा है, उनकी सहायता करना हमारा कर्तव्य है। हम जनता से टकराव नहीं चाहते। पेजेश्कियान ने यह भी जोर देकर कहा कि उनका देश परमाणु हथियार हासिल करने की कोशिश नहीं कर रहा और वह किसी भी तरह की जांच के लिए तैयार हैं।

उनकी यह टिप्पणी ईरान की 1979 की इस्लामी क्रांति की वर्षगांठ पर आयोजित समारोह में आई। ईरान इस समय अपने परमाणु कार्यक्रम को लेकर अमेरिका के साथ बातचीत के दौर में है। हालांकि, यह अभी स्पष्ट नहीं है कि कोई परमाणु समझौता हो पाएगा या नहीं। ट्रंप ने ईरान पर दबाव बनाने के लिए एक और विमानवाहक पोत भेजने की धमकी दी है। इस बीच, संयुक्त राष्ट्र की परमाणु निगरानी संस्था अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी कई महीनों से ईरान के परमाणु भंडार का निरीक्षण और सत्यापन करने में असमर्थ रही है।

ट्रंप के अलावा किसी ने नहीं कहा रूस से तेल खरीदना बंद करेगा भारत

● लावरोव ने कहा- रूस भारत के साथ संबंधों को लेकर हरसंभव प्रयास करने को तैयार

मास्को। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के अलावा किसी ने भी यह नहीं कहा है कि भारत, रूस से तेल खरीदना बंद कर देगा। रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने बुधवार को देश की संसद में यह बात कही। रूस ने अमेरिका पर भारत और अन्य देशों को उससे तेल खरीदने से रोकने का प्रयास करने का आरोप लगाया था, जिसके दो दिन बाद लावरोव की यह टिप्पणी आई है।

रूस का कहना है कि वाशिंगटन टैरिफ, प्रतिबंध और सीधे रोक सहित कई तरह के दबावपूर्ण कदम उठा रहा है। लावरोव ने बुधवार को स्टेट ड्यूमा (निचले सदन) में एक सांसद के प्रश्न का उत्तर देते हुए कहा, आपने उल्लेख किया कि ट्रंप ने भारत की रूस से तेल न खरीदने की सहमति की घोषणा की है। मैंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी या किसी अन्य भारतीय नेता से ऐसा कोई बयान नहीं सुना है। लावरोव ने उल्लेख किया कि विदेश मंत्री एस जयशंकर ने नई दिल्ली में शेरपाओं की पहली बैठक में कहा था कि ऊर्जा सुरक्षा ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के प्रमुख मुद्दों में से एक होगी, जिसमें रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के शामिल होने की उम्मीद है। भारत 2026 में ब्रिक्स शिखर सम्मेलन की अध्यक्षता करेगा।

लावरोव ने कहा कि दिसंबर 2025 में राष्ट्रपति पुतिन की भारत यात्रा ने मॉस्को और नई दिल्ली के बीच संबंधों को समृद्ध किया है।

गलत बाल काटने पर मुआवजा राशि दो करोड़ से घटाकर 25 लाख की

● सुप्रीम कोर्ट ने पलटा राष्ट्रीय उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग का फैसला

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली के आईटीसी मौर्या होटल के सैलून में गलत बाल काटने पर एक महिला को दी जाने वाली मुआवजा राशि को दो करोड़ रुपये से घटाकर 25 लाख रुपये कर दिया है। न्यायमूर्ति राजेश बिंदल और न्यायमूर्ति मनमोहन की पीठ ने फैसला सुनाते हुए कहा, बेशक सेवा में खामी सिद्ध हुई है, फिर भी उपभोक्ता विवादों में मुआवजा सिर्फ शिकायतकर्ता की मांग या हठ पर तय नहीं किया जा सकता।

न्यायमूर्ति बिंदल ने फैसले में कहा, दावा जब करोड़ों रुपये का हो तो मुआवजा देने के लिए कुछ ठोस सबूत पेश करना जरूरी है। मुआवजे का दावा करोड़ों रुपये का था, जिसके लिए यह साबित करना आवश्यक था कि सेवा में कमी के कारण प्रतिवादी को कुछ आर्थिक नुकसान हुआ। इसे केवल दस्तावेजों की फोटोकॉपी पेश करके साबित नहीं किया जा सकता।

यह था मामला

अप्रैल 2018 में प्रबंधन पेशेवर अशना रॉय दिल्ली के आईटीसी मौर्या होटल के सैलून गई थीं। रॉय ने आरोप लगाया कि हेयर स्टाइलिस्ट ने उनके कहने के विपरीत बाल छोटे काट दिए, जिससे उन्हें मानसिक आघात लगा और करियर के अवसरों से हाथ धोना पड़ा। एनसीडीआरसी ने शुरू में उन्हें दो करोड़ रुपये दिए जाने का फैसला सुनाया था।

आज का भविष्यफल

-पं. मनोज कुमार द्विवेदी

आज की ग्रह स्थिति : 12 फरवरी, गुरुवार 2026 संवत-2082, शक संवत 1947 मास-फाल्गुन, पक्ष-कृष्ण पक्ष, दशमी 12.22 तक तत्पश्चात एकादशी।

आज का पंचांग

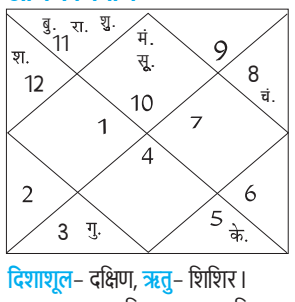

दिशाशूल- दक्षिण, **ऋतु**- शिशिर।
चन्द्रबल- वृषभ, मिथुन, कन्या, वृश्चिक, मकर, कुंभ।
ताराबल- अश्विनी, भरणी, रोहिणी, आर्द्रा, पुष्य, आश्लेषा, मघा, पूर्वा फाल्गुनी, हस्त, स्वाति, अनुराधा, ज्येष्ठा, मूल, पूर्वाषाढ़ा, श्रवण, शतभिषा, उत्तराभाद्रपद, रेवती।
नक्षत्र-ज्येष्ठा 13.42 तक तत्पश्चात मूल।

मेष — आज महिलाओं को अपना व्यवहार संयमित रखना चाहिए। मन में अनेक प्रकार के विचार एक साथ आएंगे। गूढ़ विषयों के अध्ययन के लिये प्रेरित हो सकते हैं। लोगों से अधिक सलाह न लें वरना अनावश्यक भ्रमित हो जाएंगे।

वृष — आज आपके रुके हुए कार्य गतिशील होने की संभावना है। नई तकनीक के प्रति जिज्ञासु रहेंगे। परिश्रम का बेहतरीन परिणाम प्राप्त होगा। आंखों में परेशानी और सिरदर्द की समस्या हो सकती है। जीवनसाथी की भावनाओं को समझें।

मिथुन — आज आपकी सलाह से लोगों को अत्यधिक लाभ मिलेगा। अचल संपत्ति की खरीदी का विचार मन में आएगा। कार्यक्षेत्र में कड़ी प्रतिस्पर्धा का सामना करना पड़ेगा। सरकारी जॉब कर रहे लोगों को पदोन्नति मिल सकती है।

कर्क — आज दोपहर के बाद का समय आपके लिए अत्यंत सुखद रहने वाला है। आप लंबी दूरी की यात्रा कर सकते हैं। अटके हुए धन का लाभ आपको मिलेगा। आपकी दिनचर्या अव्यवस्थित रहने वाली है। कार्यक्षेत्र में आपको सुधार करना पड़ेगा।

सिंह — आज मन में साहसिक कार्य करने की इच्छाशक्ति जागृत होगी। अपनी कमियों को लेकर थोड़े कुंठित हो सकते हैं। अहंकारी व्यवहार के कारण स्वजन आपसे नाराज हो सकते हैं। अधिकारी वर्ग से अपना व्यवहार अच्छा रखें।

कन्या — आज अधीनस्थ कर्मचारी आपसे अत्यधिक प्रसन्न रहने वाले हैं। दूर के स्थानों की यात्रा करने के योग बन रहे हैं। नए कारोबार में आप निवेश कर सकते हैं। मीडिया और प्रकाशन समूह से जुड़े लोगों को आर्थिक लाभ प्राप्त होगा।

तुला — आज विवाहेतर संबंधों से दूरी बनाकर रखें। क्रोध पर नियंत्रण रखें। आपको कठोर निर्णय लेने पड़ेंगे। लोगों के लिए आप प्रेरणा का केन्द्र बनेंगे। घर का वातावरण बहुत ही सुखमय रहेगा। कड़वी भाषा का प्रयोग करना उचित नहीं है।

वृश्चिक — आज रचनात्मक कार्यों में आप रुचि लेंगे। परिवार में सभी आपसे अत्यंत प्रसन्न रहेंगे। किसी मांगलिक कार्यक्रम की योजना बना सकते हैं। आप जो भी काम हाथ में लेंगे उसे पूरा करके ही दम लेंगे। कार्यक्षेत्र में आपके प्रदर्शन की प्रशंसा होगी।

धनु — आज पहले की गई गलती का खामियाजा आपको भुगतना पड़ेगा। आर्थिक मामलों को लेकर आप थोड़े परेशान रहेंगे। अपना मन सदैव शान्त रखें। घरेलू खर्च को लेकर आपका बजट गड़बड़ा सकता है। स्वार्थी लोग आपके संपर्क में रहेंगे।

मकर — आज दिन की शुरुआत किसी शुभ खबर से होगी। आपके कार्य की गुणवत्ता में वृद्धि होगी। प्रेमीजन के साथ मतभेद दूर होंगे। गलत बातों में अपना समय बर्बाद न करें। व्यवसाय में आपको अपेक्षा से अधिक धन लाभ होगा। प्रेम संबंधों को पर्याप्त समय देंगे।

कुंभ — आज सरकारी नौकरी कर रहे लोगों का मन काम में नहीं लगेगा। कारोबार में आपको बड़ा ऑर्डर मिल सकता है। रोग प्रतिरोधक क्षमता में कमी होने के कारण मौसमी बीमारियों की चपेट में आ सकते हैं। अपने काम के प्रति निष्ठावान रहें। मन में संतुष्टि का भाव रहेगा।

मीन — आज अनर्गल कार्यों में अधिक ध्यान न लगाएं। सहकर्मी आपकी अत्यधिक सहायता करेंगे। व्यवसाय में आकस्मिक धन हानि झेलनी पड़ सकती है। धार्मिक कार्यों में आपका मन नहीं लगेगा। पिता के किसी निर्णय से आप नाराज हो सकते हैं।

सुडोकू-59

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

		1			4		7	
				3				5
2					9			
6	5			7			8	
			1		8			
	1			6			9	2
			7					8
9				4		3		
	8		3			1		

सुडोकू - 58 का हल

6	1	9	2	5	4	7	3	8
7	2	4	3	8	6	1	9	5
3	5	8	1	9	7	6	2	4
1	6	7	5	3	9	4	8	2
2	4	3	6	7	8	9	5	1
8	9	5	4	2	1	3	6	7
4	3	6	8	1	2	5	7	9
9	8	1	7	6	5	2	4	3
5	7	2	9	4	3	8	1	6

भारतीय टीम 15 फरवरी को पाकिस्तान के खिलाफ होने वाले मुकाबले के लिए उत्साहित हैं। हम खेलने के लिए तैयार हैं। हम सभी टीमों पर नजर रखे हैं। हम गेंदबाजों को और बल्लेबाजों को देख रहे हैं।
–तिलक वर्मा

स्टेडियम

बरेली, गुरुवार, 12 फरवरी 2026

अमृत विचार

www.amritvichar.com

अभिषेक की तबीयत खराब होने से मेजबान टीम चिंतित

नई दिल्ली, एजेंसी

मौजूदा चैंपियन भारत को गुरुवार को यहां होने वाले टी20 विश्व कप मैच में नामीबिया से किसी तरह का खतरा नहीं है लेकिन सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा के पेट के संक्रमण के कारण मुख्य कोच गौतम गंभीर सहित टीम प्रबंधन चिंतित होगा क्योंकि इससे उसकी योजनाओं पर विपरीत प्रभाव पड़ सकता है।

अमेरिका के खिलाफ पहले मैच में वानखेड़े की चिपचिपी पिच पर बल्लेबाज अपेक्षित प्रदर्शन नहीं कर पाए थे। अब उन्हें फिरोज शाह कोटला की पिच पर आक्रामक खेल दिखाना चाहेगा, जिसे बल्लेबाजी के लिए बेहतरीन पिच कहा जा सकता है। नामीबिया के खिलाफ भारत का पलड़ा बहुत भारी है जिसकी टीम इसी मैदान पर नीदरलैंड के खिलाफ अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाई थी। इस तरह से देखा जाए तो भारत के लिए पाकिस्तान के खिलाफ 15 फरवरी को होने वाले महत्वपूर्ण मैच से पहले यह मैच अभ्यास मैच की तरह है। भारत अगर टॉस जीतता है तो वह पहले बल्लेबाजी करना चाहेगा ताकि उसके बल्लेबाजों को पर्याप्त अवसर मिल सके। नामीबिया का

टीम

भारत : सूर्यकुमार यादव (कप्तान), अभिषेक शर्मा, संजू सैमसन (विकेटकीपर), ईशान किशन (विकेटकीपर), तिलक वर्मा, हार्दिक पंड्या, शिवम दुबे, अक्षर पटेल, कुलदीप यादव, जसप्रीत बुमराह, अर्शदीप सिंह, मोहम्मद सिराज, वाशिंगटन सुंदर, वरुण चक्रवर्ती, रिंकू सिंह।

नामीबिया : गेरहार्ड इरास्मस (कप्तान), जान बाल्ट, ज़ेन ग्रीन (विकेटकीपर), मालन क्रूगर, डायलन लीचर, लॉरेन स्टीनकैंप, जान फ्राइलिनक, जान निकोल लोफ्टी-ईटन, विलियम मायबर्ग, जे जे स्मिट, जैक ब्रासेल, मैक्स हेंगो, बर्नार्ड शोल्ट्ज़, बेन शिकोंगो, रूबेन ट्रम्पेलमैन।

दो दिन बाद अस्पताल से मिली छुट्टी, नामीबिया से खेलने पर संदेह

नई दिल्ली। भारतीय सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा को पेट में संक्रमण के कारण दो दिन अस्पताल रहने के बाद छुट्टी मिल गई है, लेकिन नामीबिया के खिलाफ बृहस्पतिवार को यहां होने वाले टी20 विश्व कप क्रिकेट मैच में उनका खेलना संदिग्ध है। मैच से पूर्व प्रेस कांफ्रेंस में भारतीय क्रिकेटर तिलक वर्मा ने कहा कि अभिषेक के कल खेलने को लेकर अभी फैसला नहीं लिया गया है। तिलक ने पत्रकारों से कहा जब हम दिल्ली पहुंचे तो वह चेकअप के लिए अस्पताल गया था। उसे आज छुट्टी मिल गई है और वह ठीक है। मैच में अभी भी एक दिन का समय है। उम्मीद है कि कल इस पर फैसला लेंगे।

- संजू सैमसन के लिए लय में लौटने का एक सुनहरा मौका

गेंदबाजी आक्रमण खास नहीं है और सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में खेल रही कोई भी टीम उसको छठी का दूध याद दिला सकती है। नामीबिया के खिलाफ मैच खराब फॉर्म से जूझ रहे संजू सैमसन के लिए लय में लौटने का एक सुनहरा मौका साबित हो सकता है, क्योंकि लगातार असफलताओं के चलते उन्हें अपनी जगह ईशान किशन के हाथों गंवानी पड़ी, जो इस समय शानदार फॉर्म में हैं। सहायक कोच रयान टेन डोएशे ने कहा संजू अच्छा महसूस कर रहे हैं और चोटिल खिलाड़ी के स्थान पर टीम में अपनी भूमिका को समझ रहे हैं।

अभ्यास सत्र के दौरान कप्तान सूर्यकुमार यादव। एजेंसी

आज के मैच

टीम	समय
श्रीलंका-ओमान	पूर्वाह्न 11 बजे
इटली-नेपाल	दोपहर 3 बजे
भारत-नामीबिया	शाम 7 बजे

हाईलाइट

बांगड़ ने कहा- बेखौफ होकर खेलना जारी रखे भारत

नई दिल्ली। पूर्व बल्लेबाजी कोच संजय बांगड़ ने कहा कि भारत को टी20 विश्व कप के अपने पहले मैच में अमेरिका के खिलाफ बल्लेबाजों की नाकामी का ज्यादा विश्लेषण करने की जरूरत नहीं है और उसे अपना बेखौफ रवैया जारी रखना चाहिए जिसके कारण उसने काफी सफलता हासिल की हैं। वानखेड़े स्टेडियम में खेले गए अपने पहले मैच में भारत 13वें ओवर में 77 रन पर छह विकेट खो बैठा था, लेकिन फिर भी उसने अमेरिका पर 29 रन से जीत हासिल की। बांगड़ ने जिओ हॉटस्टार के एक कार्यक्रम में कहा मुझे नहीं लगता कि भारतीय बल्लेबाजों को वानखेड़े में अमेरिका के खिलाफ जो हुआ उसका बहुत अधिक विश्लेषण करना चाहिए, क्योंकि टी20 क्रिकेट में आजकल जिस तरह से भारतीय बल्लेबाज खेल रहे हैं उसमें निश्चित तौर पर जोखिम भरा हुआ है।

अनीश ने रैपिड फायर पिस्टल में कांस्य जीता

नई दिल्ली। विश्व चैम्पियनशिप रजत पदक विजेता अनीश भानवाला ने एशियाई निशानेबाजी चैम्पियनशिप में पुरुषों की 25 मीटर रैपिड फायर स्पर्धा में कांस्य पदक जीता जबकि आठवें दिन कजाखस्तान का दबदबा रहा। अनीश का एशियाई चैम्पियनशिप में यह तीसरा पदक है। एड्रियन कर्माकर ने 50 मीटर राइफल प्रोन जूनियर पुरूष वर्ग में और जूनियर पुरुष 25 मीटर आरएफपी में भारतीय टीम ने स्वर्ण पदक जीता। भारत के अब 41 स्वर्ण, 19 रजत और 15 कांस्य पदक हो गए हैं जबकि स्पर्धा के दो दिन बाकी हैं। अनीश और आदर्श सिंह क्वालीफाइंग दौर में सातवें और आठवें स्थान पर रहे थे। कजाखस्तान के पूर्व चैम्पियन निकिता चिरयुकिन क्वालीफायर में शीर्ष रहे। फाइनल में आदर्श चौथी सीरिज के बाद बाहर हो गए जबकि अनीश, निकिता व जापान के योशिओका संयुक्त बढ़त पर थे।

दूसरे सुपर ओवर में दक्षिण अफ्रीका की अफगानिस्तान पर रोमांचक जीत

टी-20 विश्व कप : पहले 187 और 17 रनों पर टाई हो गया था मुकाबला

अहमदाबाद, एजेंसी

सलामी बल्लेबाज रहमानुल्लाह गुरबाज के साहसिक खेल के बावजूद अफगानिस्तान को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ बुधवार को यहां रोमांच की पराकाष्ठा तक पहुंचे मैच में दूसरे सुपर ओवर में हार का सामना करना पड़ा जिससे उसकी सुपर आठ में पहुंचने की उम्मीदों को करारा झटका लगा।

दक्षिण अफ्रीका ने पहले बल्लेबाजी के लिए आमंत्रित किए जाने के बाद छह विकेट पर 187 रन बनाए। इसके जवाब में अफगानिस्तान की टीम 19.4 ओवर में 187 रन पर आउट हो गई। फिर पहला सुपर ओवर भी टाई रहा। दक्षिण अफ्रीका की तरफ से लुंगी एनगिडी ने सुपर ओवर किया जिसमें अफगानिस्तान ने 17 रन बनाए। इसमें अजमतुल्लाह उमरजई का एक छक्का और दो चौके शामिल हैं। दक्षिण अफ्रीका ने फजलहक फारुकी के ओवर में एक विकेट पर 17 रन बनाए। ट्रिस्टन स्टब्स ने आखिरी गेंद पर छक्का लगाकर स्कोर बराबर किया। उमरजई दूसरा सुपर ओवर करने के लिए आए जिसमें दक्षिण अफ्रीका ने डेविड मिलर के दो छक्कों की मदद से 23 रन बनाए। इसके बाद दक्षिण अफ्रीका के स्पिनर केशव महाराज ने पहली दो गेंद पर कोई रन नहीं दिया और मोहम्मद नबी को आउट किया। गुरबाज ने इसके बाद लगातार तीन छक्के लगाए लेकिन आखिरी गेंद पर वह आउट हो गए।

इस जीत से दक्षिण अफ्रीका के दो मैच में चार अंक हो गए हैं जबकि अफगानिस्तान की यह लगातार दूसरी हार है। उसे अगले चरण में जाने के लिए न सिर्फ अपने बाकी बचे दोनों मैच जीतने होंगे बल्कि अन्य मैच के परिणाम भी अनुकूल रहने के लिए दुआ करनी होगी। अफगानिस्तान इससे पहला लक्ष्य हासिल करने की स्थिति में था लेकिन लगातार विकेट गंवाने के कारण उसे नुकसान हुआ। उसकी तरफ से गुरबाज ने 42 गेंद पर 84 रन बनाए जिसमें चार चौके और सात छक्के शामिल हैं। दक्षिण अफ्रीका के लिए एनगिडी ने 26 रन देकर तीन विकेट लिए। इससे पहले रयान रिकेल्टन ने 28 गेंद पर 61 रन की तूफानी पारी खेली जिसमें पांच चौके और चार छक्के शामिल हैं। क्विंटन डीकॉक ने 41 गेंद पर पांच चौकों और तीन छक्कों की मदद से 59 रन बनाए। कप्तान एडन मार्करम (05) के जल्दी आउट होने के बाद 114 रन की साझेदारी की।

सुपर ओवर में अफगानिस्तान पर जीत दर्ज करने के बाद जश्न मनाते दक्षिण अफ्रीकी खिलाड़ी। एजेंसी

संक्षिप्त स्कोर

दक्षिण अफ्रीका 187/6 (20 ओवर)
- मार्क रयान रिकलेटन 61
- क्विंटन डी कॉक 59

गेंदबाजी : अजमतुल्लाह उमरजई 3-41, राशिद खान 2-28

अफगानिस्तान 187/10 (19.4 ओवर)
- रहमानुल्लाह गुरबाज़ 84
- अज़मतुल्लाह उमरज़ई 22

गेंदबाजी : लुंगी एनगिडी 3-26, केशव महाराज 1-27

पहला सुपर ओवर : टाई

अफगानिस्तान - 6 बॉल में 17/0

दक्षिण अफ्रीका - 6 बॉल में 17/1

दूसरा सुपर ओवर: द. अफ्रीका 4 रन से जीता

दक्षिण अफ्रीका - 6 बॉल में 23/0

अफ़गानिस्तान - 6 बॉल में 19/2

खिलाड़ियों से कहा था कि आखिर तक लड़ना होगा

दक्षिण अफ्रीका के कप्तान एडेन मार्करम ने टीम के साथी खिलाड़ियों से कहा था कि उन्हें अफगानिस्तान के खिलाफ 'चुनौती' के लिए तैयार रहना होगा और बुधवार को यहां खेला गया यह मैच टी20 विश्व कप के इतिहास के सबसे रोमांचक मुकाबलों में से एक साबित हुआ। इसे शब्दों में बयां करना काफी मुश्किल है। जीत और अंक मिलने के लिए शुक्रगुजार हूं। मार्करम ने कहा आखिरकार सुपर ओवर में आप अपने बेहतर, सबसे आत्मविश्वास से भरे खिलाड़ी को चुनते हैं। पहले ओवर में लुंगी से ज्यादा गलती नहीं हुई, लेकिन फिर उन्होंने अच्छा स्कोर बना लिया। केशव के साथ भी यही कहानी रही। स्पिनर के लिए यह मुश्किल होता है, फिर भी हमने उन पर भरोसा किया। उन्होंने कहा मैंने लड़कों से कहा था कि लक्ष्य ठीक है, लेकिन हमें चुनौती का सामना करना होगा।

वेस्टइंडीज ने इंग्लैंड को 30 रनों से परास्त किया

मुंबई, एजेंसी

- शेरफेन रदरफोर्ड की विस्फोटक बल्लेबाजी के बाद गुडाकेश मोती ने की घातक गेंदबाजी

शेरफेन रदरफोर्ड (नाबाद 76) के 42 गेंदों में दो चौकों और सात छक्कों की मदद से सजे आतिशी अर्धशतक और लेफ्ट आर्म स्पिनर गुडाकेश मोती (33 रन पर तीन विकेट) की घातक गेंदबाजी से वेस्ट इंडीज ने इंग्लैंड को टी 20 विश्व कप मुकाबले में बुधवार को 30 रन से हराकर अपनी लगातार दूसरी जीत दर्ज की। वेस्ट इंडीज ने छह विकेट पर 196 रन का मजबूत स्कोर बनाने के बाद इंग्लैंड को 19 ओवर में 166 रन पर निपटा दिया।

इंग्लैंड ने लक्ष्य का पीछा करते हुए अच्छी शुरुआत की और सातवें ओवर तक एक विकेट खोकर 74 रन बना लिए थे लेकिन इसके बाद मोती के सामने उसकी पारी लड़खड़ा गयी और विकेट गंवाती चली गयी। वेस्ट इंडीज के स्पिनरों ने 12 ओवर में 94 रन देकर छह विकेट झटक लिए। फिलिप साल्ट ने 30, जोस बटलर ने 21 और जैकब बेथल ने 33 रन और कप्तान हैरी ब्रूक ने 17 बनाये। सैम करन ने एकतरफा संघर्ष करते हुए नाबाद 43 रन बनाये लेकिन इंग्लैंड की हार को नहीं रोक सके। इससे पहले टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए वेस्ट इंडीज की शुरुआत खराब रही और उसने आठ रन तक अपने दोनों ओपनर गंवा दिए। लेकिन शिमरॉन हेटमायर ने 23 और रोस्टन चेज ने 34 रन बनाकर वेस्ट इंडीज को संभाला। दोनों ने 28 गेंदों पर 47 रन की साझेदारी की। इस साझेदारी के बाद दोनों कुछ रनों के अंतराल में आउट हुए।

रदरफोर्ड ने फिर रोवमन पॉवेल के साथ टीम के स्कोर को 128 रन तक पहुंचाया। पॉवेल 14 रन बनाकर आउट हुए। रदरफोर्ड को इसके बाद जैसन होल्डर के रूप में अच्छा जोड़ीदार मिला। दोनों ने जबरदस्त छक्के लगाते हुए टीम के स्कोर को आगे बढ़ाया। होल्डर 17 गेंदों में एक चौके और चार छक्कों की मदद से 33 रन बनाने के बाद आखिरी ओवर की चौथी गेंद पर आउट हुए। रदरफोर्ड और होल्डर ने पांचवें विकेट की साझेदारी में 32 गेंदों पर 61 रन जोड़े। रदरफोर्ड ने आखिरी गेंद पर छक्का मारकर विंडीज को 196 रन तक पहुंचाया।

टीम के साथ जश्न मनाते वेस्टइंडीज के गुडाकेश मोती। एजेंसी

इस तरह की हार लंबे समय तक चुभती है : अफगानिस्तान के कोच ट्रॉट

अहमदाबाद। अफगानिस्तान के कोच जोनाथन ट्रॉट ने टी20 विश्व कप में दक्षिण अफ्रीका से दूसरे सुपर ओवर में मिली हार के बाद कहा कि इस तरह की हार लंबे समय तक चुभती है लेकिन उन्होंने स्वीकार किया कि दक्षिण अफ्रीका ने क्षेत्ररक्षण में उनकी टीम को कमजोर साबित किया। टी20 विश्व कप के इतिहास के सबसे रोमांचक मुकाबलों में से एक में दक्षिण अफ्रीका ने दो सुपर ओवर के बाद अफगानिस्तान को हराया। ट्रॉट ने मैच के बाद प्रेस कांफ्रेंस में कहा इससे साबित होता है कि हमारे पास कितनी शानदार टीम है। हमारे पास कुछ बेहतरीन खिलाड़ी हैं और न्यूजीलैंड के खिलाफ कुछ दिन पहले मिली हार के बाद दक्षिण अफ्रीका से करीबी मुकाबला हारना दिल तोड़ने वाला है। हमें कठिन ग्रुप भी मिला है। दक्षिण अफ्रीका में जन्मे इंग्लैंड के पूर्व क्रिकेटर ट्रॉट ने कहा कि इस तरह की हार लंबे समय तक चुभती है। उन्होंने कहा टीम को अपने प्रदर्शन पर गर्व होना चाहिये लेकिन कई बार इस तरह की हार लंबे समय तक चुभती है। अब अहम यह है कि हम इसके सकारात्मक पहलुओं को देखें और यह भी प्रयास करें कि जहां गलतियां हुई हैं, उनमें सुधार हो। ट्रॉट ने कहा दक्षिण अफ्रीका की फील्डिंग बहुत अच्छी थी। रन आउट, सीमा पर कैच और रन बचाने के प्रयास। जबर्दस्त फील्डिंग और शायद यही फर्क था। ट्रॉट के कोच रहते अफगानिस्तान पिछले टी20 विश्व कप सेमीफाइनल और 2023 वनडे विश्व कप के क्वार्टर फाइनल में पहुंची थी। इस विश्व कप के बाद वह टीम से विदा ले रहे हैं लेकिन अभी इस बारे में उन्होंने कुछ कहने से इनकार किया। उन्होंने कहा टूर्नामेंट खत्म होने के बाद इस पर बात करेंगे। अभी दो अहम मैच खेलने हैं। अभी कुछ और बात करने का समय नहीं है। मैं अभी भी कोच हूं और मुझे यह सुनिश्चित करना है कि दिल्ली में यूएई के खिलाफ हम अच्छा खेलें।

एलिस-जम्पा की मारक गेंदबाजी ऑस्ट्रेलिया ने आयरलैंड को हराया

कोलंबो, एजेंसी

ऑस्ट्रेलिया ने तेज गेंदबाज नाथन एलिस (12 रन देकर चार विकेट) और लेग स्पिनर एडम जम्पा (23 रन देकर चार विकेट) के शानदार प्रदर्शन से बुधवार को यहां ग्रुप बी मैच में आयरलैंड पर 67 रन की जीत के साथ आईसीसी टी20 विश्व कप में अपना अभियान शुरू किया। एलिस ने अपने शुरूआती स्पैल में तीन विकेट झटककर जीत की लय तय की। उन्होंने शीर्ष क्रम को पवेलियन भेजा तो वहीं जम्पा ने मध्य और निचले क्रम पर कहर बरपाया जिससे आयरलैंड की पारी 183 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए 16.5 ओवर में नौ विकेट 115 रन पर खत्म हुई।

आयरलैंड के कप्तान पॉल स्टर्लिंग एक गेंद खेलने के बाद रिटायर्ड हर्ट हो गए और फिर बल्लेबाजी करने नहीं उतरे।

ऑस्ट्रेलिया ने तेज गेंदबाज नाथन एलिस।

आयरलैंड के लिए जॉर्ज डॉकरेल ने सर्वाधिक 41 रन बनाए। ऑस्ट्रेलिया ने धीमी पिच पर टॉस जीतकर बल्लेबाजी करते हुए हरफनमौला मार्कस स्टोइनिस (45 रन) और मैथ्यू रेनशॉ (37 रन) के बीच पांचवें विकेट के लिए 61 रन की अहम साझेदारी की मदद से छह विकेट पर 182 रन का प्रतिस्पर्धी स्कोर खड़ा किया। आयरलैंड की टीम ने लक्ष्य का पीछा करते हुए पावरप्ले में चार विकेट गंवा दिए थे। मिचेल मार्श ग्रोइन चोट के कारण टूर्नामेंट से लगभग बाहर हो गए हैं। पैट कमिंस और जोश हेजलवुड भी चोट के कारण बाहर हैं जबकि मिचेल स्टार्क संन्यास ले चुके हैं तो एलिस ने मुख्य तेज गेंदबाज के तौर पर जिम्मेदारी बखूबी निभाई। एलिस ने इस तरह तीन ओवर के शुरूआती स्पैल में नौ रन देकर तीन विकेट लिए। उन्होंने रोस एडेयर (12), कर्टिस कैम्फर (04), बेन कालिट्ज (02) को आउट किया। फिर जम्पा ने गेरेथ डेलानी (11), लोरकान टकर (24), डॉकरेल और मार्क एडेयर (12) के विकेट झटके। आयरलैंड हालांकि 100 रन का स्कोर पार करने में कामयाब रहा। आखिर में एलिस अपना अंतिम ओवर करने के लिए आए और बैरी मैकार्थी (02) को आउट करके मैच खत्म किया।

ग्रीनपार्क या इकाना में होगा रणजी ट्रॉफी का सेमीफाइनल

देहरादून। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के पिच क्यूरेटर ने उत्तराखंड में देहरादून के राजीव गांधी अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम का दौरा करने के बाद मंगलवार को अपनी रिपोर्ट में यहां के मैदान की हालत को बेहद निराशाजनक बताया है। इससे यहां रणजी ट्रॉफी सेमीफाइनल की मेजबानी को लेकर झटका लगा है।

क्यूरेटर राकेश कुमार ने अपनी रिपोर्ट में स्पष्ट रूप से कहा कि स्टेडियम की पिच और आउटफील्ड का स्तर इतना खराब है कि यहां सेमीफाइनल जैसा महत्वपूर्ण मुकाबला आयोजित नहीं किया जा सकता। निरीक्षण टीम के अनुसार, ग्राउंड का रखरखाव मानकों के अनुरूप नहीं है। सूत्रों की मानें तो बीसीसीआई अब इस सेमीफाइनल को कानपुर के ग्रीनपार्क या लखनऊ के इकाना स्टेडियम में आयोजित करने पर विचार कर रहा है।

तैयारी पाकिस्तान के सलामी बल्लेबाज साहिबजादा फरहान ने कहा- मुकाबले के प्रति टीम बेहद गंभीर

भारत के खिलाफ अलग मानसिकता के साथ खेलेंगे

कोलंबो, एजेंसी

पाकिस्तान के सलामी बल्लेबाज साहिबजादा फरहान ने अपने चिर प्रतिद्वंद्वी भारत के खिलाफ रविवार को यहां होने वाले टी20 विश्व कप मैच को एक आम मैच करार दिया। लेकिन इसके साथ ही कहा कि इस बार उनकी टीम इस मुकाबले में अलग मानसिकता के साथ उतरेगी। पाकिस्तान की टीम नीदरलैंड और अमेरिका को हराने के बाद ग्रुप ए में शीर्ष पर काबिज हो गई है। नीदरलैंड को हराने में उसे संघर्ष करना पड़ा था लेकिन अमेरिका को उसने आसानी से 32 रन से हराया जिसमें फरहान ने एक 41 गेंद में 73 रन की शानदार पारी खेली।

मैच के बाद संवाददाता सम्मेलन में फरहान से भारत के खिलाफ होने वाले मैच के बारे में पूछा गया जो पाकिस्तान सरकार द्वारा बहिष्कार की अपील वापस लेने के बाद अपने

निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार 15 फरवरी को खेला जाएगा।

फरहान ने कहा लगातार दो मैच जीतने और तालिका में शीर्ष पर काबिज होने से आत्मविश्वास मिलता है। अगला मैच भी एक आम मैच जैसा ही होगा। यह पहला अवसर नहीं है जबकि हम उनके खिलाफ खेलेंगे। उन्होंने कहा हम पहले भी उनके खिलाफ खेल चुके हैं लेकिन इस बार हमारी मानसिकता अलग होगी। आपने देखा ही होगा कि शादाब (खान) रन बना रहे हैं, (मोहम्मद) नवाज़ रन बना रहे हैं। उम्मीद है कि आपको उनके खिलाफ हमारा खेल पसंद आएगा। फरहान ने कहा यह एक सामान्य मैच होगा और हम इसे एक अन्य मैच की तरह ही लेंगे। हम यह नहीं सोचेंगे कि यह भारत और पाकिस्तान का मैच है। हम इसे एक सामान्य मैच की तरह ही खेलेंगे।

भारत का पाकिस्तान के खिलाफ रिकॉर्ड शानदार रहा है। उसने हाल में एशिया कप में पाकिस्तान को सभी मैच में हराया था। तब भारत के टी20 कप्तान सूर्यकुमार यादव ने कहा था कि हाल के वर्षों में उनकी टीम के दबदबे को देखते हुए वह अब पाकिस्तान के खिलाफ प्रतिद्वंद्विता को बराबरी का नहीं मानते हैं। फरहान हालांकि इससे सहमत नहीं हैं। उन्होंने कहा मैं ऐसा नहीं मानता।

मेरा आत्मविश्वास और भी बढ़ गया

फरहान से जब पूछा गया कि क्या उनके पास भारतीय तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह का सामना करने के लिए कोई विशेष योजना है, तो उन्होंने कहा मुझे लगता है कि जब आप रन बनाते हैं तो आप आत्मविश्वास से भर जाते हैं। मैं भी बहुत आत्मविश्वास से भरा हूं और जिस तरह से मैंने पिछली दो पारियां खेली हैं, उससे मेरा आत्मविश्वास और भी बढ़ गया है। उन्होंने कहा मैं ऐसा नहीं मानता। एशिया कप में हमने जिस तरह से प्रदर्शन किया उसे देखते हुए मुकाबले एकतरफा नहीं थे। हमने आखिर तक डटकर मुकाबला किया था। उम्मीद है कि इस बार भी हम अच्छा प्रदर्शन करेंगे। पाकिस्तान के लगातार दो मैच जीतने से फरहान काफी उत्साहित हैं।